ण यों मे दैवीय ण एट क् स्म

स्र् की ण कत्

वॉल 1

PICCARRETA (pagesperso-orange.fr)

ण यों को स ्न, पद और उद्शपर लौटन् क् ण लए
बुल न् सक् ण लए व् भस्र न द् बनए स्र ्र्

लुइस् ण पक्ट्

द च्इत्ल द व्इन ण वल

9 स्लकी उम मे , हम् भस्र न अपनी आव्ण अंदर सुन् लस्र् है।
13 स्लकी उम मे उनेंन् अपनी पहली द ण ् की ्र्र्र्ी:
यीशु न् अपन् क उठ्कर उसकी ओर द्ख् और कह् *: "ण, मी सहत् करो!"*

उसी ण स्, उसक् मन मे यीशु क् पक् ण लए पी ण त होन् की एक अतप् इच्

उत्ल होती है। इस समय मे ्न की पहली शी र रक
पी्र्
् भी शुरु होती है, स्र्र् ही स्र् मह आध् औ र न ै ण तक

पी्््
् भी होती है।

16 स की उम मे, यीशु और मररयम द् वककी रई ड्ज़्क् ब, उसन्

खुद को पी॰ त क्प्रस्मे यीशु क् ॰ लए सम॰ पकर ॰ दया्
उस॰ स्, दश कई रन् बढ रए और वह अपन् ्ु न मे यीशु क् क््ो्ं क्

स्ू्ू अ क स् अ कग्ू्. रूए।

उस स् भी, और अपन् श ण्ीवन (अ्ू्ू्ू्ू्ू्ू्त 65 व्ू तक) क् लए, वह न तो ख् सकत् है और न ही पी सकत् है, कसी भी न्जकेो मन् कर सकत् है।

इसक् एकम्रा भ न पा वत य चर रस्है।

यीशु क् ्ूुन क् अपन् क्ूोंू क् , ्ूो और बऔर बहोत् ण्ू रह् है, लुइस् अकरुअपनी इं ों क् उपयोरखो द्ती है।

उसक् शरीर सरखो ण्त् है, कभी-कभी कई दनों तक, णब तक कोई प्रु ी (आमतौर पर उसक् वश सप) नहीं आत्,

आज्र त ् क ् न प र , उस् ् स् ब हर नकर् क् मृतुकी इस अवस ण् लए।

23 सक्की उम मे , अपन् स ्ूयी बस्स आम् शरु करन् क् एक सब (्ूो उसक् प् ्ूीवन तक चल्ू), उस् रहसम्रयण वव की कृप् पहई

यह ववा11 महीन् बस् मे पा वत तम णत ् क ी उ प त स णत म ो न व ी न ी क ृ त कय्

णत ् है। इस अवसर पर उनेईश रीय इच्क् उपह दय् ् है।
णत

1947 मे ग्ण्82 तक पहंचन् स् कुछ समय पहल् उनकी मृतु हो रई ।

- नमो नय् क् 15 दनों क् ब

एकम्रबीमी स् उसन् अपन् प् ्ूीवन मे कभी झ ल् है।

वह भोर मे आ्ू्ू्ू को तद्ती है, णब हर दन, उसक् वश सपन् उस उसकी मृतुकी त स णत स ् व ह र नक्र

लुइस् न् बहत कुछ लख् है। उसन् ऐस् यीशु और उसक् कबकरन् वोंकी आज्र त ् क ् ् कय्, उस पबल ृ्ू्ू पर क ब् प् क् लण्ूो उसन् हम् अपन् ब् मे लखन् और बकरन् की को शश की ्ू्ू्ूी।

उनक् मुख लन " ***सर् की पुसक"*** (सयं यीशु द् सुझ् रय् न) न्क उनक् क ***क् 36*** खंण् है।

व् उसक् ्ूीवन क् ण ्ू्ून करत् है और यीशु क् स्ू्ू उसक् संवदों को स्ू करत् है, ्ूो उसन् चुन् है।

ईश रीय इच्छामे ्ीवन पर उनकी अस्ण और आशय्णनक ण शक ्ओ ं को ज ्रकरन् क् ण लए।

लुइस् की पट्ई क् , 1994 मे ्श कय् स्य् ् ्।

उनक् वश सप्ें मे स् एक, ण न ***फ / Annibale M. Di Francia*** , को ह ही ***मे पोपण ॉन पॉल II*** न् ण नृे ्त कय् ््।

लुइस् ण पक्ट्

द च्इला द व्इन वल 1865-1947 कोट्, बी प््ंत, इटली

ह् प वत तम णत ् ,

हम् पभु यीशु मसीह न् हमे सख्ह क णब हम ् करत् है, तो हम प््न

्छन् च ण ए

- स्र् मे हम् पत् क् नकी म हम् हो,

- क उसकी इच्छ पृथ्वी पर स्र् क् पस्र्मे की ण््एरी और

-उसक् र् हम् बीच आत् है।

उनक् प् ् और श््ं त क् र् को पलक्र्मश्कीतल ह्ट्ए मे, हम वनमल क आपस् अपन् स्थ्क लुइस् की म हम् करन् क् लए कहत् है,

- द च्इला द व्इन वल

ण नोंन् अपनी नरंतर प्् ्न्ओं और अपन् मह क््ो्ं क् उतहक हसक कय् है स््,

-आ्््ओं क् उदक् ण लए e

-इस दु नय् मे भस न क् र् क्अ्क् लए।

उनक् उद्हर क् अनुसर करत् हए, हम प्् ्न् करत् है, ण पुत और पत,

प वत आ््,

-इस पृथ्वी पर अपन् कें को खुशी स् स्ल् लन्् मे हमी मदद करन् क् लए, त ण हम भी,

हम स्र् मे अपन् पत् क् नकी म हम् करत् है e

हम ईश रीय इच्छक् र् मे पस्र्र्स्् ््त

+ क ्ो कसी, आक श प

स्ना

प वत आ त ् द ् म ु ् प र ए क म ह ब लद लय् ् ण् ् त् है।

मु ् ् यह लखन् है क म् और म् पय यीशु क् बीच 16 व् ् स्
अ क की अव मे
क् हआ।

मै क् (1) स् अ भ त महसस करत् हं।

ह् ् ँ क, भ मत होन् , ् मै अपनी क मत् क् अनुस खुद को ल् ् करन् चहत्
क् प ् हँ।

मै यीशु पर व स करत् हँ, म् पय ् ीवनस् ् ् ् ी, ् ो म् क्
को सहन् योग बन् मे सक म होंर्।

तो मै इस् भर सकत् हँ

- भस न की अ क म हम् क् लए e

- पक् लए म् पआ त ् क ् म ह रर क लए है ।

"तो मै शु करत् हँ, ह् यीशु, **तुम मे,** तुम् स् ्, और तमु ् लए । मु ् ्
खुद पर भरोस् नहीं है, ल ण न म ु ् ् आ प प र भ र ो स ् ह ै।

तुम् ण बन् मै कुछ नहीं कर सकत। ्

यह

ल, शुरु अंत तक, कय् ण्

- आपकी सबस् बी म हम् क् लए,

-तुम् लए म् पकी वृ टक् लए और

- मी सबस् बी उल्ल क् ण लए।"

17 स की उम मे, मै दै नक अभस क् म स् क चह ् ्

-ध,

- पुप्क् व भन क् ई

- व भन वैग् क् लए, मै खुद को कसमस प् क् लए तैय करत् हं,

अ्््त्, म् हम्मद लु यीशु क् ण चन् पव् पर।

और यह सब, एक नोव न् की अव क् ण लए।

एक ण वश् तरीक् स्, मै नौ महीनों क् सम्ककरन् च हत् ््

। सक् दौन् यीशु न् ण न्ना ््न क् कुंवी म्ब् मे रहन् चुन् ््

अवत क् ण नरहसपर ण दन मे नौ ण दन एक ण दन मे नौ धकरन्।

ध्ने, मैन् ण वच क् स््् स्स् ण्न ् चुन्। मैन् एक ण ण क पर र्द मे
पण वत ण तम णत ् क ी ्््य
क ल् की,
मव ण्ण त को सबस् ण ृनौन् दुख मे छु्््न् की ण य न् बन् रह् ह,ै । सस,् ण
बन्
दैवीय ््व्ई क्, वह ण र स् नहीं उठ सकत्
, ण्ण् सतंतत् क् एक नय् ण्ीवन ल न् क् ण लए ।

तब मैन् द्ख् ण क ण पत् ण ण ््य ल्है।

- अपन् इकलौत् बट् को ण रती पर भ्ज्न् क् ण लए,

- बच्अपन् ण पत् की इच्क् अनुस, ई

- पण वत आ््् ््ो परु ््ों क् उदक् ण लए अपनी ण्ण् सीकण ृ त दत् ह।ै

इतन् ब् रहस्स् म् प् आश य् चण कत है

- ण दक्व क्ों क् बीच आपसी प ,

-एक णबरदसप

ण दक्व क्ों को एक स्् ब््णं न् और परु ््ों पर ण वण क्करन।्

मैन् तब इनकी कृतृत् पर ण वच ण कय्, ण सन् इतन् मह प को ण नत
बन् ण दय। मै ण ण ््एक ृटं ् क् ण ्य प् ण दन इस अवस ््मे रहत, अस्र
यीशु न् मु्् एक आंतर रक आव् नहीं सुन्ई्ो मु्् बती:

"अभी क् ि लए इतन् ही क् ्ी है।

म् स् ् आओ और तमु म् पके की अन्ग और बी् ेजात्यों को द्खोर् ”।

म् ि वच म् हम्म्दय लु यीशु पर ि वच करन् क् ि लए पर त ि कय् स्र् ्,
ण् ो कुँवी और म्मर रयम क् शुद्धम स्म् मे ि नव स करती है।

मु् ् आशय् हआ ण क हम् मह परमर,

- स् स्व् द् सम णह त न ह ि ि कय् ण् ् सकत् है,

- म् ् ्र्, पु ् र्े ं क् पक् ण लए,

यह इतन् छोट् हो ण् ्त् है और आप इतनी छोटी सी णस्ह तक ही सी ि मत
रहत् है, णब तक ि क आप ि हल नहीं सकत् य् स् ्स नहीं ल् सकत।्

इस ि वच न् मु् ् अपन् न ि ् ्त यीशु क् ि लए प्म् भस्कर ि दय्।

उसन् मुझ् आंतररक रप स् बत्:

"द्खो मै तुमस् ण कतन् पकरत् हँ**!**

दय् क् ि लए, मु् ् अपन् ि दल णरह दो। हर उस चीर स् बहर ण नकलो
मे कछ्ु ो

मुझस् नहीं है,

ि णक ि हल न्- ् ्ुलन् और स् ् ंस ल न् मे ् ् ्ो् ्ी आसी हो।**"**

म् ण दलतब उसक् ण लए पस् कुचल् हआ महस हआ। म् आँसुओं पर
खुली लम्म् द्,

-मैन् अपन् पों क् ण लए क म् म् ्री,

-हम् सब तुम् होन् क् वद् करन्।

ह् ् ाँ क, मु् ् दखन् ् ्

-ि क मैन् ि दन-ब-ि दन वही व द् दोहय् ् और

-वह, म् भम क् ण लए बहत कुछ,

मै हम्उनीं स्ल ण तयों मे प् स्य् हं।

इसस् मु्् बी पी््् हई ह।ै और मै ण चल्

"आह! म् यीशु, आप हम्दुभ्ल्ण् ्् प् ्ी क् प ण त ण कतन् दय लु रह् ह,ै और आप अभी भी कस् ह!ै हम् म्ु पर दय् करो!"

इस तरह म् धक् द्सर् और तीसर् ृंट् बीत स्य्।

और इस ण लए मै नौवे ृंट् तक ण्री । स् मैन् छो््. ण , म् ब् रह,और दु: खद ण वक्् ्ो ं क् ण ् । दय् ््

ह््ं ण क, आव्ण न् मु्् च्नी दत् हए नोव न् ध्य ्ी रखन् क् ण लए कह्।

-ण क अस्र आपन् नहीं ण कय,्

- मु्् कोई नहीं होरी, कोई शण त नहीं होरी।
हत

और मै यह पत् लन्् की को ण शश कर रह् ्््् ण क मै इस् और ब हतर कैस् कर सकत् हं,

- कभी-कभी अपन् ृुटनों पर,

- कभी-कभी णमीन पर दण्ड करे।

णब मै ककर रह् ््् तो कई ब म् पर रव न् मु्् ऐस् करन् स् रोक।

ल णक न म ै अ भ ी भ ी अ प न ् इ त न ् अ च्यीशु को संतु्् करन् च हत् ््।

तो यह ््् ण क मै हर ण दन अपनी प ण वत नोव न् स् ण बत््,

- एक ण दन पहल् तक

-णह््ं म् प्यीशु न् मु्् एक अस म अस्त्सण ण त इ न ण दय्।

ण कसमस स् पहल् की त््ी
।

मै अक्््् और अपन् ध्मनम्रहीन ल्

ण क अचक, मु््

अपन् भीतर एक अस मप् ोश क् अनुभव हआ।

मैन् खुद को बहत ही दय लु बच्चयीशु की उपत स णत म ो प ् ।

वह ण कतन् सुंदर और आकष् ् ् !

ल णक न प्की कमी क् ण लए

- ् ो उस् कृत् ण यों द् ण दय् रय् ् ् ् ,्

- वह ठंण स् क् ् प रह् ् ् ् ।

उसन् ऐस् अ भनय ण कय् ् वह मु् ् च्च् च हत् हो। मै खुशी स् रोम् ् ्
्स चत

् ् ् ् ।

मै तुरंत उठ् और उस् च्च् क् ण लए दौ् ् ् । ल णक न णब मन् ै उस् स्ल्
लन् ् की

को शश की तो वह ख्ब हो स्य्। ऐस् तीन ब हआ और हर ब मै उस् ण कस
नही कर सक्।

मै बहत स्स् मे ् ् ् ् ।

सब प्त्ो ण ्ब्, मै मोहब्बत क् नश् मे ्तु हो स्य्

-यह सब शब्दों मे बय् ् ं करन् म् ण लए मुत है,

-क्यो ं क म् प्खुद को व्यक्त करन् क् सही तरीक् नहीं है।

मै इस ब्स् इन् नहीं करत् ण क मै यीशु द् प्स् पी तरहस्र् ् ंतर रत हो स्य्
् ् ् । यह अस म ज्ह कई ण दनों तक चल्।

र यहण् ीर्ण् ीर् कम होत् स्य्।

लंब् समय स् मैन् ण कसी को इस पर पसीन् नहीं आन् ण दय् ्

उसक् ब म् अंदर की आव्ण न् मु् ् कभी नहीं छो् ् ्। ्सै ् - ्स् ै मै ण ररत्
रह,

म् प्सम प्रक्ब्श्न् मु् ् ण् ् ् ंट क उसन् मु् ् ् र् और ण सख्
मु् ् सब कुछ बहत अच्छ्स् करन् है। ण स्

णब मै स्र स्य् तो इसन् मु् ् नय् स हस ण दय् और मु् ् भ व्नो और अ
क

सतक् रहन् क् वद् ण कय्।

अब हम् भरवन ण्ऱ्री है

-म् स्ऱ्ऱ् अपन् ब ट् क् ण लए एक अच्छा पत् की तरह ककरन् क्

ण लए, खोए हए पुत को सद् पुणक् प् पर लन् क् ण लए ,

उस् अपन् क् मेरस्वक्त लए हम्अपन् ण पत् क् पस सों क् उपयोरकरे,

त णक व ह भ

सब न क् ण लए सम्और मण हम् पैद् कर सक्, e

ण्ो सद् सद्ची मुकुट की तलश मे रहत् है। ल णक न । सोस, मी शम् और भम क् ण लए, मुऱ्ऱ् कहन् होर्:

"ह् यीशु, मै तुम् ण कतन् कृतृ रह् हूँ!"

तब म् अच्और ईशरीय रर न् म् हदय को उन सभी सहों स् मुक करन् शुर कर ण दय्, ण नोंन् उस पर ण यों पर हमल् ण कय् ऱ्ऱ्ऱ्।ऱ्

वह म् प आय् और हम्म् की तरह, आंतररक सर मे मुऱ्स् कह्:

"मै तुम् सब हूँ।

म् पपआपक् ण लए्ो कुछ है, उसक् पक् स्ऱ्ऱ् मै आपक् द् प बबकरन् क् लक हं।

यण द आप अपन् ण वचों, सह और की छोटी सी दुण नय् को नहीं ऱ् है

छोऱ्त्ण यों क् ण लए भन्एँ, मै नहीं कर प्ऊँर्

- पी तरह स् अपन् ण दल मे पवश करे और

- इस् स्ऱ्ऱ्यी रप स् अपन् कब्मे ल्ले।

आपक् ण वचों की ण नरंतर ऱ्ु ण ुस ह ट

यह आपको मी आव्ण को स्पष्रस् सुनन् स् रोकत् है, ऱ्ो मुऱ्ऱ् रोकत् है

-तुम पर मी कृप् बरस् क् ण लए और

-तुमेपी तरह स् म् प्पो पन् क् ण लए। मै बहत ईऱ्ऱ्लुपण त हूँ।

मु्स् व द् करो ण क तुम पी तरह स् म् हो ण्ओर्।
मै तुमस् ्ो च हत् हं, उस् करन् क् ण लए मै ककरंस्।

आप सच बोलत् है णब आप कहत् है ण क आप अपन् दम पर कुछ नहीं कर सकत्। ल णक न णरो मत, मै तुम्ण लए सब कुछ करंस्।
मुझ् अपनी इच्छ दो: यह म् ण लए पय््र्पोर् » ।

वह अकरुपण वत ण भके अवसर पर मु्् इस् दोहत्् ््।
तब मै पछ्् क् स्् रोय् और व द् ण कय् ण क, पहल् स् कहीं ज़्ाै पी तरह स् उसक् हो ण््ऊंर्। और अस् उस पल मे,
- मु्् एहसहआ ण क मै उसकी ण ्् क् मुत णब क क न ह ी ं क र र ह ् ् ् ् ् ,
- मैन् उसस् म्ी म््ंरी और
-मैन् उसस् कह् ण क मै व सवमेउस्प्ण दल स् पकरन् च हत् हं।

यह ण्नत् हए ण क उसकी मदद स् वण ं चत, मै और भी ब्रु कर सकत् ््,
मैन् उसस् कह् ण क वह मु्् न छो््।

यीशु न् मु्् अपन् ण दल मे अपनी आव्ण सुन् हए **मुझस् कह्** :
"नहीं - नहीं!

मै लत् उसक् ब् मे सोच रह् ््् ् ।
णब मै अपन् पर रव क् स्् ब्बीत य् महतहीन य् अन्श्क शब्दे स् ण वच ण लत होत्, तो मैन् तुरंत उनकी आव्ण को मु्स् कहत् सुन्

"मु्् य् बचीत पसंद नहीं है।
व् आपक् ण दम को उअ ण चें स् भर द्त् है। नमे मी ण दलचसी नहीं है। व्

आपक् ण दल को बुरी भन्ओं स् घ ल् है,

ण्ो उन अनुगहों को ण न्भी कर द्त् है, । नकी मैन् तुम पर व्््् की है, व् इतन् ण नबऔर ण ण ््व है। ओह! णब मै न्रत क् ृर मे ््, तब मी सी च ल चलो।

म् ण वच पर ही कब््

ण्ो म् ण पत् की म ण हम् और आ्््ओं क् उदस् संबं त है।

म् मुंह खुल ही रह् ्््

- प ण वत बेकहन् क् ण लए e

- द्सरों को ऐस् करन् क् ण लए ण््ी करन्

-म् ण पत् क् त खल्ण ण कए स्ए अप ण ््ों की मरम्त करन् क् ण लए

इस प् दद् स् ट् हए ण दल आक ण ष त हए, अनुगह स् नरम हए, उनेम् प्गे ल् स्य्।

क्मुझ् आपको उन आध् सम्बोंक् ब् मे ्त् च णहएणों मैन अपनी क ण त म्और ण पत् क् सॉ् ण कए है?

इस ण लए मै आंतर रक पर्स् चुप हो स्य् और सभी भ ण मत हो स्ए ण क मै । तन्
संभव हो उतन् अक्रहन् च हत् ्् ्् ।

मैन् यीशु क् स्म् अपनी क ण ोर रयों को सी् ण कय्।

उनोंन्मु्स््ो कुछ भी म््र, उस् प् करन् मे समय क् ्बंद होन् क् ण लए मैन् उनकी मदद और उनकी कृप् म््री।

मैन् यह भी सी् ण कय् ण क अक्मै बुरई क् अल्कछु नहीं कर सकत।्

और मु्पर ण ्है णब म् ण वच य् म् ण दल कभी-कभी यीशु स् द हो रएऔर उन लोरों मे ण दलचसी लन् लर् ण नेमै पकरत्््।्

अचक और अचक, उसकी आव्ण ण र लौट आई और उसन् शु्सर मे

कह्:

"क् यह तुम् मु्स् पकरन् क् तरीक् है? कौन तुमस् उतन् पकरत्
ॉ ॉ तन् मैन् कय? इस् ण्ण नए

-य दआप नहीं स्कत् है,

"मै व पस ल् ् और तुमेअक्छो् तुम् स्ण नों क् भीतर।"
ल््र द््र

इतनी ण्ट् क् ् ुर् क म् दल ट स्य् है। मै कल स्रर्ई स् रो
सकत् ््् और उनस् क म् रसकत््््।
म्

एक सुबह, प वत भ पक्र्क् ब्जनें न् मु्् दय्

- म् लए उनक् मह पकी स्द ,

- स््् ही चंचल और चंचल पकी द ् ्ो ण य ोक पउसक् लए है। म्
ण दल पी तरह स् ण लय् रय्््। उस समय स,् मैण कसी और स् पनही
कर सकत््््, लणक न व ह अ क ्् ्् ्् ।

उद्हर क् लए, अरर म् दम मे कुछ्अच्आत् है, तो मु्् यह सी्
करन् होर् ण क वह, पहल् इंणन

-इस संप तक् ल्क है e

- ्ो मु् पर अपन् प्द् क् लए ण य ोक ्उपयोरकरत् है।

द्सरी ओर, **य द मुझ पर कोई ््र्ई आ णॉ्ती है,**

मुझ् यह सोचन् च णहए क भरु न न् इस् म् आध् य् शरि रक अच्क लए अनुम त दी है।

इस प्, म् हदय ईश र की ओर आक ष त और उसस् ् हआ महस
््क्र्।

ण य ोम े ई श र को द्खकर उनक् प त म् म-सम्म और बढ ण्त्।

अरर व् म्् पश् करत् ह,ै तो मै ब्महस कर

-उन्हें भरस न क् म स्पा करे और

-यह ण वशस करन् क् ण लए ण क व् मु्् मी ् क् ण लए योग्य् पद करत् है। आ््

याण दर्ग्ीव पशंस् और त णल य ो ं क ् स ््् म ् प आ त ् , तो मै उनक् ण तरस्स्त करत् और मै अपन् आपस् कहत:्

"ण व् मु्स् प्र करत् है। कल व् मु्स् ण रत कर सकत् है ण्ीव चंचल है।"

इस प् म् हदय को एक ऐसी स्तंतत् प्रलेई है। स् मै शब्दों मे बय् ं नही कर सकत्।

म् ईश रीय र्रन् मु्् ब हरी दुण नय् स् अलरकर ण दय्

है, मु्् ण्ण योंस् और स् अलरकरक्

उनक् ण लए ण वचों और स ह स् मुक्त होकर, वह म् हदय क् भीतर को शुद्ध करन् लर्।

उनकी ण ुर आव्ण अक्रम् क्तें मे यह कहत् हए र््-ण्ती ्््ी:

"अब णब हम अक्ह है, तो हमे पश् करन् की कोई बन नहीं है। अब आप खुश नहीं है,

उस समय की तुलन् मे णब आप अपन् आस-प रहन् वों को खुश करन् की कोण शश कर रह् ्््? क्या आप नहीं दख् सकत् ण क म््ु अक्खशु करन आस है,

बहतों को खुश करन् क् ण ््य?

बदल् मे, हम ऐस् क्रह करर ् ्ण क आप और मै दुण नय् मे अक्ह है। मु्स् ्स

ण ्द रहन् क् वद् करो

और मै तुम पर अनुगह उण्ल्र् ््ो तमु ेण वत स्ना करा।्

म् प्र आपक् ण लए बीण य न्एँ है। न्हें मै कल प् कर सकत् हँ

-याण द आप म् द् ्छ् र्ए पश स् ् रख्र है तो e

- याण द आप मी इच्छक् अनस्रह।ै

मै तुम्हे अपन् एक आदश् ि चत बन्न पसनत् ्ो कुछ मै न् अपनी ल्ं्ो्सानु्त् मे ण कय् है, उस सब मे त् मी नकल कर्,

- म् ण न्कक्

- मी मौत क् ण लए।

ि लत् क् ब् मे संद्ह न करे, क्योंि क मै आपकोण्ीर्ण्ीर् ि सख्ऊंर् ि क इस् कैस् करन् है ”।

ि दन-ब-ि दन, ि वश्पर्स् पि वत ि भकेक्ब्,

वह मु््ब्त् रह् ््् ि क ि कस ब् मे ि चत् करनी च णि ए

्ककी दहि लिकोप ि कए ि बन् ,

मु््ि दए रए अनुगहों को और अ क णलदी बन् क् ि लए।

इसक् ि लए, उन्होंन् अक्कमु्स् कह्:

"म् ण लए आपक् हदय मे अपनी कृप् उँण ््ल न् क् ण लए, यह आवशक है ण क आप सयंको यह ण वशस ण दल्एँ ण क,

अक् ,

आप कछ भी करन् मे सकम नहीं है ।

मै अपन् उपहों और अपनी कृप् स् उन आ््ओं को भरत् हं ्ो मी कप्ृ स् ि कए रए अपन् कक् अच्प्भों को खुद को बत् स् ि हचि कच त्

है। मै उन्हे बहत सीकृि त क् स््् द्खत् हं।

ण्ो आ्््एं म् उपहों और म् अनगहों ु को मती है ि क उन्होंनं ् उन्हे अपन् ि लए खरीद् है, व् कई चोरी करत्

है। उन्हे खुद स् कहन् च णि ए :

"णाण्ो म् बरीच् मे पैद् होत् है

- यह म् ि लए ि मद नहीं होन् च णि ए , सीब और दुखी प् ्ी,

-ल णक न व ् उ न उ प ह ो ं क ् प र र ््म है ्ो
मु् पर दैवीय पद् बहत्त मे लुट्ए रए है »।

स रह् ण क मै उद हँ और ्ओं पर कृप् की ण ् बहत् हँ
आ््
्र

- ्ो अपनी श त्कोप्रक्षहै,

- ्ो अपन् ण लए कुछ नहीं हपत,्

- ्ो समत् है ण क मी कृप् स् सब कुछ प् होत् है।

तो, द्ख उनमे क्हो रह् है, य् ्एं
आ््

-न कल मै आभी हँ,

-ल णक न व ् म ो क ृ प ् , म् उपह और म् एहसों को खोन् क् ण र स्
्ीत् है अऱ मै उनेअब और पसंद नहीं करत्।

मै ण दलों मे नहीं उतर सकत्

ण्ो ख्स ्णँल् है और

ण्ो अपन् आप मे इतन् भर् हए है ण क उनक् प म् ण लए कोई णस्ह नहीं

है। व् म् अनुगह को श नहीं द्त् है, और ण ररन् स् लर ण ररन् तक, व् अपन्
ण वन श मे चल् ण्त् ह।ै

इस ण लए **मै इस् ्हत ब च हत् ह**

- य् यह्ं तक ण क लत्**-** नमत् क् क्कर।े आपको

ण््यपर व्बच्की तरह होन् च णह ए ण क, अक्

ृर मे घन् य् चलन् मे असम्,

- उस् हर ण चक्ण लए अपनी म््ं पर ण नभ रहन् पत् ह।ै

मै च हत् हं ण क तुम एक ्च्की तरह म् करी् रहो,

- मै हम्अपनी मदद और सहृत् म््र त् हं,

-अपनी शत् को पहचन्,

- मी तर स् हर ण चीके् इं ्र।"

ऐस् करक् मै छोट् हो रय् और खुद को ण मट् ण दय्। इतन् ण क कभी-कभी

मैन् महसा कय् ण क म् प् अत स्वाभंरऔर खं त हो स्य् है, यीशु की सहत् क् ण बन् एक कदम भी नहीं उठ् सकत् य् एक स््ंस भी नहीं ल् सकत्।

ण वनम और आज्ी बनकर मैन् उस् हर ण चीी संतु्् करन् की पी कोण शश की।

की तुलन्

- ्ीवन की वह ्। सक् ण लए यीशु न् मु्् e . बुल्
अवस ्

-। समे मै हम्स् रह् हं, मैन् दद् स् आकण ण कय।्

मु्् लोरों को द्खकर शम् आती ्््ी

क्योंण क मै दुण नय् क् सबस् ब् ्णप य ो ं म े स ् ए क क ी त र ह म ह स क र त

्््। मु्् ्््

- ्ीवों स् द, म् कमर् मे चल् ण्ओ, ई

-मु्् बत् क् ण लए:

"यण द व् कल यह ण्नत् ण क मै ण कतन् पी हूँ और पभु न् म््ु ण कतन् अनुगह ण दए है, तो व् भयभीत हो ण््त्।

मु्् उमीद है ण क यीशु मु्् नहीं बत्एंर्, क्योंण क अरर उनेपत् होत् तो म आ्हत् कर सकत।"्

इसक् प् , अस्ल् ण दन, ्ैस् ही मैन् पण मे यीशु को गण ह वत स ््न

ण कय्। सैकेट्ल, म् हदय स्वं को इतन् न् होत् द्खकर हण ष त हआ।

यीशु न् मु्् ण्् ण वन शकीत स णत क ् ब ् म े औ र भ ी अ । क बेबत्ईं। सक्

ण लए उनोंन् मु्् बुल््््।

उन्होंने मुझे सुझाव दिए, जो पिछली बात से एकदम अलग थे। मैं सरल तरीके से कह सकता हूं कि यीशु ने अपनी बात मुझसे बदली, उसने मुझमें जो डर पैदा करना चाहता था, उसके लिए एक अलग दिशा को चुना।

यदि वह चाहता तो एक ही बात को अलग-अलग और एक ही चीज़ को अलग-अलग तरीकों से बयान कर सकता था:

"ओह! मेरे दोस्त,

एस आप जिसे वादा है,

तुम मुझसे जो आशा करते हो, उसके अनुसार जीने के लिए मैं कितना कृतज्ञ हूँ!"

मैं अपने वचनों को सीमित करता हूं

-हमने सच्चाई की तलाश की है और

- हमने यीशु ने मुझे जो सिखाया उसके अनुरूप होने की कोशिश की। लेकिन अनर

मैंने अक्सर उस इच्छा को किसी न किसी रूप में खो दिया है।

मैं समझ नहीं पाया कि यीशु ने मुझसे क्या कहा, यहाँ तक कि अंत में भी नहीं।

इसके लिए मैंने खुद को और नम किया। मैंने अपनी अशक्तता सीमित की

बजाय, मैंने और अधिक चौकस और मददगार होने का वादा किया। इस सब के प ,

मैं कभी भी वह अच्छा नहीं कर पाऊंगा जो उसकी पवित्रता के लिए आवश्यक है अगर उसने गलती मी सहन नहीं की होती।

वह अकर मुझसे कहता था:

"यदि आप जीवनमें और मेरे करीब होते, तो आप यह कइतनी बुरी तरह से नहीं करते।

लेकिन चाहते हैं कि आपने सोचा कि आप मेरे बन् कशरू कर सकते हैं, प्री

रख सकत् है और ख् कर सकत् है, आपन् इस् कय्, ल ण न म ी
ि च्क् अनुस नहीं।

इस ण् ्,

आपणों कुछ भी करत् है उसकी शुरुआत मे मी मदद म् ्रे। सु न श त करे क मै आपक् स् ्रा्क करन् क् लए हम् मॉद हं आपण् ो भी करेर् वह ण्् ्त् क् स् ्् प् होरा्

ण्न ले क य द आप हम्ऐस् करत् ह, तो आपको अत्तं वनमत् प होरी। य द आप इसक् वपरीत करत् है,

रव् आपक् पवपस आ ण्एर् और

यह नमत् क् उस सुंदर रत्न ्े अ्पु मे बोय् रय् है »।

इस प् उसन् मु्् बहत पक्और अनुगह दय् और मु्् अ भम क् प की क्स्र् दख्ई।

रव् है

- भरव न क् प त सबस् भ नक कृतृत् e
- सबस् ब् अपमण् ो उसक् स् ् कय् ण्् सकत् है, ् को पी आ््
तरह स् अंण ्् कर द्त् है,
- उस् ब़ी ण म् मे ण ररन् की ओर ल् ण््त् है, और
- वह उस् बब््द करन् क् लए ल् ण्त् ह।ै

उन्होंन् मु्् वह अस्ण ्् र अनुगह छो्् दय् ्ो यीशु न् मु्् दय् ््
- अतीत की तुलन् मे बहत दुख क् स््् e
-भ व्क्त लए एक बाणर मे।

अतीत की क ण त की मरम्तक् ण लए क्करन् है, यह नहीं ण््नत् हए, मैन् अपन् स्वां क् चयन क् वैग् को म्हरूस कया।्

मैन् अपन्   वश सपस् वैग् क्   लए भी कह्, ल णक न व ् ह म ् म ्

  लए सहमत नहीं ् ् ् ् ।

मैन् ो भी तपस् की, वह मु् महतहीन लररही ् ् ी ।

इस लय्

मै अतीत को नहीं बदल प्   और

  क मु् नहीं पत् ् ्   क और क्करन् ह,

मै अपन्   पछल् पें क् ब् मे सोचकर रोन् लर्।

आ खर् मै अपन् हम्नदय लु यीशु की ओर मु्।

उसस् द होन् क् ण र मु् सत् रह् ् , और इस णर स् ण कइसस् म् और भी अ क कीमत चुकी प्ी मु् व सवमियन्की प् ् क क्करन् ह।

कौन कह सकत् है ण क मै ण कतनी ब अपन् ण दल मे यीशु क् प दौ्

- उसस् एक   ्र म् ी म्रं्न् क्   लए,

- आपन् मु् ो कई अनुगह   दए है, उसक्   लए ण नाद e

- उस् हम्न म् प रहन् क् ण लए कहे।

मै अकर उसस् कहत् ् ् ् :

"द्खो, म् अच् यीशु,

- मैन् ण कतन् समय रंव् है और

- मैन्   कतन् ण नाद बब््द   कय्,

णब मै तुम्   लए अपन् पबद् सकत्   म् सवच अ्और म् सब!

् ् ,"

णब   क कुछ बो रंरअंद्ण मे मै उसस् ऐस् ही बेकरत् रह।

यीशु न् मुझ् की णटक लत्   हए कह्:

"मै नहीं च हत्   क तुम अतीत मे व पस   । ण्न

ण्ओ

लो ण क णब एक आ््,

-अपन् पों स् आशस,

- म् तपस् क् संस को पकरक् अपन् आप को नम करे,

- वह मु॒॒ । र स् ठ्स पहंच् स् ज्ञारन् को तैय हो ण्॒ती है।

यह मी दय् क् अपम है और म् पमे ब्ण॒॒ है

- मण सकषरस् अतीत की कीच् उछलन् मे लर् रहत् है।

म् पएक ् को स्व मे ्न भरन् की अनुमण त नहीं द् सकत् है अरर आ॒॒ उ॒॒
वह ण्॒ब् रहत् है

- भय नक ण वच ई

- अतीत क् ब् मे क् ण वच।

ण्न लेण क सब कुछ पी तरह स् भ ल ् क् बभी मु॒॒ वह बुर्ई य द नहीं है ण्न
ण्ो तुमन् की है। क् आपको मु्मे कोई न्ग्री ण दख्ई द्ती है, य् यह्॒॒ तक ण क आपक् पण त कल एक बुर् ह्स्क् संक है?"

और मैन् कह: "नहीं, म् भरवन, मी कतृत्ृ क् प् , ्णब मै आपकी भलई,् आपकी भल्ई और म् ण लए आपक् पक् ब् मे सोचत् हं, तो म् ण दल ट ण्॒त् है"।

और **उसन् यह कहत् हए उतर** ण दय्:

"बहत अच्रा म् बच्चा ल णक न त ु म अ त ी त म े व प स
क्यों ण्॒न् च हत् हो? अरर हम अपन् आपसी
पक् ब् मे सोचे तो ण कतन् बहतर होर्!
भण व्मेकल मु॒॒ खुश करन् की कोण शश करो और तुम हम्मश्॒॒ण त स् रहोर ”।

उसण स्, अपन् आ॒॒ **यीशु को संत् ुस्क्** ण लए, मनै ् अब अतीत क् ब्

मे नहीं सोच। हूँ क , मनै ् अकरु उनस् अपन् ण पछल् पें क् प श त करन्

क् तरीक् ि सख् क् ि लए भीख म्ँरी है।

उसन् मुझस् कह्: "आप द्खत् है ि क मै आपको वह द् क् ि लए तैय हं ो आप चहत् है:

ण्ो कुछ मैन् तुमस् बहत पहल् कह् ्ु उस् य द करन् की को ि शश करो।

म् ीवन की नकल करन् सबस् अच्छी बहै। अब बत्ओ तुम क् च हत् हो।"

मैन् कह, "ह् पभु, मु् सब कुछ च ण्ए , क्यों ि क म् प कुछ भी नहीं है।"

यीशु न् ण र्ों रख् :

"ठीक है, ण रो मत, क्यों ि कण्ीर- ीर् हम सब कुछ करेर्।

मु् पत् है ि क तुम ि कतन् क ोर हो। यह मु् स् है ि क आपको श क् द ढत्

और सब् पहलेण्ो मैन् तुमस् कह् ् वही करो।

मै च हत् हं ि क आपक् पय स ईमद हों।

आपको एक ि र मुझ पर रखनी है और द्सरी आपणों कर रह् है उस

पर। मै च हत् हं ि क आप ण्ने ि क लोरों की उ्क् कस् करे् त ण ,

-णब आपस् कुछ करन् क् ण लए कह् ण्ए,

- ऐस् करे ैस् ि क अनुरो सी् मु्स् आय् हो।

मीण र मुझ पर ण टकी है, ण कसी को **ण** मत करो।

यह द्खन् क् ि लए मत द्खो ि क क्क्दद्र, त, आस य् क ठन

है। यह सब द्खकर आप अपनी आंखे बंद कर लेर्। तुम उनेमु् पर खोलोर्, ण्नकर

-ि क मै तुम मे हँ और

-ि क मै आपक् ककी ण् ंच करत् हं।

"मु्् अकर बत्ओ:

« **ह् पभु,** मु् पर कप ् कर

- वह सब कुछ करे ््ो मै शु**रु्** अंत तक अ**च्ी** तरह स् करत् हं**, ई**

-ण क मै कल तुम्ण लए ककरत् हं।

मै अ् ण यों क् द्स नहीं ्नन् च हत् "।

ऐस् बन्एं ण क णब आप चले, **ब**करे, **क**करे य् कुछ और करे,

कल मी संतुण ् और आनंद क् ण लए क्**क**रे। णब आप ण वर **र्**ो्भ सों को झ लत् है य् चोण टल होत् है, तो मै च हत् हं

-ण क तु**म्**ी ण नह् मु् पर ण टकी है और

-ण क आप मत् है ण क यह सब मु् स् आत् है और ण य ों स ् न ह ीं।

"म लीण एण क आप म् मुंह स् यह सुनत् है:

"मी ब टी**,** मै च हत् हँ ण क तुम ्््ो््् क् सहो।

"इन क््ो् ं स् मै तुमे सुनर बन्ऊँर्।

-मै आपकी आ््् को नई ख णब य ो ं स ् स म ृ **द्**करन् च हत् हं।

"मै तु**म्**ी आ््् पर **क**करन् च हत् हं त णक त ु म म ी त र ह ब न ण्ओ।**"**्

और णब तुम म् **प्**क् ण लए अपन् क् सहत् हो,

-मै चहत् हं ण क आप मु््ण र करे

- आपको यो**म्त्** अ ््त करन् क् ण लए ण **न्**वाद।

ऐस् करन् स्, आप उन लोरों क् ण लए **ल्**ी**पर्**स् क ण त्णत ् क र ो **र्**

-ण सन् आपको चोट पहंच्ई य्

-ण सन् तु**म्**ेक् ण दय्।

तो तुम ण **स्**ी्म् आर् चलोर्।

-य् बे आपको पश् नहीं करेरी, और

"आप ण्ण्् श््ा त को ण््नेर्।"

कुछ समय क् बाणब मै वही कर रह् ्् ् ्ो यीशु न् मु्स् करन् क्ा लए कह

मुझ् वैर् की भन््स् ीा वत रख।

इसन् मु्् सम््

-ा क सभी ा च े

वीर बा लद और सबस् ब् रर ी

अरर व् ***उसक् ा लए प***स् नहीं बन् है तो उनेश म्ण््एर् ।

यान्द वैग् **खक्प्श्शुस्** अंत तक पर त न ह ी ं ह ै, तो व् ब् **औ** बन् योगत् क है।

उसन् मु्् बत्:

"द वह रर ै्ो अ**नरो**को पा त्् दत् है। द क्ा बन्ा कए स्ए क् मृत क्है।

मी आंखे कल द की भम्स्ा कए स्ए क्पर **ध्**दती है। व् अक् म्ा दल तक नहीं पहँचत्।

इसा लए,

-ा **स्न्रे औ**

- अपन् क्को, यह््ं तक ा क सबस् छोट् स् भी, द और बा लद की भम्स् करे।

उने मुझमे, म् स्् और म्ण लए करो ।

यण द व् दोनों मुहरों को नहीं रखत् है, तो मै आपक् क्को अपन् नहीं म्ू्,

आपक् ् ण लदों क् ई

मी मुहर।

च्ुँ क मु्् पर ण ् ् की छण व छपी होनी च णह ए ं ण क ा ् ्् की ण ् म म्म सक्

इसण लए आपक् क् **मे कॉस क् ण**

चनहोन च णहए म् द् सी् ण कय् ण्ए।

"हम अब *ख् करन् क् ण लए क करन् की ण चंत् नहीं करेर*

- ण्ण यों क् ण लए आपक् सह,

-ल णक न **अपन् ण लए आपक् स ह /**

मै तुमे अपन् ण लए मरन्

च हत् हँ त णक तुम ण ण ्र्म्

ण लएर्णों सको।

मै अपन् ्ीवन क् अल्आप पर ण कसी और ण च्को पभ णव त न ह ी ं क र न चहत् ।

यह सच है ण क इसकी कीमत आपको अ क लर्, ल णक न ण हम्त रखे और णरे

नहीं। मै तुम्स्् और तुम म् स्, हम सब कछ्ु करर े ् "।

इसन् मु् आ्-ण वन श क् ब् मे नए ण वच ण दए।

उसन् मुझ् ्त:

"आप नहीं है, और आपको अपन् आप को एक च्छ्स् अ क नहीं सम्न् च णह ए

- ्ो णली स् रर ्रे

-णब आप इस् पकन् की कोण शश करत् है तो यह बच ण्त् है।

अगर आप अपने अंदर मेरा रूप देखना चाहते हैं,

समझो कि तुम कुछ भी नहीं हो ।
इसलिए मैं, आपके सच्चे पतन से खुश हूं,

मैं अपने से कुछ तुम में ड्रॉ करूंगा।"

मुझे यह कहते हुए, मेरे अच्छे यीशु ने मेरे दिल में और मेरे दिल में ऐसी करुणा छाप दी कि मैं ज़रूर रसातल में छिपना पसंद करता। ताकि

- कि मेरे लिए उससे अपनी लज्जा छिपाना कठिन हो, और

- ताकि मैंने अपने को न करना जारी रखा,

आदि

उसने मुझसे कहा:

"करीब आओ, मेरी बाँह पर झुककर आओ:

-मैं आपके समक्ष करूंगा और

-मैं तुम्हें मेरे लिए कर करने, मेरे लिए सब कुछ करने की शक्ति दूंगा।"

असीम प्रेम से प्रेरित होने के नाते,

ईश्वर कल यह इच्छा कर सकता है कि उसके प्रत्येक लिए उसकी विशेषता हो।

अगर तो सब कुछ उसने बनाया

सभी प्राणी के प्रेम से इसकी प्राप्ति के लिए प्राप्त है e

अपने प्रेम की ओर चलना बंद नहीं कर सकता, तो और भी अधिक,

पृथ्वी, जीव

- ने ईश्वर ने बनाया है बुद्धि और इच्छा दी है

- अपने प्रेम को विवश नहीं होने दे सकता,

अगर वह वास्तव में चाहता है कि भगवान उससे प्रसन्न हों।

ईश र द् अपनी छा व और समत् मे ्नस्य् , मनुष्उच्चम प्णॉ्त् पकर सकत् है या द वह स्सं को ल्् करत् है

ईश्वर की इच्क् अनुरप ई

उनक् द् दए स्ए अनुगह क् अन्र ।

या द यहोव् म् नकट है और च हत् है क मै उसकी ब््ंह पर ््क््ं,

या द कल आक्ण स् वह मु्् अपन् पत् की ब हों मे ्ेकन् क् लए पर् त करत् है, और या द वह यह भी च हत् है क मै अपनी सी शत क्उसमे ल् कर सब कुछ अचीतरह स् करं,

क् मै मख् नहीं हूँ?

अस्र मै इस अनुगह को असी् कर द््ं और उसकी ईश रीय इच्क् प त समप्ण न करं?

इस लए मै,

कसी भी अन प् ्ी स् अ

क,

मु्् ण वशस है ण क यह म् क् ह

हम्म् आ्् यीशुाक्अुस करे,

वह सन् मुझ् ्त

"अक्, तुम अंण ्् हो, ल णक न ण रो मत।

म्ई ल्इट, अब पहल् स् कहीं ज़्आपक् म्दश्होर्।

मै तुम मे और तुम्स््् अद्भुत ककरन् क् लए रहंर्। हर चो म् अनुसर करो और तुम द्खोर्।

््््ो ््ी द क् ण लए मै आपक् सन् एक आईन् की तरह ख् रहँर्, और आपको बस इतन् करन् है

- मु्् द्खन् क् ण लए,

- मी नकल करो और

-त णक म ी न र र न ह ट ्।

ती इच्छा म् स्स् बा लद की ण्ृनी च णह ए ,

त णक म ी औ र त ु मी वसीयत एक हो णए। क्आप इसस् सत्ुु है?

इसा लए मी ओर स्ा न्ण्ुुोंक्ा लए तैय रहो, ा वश्क र ाण य ों क स ब ंण मे।"

यीशु न् मु्स् कह्:

" स्र ् हव् ण्ल की पंखुा यों को ा हली है,

इस प्ा वका सत होन् व्छोट् णल को ा दख् रह् है,

इस प् हमी इच्छा अपनी ववकत आा भवा कस् भटक ण्त ी है। "

णब च ण न य ् ँ आ त ी ह ्ै तो म्ुु ्स्ै आर् क् पा करन् च णह ए । क

अरर मै सुबह तुरंत नहीं उठत् , तो मै उसकी आव्ण सुनत् ुो मु्ु अंदर स् बती:

"आप आम् स् आम् कर रह् ुुु णबा क म् पा बस्स नहीं ुुु,

बा ् म् कॉस। ली, णली, उठो! इतन् आ्संत्ुु मत बनो !"

- और अरर मै चल् तो मैन् बहत द दख, उसन् मुुु यह कहत् हए ण्ुुुंट्:

"मै नहीं च हत् ा क आपकी टककटकी आवश्का स् आर् बढ, त णक ठ ो क र न लर्।"

- अरर मै प् ्ी ों ु होत्, ा वा भन ा पौं, प्ुोु् और ण्ुलों स् ा ृ र् होत्, तो वह मु्स्कहत्:

"मैन् तुम् ण लए पस् सब कुछ बन् है, और तुम, म् ण लए पस्, अपन् आप को इस खुशी स् इन् करत् हो।"

-अस्र, चच् मे, मैन् अपनी नह्प वत ्् वट पर टक् दी, तो
वह मु्् यह

कहत् हए ण््््ंट््:

"म् ण सव् तुम् ण लए और क् सुख है?"

- *अरर मै क करत् हए आम् स् बैठ* ण््त्, तो वह मु्स् कहत्:

"आप बहत सण है। आपको नहीं लरत् ण क म् ््ीवन लत् दुखों क् रह्

है!" और, ण वशदप्रस्, उस् संतु्् करन् क्

ण लए, मै ण ी कुस् पर ही बैठ््।

- *अरर मैण््ीर् और आलस स् क करत्*, तो वह मु्स् कहत्:

"णली करो और म् स््् प््न् मे रहन् क् ण लए णली आओ ..."

कभी-कभी

उसन् मु्् एक ण नण श त समय पर एक कसौंप् और मै उस् खुश करन् क् ण लए क पर स्या्

णब म् क नहीं हआतो मैन् उसस् मदद म््ंरी। कई ब उनोंन् म् स्् क करक् मी मदद की है त णक म ै प ह ल ् म ु क्हो सक््, आमतौर पर मनोरणं न क्

ण लए नहीं, बत ् प््न् क् ण लए अ क समय द् क् ण लए।

कभी-कभी ऐस् होत् ्ण क अक्य् उसक् ्ो क मु्् ण दन भर

्् स्,

करन् पत् वह कम समय मे प् हो ण््त् ््।

््

्,

््ोी द क् ब्, मै और अ क श णम ल म ह स क र न ् ल र् और क्मै

अण नण श त कतक प््न् मे होत्।

मैन् कभी ््कय् ऊब क् अनुभव नहीं ण कय, और म््ु इतन् अच्लर् ण क मु्् ऐस् लर् ण क मु्् प््न् स् ्ो ण मल् ह,ै उसक् अल् मु्् और ण कसी ण भ न की आवश्कत् नहीं है।

ल णक न **यीशु न् मुझ्** यह कहत् हए सही ण

कय्: "णली करो, द मत करो!

मै च हत् हं ि क तुम म् प्क् ि लए ख्ओ।

वह ि भ न ले ्ो आपक् शरीर द् अवशो ि ्त ि कय् ण््एर्। ्छो ि क म् प्तुम स्् एक हो ण्ए,

ए

-मी ् आपकी ् क् ् ि मल ण््ए और
आ्् आ्् स्

- हो सकत् है ि क आपक् प् प्म् प्स् प ि वत हो "।

समय-समय पर, णब मै र्ख्््, मैन् ि भ न क् आनदं ि लय् और उस् ख् ण्री रख्।

और **यीशु न् मुझस् कह्** :

"क्आप भल रएहै ण कम् पआपक् ण लए पस् खुद को मरन् क् अल् और कोई इच्नहीं है? इस् ख् बंद करो और ि कसी ऐसी ि चपीर व पस ण्आ्ो आप नहीं च हत् है।"

इस तरह यीशु न् छोटी-छोटी ब्ोंं मे भी मी इच्को मन् की को ि शश की, त णक मै कल उसी मे ्ी सक्।

इस प्, इसन् मु्् पयोरकरन् की अनुम ि त दी

-प ि ् ्ोसी ्ी'अमोर्,

-सभी प ि वत प्और उस् संबो ि त ि कय्।

णब वह ि दन आय् णब मै ि भ प्व्स््् ्, ्मैन् ि दन और त् पहल कुछ नहीं ि कय,्

इस् सव तम संभव तरीक् स् प्क्् लए खुद को तैय करन् क् अल मैन

सोन् क् ण लए अपनी आँखे बंद नहीं की

प्क् ि नरंतर क्क् ि लए्ो मैन् यीशु क् स्् ि कय् ््।

मैन् अकर कह्:

"णली करो, भरव न, मै अब और इं   ्र नहीं कर सकत्। ृटों को छोट् करो, स को त् ्ी स् ण्न् दो, को क म् दल प वत भकी इच्स्   ल हो ण्त् ह"।

और **यीशु न् उतर ण दय्** :

"मै अक्हँ और मै तुम् बन् च हत् हँ। नींद न आन् की ण चंत् न करे।

अपन् भरव न स् द रहन् एक ब लद है - आपक् ्ीवनस्ी, आपक् सब -, ण्ो तुम् लए प्स् ण््स् रहत् है।

आओ और उन अप रों को स नो ण णी व लर मुझ पर करत् है। आह! मु्

अपनी तरह की ह्त स् इनक न करे

ण स ी।

तुम्पकी ण क् न म् स् ई

यह उस कव को आं शकप्स् मट् द् ो कई म् अप्त् है।

मै तुमेतुम्क्ों और क्ों क् स् अक्नहीं दन-त् ब ,
छो्ं मै अपनी कंपनी क् स्स्क्र्

्।"

भोर मे मै यीशु को न्ंसमे पकरन् की एक बी इच् क् स् चच् स्् ्। मै इस इच्क् ब् मे एक शबकह् बन् अपन् वश सपस् संपक् कय्।

एक स् अ क ब उसन् मु्स् कह:

" मै च हत् हं क आप प वत भस् वं चत रहे"। ऐस् मे मै अकरोन् लरती ी।

लणक नमैअपन्ण वश सपको अपन्ण दल की कव्ट को पकट नहीं करन् च हत्ःःःः।

च्ःाँ क यीशु च हत्ःःःःण क मै ण नश्ःक्ण लए स्खं को त्द्ःःं, इसण लए मैन् ह म लीतणक व ह म ी ण नन्न करे।

वह च हत्ःःःण क मै उस पर प् भरोस् रख्ःं वह म् सव च भ्ल्हि।

मैन् अकर उसक् ण लए अपन् ण दल खोल ण दय् और

उसस् कह: "ओह! म् प् प,

- क्यह इस प्र क् णल है ःो हम दोनों न्ण त् कोण लय्ःः?

ण कसन् सोच् होर्ण क इतनी उम्मीदों और ख्वाह श ों क ्ब भ ी म ुः् ्त ु म्ण बन् करन् पत्!

मुःः पत् है ण क मुःः हर ण चीं आपकी ब्नमनी है। लणक न म म ्अ च ुः् ्ब त ओ यीशु, क्मै तुम्ण बन् रह सकत् हूँ?

मुःः वह ्त कौन द, ण सकी म् प अभी कमी है?

क्आपको अपन् सःःःर ल् णए ण बन् चच् छोःःन् क् सहस और ्त मुःमे होरी?

ह्ःां क, मुःः नहीं पत् ण क और क्करन् है।

लणक न आ प , ह् म् यीशु, यण द आप च हे, तो आप यह सब उपकर सकत् है!"

एकब, इसतरहबोलत् हए, मुःः अपन् अंदर एकअसमरम् महस हई। तब मुःमे प की जल्णल उठी और मैन् उसकी आव्ण सुनी ःो मुःः भीतर स् कह रहीःःःी:

"श्ःांत रहो, श्ःांत रहो, मै पहल् स् ही तुम्ण दल मे हूँ । तुम कों ण रत् हो? उद्स मत हो। मै तुम् आँस् ख ुद सुख् चहत् हूँ।

ब ची छोटी लकी, यह सच है, तमु म्ण बन् नहीं रह सकती, है न?"

मै हैन् ़़

-यीशु क् य् शब e

- वह क्य् ो वह मु्मे कर रह् ़़़।

अपन् आप मे न् हो रय्, मै अपन् यीशु की ओर मु़् ् और उसस् कह्:

"अरर मै इतन् बुर् न होत्,

आपन् म् ण वश सपको मु़् हतोतण त क र न ् क ् ण लए पर त न ह ी ं ण कय् होर

ण्स ् उसन् ण कय् ़़ ्! "और मैन् यीशु स् प् ् ् न ् की ण क इस तरह क्

ण वर ो् ् भ सों की अनुम ण त न दे।

क्योंण क, उसक् ण बन्, मै मदद नहीं कर सकत् ़़़़ ल णक न स्लण तय् ़ँ करत् ़़़ और मै खुद को इतन् चबक्मे ण्ल दत।्

च् ़ँण क यीशु मी आ़़़ को प्मे प्न् च हत् है और उस् पक् ण लए पीण त करन् च हत् है, उन्नें मु़् अपन् ़ुन क् अनंत सर मे ्बोन् क् ण लए पर त ण कय।्

एक ण दन, पण वत ण भक्े ब,

यीशु न् सभी पन् मु़् इतन् स ह ण दय् ण क मै चण कत रह रय् और मैन् उसस् कह्:

"यीशु, म् पण त इतनी कोमलत् क्यों,

क्मै इतन् दु़् हँ और आपक् पक् णवब द् मे असम्ण ् हँ? यह ण्ं्नत् हए क मु़् तुम्प पस करन् होर,

मु़् णर है ण क तुम मी उद्सीनत् क् ण ् द्खुत् स्. हो् ़ँण क मै आपको हँ

- बहत अच् और

- आप पर पहल् स् कहीं ज़्द।"

। र, हम्की तरह दय लु, **उसन् मुझस् कह्** :

"म् ण पय, अतीत की ण च ों न् कुछ नहीं ण कय् है, ल णक न त ु मे ्््ो््् तयै
करो। अब मै कपर आत् हं। मै च हत् हं ण क आपक् ण दल म् क दी ्ुन क् ण वशासरमे पाशकस्न् क् ण लए तैय हो।

णब तुमन् व सवकेमेम्दुखकीतीत्रुकोसणलय् है,

तुम उस पको सम् प्ओर् सन् मु्् तब ख् ण लय् णब मैन् तुम्ण लए दुख उठा्

अपन् आप स् यह कहो: "वह कौन है ण सन् म् ण लए इतन् क् सह् है? और मै **क् हँ**, इतन् ृ ण टय् प् ्ी?"

और तुम उसा्ुन क् घ वों और पी््ओं को असी् नहीं करोर् ्ो तमु म् पक् ण लए भुसोर्। पस् पभ णव त ह ो क र ,**तुमी आाँ् उस कको सीककर् ण स् मैन् तुम्ण लए तैय ण कय् है।**

णब तुम उस सब पर ण वच करत् हो ्ो मैन्, तुम्सीन् तुम्ण लए सह् है,

तुम् दुख तुमे छ्स् लर। यह आपको मीठ् लर्् और आप एक ऐस् मुकपर पहंचणएंर् णह्ं अब आप ण बन् क् क् नहीं रह पएरं ् ।"

इन शबों पर मु्् पी्.््् सहन् क् ण लए और अ क

उत्कत् महस हई।

ह्ँण क, म् स्मयह सोचकर क््ँप उठ् ण क मु्् ्ो क् सहन् प््

सह्त्।

। र मैन् यीशु स् प््न् की ण क मु्् ्प्शत कऔर स हस दे और मु्् पय्

उन क््ो्ं क् म स्प्क्उम्कृदे नक् ण लए उनेंन् मु्् बुल्््।

इस अनुर रेक् स््, मै नहीं च हत् ््

उसक् अपम करे, न ही उस मह उपह पद्त् क् लाउठ्एं ्ो वह है।

ल णक न **यीशु,** अपन् सभी पऔर ण ुरत् **मे,** इस तरह सत्ए स्ए ्््ः :
"म् ण पय, यह स्है।

य ण द कोई त्व क्ो कुछ करत् है
वह्ो कुछ भी करती है उसक् ण लए वह पक् पर रवहन महसनहीं करती है,
उस् अपन् कप् करन् क् ण लए पर त न ह ी ं ण कय् ण् सकत् है।

आर्
- ््ो लोरबुर् ण वशस मे कुछ करत् है,
-भल् ही व् इस् प् कर ले, उनेम् इन नहीं ण मल।््

णह्ँ तक तुम्सवहै, म् ्ुन क् पमे ् क् ण लए, तुमेसबस् ऊपर होन पचणह ए
- श््ं त स् और धमे ण वच करे
- वह सब्ो मैन् तुम् ण लए सह् है,
त णक त ् ण ण ््य म् अनरहो,
- ््ो अपन् प्क् पक् ण लए कुछ नहीं बरख

यीशु द् इस तरह पोतणह त ह ो क र ,
मैन् उनक् ्ुन पर धद् शुर कय्, । सन
मी आ््् क् ण लए बहत अच्ा कय।्

मै अपन् आप को आशसकर सकत् हं ण क यह अच्ई मु्् अनुगह और पक्
सोत स् ण मली है।

तब स्,
यीशु क् ्ुन न् म् ण दल, ् और शरीर मे अपन् स््बन् ण लय् है, णह्
आ््
ण्न क् क् ख्ं पकट होंर्।

मैन् अपन् आप को ्न मे ्बा् ण दय्

- ्स् पक क् एक ण वश समु्् मे, ्ो अपनी रम् ण कर ो्ं क् स,््

- यीशु क् ण लए म् प् पको पक त ण कय, । सन् म् ण लए इतन् क् सह।्

ब मे, यह रोत् मु्् स् रप स् सम्एर्

यीशु क्ण् ्य् और नमत्, आग्र त ् औ र द , e

उसन् म् ण लए पस् सब कुछ सहन ण कय् ।

म् और उसक् बीच ण कतनी दी ््््ी , यह द्खकर मै पी तरह स् तबह हो रय।्

। न ण कर ो््ं न् मु्् आ भभ त कर ण दय्, व् उन ण तरसें की तरह लररह् ्््। नेंन् चुपच प मु्स् कह्:

"इतन् ्यै वन भरवन! और तुम?

ऐस् ण वनम परमर, अपन् शतुओं क् ण ीन! और आप?

सभी परोप् क् दत् ्ो आपक् ण लए बहत क् सहत् है! और आप? आप उसक् ण लए पस् कह््ं-कह््ं दुख-दद् ल्हे? व् कह्ं हैं? "

कभी-कभी

यीशु न् मु्् अपनी ् क् दद् और म् ण लए अपन् पक् क््ो्ं क् ब् मे पी्््. बता

और मै आँस् मे बहरय्।

एक ण दन, णब मै ककर रह् ्््् और यीशु क् ् क््ो्ं पर धकर रह् ्््, म् ण सर इस कदर हो रय् ण क मी स््ंसे रईं।
पत णत ्म

म् स्् कुछ रंभीर होन् क् णर स्, मै बकनी पर ब हर ण्कर ण्या ््न करन् च हत् ्् ्् ।

वह् ं मैन् द्ख् ण पर लोरों की भी भी्् रर
क सक

व् म् सबस् दय लु यीशु क् म्दश कर रह् ्् ्, उनेण क्द् रह् ् और खींच रह् ् ् ् ् । ्् ्

यीशु न् अपन् कअपन् कंण ॉ् पर उठ् ण लय् । वह क् स्् ्् ् और ख स् ल् ् ् ् ् ।

वह इतन् दयनीय ्् ् ् क उसन् एक पत हल्

उसन् मदद क् लए मी त उस समय मैन् ्ो दद् महस ण कय्, द्ख।

उसक् ण ् ् न कौन कर सकत् है?

इस भ वह द श्क् मु् पर पन् व्पभक् ्न् कौन कर सकत् ह?

मै णली स् अपन् कमर् मे चल् स्, न ण््न् मै कह्् ँ ््् ।

म् ण दल दद् स् ट रय् और मै यह सोचकर रोन् लर: "आप

कैस् पी ्त है, म् अच्य यीशु! मै च हंर्

-इन पलभणयों स् छट््ुप् मे आपकी मदद कर सकत् है, य्

- आपक् लए दद् और य तन् सहन् क् लए,

आपको हत द् क् ण लए।

ह् म् भ न, मु्् अपनी त स् पी त होन् दो। यह सही नहीं है

- क तुम म् लए एक पी पक् लए इतन् क् सहत् हो, और

"मु्् अपन् ण लए क ुछ भी क् न दे!"

यीशु न् अपनी मीठी पी्् ् क् ण लए म्मु इतन् प णय् ् ण क म् ण लए द ुख न सहन् और भी क ठन हो स्।

मु्मे ्ीवन मे आई यह स्त इच्कभी समन्ी ह्

प वत भ ो मैन् और अ क उतही कुछ नहीं म् ््र: क म््ु इस तरह क्

मीठ् क््ो् ं क् अनुभव करन् की अनुम त

दी ण््ए। उसक ्।

कभी-कभी उसन् अपन् त्ण स् एक क्ांट् ण नककर मु् संतु् ण कय् ो उसन म् ण दल मे ेक ण दय्। कभी-कभी

उसक् ह्ों और पैरों की कीले ण नक कर मु् पर ेक दीं,

ण सन् मु् बहत बी ् दी, लणक न उ क भ ी न ह ी ं। पी् स क ् ब ब र

अन अवसरों पर,

- मु् ऐस् लररह् ् ण क यीशु न् म् ण दल ् ो ् ं मे ल् ण लय् है और ् अपन् ह्

- ण सन् उस् इतनी कसकर ण नचो् ण क दद् न् म्ु अपन् होश खो ण दए।

त णक म ् आ स -पक् लोरों को पत् न चल् ् क्हो रह् है, मैन ण क म् स्ससस् ण वनती की:

"म् यीशु, मु् द्सरों क् द् म् दुख को महस्ा कए ण बन् पी ण ृत होन् की कप् दे"।

मै कुछ समय क् ण लए तृप्ह्आ हँ, लणक न म ् प ो ं क ् । ् , म् क्ों को कभी

-कभी द्सरों न् द्ख् है।

एक ण दन, प ण वत ण भक्ब् यीशु न् मुझस् कह् :

"तुम्दुख म् ् स् नहीं हो सकत,् क्ों ण क तमु मी उपत स णत स ् प ी ण ृत हो। मै

तुमी मदद करँ्। मै तुमेकुछ समय क् ण लए अक्छो्न् च हत् ह। पहल् स्

अ क प स्को्ों ण क मै तमु ् ण लए ह्् नहीं द्ं्

आपक् सम््न करे और हर ण चीभ आपकी मदद कर।ेआप क्करर े ् और अचीइच्स् पी ण त होंर्,

यह ण्नत् हए ण क मी आखँ े तमु पर ण टकी रहरे ी,

भल् ही मै अब आपको न ण दख्ऊं य् न सुन्ं ।

य द तुम म् प त वश सयोगबान् रहोर्, तो म् लौटन् पर मै तुम्मेप ल द्र्।

य दि तुम वश स घ ती हो, तो मै तुम्हे दप्प् आऊँर्।"

इन शबों पर, मै ृबर् रय् और उसस् कह्:

"भरव न, आप ो म् ीवन और म् सभी है, मु ् बत्ओ क मै तुम् बन् कैस् रह सकत् हं, म् भरवन!

मु ् खुद स् क्ह करन् की ्त कौन द्?

कल आप ही मी ्त और म् सह् रह् है, है और रहेर्।

यह संभव है क, अब, आप मु ् अपनी उपत स णत स ् व ं चत, म् स्ण नों पर छो ्न् च हत् है, णब आपन् मु ् ब हरी दु नय् और इसक् स् ् ण्न वी सभी च ों को छो ्न् क् लए आम तत कय् है।

क्तुम भ ल स्ए हो क मै बुर् हँ और तुम् बन् मै कुछ भी अच्नहीं कर सकत्?"

यीशु न् ण्ीर् और श् ं त **स् मुझ् उतर दय्** :

"मै ऐस् इस लए कर्रू त णक आ प स म ् स क े क म् बन् आप क्लक है। नश् ् न करे।

मै यह आपक् अ क अच्क् लए करँू, त णक आ प क ् हदय को नई कृप् प करन् क् लए तैय कय् ण् ् सक् ो मै आप पर बरस्ऊंर्।

अब तक मैन् आपकी पतक रपस् सहत् की है। अब, अदश रपस, मै तमे अपन् स् ् अक्छो ् कर तुमे अपनी श त्क्उंर्।

मै यह सु न श त कर्रू क आप सबस् स्हरी वनमत् तक पहंचे। और मै तुम्आपनी कृप् द् ं र्, सबस् अच्

आपको उन उच्स्रों क् लए तैय करन् क् लए, न पर मै आपक् लए कस्मे हं।

इस लए नश् ् क् ् य खुश रहो और म् ् ण न्द दो,

कों क तनी त् ी स् आप इस त्ण् ्नी समु ् को प करेर्, उतनी ही त् ी स् आप बंदरह् पर पहंचेर्।

मै आपको तनी क ठन परीक ्एं द्ृं र्, उतनी ही अ क कृप् मै आपको पद करुंग्।

हम्मत रखो, क्यों क मै ण ल्दी तुम्हदद् मे तुमे दल्द् आऊँग्।"

इस लए उसन् मु्् आशीव द दय् और व पस चल् गय्।

म् द् महस्स कए गए दद् को कौन क्कर सकत् ्ा्, ्ो ख लीपन म् दल मे ्ृ्ा स रय् ्ो आंस् मैन् ्ब मैन् अपन् यीशु को द्ख्, बहए

ण्ो मु्् आशीव्द द् रह् , म्ु् छो्. रए।

ह्ँ क, मैन् खुद को उनकी परम प वत इच्छ स् इ स ् द् दय् ्।

और उसक् ह्् को ण ब चन् क् ब, स ह्् न् मु्् द स् आशीवद् ्ण दय्, मैन् उसस् कह:्

"अल वद् प वत ण्ीवनस््ी, अल वद्!

अपन् व द् य द रखे क आप ण ल्दी म् प व पस आएंग्! हम्मी मदद करो और म् पी तरह स् अपन् बन् लो"।

और मैन् खुद को ब््ुल अक्े यह ऐस् ् ्ैस् म् लए अंत आ रह द्ख।

च्ँ क यीशु म् सव स ्््,्उसक् बन् अब मु्् और कोई स््ंल् नही ््ी। म् चों ओर सब कुछ अचक कव् दद् मे बदल रय् है।

मु्् लग्त् है क ण्ीव म् मज्उ्् रह् है और ख्वेश भ् मे मु्् दोहर् रह् है:

"द्खो तुम् पी, तुम् ण पयतम तुम् स्् क् कर रह् है; वह अब कह्ँ है?" ण ब मैन् अपन् कमर् मे पी, आर, ण््ल, यह्ँ तक ण क ण्न्-पहच् पतरों को द्ख्, तो यह सब कुछ कहन् लग:्

"क्तुम नहीं द्खत् क य् सब चीरे तुमी पती की है?

आपको उनक् क्को द्खन् क् सौभ ग प्व ल ण क न अ प उ नेनहीं द्ख सकत्!"

और मैन् उनस् कह्:

"ओह! तुम, म् भग्र न क् प् ्ी, मु्् उसकी खबर दो! मु्् ण क मै उस् बतओ
कह्् ढ्ढ सकत् हं!

उसन् मु्स् कह् ण क वह णल्ह्की वपस आ ण्एर लणक न आ प म े स ् क े न म ु ्
बत् सकत् है ण क वह कब वपस आएर मै उस् र कब दख्ूं ्?"

इस अवस ्््् मे, हर ण दन एक अनंत कक्की तरह लररह् ्््।्

त् अंतहीन ृ य््ँ ्््।्ं,्ृटं् और ण मनट सण दयों ् और म् की तरह ््
ण लए वीन् क् अल्कुछ नहीं ल्ए। मु्् ऐस् लररह् ्् ् ण क म ण स्न् व्हं।

म् ण दल और स्क र्ई, और कभी-कभी मु्् ऐस् लस्त् ् ण क म स््स ््
प् अत स्तणम स्य् है, मौत की भम् स् भर स्य् है।

म् पर रव क् सदसें न् द्ख् ण क ण च े ठीक नहीं चल रही ्््।्ं

उनोंन् आपस मे इस ब् मे बहत सी बे कीं और मी पी्््् को एक शीररक बीमी क् ण लए ण मद ठह्य।््

उनेंन् ्ोर द्कर कह् ण क मै ्ॉक्र स् ण मल््ं। यह ण कय् स्य् ्््, लणक न इ स स ् म ु ् ् क े ई ण्यद् नहीं हआ।

म् ण हस्क् ण लए, मै य द करत् रह्

- यीशु न् मु्स् क्अच्व द् ण कय् ््,

- उसन् मु्मे क् ण कय् ््,्

- उनकी कृप् क् अण भ्ष्

मु्् एक-एक करक् उनक् मीठ् और कोमल श्ब य द आ रए।

मु्् उसस् प्करन् क् क् वीय्द दल न् क् ण लए उसक् पैतृक ण तरस्को भी य द ण कय्।

मी ् ती है ण क वह यीशु क् ण बन् कुछ नहीं कर सकती और सब आ्् ण्न
कुछ उसी क् ण् े। वह स्च्आध्ण नद्शक है ्ो मी आ््

्कोा सख्है ा क कैस् प् ््न,
पा वत ा भोऔर ण न्सांस्मी य त् क् म स्ा वनम और ता कय् ण्ए।

यह न पहचन् ण क मु्मे ्ो कुछ भी ण कय् रय् है, वह भरवन की कृप् की अ कत् क् ण ी है, मी ओर स् एक शुद्ध ोख् होर।

उनकी कृप् और उनक् पकक् ण बन्, व सवमे मैन् कुछ भी अच्च नही ण कय् होत: कल बर। ु म् अच्च यीशु क् अल और कौन है। सन् म् ु द ण ु नय् की तुच्च ओ ं स् द ण कय् है?

इसन् मु्मे ण कसमस क् ण लए नोव न् बन् की तीव इच्च

णर्ई, एक ण दन मे नौ धक् स्््

यीशु क् अवत पर ,

ण्ो मु्् स्स् इतन् स् अनुगह और अलौ ण कक रोशनी लए है?

वह कौन सी आंतर रक आव्ण ् ् ् ी ण सन् मु्् च्ची दी ् ् ् ी ?

-ण क मु्् कोई य् त नहीं होरी हत श् ण

"क् होर् अरर मैन् वह नहीं ण कय् होत् ्ो यीशु न् मु्स् ्छ ् ् ् ?"

ण कसन् मु्् प्बच्च यीशु ण दख कर उसस् प्प कय?

यह यीशु नहीं ाँ् सन् म् स् ाँम् ण शक क क् प्र मे क् ण कय,

- मु्् प ण श ण द, - मु्् ्रन्, - मु्् ंटन, ण स् ण्

- म् ण दल को अपन्पद,

- मु्् द और ्न् की स्ची ्ओं स् पभ णव त क र न ् ? वैग, प्् आ््

उसन् मु्मे वह म् खोल दय् ्ो मु्् उसक् ण्न क् ण वश्सम्् ु मे ल् स्। यह उसक् म स्ा् क मन् ै अनभवु ण कय्

- दुख की ण मठ्स ई

- कवर णब मै पीण त नहीं होता।

क् य् सब क उसकी कृप् स् नहीं ण कए रए ्् ?

अभी इस वक

ण्ो मी नस्रों स् हटकर मु् पर मज्ाकरत् है, मै उसक् प् अनुभव करत् हूँ,

उसक् ण बन् मु्् पहल् ्ै स् संवदनशील प्मेहसनहीं होत् ।

-मै अब अपन् धमे पक नहीं द्खत्,

मै अब दो य् तीन ृ्ट् धमे लीन नहीं रह सकत् ।

णब मै वही करन् की को शश करत् हं ्ो मैन् पहल् ण कय् ््, तो म््ु य शब्ब-ब सुन्ई द्त् है: "य ण द तुम म् प ण त ण वश सयोग बन् रहोर्, तो मै तुम्म प ण ण ल द् आऊंर्। य ण द तुम ण वश स घ ती हो, तो मै तुम्मे द प्प््र्।"

मु्् व सवमे ब्ह ा लत् नहीं ण मली है ्ो मु्् तब ण मली ्््ी णब वह म् स््् एक द स्स और ध्द् योग तरीक् स् ्््।

अभकी इस अवस ््् मे मैन् अपन् स् ण दन ण बत्

- लरभर पी कवट क् स््,

- चुपी और ण चंत् मे।

मै यीशु की पतीक् कर रह् ् ्ो अभी तक नहीं आय् है ्ैस् उसन् व द् ण कय् ््

् ् ् ् :

"मै ण ह्ी आपक् प व पस आऊंर।"

णब मैन् अपनी ण वनती दोहर्ई, तो मै लरभर हम् संतु्् ््।

म् ण दल त् ्ी स् ण ्क रह् ््, हूं क प ह ल क ी त र ह अ प भी तरीक् स् नहीं। उसन् मु्् ण बन् कुछ बत्ए, ्््ो्् कठोर परी ण कय् ््।

णब, अंत मे, अभक् समय सम्ह्ो र्य् और मैन् वह सब कुछ समक्

ण दय् ्ो यीशु अपन् सवश् करन् चहत् ्््,

मैन् इस् । र स् अपन् ्ण दल मे महसा कय् :

"मी इच्ाकी छोटी लक्ी, मु्् ण क तुम क्च हत् हो।
बतओ

मु्् बत्एं ण क आपक् स्् क् हआ, आपक् संदह, आपक् ण र और आपकी कण ठन्इय्ं, त णक म ै आ प क ो ण सख् सक् ंण क णब मै द हं तो भण क्मे

आपक् म्दश कैस् ण कय् ण््ए।"

तब मैन् ईमदी स् उस् बत् ण क म् स्् क्हआ ्््:

"भख न, आपक् ण बन् मै अच्ानहीं कर सकत् ््। शरूस् ही धा् मु्् बहत ण्् की। मु्मे आपको यह सब द् क् सहस नहीं ्््।

मै तुम्स णन्मे नहीं रहन् च हत् ््, क्योंण क म्मु तमु ् पक् आक्ण् क् अभ ्््। मैन् ्ो खलीपन और दद् महस ण कय,् उसन् म््ु मौत की पी््् क् अनभवु कय।्

अक ल्ा क् दद् क् मुक बल् करन् क् ण लए मैन् इस् प् करन् की कोण शश की। णब मु्् द हो र्ई तो ऐस् लररह् ्््ण क मै समय कर रह् हं।
बब््द

इस णर स् ण क तुम्लौटन् पर तुम मु्् मी प् लए सर्दोर्, मु्् ण्् रह् ्् ्् ।

मी आंतर रक ् तब बढ र्ई णब मैन् सोच् ण क आप, म् भख न, लत पी्् न्ण्

मै आपक् ण बन् ण नसंसकी मरमत य् दौर् नहीं कर सकत् ्््।

आप मी मदद कर सकत् ्््, ल णक न म ै आ प क ो न ह ी ं ढ ् ् ं ढ
स क ् । अ ब णब

तमु
म् स्् हो तो बत्ओ मु्् क्करन् च णह ए ्् ्् । "

उसन् म्स् कोमलत् स् बकरत् हए म्स्ु कह:

"आपक् इतन् पश् होन् रलत ्््।

क्आप नहीं ण््नत् ्््् ॥ क मै श््ं॥ त की आ्््् हं।

क् मैन् पहली बयह नहीं सु्््ई ्््ी ा क *आपक् हदय ा चं ा तत हो?*

प््््न् मे, णब आप खोय् हआ महस कर,े *तो कुछ भी न सोचे और श््् ा त स् रहे।*

उन ा ्ो ्ेमा नकी ा ह स् आपकी ्न् सीमा है, क्योंा क प््इसस् अ क ध्यांरहोत् है।

- अपम णन त ह ो न ् क ् ा ्य, दखु क् रर ो वश स करे और चपु रह।े

"उस मम् की तरह । स् कतरनी क् च क् स् ह्् खरोंच ा दय् ् है, णब णत
आप अपन् आप को ण हलत्, पीटत् और अक् द्खत् है,

- मी इच्स् इण स ्् द् ण दय्,

-म् ा दल की रूरई स् ण ब्वाद,

-और अपन् आप को पी्््् क् योग पहच।े

मु्् परम्ो,

- आपकी ा नश््एँ, आपकी पश ण्न य ््ँ औ र आ प क ी प ी ्् ््

- म् ् ा कए रूए अपा ् ्ों क् ा लए पशंस्, संतुा ् और क ा त्णत ् क ् स् ब ा लद क्
रूपम
।े

आपक् ण न

तब व् म् ा संह्सन पर सुरा ् की न्ईं उठेर्, और म् प्माय हदय को ठ्स पहंचएंर्।

व् म् पा वत आ््् क् नय् अनगहु और नय् वरद तमु ् ा लय् लएरं ्।

शैत,

आपको ण वनम, ती और अपनी शत्रु मे दृढ द्खकर ,

उसक् प अब आपस् सपक् करन् की ्त नहीं होरी ।

वह ण नश् मे अपन् होंठ क्।

इस तरह ववह करे ई

-आप र र वेर,

-दो नहीं स आपन् सोच्।

" प वत भ को संबंण मे ,

मै नहीं च हत् क णब तुम म् पकी चुंबकीय श क्स् वं चत रहोर् तो तुम दुखी न हो।

मु अची तरह स् पक्ष क् लए अपन् सव श पय स करे और मु प क्ष क् बमु ण नाद दे। मुस् ग क् लए छे और आपकी मदद करे और
ण चंत् न करे।

प वत भ मै तुमे क्क् द्त् हँ,

यह रतसमनी मे म् दुख की छ्म है।

अब तुम इतन् पश् हो तो क

मै तुमे अपन् , क्ट ों और कीलों मे कब भ लन् द्र्?
को

मै आपको यह इस लए बत् रह् हं क्यों क इस समय ो वच मै आपको अ क स् अ क पी क् ब् मे द् रह् ह, वह आपको कम दखु मे अ क सहस द् सकत् है।

णब आप अक होत् है और भ क् बमर ण्त् ह,

उस मृतुपी क् ब् मे सोचो ो मैन् स्तसमनी की व णट क म त म् लए झ ली
ी। म् करीब रहो त णक त ु म अ प न ् द ु ख ो ं क ी त ु ल न ् म ् स क र स क ो।

"यह सच है क आपको अभी भी अक और म् बन् महस करन् होर्।

तब तुमे मु अक और म् सबस् ब् मतों द् पर रत क् दखन् होर्। तुम उने

सोए हए पओर् कों क उनेंन् अपनी प्््न्ओं को छो्् दय् है।

रोशनी क् ण लए मै तुमे द्ंर,

तुम मु् भय नक पी् मे दखोर् ,

एत स्वकण हरील् व्इपर और कुतों स् ृर् हआ है क व् प त न

तक्करेर

पुर्ो क् पछल् प- उनक् व म प

ण्ो आन् व्है, और - तुम् प

इन पों क् ण लए मी तप इतनी भी ी ण क म्ु लर् ण क मै ण रद्ं ख् रय्

हँ। म् दल और म् प् त्वा क्एक प की तरह बंद महसक्कर रह्।

मै अपन् ख इतन् पसीन् बह् रह् क णमीन भीस् लर्। और इस सब म म् ण पत् क् तको ो दो।

बत्ओ, तुमी पी् इस सर पर कब

पहंची? अरर तुम खुद को मु्स् वं चत प्

हो,

- स्ंल्स् वं चत,

- कवट स् भर्,

- दद् और वदन् स् ल, ण र म् ब् मे सोचो।

म् ख को सुख् की को शश करो और मु् अपन् दद् द्कर मी हकवी पी् को द करो।

इस तरह आप कम्ु नयन क् ब र स् म् स् रहन् लरेर्।

इसक् मतलब यह नहीं है ण क आप दद् मे नहीं ।

क्यों क म् अभ अपन् आप मे सबस् क ठन और सबस् कव् दद् है ो मै अपनी पय आओं पर ल् सकत् ह।

यह भी णॉ्न ले ण क आ पक् क् और मी इ च्क् अनुप्र होन् स् मुझ् ्हत

हत और स्ॉल्ा मल्ी ।

'स् संबं त

-आप मु्स्ा मलन् ण्त ् है e

- म् पक् संसे ो आप म् स्् करत् है, उसक् पा ता शोक् क्क् ा लए -
ा स् मैन् आपक्ण लए स ््ा पत ण कय् है ..

ण्नत् है ण क

मै ्ीन् और भुरतन् ण्री रखत् ह

मैन् अपन् नश श्ीवन क् तैतीस व्् मे ्ो कुछ भी सह् है।

-मै नश र लोरों क्ा दलों मे पैद् होन् पसंद करत् हं।

इस प् मै उसकी आर् क् पा करत् हँ ्ो स्स् मु्् व दी पर बा
ल चढ्न् क्ा लए बुल्है।

मै खद को नम करत् हँ

इस ्ीच, - बुल् रह् है,

ा श ा , - ज ा ््क।

« ्ो कोई भी च हत् है वह संसें क् म स्म्प्लेट् ्त् हैा कसी को म
स्ल् द् र्ा कसी को शत क्र :

मै ा पत् स् उनेक म् करन् क्ा लए कहँर्। मै उनमे स् कुछ को समृद्करत्

हं। द्सरों को द्ल मै सभी क्ा लए सतक् रहत् हं।

मै उन लोरों क् बच व करत् हं ्ो बच व करन्

च हत् है। मै उन सभी को दत् बन्हं ्ो दत् बनन्

च हत् है।

मै उनक् स््् ण््त् हं ्ो कंपनी च हत् है। मै लरव और लरव क्ा
लए रोत् हं।

मैण नतआण ् न् ्मे् हँ

त णक स व भ ो म स व्क्रो ण रती पर व पस ल्
ण्् सक्

त णक प र म ण दवा य न्, ्ो ण पत् की परम मण हम् है,
पी हो सक्।

- उनक् ण ् ण्् श द् ् णा ल मे,

-ल णक न य ह उ स ् स भ ी ा ् ण यों द् नहीं ण दय् ख्् है।

यही ण क है ण क मै अपन ् पण वतर्णों वनर्णों त् हं ।

"मु्् ्ीवों क् ण लए म् प अनंत प वपस द् क् ण लए,

मै च हत् हं ण क आप ण दन मे तैतीस ब मुझस् ण

मलन् आएं

उन व् क् सम्करन् क् ण लण्ो मी मवत् न् आपक् और सभी क् ण
लए पृथी पर । य् है।

म् पक् संसमे शणमल हों ,

हम् म् इद् को धमे रखत्हए

-**प** श त करन्,

-मरमत,

-पऔर

- आ््द्ह।

आप य् तैतीस दौर् करेर्

-हम्,

- हर ण दन और

- तुम कह् होर्।

मै उनेइस प् गण करूँ्र मो व् मी पण वत उपत स णत म े ब न ्ए ख्ए
हों।

" **हर सु्ह तुम् पहल् ण वच म् ण लए होर् , पक् कैदी।**

तब तुम मु्् अपनी पहली पइच्चदोर्। यह हमी पहली अंतरंरमुल क होरी। हमे आश य् होर् ण क हमन् त् कैस् ण बत्ई।
तब हम एक द्सर् को पोतणह त क र े र्।

आपक् अं तम वच और शक् स ह म् आशीव््द प कम होर्, मु् मे आम् करन् क् ण लए, म् स्् और म् ण लए।

आप पक् इस अं तम चुंबन को ण न्सांसोश णम ल ह े न ् क ् व द ् क ् स ््् लेर्।
आप पी तरह स् म् पार धकोि त करत् हए, अवसरों क् अनुस अनर त्ओं को सवश् कर सकत् है।

णब यीशु न् ब की, तो मैन् महस ण कय् ण क उसक् अनुगह म् हदय मे बरस रह् है, मो वह मु्् अपन् पमे सम णह त क र न ् च ह त ् ह ै।
म् ण वच भण मत हो स्य् और पक् अप पकमे ण््ब स्य्।

इसन् मु्् पोतणह त ण कय् और उनस् इस प् ण वनती की:
"म् अच्चर कृपय् हम्म् करीब रहे, त णक आ प क ् म ् दश मे, मै हम्अक्सन् क् ण लए तैय रहं।
मु्् सबा दय् स्य् ््
-ण क मै तुम् ् सब कुछ ठीक कर सकत् हं और तुम्ण बन्, मै सब कुछ स् रलत करत्
हं।"

और, हम् कोमलत् स्, **यीशु न् आर् कह** :
"मै इस ण बंदु पर आपको खुश करन् की कोण शश करं्, ् ण क मैन् कई अन ्स

लोरों पर ि कय् है। मु् बस आपकी अच्ीइच्ा ण ए ।

आप मु्स् ि तनी मदद की उमीद करत् है, मै आपको उतनी ही मदद द्ं्र्।"

ओह! वह मु् पर ि कतन् दय लु , म् अच्ायीश। उसन् अपन् व दों को कभी नहीं तो्।

सच मे, मु् यह सी्करन् होर् ि क उसन् हम् मु्स् ि तन् वद् ि कय् ्् उसस् कहीं अ क ि कय। और र मै उस् खशु करन् मे क्ा ब रह्।

उनक् स्् अ ि भनय,

मैन् अपन् ि दल स् ि कसी भी संद्ह य् उल्न को द कर ि दय् है,

भल् ही मु् बत्रस्य् ि क म् अंदश् ो चल रह् ्् वह ि ि ् एक ण्लत् क् पत्न ।

ण् ो ि दन मैन् यीशु क् ि बन् ि बतए , मै ठीक स् सोच भी नहीं सकत् ्। मै द की भन् स् एक भी शब नहीं कह प् ं।

म् मन मे ि कसी क् ि लए अच्ी भन् नहीं ्ी।

णब यीशु म् प् , उसन् मु्स् बकी और मु् उस् द्खन् की अनुम ि त *दी।*

और मु् ण मल

रय्

अरर यह एक असम तरीक् स् एक आ्् क् प आय,्

उसक् प इस आ् को नए और भी कॉस पक्ष क् ि लए तयै करन् क् अल् और कोई ि वच नहीं ।

उसकी र नी ि त है ि क वह आ् को अनगहु स् आक ि षत कर् त ण

अपन् आप को उसक् प स् ्ो ल्।

उसक् लक है ि क आँ् अ् उसक् ि वर रो करं।

एक ि दन, होली क मु ि नयन क् ब् मु् उसक् स्् सोन् क् ्ीत् क् प्क्ष मे

ण्ु्ुव महसस हआ। यह मुु पक् शब्ों स् पश् करत् है ्स:ै **"क् तुम सच मे वह करन् को तैय होणीी मै च हत् हँ?**

अरर मैन् तुमस् अपनी ण्न कब्र् करन् को कह्,

"क् आप म् पक् ि लए इस् अच्छी कृप् क् स् करन् क् ि लए तयै होंर्?"
ण्न लो ि क अरर तमु वो करन् को तयै हो ्ो मै च हत् हँ तो,

- म् ि हस्क् ि लए, - मै वही कर्र ्ो तमु च हत् हो।"

और मैन् कह, "म् प और सब म् क् यह सभवं है ि क आप मुु अपन् स् ज सुंदर, अ क प ि वत, अ क
मनमोहक दे? स्ु ही, आप मुस् क्यों ्छ रह् ह
ि क क् मै वह करन् क् ि लए तैय हं ्ो आप च हत् है?

णब स् मैन् तुमे अपनी वसीयत दी है, एक लंब् समय हो रय् है:

-आपक् द् अ ग ि हत ि कय् रय् है,

-भल् ही आपकी इच् मुु अलर करन् की हो। ह्ु, अरर आप इस् पसंद करत् है तो मै इस् करन् को तैय हं।

मैन् आपक् स् आ्समपण् कर ि दय् है, प ि वत ण्ीवनस्ु् । तमु म्मुे और मु् पश्ो च हो करो।

म् स्ु वही करो ्ो तुम च हत् हो, ल णक न म ु ् ् ह म ्
न ई क ृ प ् द ो , क्यों ि क अक् मै कुछ नहीं कर सकत् »।

और **यीशु न् मुझस् कह्** :

" **क् तुम सच मे वह करन् क् ि लए तैय होणीी मै तुमस् म् ांरत् हँ?"**

इस सव पर, ्ो उसन् मु्स् दसरी ब ्छ, मै कुचल् और तबह महस कर रह्ु ु ।

और मैन् उसस् कह्:

«म् हम् अच्छ यीशु, मी श त्मे मै ह्र श्वीत यै मुल्लह हां तु मु ् पर

शक करत् हो, णब ि क मुु तुम पर प् भरोस् है। मुु लरत् है ि क

मी आ◌्◌्◌् उन सभी परीक ◌्ओं को प्रकरन् क् ण लए तयै है, । ने आप प्रस्तुत करन् क् ण लए तैय होंर्।"

यीशु न् ण ◌्री रख

◌् : "बहत अच्छा मै आपकी ◌् को हर उस दो◌् स् शुद्ध करन् च हत् हं ◌्ो म

आ◌्◌्

प्रो ब्ण ◌्◌् ण्◌्ल सकत् है।

मै ण्◌्नन् च हत् हं ण क क तुम सच मे म् प ण त ण ◌्◌्द हो, म् होन् क् ण लए क् ◌्ी है। और तुम मु◌्◌् कों ण दरव्ह हो ण क ण्◌्ो कुछ तुमन् मु◌्स् कह् वह सच है,

मै एक बहत ही कव् युद्ध मे तुम्ी परीक ◌् करूँर्। आपको ण रन् की कोई ब नहीं है और आपको कोई नुकस नहीं होर्।

मै त् ह्◌्◌् और त् बल बन्◌्ंर्, और मै ती ओर स् ल्◌्ंर्।

ल्ई तैय है। दुश्मा अंण ◌् मे ण छप् हए है, एक खी ल्ई मे आपस् ◌् क् ◌्र लए तैय है। लन

मै उने ण ◌्◌्दी द्◌्ंर्

- आप पर हमल् करन् क् ण लए,

- तुमे सत् क् ण लए,

- आपको ण कसी भी तरह स् लुभन् क् ण

लए, त ण क णब आप र रह् हों

अपन् र रो क् ह यों क् स्◌्, ◌्ो आप उनक् दो◌्◌्ं क् त खलण् करर ◌्, आप उन

पर हम्न क् ण लए ण ण य पव्क्र्मेस्म म होंर्।

तब आप अपन् आप को अ क स् अ क र र ं क् कब्मे प्एंर्।

"और न कल मै आपकी आ◌्◌्◌्◌् को नए र र ं और उपहों स् समृद्ध करूंर्।

मै खुद को भी तमे द् दॅर् ◌्।

इसक् ण लए ण हम्न की ए

कों ण क **आपकीणर्ोंत क् ब मै आप मे अपन ◌्**

स **◌्ॅ**

्यी और स ्यीं

ण नव सस ्ाॉ पत करंस्।

तब हम हम्नक् ण लए एक हो ण्ंएंर्।

यह सच है ण क मै आपको सब ण मट करंर

- एक बहत ही रंभीर परीक ् क् ण लए,

-एक उग और खी लई क् ण लए,

क यों ण क ण दन और त् मे दु्््््एं त्् न तो चनै और न ही चनै दरे ी।

मी वसीयत आपको पी तरह स् म्ैस् बन् दी।

णीँ त न ् क् कोई द्स र् स् ् न हीं है, कोई द्सर्

स््नहीं है। आपको बमे अच्इन ण मल््।"

मै ण ््न नहीं कर सकत् ण क म् णर और ण नश्् क््््ी।

म् अच्ायीशु को सुनकर क्स ों क ् त खल्इस उग ल्ई की भ ण व्् ्ी की।

मैन् महस ण कय् ण क मी नसों मे ख णम रय्है और म् ब ण सर् पर ख् है।

मी क्ल्नक् भतों स् भरी ्््ी ्ो मु्् ण ंद् ख् ण््न् चहत्््। मै पहल् स् ही हर तर स् कस ी आ ््््ओ ं स ् ण ृर् हआ महस्सकर रह् ््।

इस संकटप्ण््त स ण्त म े, मै यीशु की

ओर मु्् और कह्: "म् भरवन, मु् पर दय्

करो, कृपय्।

मु्् मी आ्् ् क् स् ् इतन् ण नश् मत छो्ो। क्तुम नहीं द्ख सकत् ण क स्समे मु् पर द् ण्ल रह् है। व् मी ण ्ल भी नहीं

कछ्छो्े्र्।

अरर आप मु्् छो्. देर् तो मै इसक् ण व् र रोकै स् कर सकत् हं?

तुम मी शीतलत, हो।

मी चंचल आ्् ् और मी
असंरा त को
ण्नत्
मै इतन् दु्् हं ण क तुम् ण बन् मै नुकस क् अल् कुछ नहीं कर सकत।्

म् भल्, मु्् कम स् कम कई नए अनुगह दे, त णक म ै अ ब आ प
क ो न ्ा ् न्ाकरं

क्आप उन क््ो्ं स् अवस्त नहीं है ्ो मी आ्््् को पी्् दत् ह?ै

यह सोचकर ण क आप मु्् इस शैती पा कय् मे अक्छो्् सकत्
है, मु्् णत्् है।

मु्् ऐसी ल्ई मे श णम ल ह ो न ् क ी ् त क ो न द ?

दुश्ापर ण ण य प् क् ण लए ह्ला ण नद्श क् ण लए मै ण कसक् पअपन्
अनुर रो भण््ं?

"ह् क यह हो सकत् है, **मै आपकी पा वत इच्ाको** दत् हं ।
ण **आशीव्र्**

अपन् शबों क् स्, और

मी परम पा वत म्ँ न् महदुत स ् ो कह् उसस् पर त ह ो क र , मै आपको
पणअपन् प् ण दल स् कहत् हँ:

यीशु न् उतरण दय् :

"स्मत की ए।

- तुम् पत् है

ण क मै कभी भी क्स ों क ो आ प क ी क मत् स् पर् आपको लुभ न् की
अनुम त नही द््र्।

- तुम् पत् है

ण क मै ों स ् ल ् न ् व ी आ ् ् ् ् क ो क भ ी म र न ् न ह ीं द ् त ।्

कस्ासव मे

मै पहल् ् की श क्क् न्ासहं ,
आ्् ््क

मै उस् अपन् व म अनुगह दत् हं,

तब मै उस् युद्मे ल् ण््त् हं।

अरर कोई आ्् समय-समय पर ण ररती है ,

यह कभी नहीं है क्योंि क मै उनकी ि नरंतर ्ओं द् ्री रई मी कृप् प््््स् इन् करत् हं , म्

ल णक न क्योंि क यह म् स््् ए
ुट नहीं रह्।

णब ऐस् होत् है, तो आ्््् को भीख म््ँरनी पती है

-म् पक् पि त अ क संव दनशील होन् क् ि लए,

-ि सस् यह ट स्य्।

उस् इस बक् अहस्न नहीं ्् ्ि क ि ि ्् मै ही इंस क् ि दल को अपन् ि दल तक भर सकत् हं।

णब आ््् अपन् ही तक् स् भरी होती ह,ै

आत्र त ् क ् ि नि श त म् स् भक्न् ,

ि व्हश स करन्

ि क उसक् ि ि ्य मी तलनु ् मे अ क सटीक और अ क सतिुं लत ह।ै

अपतणश त परस्, यह तब ि र ण्त् ह।ै

इसि लए मै इस बपश्ोर द्त् हं ि क सबस् बढकर,

- **आप लर् प्ॉ्ॉ्न् मे है** ,

- भल् ही इसक् मतलब मौत क् दुख हो।

ह्ँि क, उन ् ्ओं की उ्क् न करे ्ो आप आमतौर पर करत् है। णब प् ् न

आप ि वश् परस् खतर् महस् करत् है,

मुझ् ि वश स्वक पॉ्न् क् स्ॉ्ुल्ओ , और ि नि श ंत रहो ि **क म तुमी मदद कर्र्** ।

मु्् च णह ए

-ण क आप अपन् ण दल अपन् ण वश सपक् ण लए खोले और

-ि क आप उस् वह सब कुछ बत्एं ्ो अभी आप मे हो रह् है, स््
ही वह सब कुछ ्ो भ ्मे होन् च णह् ए , ि बन् ि कसी ि चकी
उ्क् ि कए।

वह आपको ि बन् द ि कए वही करे ्ो वह आपको बत्
है।
्र् ण तन् ण क
य द रखे ि क आप ृन् अंण ््र् स् ि ृर् रहेर्, उतन्
ही ृन् अगं एक अंण ्् व कद् अनुभव ि कय्
स्य।

अपन् ि वश सपक् ि नद्शों क् प ि त आपकी आग्र त ्

ह ो री मदद करन् व् ह्् ्ो आपक् म्दश कर््,
आंखे, ्ो पक और हव् की तरह, अंण ््र् को ि ततर-ि बतर कर देरी।

ि बन् उन्क युद मे पव श करे। शतु स् बहत सच त है
्त और
सहस
उसक् प ि तदंदी क।

यि द आप ि ्न ्ि कसी भय क् शतु क् स्म्
करत् है, आप स्स् ि हंसक ल्इयों क् सन् करन् मे सक
म होंर्।

णर् हआ और णर् हआ,
कस ा र भन् की को ि शश करत् है,
ल णक न व ् ऐ स ् न ह ी ं क र स क
त ् कों ि क उनेमी इच्स् एक बी और अप ि म क ् ्
ि लए ि ब ि कय् स्य् है।

बह्दुर बनो। यि द आप म् प ि त ि वश सयोग है, तो मै आपको उन पर ि ि
य प करन् क् ि लए शत कऔर पचुर अनुगह स् भर द््ंर् ”।

मु्मे ्ो पर रवत हो रह् ्मु्् णक ल् है!

् उसक् ा ््न कौन कर
सकत् है? ओह! क्प खौ

मी तरह क् यीशु क् ि लए पा् ो मैन् एक पल पहल् इतन् ि बमहसू
ि कय् , अचक भयंकर ि ् ् मे बदल ग्य, ि सस् म् ु ् अि ्नीय्पी् ् हई
।

मी ् को यह सोचकर पी् ् हई ि क यह ईश र् ो मु् पर इतन् आ् ्
दय लु अब ण् ् करत् है और ण नन्करत् है ् ि क वह एक ् ्, ्स
अट शतु हो।

मै उसकी छ ि व को नहीं द्ख सक्, क्यो ि ं क मु् ् भय नक स्प आ रह् ् ्।

मी ् ् को अपन् ह् ् ् ो् ं मे पकन् और उन्हे टकों मे चा् मे ् न् मु् ् अलर असम्त
कर ि दय। म् अदरं क् इस प ि तर रोम् म् ् ु ि सर स् प् ं व तक क् ंपन् पर ि ब
कर ि दय्। ओह! म् भग्व न, क्य तन्!

म् मन् है ि क य ि द नक् मे दुख न होत् तो ईश र स् प न करन् क् दुख नरक बन ण् ् त्। तो नरक भय नक ् ्, है और रह! ्

कभी-कभी दैत्म् स्ग् व् सभी अनुगह रख द्त् ् ् ् ् ो ईश र न् मु् पर ि दए ् ् ्,
ि सस् मु् ् ऐस् पतीत होत् ् ् ् ि क व् *मी क ल् क् शुदआ ि व प्य* ।

और उन्होंन् ् ोर द्कर कह् ि क म् एक स्वंत और अ ि क
आमदक अ ि स्ति है। णब ि क, अतीत मे,

अनुगह मु् ् व स ि वक लररह् ् ् ्,

दु् ् ् ् ओं न् अब मु् ् यह कहत् हए बोय: क्तमुउस मह भलई को द्ख्त् हो ् ो यीशु तुम् ण लए चहत् ् ् ् ?

द्खे ि क आप उसक् अनुगह क् प ि त प ि त ि कय् करन् क् ि लए ि
कतन् पुरस्कृत हए है! उसन् आपको हम् ह् ् ् ् ो् ं मे छो् ् ि दय्, ्ैस् आप योग्य है।

अब तुम हम् हो, पी तरह स् हम्। यह आपक् ि लए सब ख् हो ग्य् है! तुम हम्
त खलौन् बन रए!

अब कोई उमीद नहीं है ि क वह आपको ण र स् पकर् ।"

ण्स ्ा क मैन् ््ो्ं मे एक पा वत छा व ण ््र की,
अपन् ह्

मै, आकोश और हत श् स्, उस् अलरकरन् क् लए तैय इतन् करन् क् ा ब मै रोत् हए आंस् बह्ती रही और णट् टुकों को चती रही।

अस् उनेंन् मुस् छ् होत् क य् च कैस् हईं, तो मैन् ऐस्

कह् होत् क मै ई नहीं ण्नत्

क मु ऐस् करन् क् लए ब कय् रय् । अब मै आशसहँ

- क उनेअलरकरन् क् कशैत की ओर स् ब क ब् बल क् स् आय्

- क म् चुंबन मु पर ककरन् व अनुगह क् पभ।

इसक् तुरंत ब म् स् क हो रह्, इस पर चतनं करत् हए, मन् महस कय् क मी आ दद् स् तप रही ह। यह दखकर् क उनेनं क कय्,
कस ों न् वश स कय् क व् ीत रए है और आनं दत है।

उनेंन् म् उपह्स कय् और, नकीय चीखों और शोर क्, उनोंन् मुस् कह स्

"द्खो तुम हम् कैस् हो रए!
हमे बस इतन् करन् है क आपको शरीर और आ को नरक मे ल् ण्न है, और यही हमण ीकरेरा"

ब च् दव मी मे नहीं द्ख सकत् । **वहाँ मै हम्यीशु क् स् आ**

,

- सक् लए म् पशुभकाओ क् सर और

- सक् लए मै लत् रो रही ी और तसीर क् टुकों को चरही ी। णब उनेंन् मु करत् और णमीन पर दपा करत् द्ख् तो व् को त हो प् रए।

समय-समय पर व् मी पोशापहन ल् य् उस

कुस् को   हल् द्त् ्ि   ् ।   स
  पर मै ्ुकी होती ्ि्ि ी। कभी कभी वो मु्ि ् इतन् ण त्ि ् ्ि्ि

  -     क मै प्ि्ि्ि न् करन्   ल स्य् और

-ि क मु◌्◌् ि वश स होन् लर् ि क मै खुद को उनस् मुक्त कर सकत् हं। य् बे अक्सर त् मे होती ◌्◌्◌्ी◌् णब मै ि बस पर होत् ◌्◌्।

सो ण ◌् क् ि लए, मैन् म ि सकपर स् ◌्न् की।
◌ॉ प◌्◌्

ल णक न णब उने पत् चल् तो उनोंन् च दर और त ि कए खींचकर
मु◌्◌् पत णत् ण कय.◌्

तो, सोन् क् ि लए अपनी आँखे बंद करन् मे असम◌्, मै एक ऐस् ता कक् पर मे णत् रह् ◌्ो ण्नत◌् है

-ि क एक दुश्मा सन् अपनी ण्न ल न् की कसम खई् ह,ै वह बहत करीब ह,ै

- घ तक ◌्टक् द् क् ि लए सही समय क् इं ◌्◌्र।

णब व् मु◌्◌् नरक मे ल् ण◌्न् आए तो मु◌्◌् ि वर रो करन् क् ि लए अपनी आँखे खुली रखन् क् ि लए ि ब होन् प्।

इस म्ण मे म् ब सुइयों की तरह ि सर पर ि र प्। म् प् शरीर ठंण◌् पसीन स् ढक् हआ ◌्◌्

-ि सन् म् ख को ठंण◌्◌् कर ि दय् और

- मु◌्◌् मी हण ों क् मर मे ◌ृ◌ुस् ि

दय्। मी णरी हई नसे ऐंठन् लरीं।

उद्हर क् ि लए, एक कुएं क् पस् र र ◌्

मु◌्◌् अपन् ◌्ीवन सम क्स क् ण लए खुद को न् की सरखा स

◌् क महस हई।

क्सों क् कौशल स् अवरत,

मै भ रय्, ण कसी भी अवसर स् बचन् क् ण लए उनोंन् मु◌् पर हमल् ण
कय् होर्।

ह◌्◌ँ ि क, मै बुर् शब्द सुनत् रह् ◌्स्:

"इतन् पकरन् क् बतुम् ्ीन् व् ह।ै

"त् परम्न न् तु् छ ो् ण दय् है, क्योंण क त् न् उस स् ण वश सघ त ण कय् है।"

कस ों *न् मु् ण वश स ण दल् ण क मैन् कई बुर् अप ण पाकए है*, ो पहल् कभी नहीं ण कए ्, और *इस ण लए म् ण लए यह आश् करन् ब् ् ण क भख न मु् पर दय् करेर्।*

अपन् अत स्वाकी स्वरई मे मैन् महस्म ण कय्:

"आप परम्न क ् प ण त इतन् ण ् ् ह ्, उसक् प ण त शततुठंण्? क् आप इस ईश र इतन् त् है । स् आपन् य तन् दी है, को ण्न ईश ण नंद् की है और उसस् बहत ण ् की है? क् आपन् इस मह ईश र को अपम ण्न त क र न

की ण हम्तकी, ो आपको चों ओर स् घ् हए है? और मत भलन् ण क त् न् उसक् स्न्उस्की ण न्न्की?

अब णब तुमन् इस् खो ण दय् है, तो तुम्हेश् ं ण त कौन द्?"

इन प भ ् ं को सुनकर मै इतन् व्य त हआ ण क मरन् क् कर् पर ्।

ण् मैन् रोन् शुरू कय्, तो मैन् । तन् हो ् न्

सक् प् ्की। म् आतंक बढ्न्

क् ण लए,

- ों न् अ स म ण्ूरी रख्,
कस ठी ्न

- म् शरीर क् हर ण हस्मे ल् रह् है,

- ण सुइयों स् म् शरीर मे ्ुसन्, ई

- म् रल् मे ्ुटक र मु् लरत् है ण क मै मर रह् ्।

एक ब, णब मै स् ् ंर ण ् म कर रह् ् और अच्छ ् न् कर रह् ् यीशु स् प्

-मु् पर दय् करन् और -नई कृप् क् स् ् म् सम्

्न करन् क् ण लए

त णक म ै ब ु र ् उ क स ् क ् ण वर रोकर सक् ्ँ

मैन् महस ण कय् ण क म् पैरों क् नीच् की ण रती खुली हई है और णमीन स् ल लपटे ण नकल रही है और मु्् घ रही है।

और ण स ण य् लपटे श्् त हईं,

कस ों न ् म ु् ् र सल म े ख ींच न ् क ् ण हंसक पय स ण कय्।

इस अनुभव क् ब, सै ् ण क कई अन्ललोरों क् बमैन् महस ण कय् ण क मृतु क् कर् पर हं,

म् दय लु यीशु मु्् पु ण म वत करन् और पु ण ्् ण वत करन् क् ण लए ् ण

आए।

मु्् पु ण ् ण वत करन् क् ब,

इसस् मु्् एहसहआ ण क म् स्् ्ो कुछ भी हआ उसमे कोई अप ण न् ही ््, क्यो ण ंक

- मी इच्छ क् प ण त् होर् e

- ण क पकी छ्क् ण वच न् म् दुख को और बढ़ ण दय्।

उसन् मुझ् शैत क् स् ्ॉव ह न करन् क् आरह ण कय् , ्ो एक ण् ंस्ली
औ र झठ ्ोलन् वी आ ्ॉ ्ॉ ्ॉ ्ी।

उसन् मु्् बत्:

ण्य ् रखे और इन सभी असु ण ं को झ लत् रहे। ण ्ओ

क्यों ण क अंत मे आपको प्णॉ् श् ्ॉ त ण मल् ी।"

। र वह प्यर हो स्य,् म् ्ु अक् र और **एक नई आॉ् क** छो् क

ण नव स ण कय।्

सम्य-सम्य पर यीशु स् ्त न् क् शब्दों क् स् ् म् प आए, खसकर णब

-मु्् भी अपनी । ंदरी ख् करन् क् ल्ग ््

-नई और अचक शैती पी्ो्ो्ओं क् संपक् मे।

इन अवसरों पर मु्् सब कुछ उलझ्और उलझ्ण्् लस्् ््।

इसन् पक्की अलौ क क क र ो्ं क् उण ्न कय् और स अ भव क को उसन् ग कय्, उस् कसी ऐस् व क्द् सम्न्न असंभव होर् सक् प्इन च ों को सम्न्न की पी क मत् कभी नहीं होरी।

ब मे, मैन् खुद को एक नई ल्ई मे ब्सप् समे स् भर् हआ ््

संद्ह, मै उद्सी और चंत् की एक स्हरी त स णत म े प ् स्य्। मै यह्् आपस् इस ब् मे ब करन् चहत् हं:

- उनोंन् मु्् संस्कक्स्रेक्क् लए सभी प् क् ् ्।

व् मु्् यह समझ् मे क्र ब रह् क इतन् स् पें और भस न स् रत क् ब, उनक् पण्न् और भस न क् ससं को पक्स्क् लए यह नल ् ् ्।

व् मु्् यह समझ् मे भी क्र ब रह् क अस्र मु्् कमु नयन मल्, तो यीशु नहीं आएंर् और इसक् ्य एक बहत ही द्््ु म ु्् अ न न्मृतुक् ् न्

कस
क् लए व भन हंसक पी््ओं क् स्् आएर्।

यह सच है क प वत भ क्ौबमुझ् आ ्नीय और नश र पी ी मली। मै श््ंत अवस ्् मे आ स्य् ्््।

ल णक न *मै तुरंत ठीक हो स्य्*

-णब *मैन ् यीशु क् न क् आ ह कय्*

- णब मु्् य द आय् क *आ ज करत्* क् लए आवश्यक है क म इस अवस ््् मे न रहं।

कभी-कभी मैन् अपन् वश सपस् मृतुकी इस ् क् अनुभव न करन् क् पी्् लए भ् द रहन् की अनुम त म््री,

ल णक न उ स न ् । र भी मु ् पभु- भ पवक्तव्क् लए कह्।

ह्ाँ क, कई मौकों पर मैन् युदस् परह कय्, यह अनुम लत् हए क कस म ् त खल्ण युदछ्े्र। द्सरी ब, मै बन् तैयी क् संव द करत् य्बहत अ क पी त न होन् क् लए ण चाद दत्।

श्का को, णब मै प््न ् य् ध्का कर रह् , ों न ् म ु ् भ य भ ी त कय् कस

और म् प् ् न करन् स् रोक,

- पहल् म् दीय् बु् ओ,

- र बहर् शोर करन् o

ण शकते ो मरन् वों स् ण मलती- ु ल ती ् ् ी ं।

यह सब कुछ बत् असंभव है ो य् नरक क् कुत् मु् स् कर रह्

-मु् मे आतंक बोन् क् लए or

-मु् अच्छाआध् क ् क र न ् स ् र ो क न ् क ् ण त क् लए।

मै तीन स्तक इस क परीक ् स् र र क्ल एक ह् की श् अपव द क् स्, समे हमल् म श त ् ।

ण स ण कसी को भी इस तरह क् सं् को सहन् क् ण लए परमर क ी ओ र स नही बुल् रय् है, उसक् ण लए यह ण वशस करन् मुत होर् ण क मैन् ऐसी परीक ् ओं क् अनुभव कय् होर्।

उसन् सुझव ण दय्

- उन पर धनदे,

- उनेचुनौती दे स ् ण क व् चीं ं हों, टय्

- उनेन्तम अपम तक कम करे। उनेंन् मु् सलभी दी

- प्््््न् और चतनं मे ईश र क् स्हर् धकार,े

-ण वश्प्रस्हम्भरन क्प ण वत घवों पर अ क ध्द्, ई

- मी आ्््को यीशु क्स्् ए ुट करे। सन्मन्ु को अनगहु
क्नकसु

स्छु््न्क्ण लए अपनी मवत्मे क्सह,्

उस्अलौ ककन्ीवन क्ण लए उठएँ e

उस्"ण ण यी यीशु" की भम्क्संच करन्क्ण लए, ्््त यीशु की
अ्् सन्दुण नय्परण ण य पकी।

सचमुच, ्स ् ही मैन्यीशु की इन ण ं को वह मे ल न्शुर कय्,
शक ओ

-मु्् इतनी ्त और ण हमत क्अहस हआ ण क,

- कुछ ही ण दनों मे स्णर द हो रय।्

णब क्स ों न्ण शकन की, तो मैन्उनेअसी्कर ण दय्:

'यह स्है ण क आप, दु््बदमें क्पअपन्समय वीत करन्क्ण लए
बकव स क्ण लए अपन्क्को संतु्् करन्क्अलऔर कोई स््नहीं है।

इस्ण्र ी रखे और णब आप ण््एंर्तो आप रुक ण््एंर्। इस बीच, मै,
क्

एक छोट्स्प््ी, को कुछ और करन्है।

प््न्क्म्म स,्

मै यीशु क्प ण वत ृर ण्न्च हत्हँ ,

तणक हम और अ पनाप और पी त हो सके"।

ऐसी ण टप यों मे, को त कस ों न्औ र भ ी अ क शोर मच्
उन्होंन

ण ्ंबरण्ण््ढंरस्और असंभ ण त ण हंस्क्स््मु््स्सपंक्ण कय्।
ण्स्ण क उन्होंन्म््ु कहीं और ल्ण्न्क्न्क ण कय,्

उनक्क्स ी म ुंह स्एक भ य नक औ र ृुटन भरी बदब्ण नकल रही
््््ी

। सन्मु््पी तरह स्घ ण लय् ्् मै उनेयह कहकर स हस और ण ््

रह्

्स् इस् रोकन् की कोि शश कर

्््:"झठ् है ि क आप है, ि दख् करे ि क आपक् प मु्् ल् ण््न् की

शत क्है,

लणक न अ स्र यह सच होत्, तो आपन् इस् पहली ब ा कय् होत्।

तुम ण ण ा ् झठ ् ोलत् हो।

णब तक आप ा को और द् ् स् मर नहीं ण् ् त् तब तक आप अपन् परह त् ् ह

मै ् ी संख्य मे ् णपयों क् प्र ् ा त र प्र करन् क् ा लए आपकी पी ा ओं को उपयोर करत् हं।

मैन् अपन् अच्छा यीशु क् अनुर रो पर क् सहन् सी ् ा कय्।

मै इस् अपनी इच्छा को ण ् ुट करन् वी आ ् ् ् ओं क् उदक् ण लए करत् हं »।

इन टप यों क् पर र ् ् मस्र व् ा चल् ए और ् ा ् ीर व्कुतों की तरह एक चोर को पकन् की को ा शश कर रह् ् ् ् ।

मैन् पहल् स् कहीं अ कप्य् ् ा त स् कह ्

"तुमे और कुछ नहीं करन् है?

आप अपन् शॉट को पी तरह स् चक रए है और एक ् आपस् ल् ली रई आ ् ्
ह और म् अच्छा यीशु की ब हों मे लौट् आई है। अब आपक् प ा शक्त करन क् एक अच्छा ् ा "।

या द क्स ों न ् स ी ट ी ा ् ् ई, तो मै उन पर हंसत् हए कहंर:

"ह् बच्, णब स् तुमी तबीयत ठीक नहीं है, मै तुमे तुमी बीमी स् छुट् ् ण दल् द् ् ंर।"

और मैन् अपन् आप को ा द् ा कय् और स्स् कठोर ् णपयों क् ण म र स्र क् ा लए प् ् ा न् की, पी आ ् ् ओं क् पर रवत क् ा लए म् दया लु यीशु क् ा लए प **क् क्ष ा कय्** ।

यह द्खकर उनेंन् मु ् ् प् ् ् ् न् करन् स् रोकन् की हर सभवं को ा शश की।

तब मैन् इस नई **पीढ़ी को** परमेश्वर के ज्ञान और व्यवस्था के दिए गए अपार संसाधनों को लेते हुए देखा, तो मैंने उनसे कहा:

"क्या आपको इतनी नीची रहने में शर्म नहीं आती है **कि**
परमेश्वर के शुद्ध शब्द को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं?

क्या तुम मनुष्यों और हवा की तरह नहीं करते?"

तब उन्होंने अपने होठों को काटा, और मुझे देखकर अपशब्द बोले, और मुझे गलत साबित करने और अच्छाई को नष्ट करने की कोशिश कर रहे थे।

जब मैंने उन्हें परमेश्वर की निंदा करते हुए सुना, तो मुझे अत्यंत पीड़ा महसूस हुई, मैंने परमेश्वर की भलाई पर विचार किया, जो परमेश्वर के संपूर्ण रूप का योग है।

...

इसलिए मैं समय बदल गया कि कवि और नबियों ने प्रेरित किया है, जो लोग कलंकित कर उसे करते हैं, उनके द्वारा उसके विश्वास की रक्षा करने का प्रयास करते हुए परमेश्वर को भेंट चढ़ाते हैं।

मैंने उनसे कहा:

"**लोग दोष और कृतघ्नता की कमी की भरपाई के लिए प्रेम और कृतज्ञता के कृत्यों को सीख करें।**"

इस हठ को मुकाबला करने के लिए, मैंने उनसे कहा:

"मुझे परवाह नहीं है कि भविष्य में क्या होगा, चाहे मैं स्वर्ग जा रहा हूं या नरक।

मैं अच्छाई से प्रेम करना चाहता हूं और दूसरों को उससे प्रेम करना चाहता हूं। वर्तमान समय मुझे दिया गया है,

- भग व्मेमत रहो,

-ल णक न भ स्नन क् स्‌ सदमे रहन् क् लए e

- उस् म् लए और आ क अनुकबन् क् लए, मै उसकी भल्ई और उसक् प स् बन् रय् हं।

मै सर् और नक् क् म्ग् तुम् ह् मे छो्त् ह।ं

म् एकम सरोक प करन् और अपन् परमर को प करन् है । वह मु् वह द् ्ो वह च हत् है: मै उसकी म हम् क् लए सब कुछ पहल् स् सी् करत् हं।"

और मैन् उनस् यह भी कह्:

"ण्न लो क यह ंत मु् म् अच्सी, यीशु मसीह द् सख्स् सद्
् ् ् ् ।

उनोंन् मु् सख क स् पक्क्स्ापभीसीक्ह

- अपन् ्ीवन की कीमत पर भी, कर उस् कभी भी अपम ण त न क र न णक् लए हर संभव पय स करे,

- णब स्लती करन् की इच्न हो तो स्लती करन् स् न ण रे।

यह तुमी यु क्है, दयनीय क्स ी म न ,

- भोल्-भ ल् लोरों को हतोतण त क र न ् क ् प य स क र े

- उनमे संद्ह और भय पैद् करन,्

उनेपरम्न स ् अ क पकरन् क् लए नहीं, ब ् उनेण्ण् नश् मे ल न क् लए।

ण्न ले क म् यह सोचन् क् इद् नहीं है क मै स्लत ् य् नहीं। **म् इद परम्र स् आ क्स् आ क्णकरन् क् है** ।

इतन् ही की है मी यही मंश् है, भल् ही कभी-कभी मै भरवन को त्र कर द्ं। सभी भय स् मुक्मी आ् अपन् स्वं क् अच्की तल श मे आक

मे य त् करन् क् ण लए स्वंत महसूस करती है "।

कस ों क ् ण क क्रो ््न कौन कर सकत् है णब उनोंन् उनक् युन्द्वस को भम मे बदलत् द्ख्।

उनेत्लकी उमीद ््््ी, ल णक न न ुक स ह ो र ह ् ्् ््।

द्सरी ओर, उनक् पलोभनों और ण्ल ों क् ण , मी ् को ईश र और आ््

पो़सी क् ण लए अ क उतही पपहआा

णब क्स ों न ् म ु्् प ीट् औ र म ु्् अ प म ण न त ण कय्,

-मैन् यीशु स् पर त ण शक ्ओं क् पन ण कय् और

-मैन् उस् ण बाद ण दय्, दु नय् मे लत् ण कए रए अप ्ों क् प श त क् ण लए सब कुछ भ ेट ण कया ्

अकक कस ों न ् म ु्् आ ््ह त् करन् क् ण लए पर त क र न ् क ी क ो ण शश की।

और मैन् उनस् कह्, "न तो आपको और न ही मु्् हम् ््ीवन को न् करन क् अ ् है। आप मु्् पी््् द् सकत् है, ल णक न इ स क ् प र र ्म् यह है
ण क मै और अ क कम्हं।

तुम् पमी ण्न् ल न् की कोई शत कनहीं है। और अपन् पल द्
करन् क् ण लए,

-मै हम् ईश र मे रहन् च हत् हं, उसस् अ क पकरन् च हत् हं, उसक् ण लए उपयोरी होन् चहत् हं, और

-म् पो़सी को य द करन् क् ण लए, उसक् ण लए वह सब कुछ अ पकरन् ्ो तुम मु्् पी त करत् हो »।

आत खरक व् समझ रए

-ण क उनेमु्स् ्ो च णह ए व ो प ् क ी क ो ई उ मीद नहीं ््ी

- **णों अपन् पत् नों**

्क्ण ककई आाॅाॅओ ं को ख ो रह्
ाॅ्

ण र व् बहत द तक रक्,

शुरकरन् क् इद् ् स् णब मैन् कम स् कम इसकी उमीद की ्््ी।

पीण त की भ णम क ् सी ् कर।े

अब मै तुमेउस दुख क् नण्ीवन क् ब् मे बत्ऊंर् ्ो म् ण लए आय् है।

म् खब् रखा ो द्खकर म् पररव न् म् ् अपनी ्त ठीक करन् क् ण लए द्हत भण् ण दय।्

ल णक न प र म र न् मु् म े अ प न् क ् णी रख् और म् ु ् ्ीवन की एक नई अवस ््क् ण लए बल् ्ु

एक ण दन, प् ी ों ्े एक आ त खरी हमल् करन् च हत् ्। म् ण लए कस ््

यह इतन् कण ठन ््् ण क मै होश खोन् की त स णत म े अ स्। शक् समय मै व सवमेहोशखोबैठ् और सकी त स णत म े अ स्।

तभी मैन् यीशु को अनण सत शतुओं स् ण ृर् हए द्ख्।

-कुछ न् उस् खब पीट् है,

- द्सरों न् उस् अपन् ह््््ो्ं स् पीट, ई

- द्सर् उसक् ण सर मे क्ँट् मत् ह।ै

-कुछ ऐस् भी है ण नोंन् अपन् पैरों और बहों को हट् ण दय् है,

- लरभर इस् टुक्-टुक् करन्।

। र उनेंन् उस् ण न ््न की ब हों मे कुचल ण दय्।

ण्स ् ण क द स् हआ, व म््ँ, ्न

- दद् मे और आंसुओं मे,

- मु्् यह कहत् हए आन् क् ण लए आमं ण तत ण

कय्: "द्ख, मी बटी, उनोंन् म् पुत क् स््् क्ण कय् है!

इस ब् मे ्ो् सोचे क मन् परम्म, अपन् स कत् और अपन् सबस्
ब् उप्ी क् स् कैस् व्य्ह करत् है।
मनु् म् पुत को कोई ह्त नहीं द्त् और उस् म् प सभी ट् हए ल् है।

एक दश क् दौन्,
मै यीशु को मरत् हए द्खन् की को शश कर रह् ् और
मैन् उसक् शरीर स् ख बहत् द्ख, घवों स् भर् हआ, टकों मे कट् हआ और मृत क् लए छो् दय्। मै नहीं ् क वह इस तरह स् पी त च हत् ्हो।
मैन् उसक् लए ऐस् दद महस कय् क,
- अरर मु् ऐस् करन् दय् रय्
होत्, मै उसक् लए हज ब मरत्
और
मै उसक् अपन् कव् ्ुन को सहत।

इस द ् को,
-मै कस ों क ् ् एक छोट् क्ो् स् लत र्,
- पु्रों क् लए यीशु द् लोरों की तुलन् मे।
पी तब **यीशु न् मुझ स्** «क्त् न् म् क् म् पर चलन वालों क् द् म कह:
वस्द्त कए रए ् ् अप रों को द्ख ् है?

बहत अ ्न् म,
- बुर्ई क् लए एक पवृ त है और,
- रस्ल स् रस्ल तक, आप नकीय अ कत ् मे र ण्त् है।

म् स् आओ और ख़ुद को ्श करो। दैवीय न क् सन्आओ
- इस न्व्त खल्ण कए रए कई उल्लंघनों क् लए क त्णत क

श् क् रपमे,

- त णक म ् स्था् ण पत् ्णप य ो ं क ो प्र् ्ंतर
  द् च हत् है, ्ो आंखे बंद करक्

बुर्ई क् णहरील् सोत स् पीत् है।

ह ाँ क, ण्न ले क आपक् स्न् एक दोहर् क खुल ण्त् है:

- अ क पी्् ई

- **कम रंभीर पीॉ ॉ् क् एक और।**

य द आप इन् करत् है, तो *पहल्* , आप उन अनुगहों मे भ न्ही ल प्एंर् नक् लए आपन् बह्दुरी स् लई ली ह।

ल णकन अस्र आप सीक करत् है , तो ण्ण् न ए

- क मै तुमेअब अक्नहीं छ्ो र् और

- क मै तुम्पआकर मनु्ों क् द् मु् पर कए स्ए सब अतचों को सहंर्।

यह एक ्हत ही अनोख ी कृप् है ौ कल कुछ को ही दी ण ती है। क्यों क अ क्ंश ्ण मे पव श करन् क् लए तैय दुख क् नहीं है।

दूसर् ,

- यह एक अनुगह है सक् मैन् तुमस् वद् कय्,

- **अपन् आप को उन क् ौ ॉक् अनुपमे म हम् क् लए ऊपर उठ्न् ौ मै आपक् स्न् पस्तुत करंस्।**

तीसर् ,

मै आपको अपनी परम प वत म् ाँकी सहत, म्दश और आम् द्रं,

स् आपको सभी अनुगह पद करन् क् व श ष्णदय् स्् है, अनगह की कप् भी - आपक् सहयोर की सीम् तक।

इस लए उसन् मु्् अपनी परम प वत म्को सौंप्, ्ो खुशी क् स््् म्

सत कर रही ्््ी। आभ क् स््,

-मैन् खुद को यीशु और ण न्ा ््न को अ प कय्

- व् मु्स् ्ो कुछ भी च हत् है उस् णम् करन् क् लए तैय है।

णब मै भरवन क् इस समस् वपस आय्,

-णह््ँ मी इच्ा यीशु क् अनरुह होरी,

मैन् खुद को क श की भय नक ् मे प ्ो मैन् पहल् कभी अनुभव नही पी््ि कय््््।्

मैन् अपन् आप को एक दुखी अ्ण कप्र मे द्ख्,

एक केचुआ की तरह ण्ो णमीन पर रेस् क् अल्ा कुछ नहीं ण्नत्। इस लए मैन् भरवन की ओर रखण कय् और उनस् कह्:

"मी मदद करो, म्अच् यीश ्ु

म् भीतर और ब हर तुम्ी सव शत क्त् इतनी भी है क वह मु्् पी तरह कुचल द्ती है।

मै द्खत् हं क य द आप मु्् नहीं उठ्त् है, तो मै अपनी श त्मेन्ह्ो ण्ऊंर्। म््ु दखु दो, मै इस् सी् करत् ह।ं

ह््ं क, कृपय् मु्् और ्त दे, क्ों क इस अवस ््मे म््ु लस्त् है क मै मर ण्ऊंर।"

उस दन स् म् प और अ क ण न्ाद और सह्त् ््््ी।

भरव न और ण न्ा ््न की य त् लरभ्रलत् लत् होती रही, ख सकर णब क्स ों न ् म ु् प र ह म ल ् कय् ््।

क्ों क । **तन ् आ कष्ण स हन ् को** ्, उतन् ही व् मु् पर को त होत् **तैय ॉ**

ॉ् ॉ् ।

दैतों द् मु् पश्ो पी्् ् दी रई वह अ ््नीय ््््ी। अब वो मु्् परछ्ई लस्त् है,

- यीशु द् सी् कए रए क््ो्ं क् संबंण मे, । सक् इद्् ््

- प श त करन् और

- भस न क् त खल्ण पु र् ं द् ण कए स् ए ण वश और असंख्अप ण ् ं
की मरम्मत क् ण लए।

ल ण क न म ै, ् भस न मे ण वश स करत् हँ,

- ् ण ररत् है और मु् ् उठत् है,

- ् कभी उद्स, कभी स्त्

मै उसकी सबस् बी़ म ण हम् क् ण लए और अपन् प़ोसी की भलई क् ण लए,
ण्स् ण क ईश र च हत् ह, सहन् को तयै ह।

कुछ ण दनों क् ब,

- णब ण क मु् ् ण श् होन् की आदत ् ् ी, और

यीशु और उनकी परम प म्क् कई ण नमं ण ् ं क् ब, मु् ् । र स्
ब होशी की कर् पर महस हआ।

तब **यीशु** म् प आए और **कोमलत् स् मझस् कह्** :

"मी ब टी, द्खो ण क् ो लोरमु् स् पनहीं करत् है, व् मु् ् कैस् पी ण त करत् है।

इस दुख की ृ ी मे, उनक् अ ण भम इतन् मह है ण क इसन् उनकी
स् ् स की हव् को भी संक ण मत कर ण दय् है।

इसकी सुरंण चों ओर ् ल ई और स् मे ण पत् क् ण सहसनं तक पहंच ई।
ण्स् ण क आप सम् सकत् ह, इस दयनीय त स णत न ् उ न क ् ण लए स् क् द
बदं
कर ण दए है।

सत् को द्खन् क् ण लए उनक् प अब आंखे नहीं है, क्यों ण क यह अ ण भम क् प

है उनक् ण दम कोपीतस् स् क् कर ण दय् और

उनक् हदय की दद्श् उतन करत् ह।

उने इतन् खोय् हआ द्खकर मु् ् असहनीय पी् ् ् होती ह।

ओह! म् ण वस्त्रा कए त्ए बहत स् पें क् ण लए मु्् ह्त और पण त्णा ् द ्।
क््ंटों क् यह भय नक मुकुट मु्मे उतन होन् व्ा क््ो््ं को कम नहीं करन् चहत्?"

एक प खशोत्र

मु्् बहत शम् और ण क श महसहआ और
मैन् तुरंत उतर ण दय्:

"म् प् यीशु,
-भम स् भर्,
- आपको अपन् ख खोत् हए द्खकर णर लरत् है, e
- सुनकर आप इतनी कोमलत् स् बोलत् है,
मै तुम् दुखों को द करन् क् ण लए यह त्ण म््ंरन् भल रय्
््।अब णब आप इस् मु्् ्श करत् है,
-इसक् ण लए ण न्वाद और
- कृपय् मु्् इस् अच्स् पहनन् क् ण लए नय् ण न्वाद दे।"

इस पर यीशु न् अपन् मुकुट उत ण दय्, और
-इस् म् ण सर पर अच्ी तरह स् स ््् पत करन् क् ब और
- मु्् अच्ी तरह स् होन् क् ण लए पोतणा त क र त ् ह ए , वह य्ा हो पीण त्य्।

णब मै अपन् आप मे वपस आय् तो मु्् ््ो कदी ऐंठन महस हई, उसक् ण ््न कौन कर सकत् है।
म् ण सर क् प्आंदोलन क् स्ृ, दद् ब् होत् स्या मैन् महस ण कय् ण क क््ंट् मी आंखों, कों, रद और मुंह तक ््स रए है, ण सस् ऐंठन हो रही है, । सस् मै ण भ न नहीं कर प् रह् हं।

दो-तीन ण दनों तक मै इस पी्् ् की त स णत म ो र ह ्। ख ् स ् प
ऐंठन को कम ण कय्। र ह ् ण करक्, मैन्

णब व् श््ंत हो रए और मैन् । र स् तरोत्ण् होन् क् ण लए कुछ ख् शुर कय््
तो म् यीशु न् तुरंत और सपरस् म् ण सर अपन् ह््ो्ं मे ण लय्
और मु्् दब

दद् नए ण सर् स् और पहल् की तुलन् मे अ क तीव ््् । कभी-कभी मै पी
तरह स् ब होश हो ण््त् ््् और ब होश हो ण्त् ््् ।

शुर् ही म् ण श् क् ण ््् दरु न् ््

- मी इच्क् ण लए मी ण चंत् स् म् अच्यीशु क् ण लए होन् और
पीण त

-म् पर रव को होन् वी लत् पश् स्, ्ो,

खुद को पीण त द्खकर और कछु भी ख् मे सक म नहीं होन् क् ण , मैन् सोच्
ण क मैन् इस अस ् क् अनुबंण ण कय् ््् क्यों ण क मै अब प ्ी
ो मे
नहीं रहन् च हत् ् ् ् ् ।

शहर मे मी शी व पसी क् उद्श्स्, उनेंन् ण भ न स् इन् करन् क् ण लए
मी सनक को । मद ठहय्् ।

म् स्मन् इस दोहर् क् क् ण वस्द व््ोह कर ण दय।्

ल णक न च ्््ँ ण क म् पर रव मी पी्््
क् एक पमखु ृटक नहीं ््् ,

-म् भरवन न् अपनी कृप् वपस लन् की ण मकी द्कर म् ण उ् ्य्
क् ्

-अरर मु्् अपन् पर रव स् न्णरी है।

एक त् मै म्ण पर बैठ् ््् और म््ु इस तरह ् हई ण क मै
स् पी््
अपन् मुँह नहीं खोल प् रह् ् ् ् ् । स् र ख्ऊ ं।
म् पर रव न् पहल् दय् स् और । र ण कोक् औ

◌्म्◌्र

की
ण
क
मै
आ
र्
म्◌्
◌

उनेसंतु◌् न कर प् क् ि े ै ाे्र।

ऐस् न ण दखन् क् ण लए मै अपन् कमर् मे वपस चली रई, णह्◌ं मै लत् रोती रही।

मैन् अपन् ◌ीसस और ण न्ना ◌्न स् मु◌् इस परी ि को सहन करन् की शा क द् की भीख म्◌री।

इस बीच मै का ◌ेर हो रह् ◌◌्, और प् मन स् मैन् कहः्

"म् अच् भरवन,

- म् ि लण्◌ो कुछ हो रह् है उसस् अपन् पर रव को इतन् ऊबत् हए द्खन् म् ि लए एक का ठन पी◌◌् ह,ै और

-इस तरह क् एक अनु चत ि े ि ्

लए। उ्नेमु◌् इस अवस्◌् मे मत द्खन्

दो।

मै उनेयह बत् क् ि ◌्य मर ण्न् च हरं ्ि क हम् बीच क्चल रह् ह।ै

यह भन् मु्मे इतनी पबल है ण क, मु◌् ण्◌न् ण बन्, मै ख ु द को छुप् क् अल्कुछ नहीं कर सकत् त णक क ो ई म ु ् ् इ स त र ह न द ् ख स क ्।

"णब मु◌् आश य् होत् है और म् प अपनी पी◌◌◌् और अपन् आँसुओं को ि छप् क् समय नहीं होत् है, तो मै तब ह् हो ण्◌त् हँ और मो म् प् अ स्वा आरमे ि ◌् की तरह ि पृल ण्◌त् है।

म् शरीर तब असम रम् क् अनुभव करत् है ण सस् मु◌् बहत पसीन् आत् है और ि र मु◌् ठंण स् क्◌पन् लस्् है।

ह् म् अच्ायीशु, कल आप ही इस त स णत क ो ब द ल स क त ् ह ै। म ु ् ् द ् स र ो ं क ी नररों स् छुप् कर रखन्।

म् पर रव को एहस्सहो ण्◌ए ि क मै उनस् द ि ि ◌् प्◌◌◌न् करन् क् ि लए चलत् हं। और मै बहत प करं्, ह् भरवन,

ण्◌ो कुछ म् स्◌् होत् है, वह कल तुम लोरों को ही म ् हो।"

ण्स ् ही मैन् आँसुओं, ् ं और व दों क् म स्ख्या्आको्या
प्ःः् नओ

बो् स् ऊपर उठ, यीशु न् स्बं को अन्ण सत शतुओं स् ण ृर् हआ
मु ःः् ण दख्

ण्ो उस पर तरह-तरह की ब्इ्ची करत् ःःः।

ण कसी न् उस् रौंद, ण कसी न् उसक् ब खींच्,

-। र भी द्सरों न् उस् शैती व्ंक् स्् श प ण दय्

म् प्यीशु खुद को उन बदब द पैरों स् मुक्करन् च हत् ःःः् ःो उस पर अ्त च करत्ःःः।

उसन् चों ओर द्ख् ्स् वह उस् मककरन्ु क् ण लए एक दोसकी तलश मे ् मैन् द्ख् ण क उसकी मदद क् ण लए ँ कोई नहीं ःः।
्। वह्

यीशु क् स्् ण कए ण्् रह् अप अपम को महसकरत् हए, मै बहत रोय्। म उस् मुक्करन् क् ण लए इन को त भ णयों क् बीच ण्न् च हत् ःःः। ल णक न म ु्

एहसहआ ण क मै सक म नहीं ःःः् और मन्ै ण हम्त नहीं की।

इस ण लए, द स्, मैन् यीशु स् उतह्क ्न् की ण क वह मुःः् अपन् स पर, प्ःः् न्

कम स् कम आं ण शकप्र स् परीक ् क् स्ा् करन् क् योग्ब न्ए।

मैन् कह, "आह! यीशु, य ण द कल मै तुम्मे उठ्न् और इन शतुओं स् मुक्करन् क् ण लए यह भ उठ् सकत् हं।"

ण्स् ण क मनै ् यह कह,्

- य् उग शतु, मो उनोंन् मी प्ःःःःन् सुनी हो,

- उनोंन् खुद को पलकुतों की तरह मु् पर क् ण दय्:

उनोंन् मुःः् पीट, म् ब खींच् और मुःः् रौंद ण््ल्। मुःः् अपन् आप मे खुशी महस हई,

णब मुःः् एहस हआ ण क द स् भी ,

मै यीशु को कुछ हत द् मे सक म ःःः् ।

। र मु◌्◌् ह॥ ष त द्खकर शतु ख्रा हो ऱए।

॥ र यीशु मु◌्◌् स्◌्◌ंतन् द् आए, भल् ही मैन् एक भी शबकहन् की॥ हम्मत नही की। उसन् चुपी तो◌्◌ी और कह:

"मी ब टी, तुमन् ◌्◌ो कुछ भी म् स्◌्◌् ॥ कय् है, वह कुछ भी नहीं है

पु◌्रो◌ं द् म् त खल्ण॥ कए ऱए कई अप॥ ◌्◌ो◌ं की तुलन् मे। उनक् अंण ◌्पन उनेस्◌्◌ंसर क । च ◌ों मे ◌्◌ुबोए रखत् है,

ण◌्◌ो उनेम् और अपन्॥ लए॥ नदी और ◌् बन्है।

उनोंन◌् स ◌ो न◌् की॥ ख ◌्को॥ लए ख ◌ुद को पी तरह स् समा॥ पकरक् सभ◌ी अलि॥ कक सतों क् ख ◌ंण न॥ कय् है। इसस् व् कीच् मे॥ ऱ ऱए।

व् अपन◌् अन न्णर्ॉीवन क् स ◌ं◌् ◌ंणमेण्णॉ◌् प॥ रऱमे॥ रर ऱए है।

"ह् म् बट्,

- झ ठ् सुखों की दु॥ नय् मे बढती ण्◌् रही कृतृत् की इस कस ◌ी ल ह र क ◌् त खल्ण् **कि न ◌् ◌ॉण्न◌्एर्?**

- कौन दय् कर्◌् और मु◌्◌् इतन् लोरों स् मुक कर्◌्

णर्ों मुझ् लहलुह क र द्त् है और वहणर्ों॥ वत॥ चो◌ं की ◌्द◌्

मे ण ◌ॉ◌् ण ◌ॉत् है सीय ?

म् स् ◌् आओ और ◌्न◌् करो, रोओ और म् ण पत् क् त खल्ण ण कए प◌्◌्

ऱए अप॥ ◌्◌ो◌ं क्॥ लए प॥ त॥ शोकी

◌्शकश करो। व् अंण ◌्◌् है,॥ बन् मन य्

हदय क्, -

उनक् पकल स्◌्◌ंसर क । च ◌ों क्॥ लए आंखे है।

व् म्॥ वर रोकरत् है और म् अन्नअनुगहों को॥ मटी क् सम रौंदत् है।

उनेंन् म्॥ लण◌्◌ो कुछ भी॥ कय् है, वह सब उनक् स्◌्◌ंसर क च र ◌ो◌्◌ं क् नीच् कर ण दय्।

"ओह! दु नय् क् ब् मे आप ो ण्नत् ह, उसक् खलण् कम स् कम उठो।

- ् करो और हर उस चीज् ् करो ो मी नहीं है।
ण ृ ृ

-हम्स् की च ों को दुल् े।

"म् समको अपन् दल मे रखो।

- **मरमत करन्**

म् खल्ण लत् कए रए कई अप ों क् लए।

कई ऑ् ् ऑ् क् नुकस क् ब् मे सोचो।

ओह! मु ् इतनी ं क् ् अक्मत छो ो ो म् दल को चीर दे।
नशओ स्

यह ण्न ले क्ण् ो कछु भी आप अभी भरु त रह् है वह भ व्मे आपको ो
भुरतन् होर् उसकी तुलन् मे कुछ भी नहीं है।

मैन् कई ब नहीं दोहय् ् है क मै आपस् अपन् ीवन की नकल च हत्
हं। द्खो तुम मु स् कतन् अलरहो!

तो हम्त रखो और ण रो मत, क्यों क तुम मी मदद करन् क् स् ्
खो सकोर्"।

यीशु क् इन वचनों क् ब, स मै अपन् आप मे वपस आय्,

मैन् द्ख् क मै पर रव क् सदसें स् ृर् ् ो रो ् और रस
हआ ्क्र रह् । रह् ्

उन्लेर् क मै मरन् ण् ् रह् हं।

व् मु ् ्ॉकरों को ण दख् क् ण लए शहर ल् रए। मै यह समझ् मे असम्
् क म् स् ् क्हो रह् है।

मै द्ख सकत् हँ

- क म् पर रव उस शी रक समस्स् अवस्त
्

्। सक् मै अनुभव कर रह्

्््और

-ि क मु्् एक प म ण ंच स् रकैबा ्् लुह
कल ण्ह्ए ण शकत की:

«ि कतनी ब, म् अच्चयीशु, मैन् तुमस् कह् है ि क मै तुम् ् दुख उठ्न् स् च हत् हं, ल णक न क ल स्सस!

बस यही मी खुशी है! तुम मु्् इसस् वंि चत क्नें कर रह् हो?

ओह! मु्् अपन् पर रव क् स्् शण् त कब ि मली् ? कल आप, म् अच्चयीश्ु यह सब वा स कर सकत् है।

कृपय् सुि नि श त करे ि क उनेइतन् ण रन् की णसस नहीं है।

क् आप नहीं द्ख सकत् ण क व् ण कतन् दुखी है?

आप नहीं सुनत् ण क व् क्कहत् है और क्करन् क् इद्् रखत् है! कोई एक तरह स् सोचत् है, कोई द्सर् सोचत् है।

कुछ च हत् है ि क मै एक उपि म्ऊं, द्सर् द्सर्। सभी की ि र् मी तर लैर मै कभी अक्नहीं रहत् और यह मु्् खोई हई श्ंि त व पस प् स् रोकत् ह।ै कृपय् इन ण चंत्ओं मे मी मदद करे, क्छ द्सरों की तुलन् मे बदतर है, ्ो मु्् ण रमत्् है।"

इन शबें पर, म् अच्चयीशु न् मु्स् ्ीर् स् कह्:

"ब ट्, इसस् दुखी मत होन्।

एक मर् हए आदमी की तरह, इसक् ण खुद को मी बहों मे छो््न् की ्य
कोि शश करो।

णबि क आपकी ि नह इस बपर ि टकी है ि क व् क्करत् है और आपक् ब् मे क्कहत् है, मै आप मे क्करन् क् ि लए स्तंत नहीं हं ्ैस् मै च हत् हं।

क् आप मु् पर भरोस् नहीं करन् चहत्?

क्तुमन् अपन् ण लए म् पक्क् अनुभव नहीं ण कया?्

इसक् ण लए मै चहत् हूँ

- *ण क तुम अपनी आँखे बंद करो,*

-ण क तुम मी ब हों मे श्ां त स् रहो , और

- *ण क आप अपन् आस-*प न द्खे ण क आपक् स््् क्हो रह् है ।

आप समय बब््द कर रह् है और हो सकत् है ण क आप
उसण्ीवन की त स णत त क न प ह ँच ो । सक् ण लए
आपको बुल्य् है।

"अपन् आस-प क् लोरों क् ब् मे ण चंत् न करे। उनकी चुपी को सी्करे। हर
ण चीरो हण ष त और ण वनम रहे।

इस तरह व्ह करे ण क

- आपक् ्ीवन, आपक् ण वच, आपक् ण दल की ण ्कन,

- आपकी स्ंसे और सह

दैवीय च्को खुश करन् क् ण लए पण त्णत ् क ् ण नरंतर क्करे। मु््
सब कुछ पद करे "।

णब यीशु न् मु्् ण सख्, तो वह ख्ब हो ग्या।्

मै ईशरीय इच्क् ण ीन रहन् की पी कोण शश कर रह् ््।्

कभी-कभी मै ण्ट-ण्ट कर रोत् ््, क्योंण क म् पर रव

मु्् कण ठन पर रत स णत य ो ं म ो

ण्ल ण दय् और उन्हेंन् मु्् प म ण कल

ण्््ंच कन्् क् ण लए कह्।

उन्होंन् तय ण कय् ण क मी बीमी ण ण ्् नसों की बहै।

उन्होंन् मु्् चलन्, ठंण्् सकरन् और लत् धमटक् क् ण लए कह्।

उन्होंने यह भी तय किया कि मीसा प्रदौन्ता,
म्परवरशनहीं बदल्ू,
क्योंकि इस तरह क् बदलास् मी तसणत और खब् हो सकती
वहतरहोन
्क्ा ्है।

उस दिन क् बाद स्म् और म् परिवार क् बीच मनमुट और खामोशी क् युद्ध छ् गया है।

कोई मु्ू् चच् ण्न ्स् रो्ू,
- ूर मे लत् ा मरहकर कोई और मी ण् द्ी छीन ल्ू,
्द्
- कोई और मु्ू् मी दव् लन् क् ण लए मन् ल, ई
- दूसरों न् मु्ू् ्ॉक की सलमन् क् ा लए पर त ा कय्, ्ो च हत् ्््् ा क मु्ू् त् मे रख् ण्ए।

ह्ाँ क, उनक् ा लए यह नो टस करन् आस ््् ा क म् स्कछु ऐस् हो रह् ्््ा स् व् सम् नहीं प् रह् ्््ा।

बहत ा दनों क् बा यह सब अब और न सह प् क् ा, मैन् ा हम्मा ुट्ई और अपन् रब स् ण शकत की:

तसणत इस हद तक पहंच गई है ा क व् मु्ू् उन ा चों स् वं ा चत कर रह् है ्ो मु्ू् ा वश् प्रस् ा पय है। मै लरम्भर हर ा चीम् वं ा चत हं, यह्् तक ा क संगो स् भी।

ा कसन् सोच् होर् ा क मै ऐसी तसणत मेपहंच ण्ऊंर्ा समे मै असम् हो
ण्ऊंर
-संगोंमे आपस् संपक् करन् क् ा लए, य्
- बस आपस् ण मलन् क् ण लए?
कौन ण्नत् है ा क यह तसणत कह्ूँ समहोगी?
ह् यीशु, मु्ू् नई सहत् और अपनी शत कदो। नहीं तो म् समाट

ण्एर्।"

इस पर यीशु न् खुद को दखा और ण्ोर स् ्ोल् :
"स हस, मी ब टी। मै तुम्ी मदद करन् आय् हँ। तुम क्ों ण रत् हो?

कुछ न् एक तरह स् सोच, दसर् न् दसर्।
मैन् ्ो सबस् प वत क कए है, उन्े कुछ लोरों न् रलत म् है।

मु् पर दव ग सत होन् क् भी आरोप लय् ्य् ्।
दसरों न् मु् शतुत् और ् भरी नजरों स् दख्। व् मी ण्न लन् क् तरीक् ण् ्ख् रह् ्।
कई लोरों क् लए मी उप स ण अ स ह न ी य ह ी रई ्ी।

मु् बुर् स् बुर् आंक् य्, णब क मै अच्छा क् लए एक स् ंल् ्।
इसक् अल, क्आप म् ्स् नहीं बनन् चहत् है और क्आप कम स् कम
आं शकपर्स् उन क्ो् को भुलन् च हत् है, ्ो मैन् ण य क् ण
लए झ ल् है?" और मैन् उतर ण दय्: "मै तुम्पक् ण लए सब कुछ रल्
लत् हं, म् भरवन"।

मै कई सों स् इस तरह् ्ी रह् हं, पी त हं
- क्सों स्,
- ्ीवों द्, और
- स्ां यीशु स् सन् मु् अपन् क्ो् को स् करन् क् लए अलरख्।

समय क् स् मै एक ऐस् बदुं पर पहँच य् णह् ्ँमु् खदु पर शम् आ रही ्ी
णब कसी न् मु् दख् तो मै शरम् य्।

स्◌◌् ही, णब मै स्रा ◌् ◌◌◌् तब भी,

-ण कसी स्ण मलन् क् स्ण◌् र तथय्

- म् पर रव क् लोरें सण हत अन्न लोरें क् स्◌◌् ब्रा नीत करन् म् ण लए एक मह बण लद ◌◌्।

दुख की इस अवस् ◌◌◌् मे, अब पहल् स् कहीं

अ क, मु◌◌् शण म दरी और ब चैनी

महस्स हो रही ◌◌◌ी ।

यह द्खकर ण क पहल् ◌◌ॉकर द् बत्ए रए उपच क् कोई असर नहीं हआ, म् पर रव न् मु◌◌् अम्ना ॉक्टरों को ण दख्ल ◌◌ो म् स्ना भी ण स्र नहीं कर सक्। ण◌् ट-ण◌् ट कर रोत् हए मैन् अपन् ण पय यीशु स् कह्:

"ह् पभु, क्आ आप नहीं द्ख सकत् ण क म् क् और अ क स्र होत् ण◌् रह् है, न कल म् पर रव क् ण लए, बत ◌् कई ण नण बयों क् ण लए भी ◌◌ो अब म्
व्सस को ण◌् नत् है?

मै भण मत हं और मु◌◌् लस्त् है ण क दश्र मु◌् पर उंस्ली उठ् रह् है

- ◌् स् ण क मनै ◌् कछु शण ना कय् हो, य्

- स् ◌् ण क मी ◌् संक्क ◌◌◌ी।
पी◌◌्

मै उस पी◌◌◌् को क्र नहीं कर सकत् ◌◌ो म्◌◌ु पद्◌ै कर रही ह।◌ै

म् स्◌् ऐस् क्र हआ ण क य् भय नक भय ब-ब म् प्र पस आ रए? व सवाले मे, यण द हम उनेध्रम् द्खे, तो हम द्ख सकत् है ण क व् अनु चत है।

कल आप, ह् यीशु, मु◌◌् इस तरह क् पच और आशंक् स् मुक कर सकत् है।

कल आप ही म् क्◌◌ो◌ं को रप रहन् द् सकत् है। मै आपकी दय् स् मी ब सुनन् की प्◌◌◌◌् न् करत् हं।"

शुरुआत मे, हम् भरत न न् ऐस् कहा कय् ◌ैस् उनोंन् मी बन नहीं मी। और मी पी◌्◌्◌्◌् बढती ण्रही ◌्◌्◌्ी।

ण र उसन् मु◌् पर दय् की और कहः◌्

"म् पआओ, मी ब टी, मै तुमेस् ◌्◌ंल् द् च हत् हं। को ◌ंक तुम हो, तुम पीण त शक्त करन् क् अ ◌् है।

लणक न द र ख न ◌् ण क तुम्पक्ण् ◌् ◌् र
कतन् क् सहन् प्।
एक ◌्न् मे, म् क् भी ण छप् हए ◌्◌्◌्।

ह◌्◌ँ क, म्ण पत् की इच्छ ◌्◌्◌्ी ण क मै स्वण नक पस्स् पीण ◌्त हँ। इस पर मु◌्◌् सभी अवमन्, दुभ्◌्ग और भम क् सन् करन् प, यह◌्◌् तक ण क म् कप् भी उत ण दए रएः

मै एक बहत ब़ी भी◌्◌् क् सन् नग ण दखई दी।

क् आप इसस् ज् भम की कलन् कर सकत् है?

म् सभ न् भी इस तरह की उल्न महस की। **लणकन**

मी आ◌ॉ◌ॉ◌् म्ण पत् की इच्छ पर त स ◌ॉ◌ी ।

मैन् इस परीण को कई अभ त् क् उपक् पम्मे ◌्शण कय्

- सर् और पृथी क् सन् ण बन् पलक ◌्पक् ए लर्,

- व् रौरवप्ण्◌् पदशण्◌ो भक्कृतें की तरह दढ संकल्क् स्◌्◌्ण कए णत ◌् है।

मैन् अपन् ण पत् स् कहः◌्

"पण वत ण पत्, स्वण नक पस्स् ण कए रए कई पें की भरपई मे म् भम और म् दुभ्◌्क्ो सी◌् करे, ◌्◌ो कभी-कभी बचें क्ण लए ब्◌् ◌ृटल् होत् ह।◌ै

इन ◌्णप य ◌ो ◌ं क ◌ो क म् करे और उनेण दव्बक्दे त णक पस्स् क् एहस

व ◌् प
क ◌ी क

कर सके और पुणक् म् परलौटस्के।"

"और यदि तुम म् अनुकर करन् च हत् हो, तो क तुम मे भी इस प् क् क्
मे भ लन् की अवश्यकत नहीं है, स् मैन् सबकी भलई क् लए सह है?"

क् आप नहीं ण् नत् क सबस् सुंदर उपहर् ो मै अपनी पय ् ओ
आ क्ो द् सकत् हं,

क् कॉस और परी उन लोरों क् सम है ने मैन् अपनी मवत् मे अनुभव
कय् है?

आप क क् स् मे ् एक बच्
है और इस लए् आप बहत क ोर महस
करत् है ण् ैस्- ैस् आप ब् होत् है और महस करत् है क कल पी त होन
कतन् कीमती है, तब ऐस् करन् की इच्छ बढती णएरी।

इस ण् ्,

- मु् पर ्ुक णओ और आम् करो, ई

-आप दुख की श क और पपके र्।"

छह-स स इस ् मे ीन् क् ब मै और भी बुर् हो रय् और बस पर
पी्् रहन् को ण
ब हो रय्।

बहत ब मै ब होश हो ण्त् ्् और म् मुंह और णब् इतन् कसकर बंद हो
ण्त ् ् क मै ख् नहीं ल् प्््।
््

णब मै तरल की कुछ ब्ंदों को नरलन् मे क ब रह, तो मु्् तुरंत उन्हे उली
करन् प् लत् उली हई, ्ो क म् सबस् रंभीर क्ो ्ं
क् दौन् हम् म् स्् हआ है।

अठह दनों क् णलहीन दव्ओं क् ब म््ुक ब करन् क् लए एक वश सप
को बुलय्। णब वह आय् और उसन् मु्् प की इस अवस ्् मे प् तो उसन्
मु्् आग्र त ् म े र ख ् औ र म ु् ् इ स घ त क स ु सी की त स णत
स ् खद को मुक
करन् की आर् दी।

उसन् कक् ण चन्त्र और मुझ् इस तं ण तक् रोर स् छुटक् ण दल न् म मदद की।

णब मै ठीक हो स्य्, तो उनोंन् कह्, "मु् ् बतओ ण क क् स्लत ह।" मै सब कुछ क् ब् मे चुप ् ् ्, ल णक न म ै न ् उ स स ् क ह ् :

ण पत्, यह अवश्य ही शैत क् कुछ होर्। "ण बन् ण कसी पश क्, उसन् मु् स् कह्:

"णरो मत, यह दव नहीं है।

और य ण द वह वही है, तो मै परम्म क ् न स ् उ स ् त ु ् स ् द क र द् ् ं र्।"

इस ण लए मु् ् ह् ् ् ् ो ् ं की ी की सांतत् और सांत पूरस् मुंह खोलन् की आवश्यक मत् ण मली।

ण वश सपक् ण्न् क् ब् मन् ै सोच् ण क क् हआ ् ् ्।

मै ण न् ् ण नक्स् हं ण क् ो हआ वह एक ् ्ो इस ी की चमत्क ण वतत् क् म स् ह् आ ा ् ण पु ्र

मैन् सोच्:

"अग्र मै इस अवस ् ् ् मे रहत्, तो म् ्ीवन कुछ ही समय मे समप्त हो णत्। ल णक न य ह ् ् ँ म ै ए क न ए ण्ीवन मे क् ्ी ब्हँ।"

उनक् मंती की प ण वतत् क् म स्म्स्क्रो बह करन् क् ण लए मै हम्म भरस न क् आभी रहंर्।

ह् ्ाँ क, मै इस तथ्य को ण छप् नहीं सकत् ण क, मी त स णत म े ,

-मैन् खुद को मौत क् घट उत ण दय् है और वह,

- अब मुक्त होन् क् ण ्, मु् ् पहल् स् ही मृत न होन् क् पछ् ् ् ् ्।

ल णक न य ी श ु न ् म ु ् ् म र न ् न ह ी ं ण दय्, क्यो ं क वह मु् पर अपनी ण य न्एँ पी करन् च हत् ् ् ् ् ।

तो, एक ण दन मे, **उसन् मुझ् ण दख् ण क वह च हत् है ण क मै ीवन भर ण शक ् न् रहं।**

समय-समय पर यह मु्् मी पुन् त स णत म े व प स ल ् आ य ्, ल णक न क ल त ब
णब मै अक्््।

अपन् स्ख्य को ठीक करन् क् ब, मै अपन् ण ् मक क््ो ं को प् करन् क् ण लए कुछ समय क् ण लए चच् लौट आय्।

णब मैन् यीशु को प ण वत ण भ ो ग ण ण कय्, तो उन्होंन् मु्् बत् ण क दुख क् ण लए समय कब सम ण प्त करन् है।

कभी-कभी यह संकदत् ्््ण क वह कब लौट।््

च्््ँ ण क म् क््ो्् ं क् ब् मे स्ख् यीशु न् मु्् पहल् ही बत् ण दय् ््,
इस ण लए मु्् ण वश स नहीं हआ ण क इसक् ब् मे म् ण वश सपस् ब्क करन् आवश्यक है।

क्योंण क, अपन् क््ो्् ं की पहल् स् ृण ्् करन् मे सक म होन् क् ब् मे सोचकर,

मै दु ण नय् मे सबस् र वत आ््् बन ण्त,् भल् ही म््ु अपन् आध् ण पत्
की प ण वतत् द् ण नद् ण शत ण कय् स्य् हो।

स्् ही, लंब् समय तक मी पी््.्् कम हई,

मनु्की सहत् स् नहीं, परनु यीशु की ओर स् ण सन् सब कुछ ण कय्।

हआ य््ँ ण क अपन् दद् मु्स् ब््ँटन् क् ब,

यीशु न् मु्् अपनी इं ण ों को अपन् आप ण र स् प ण क्खने की क मत्
नहीं दी। इस ण लए म् पर रव को ण वश सपको व पस ल न् प।

मु्् होश मे लन् क् ब, उनोंन् मु्स् कह:

"अब स्, णब आप चच् मे आत् है, य् ण भ् पहल्, य् आपक् ण न्याद क् ब, म् प सी्ोत क्मे आत् है और मै आपको आशीव््द द््ं्र् त णक आ प ण
बन् म् प ण््न् क् अपन् दुख की त स णत स ् ब ह र ण नकल सके।

आपक् ृर "।

एक सुबह, ि भके ब्, हम् भरस न न् मु्् सम्् ि दय् ि क,

- इसी ि दन, ण ब मै पी तरह स् ह्इबरन शन की त स ण म ो र ह ं र्,

- वह मु्् उन क््ो्ं मे भ लन् क् ि लए आमं ि तत कर् ्ो कुछ ि वकृत पुर् उसक् ि ीन ््् ।

यह ण्नकर ि क म् ि वश सपद्ह्त मे है, मन्ै यीशु स् कह्:

"म् अच् यीशु,

य ि द आप अपन् दद् को म् प स ््न्त्ं रत करन् च हत् ह्ै तो मु्् खदु को पु ि ् ि वत करन् की भलई ह्ै क्यों ि क अरस म् पर रव च हत् है ि क कब् कत् उस् ढ््ढ, तो वह उपलब नहीं होर् »।

यहोव् न् अपनी सी भलई मे **मझसु् कह्** :

"मी ब टी, तुम् भरोस् पी तरह मु् पर होन् च ण ह ए ।

श््ंत, आ् ि वश सी और इ ण स ्् द् दो त ण क त ु म म ो स ब क ु छ म ु ् म ो ह ो ।

इसस् आपकी आ््् उल्स होरी और आपक् सभी ्नु श्तं रहरे ्।

मी पक्की ि कर ो्ं स् अपनी आ््् को आक ि ष त करन्,

-मै इस् अपन् कब् मे ल् ल््र् और

-मै तुम््ीवन को अपन््ीवन बन् हए, उस् पी तरह स् अपन् मे बदलद््र्।"

इन वचनों क् बमै उनक् ि वर रो नहीं कर सक् और मैन् उनकी इच्स् खं को त ि दय्। मैन् प ि वत ि भके ी ्शकश की । स् मैन् अभी-अभी अनुभव ि कय्
््् ्स् ि क यह आ त खरी हो।

इस ि लए, ण न्सं स् पहल्, मैन् यीशु को अपनी अं ि तम ि वदई दी और चच् छो््् ि दय्। म् इ ण स ्् , ्ण ब मैन् सोच् ण क म् ् क्होन् व् है, क् प् स्

तो मु्् ््््ो््् असा महसस हआ।

इसा लए मै रोय् और प््््न् कीा क असर मै होश खो द्ं तो पभु म््ु
पुा ्ा वत करन् क्ा लए नई शत कदर ्।

उसा दन मै उस हमल् स् हैन् ्ा सन् मु्् इस नश र ् मे ो ण दय्।
्् अवस ् ्ब

यह म् ण लए बहत कव्, नय् और बहद भी द्ख ््। यह अब तक क् सबस्
बुर् और सबस् भी अनभव ्् ््।

अत क पी््् की इस त स णत म ो प व श क र त ् ह ए , मनै ् ईश र
की इच्पी
करन् क्ा लए खुद को ता दय् और मरन् क्ा लए तैय हो स्या।

मी हत द्खकर, म् पर रव न् एका प्री को बलु ्, ्ो म् स म ण वश सपस
अलर््, ्ो अनपत ु स ््््।

यहा पु््री, मै द स् कहत् हं, ्ो शद मी मदद करन् उसन् ृर
च हत् ्््, आन् स् इन् कर ण दय्।

तो, दस ण दनों क् ण लए, मै नश र ी क्र की इस त स णत
प् ल णक न ण बन् मर्। म ो ् ् ् ् ,

अंत मे, ग्वे ा दन, म् प पहल्ा भक्ा लए सी्कत््् आय् ््््। उसन
मु्् उठ ्स् म् दस्र्ा वश सपन्ा कय् ््््।

उसा स् मै कईा प््र रयों क् स्् एक लंब् यद्ु मे श णम ल ् ् ् ् ।
उ नेनं
कह् ण क मै संत की तरह ण दखन् क् ण लए अपनी शत् क् नक
कर रह् हं।

कुछ लोरों न् कह्ा क मै ल णठ य ो ं औ र च
ब ु क ो ं स ् प ी ट न ् क ् ह क द ह ं
त ण क दोब् इस दयनीय त स णत म ो न प ् ् ् ं ।

द्सरों न् कह्ा क मु् पर शैत क् कब्जा है।

उनेंन् म् ब् मे और भी बेकहीा क न दोहन्् ही ब हतर है। मु््

नहीं पत् ््् ण क क्करन् ह।ै

म् पर रव क् मन् ्््ि क मी पी्््. को कम करन् उनक् क् ्

और व् आन् व रयों की तलश मे भरवन ण्नत् है
ि पु्र ््््।
ि क उनेंन् ि कतनी असीकृि त झ ली

है। मै इस् और नहीं ल् सकत् ्् ्् ।

मी ब ची म््ँ, ख सकर आँसुओं की नि ँरो पीं। णह््ं तक मी बहै, मै
दख््ंत रह।्

ईश र उन सभी को क म् करे । नेंन् मु्् यह क् ि दय् है। मै च हत् हं ि क पभु
उन सभी लोरों को सौ र मुआि ्् दे, । नेंन् म् स्, ि वश् ष्स् मी
म्ं को झल् है।

आप कल् कर सकत् है ि क इन ग्णकों क् पि त म् समण्ण ि कतन् दद्र
् कों ि क मु्् पुि ््ि वत करन् क् ि लए ी की ि ब््ुल णस्
्, एक ि पु्र

्््ी। परम् त् है ि क मैन् ि कतनी ब यीशु स् ् की है,
ण्न प््न

इस दद्र ि से मुक्होन् क् ि लए बहत रोन्।

और ि कतनी ब मैन् उसक् ि वर रो कय् णब उसन् मु्् एक ब । र स् पीि त
होन् क् ि लए कह, अपन् सबस् कि ठन क्ो््कों स् ् करन् क् ि लए!

कभी-कभी मैन् ि हंसक ि वर रो कय।्

मैन् अपन् अच् यीशु स् कह्:

"भरव न, मै पीि तत् को सी् करं, णब तक आप मु्स् व द् करत् है
ि क आप एक ि प््री क् हरक क् ि बन् म्ु ् पि्ु्ि ् वत कररे ्।

नहीं तो मै इस भी ्ए क् आर् ्ुक न् नहीं चहत्।" मैन् भी तीन ण दन तक ऐस्
ही ि वर रो कय्।

उन तीन ि दनों क् दौन् णब मैन् परम् क ् ि वर रो

कय।् मैन् आंसुओं मे कहत् हए उस् अपन् व द् य द ि दल्

"भरव न, आप मु्स् अपन् व द् नहीं ि नभ् रह् है। आपन् मु्स् कह् ् ि क
्सब कुछ ि ि ्् तुम्और म् बीच होर्।

अब आप च हत् है ि क कोई तीसर् व क्मु्् पुि ््ि वत कर् और अंततः

मु॒॒

यह बत् क् ि लए बक् ि क आपक् और म् बीच क् चल रह् है।

आपन् धनहीं ण दय्

-ि ीब अपि श् ई

- म् पर रव को उन ् र रयों क् ्ो् ् ्ो अपम ् है, ्ो इसम ि प् ि वशस नहीं ह् सहन् पत करत् है?

और आप कहत् है ि क म् ि लए खुद को पि ्ि ् वत करन् मे सक म होन् उि चत नहीं है? हम इन णि ं स् बच नहीं सक् और ं ण त स् रह टलत आक् । श्

ण तनी ब आप पकरत् है, मु्् आपक् दुखों को अपन् ऊपर लन् मे खुशी होरी, और आप खुश हो सकत् है क्योंि क आप णब च हे मु्् । र स् ्ीि वत कर देर्। और इस प् आप मी इच्छा की सीकृि त मे मु्स् असंतु्् नहीं होंर् »।

मैन् ्ो कुछ कह् वह सब ब््।

यीशु चुप रह् और उसन् मी न सुनन् क् नक ण कय्।

ऐस् लररह् ््् ि क वह म्ु वह नहीं द् च हत् ्ो म्ु सही और पि वत लर्।

्त , उसन् म्स्् कह: ् " ***म् ् च् ण रत् नहीं है। मै वह हंणाँ ि त् और रि दन दत् है।*** अब त् क् समय है, ल णक न णल्ली पक्क् समय आएर्।

ण लो ि क ् र रयों क् ् ् म स् अपन् क् को पकट करन् मी आदत है। ्नॉ ि पॉ

मैन् उनेलैक्स ् की कसौटी क् अनुस ण््नन्, न्कारन् और आ्् ् को ्

ि बन् ि कसी उल्न क् क्करन् क् ि लए पोतण त क र न ् क ी क मत् दी।

म् य्णकों क् पयह भी शत क्है ि क व् अपन् ि वचों क् अनुस पक् त व क की कसौटी पर खर् नहीं उतरत् है य् उनेि नलं बत कर सकत् है।

यह ि बन् कह् चल् ण्त् है ि क यीशु क् इन शब्बें क् बमै चुप रह, अपन् आप को उनकी स्र्स् क्र्च्क् ि ीन करन् क् इद् स् ।

लणक न म ै च ु प र ह स क त ्
ह ँ

- च स्तक आर् मन् क् ण लए ण ब होन् क् ब सी ण च े च् ्ण क
- णब ण क म् स्म् इतनी सी ण ीब और ण ्््ी्?
वर रो्
मु्् आद्श ण दय् रय् ्््, मै ण नम ण ल त खत कहरं ्:

उद्हर क् ण लए, उनोंन् मु्् लत् अठ्ह ण दनों स् अ क समय तक
त स और भयभीत रहन् की अनुम ण त दी: यह व सवकोम ण बन् मर् मृतु
्््ी,
-क्यो ण ं क मै ई शबक् हर अ्््् मे त स ््
- ण क मै पी की एक ब््ंद भी नहीं ल् सकत् य् अपनी ्कृ ण तक णस्रयों को
प् नही कर सकत्।

संक मे, मै एक मृत म ण हल् की तरह ््ी (णब मै अभी भी ्ी ण वत ््ी)् ,
मै ण प्् रयों की दय् पर ््,
ण्न ब्कर और म् ण क् उ् ्न् क् ण लए,
्
इसन् मु्् मृतु की त स णत म े
्ीन् ण्री रख।्
भरवन कल वही णनत् है ्ो मैन् उन च व् की सची शह्दत क् दौन्
अनुभव ण कय्।

णब एक ीन् आत खर् मु्् पु ण वत करन् क् ्ैसल् ण कय, तो
ण पु्र ्ण
उसक् प यह कहन् क् ण श् ्च भी नहीं ्: ण्ै्य् रखे और वह करे ्ो
््
भरवन आपस् उमीद करत् है।"
ब त , कठोर ण नदं क् स् ्, ्स्ै ण क व् लोर््ो बदनाय् अवज् ी लोरों
को
ण दए रए्, उनोंन् इस तरह की बे कही:
"मी सु ण वचर त य ् य ह ह ै ण क आप अपनी प ण तभ् को बहत

बुरी तरह स् ल्ु करत् है।"

लुइस् सच् स् ण प्ु र रयों स् आन् व्क्ो्ु और इन्ों क् स्म् ्कती है।
ण ु की महली क् दौन्, यीशु न् क् प्स्रमे अपनी भ णम क ् क ो
ह् पी ण त
स्ण्ण न क ण कय्।

ओह! मै कतन् दु्् रह् हं और अब भी कैस् हं, क्यो ं क मु्् अभी भी अपन् ऊपर लर् आरोपों को महसूस होत् है क मै   ्् एक सनकी और अवज् ्ी आ्््् हं!

मु्् लरत् है क मी भन्ओं क् रहर् ् क म् वच और क् मी तरह क् यीशु स् बहत अलर है।

अपन् प् ्ीवन मे व् सभी स्थों पर वर र्ो स क् पतीक ्््।

ह ाँ क, उनेकभी भी ्््ो्् ्ी सी भी न्गी नहीं ्््ी।

वह कभी पश् नहीं हआ और बी् श्् त क् स्,

अपम क् ब अपम और अपम क् ब अपम सह्।

मु्् यह कहत् हए शम् आ रही है, मै बहत रोय् हूँ

मै अक्र अपन् प्रयीशु स् शक्त करत् ्््् - उसक् वर र्ो करन् की हद तक -,

त णक म ै इ त न ी रंभीर पी््् न झ ल सक् ं य्

 क मु् पर अवज् ्ी और शीन होन् क् अप्म् ् आरोप नहीं लय् ् स्य् है।

ओह! यहोव् न् मु् पर कतन् भल् कय्, और मी नई द्।ु **म् वर र्ो मे, उसन् मुझमे र च ख ो न् क् नक कय् और कुछ नहीं कह्।**

वह चल् स्य् होर ल णक न क ल ् ््ो ् ् ् ् स म य क ् लए। र वह र स्

पकट हआ और मु्् उसकी अनुपत स णत क ् ् ण्््. मे प्

 र उसन् मु्् वपस उस नशर ् मे ््क दय् ््ो उसन् खुद मु्् स्् पी््

्् ्् । दय् वत करन् आय्, तो उसन् मु् स्

एक ब, णब वश सपम मु्् पु

् ् कठोरत् स् कह्:

"मै नहीं च हत् ण क तुम इस र् में व्प्रस ण् आओ।"

एक पल क् ण लए, मु्् होश आय् और मैन् उसस् कह्:

"म् ण पत, इस ससु ी की त स णत म े ण स्न् य् न ण स्न् मी शत क्मे नहीं है।

यह सच है ण क मै शीन, अवज् ी और ण कसी कक् नहीं हँ।

ल णक न म ै स च क ह त ् ह ं णब मै कहत् हं ण क आपकी बन मन् क् दद् म् ण लए बहत दद्र है।

मु्् लस् है, म् ण पत, ण क मै इस पी््् स् पी ण ्त ह।ं

-क्ये ण ं क मु्मे आज़ त ् ् रर ी ी

- ्ो म् यीशु क् एक शद रत है और

-। सक् ण बन् म् उसक् द् कभी भी आनंद स् स नहीं ण कय् ण््एर्।
मु्् बहत पछ्् हैं।

और णब मै खुद को उनस् इतन् अलर द्खत् हं तो बहत अस ण महसकरत् हं।

एक अवजकी ऑ् ॉ् मे यह क् अच् कर सकत् है?"

नमत् क् य् शबम् ण दल की रहर्इयों स् ण नकल्, ्ो म् प् यीशु क् ण लए प स् ण ्क रह््््।

क्ब करन् क्न् मु्् छो्् ण दय्

- पोत हनक् एकशबक् स््e

- ण पछली मुल ककी तुलन् मे ््््ो््ी अ क खुशी क् स््।्

इस पोतहन क् प् , मने ् अ नच्स् ण ण ्य् ण लय्

- ण क अरर भरव न मु्् आश साहीं करन् च हत् ््् ण क म््ु ण प््री क् हस्क क् ण बन् प््ी क्न की त स णत स ् म ु क्र कय् ण्् सकत् है, और

-अरर वह च हत् ््् ण क मै उसक् ण लए क ण तणत ् क ् प्रमे परी ण ो्ं और क्ो ््ं

को सी् करं

बहसंख्क पु्रो् द् लत् ि कए रए कई प, तो मै उसक् ि वर रोक करं
और ण्ो च हत् हं उस् प् क् ि लए उसक् ि वर रोक करं ्

उस समय, भरव न ि ह् ् की महमी को ि दन-प ि त ि दन इस कदर बढ् रह् ् ्
ण क हम् ण नवसी भयभीत हो रए।

एक ि दन मैन् इस ि वप ि त को समझ क् ि लए पहल् स् कहीं अ क
पभु स् प्््््न् की,

उसक् ्म्् और कठोर ि को क् णल्

दु्् पु्रो्द् ि कए रए अन ि सत हमलों क् स् । ्ैस् मैन् प््््न्

की, **यीशु न् मुझ् दश ण दए और मुझस् कह्** :

"बहत अच्, ्ैस् ि क आप सच् स् अपन् आप को प ि तण ् क ् ि श् क् प्र मे
्श करत् है

- शरीर और ् मे होन्
आ्् पी ि त

- रंभीर और दृढ़ पी्् ् मे, मै आपको वह ् ्ो आप च हत् है "।
द््र

उसक् ब मैन् उसस् कह्:

"ह् पभु, य ि द आपक् और म् बीच कुछ ृ ि टत होत् है,

आप मु् पश््ो कुछ भी ्््ोपेर् मै उस् सी् करन् क् ि

लए तैय हं। अन्् मै नहीं कर सकत्।

आप ण््नत् है ि क ि प्री क्सोचत् है और म् प ि त कस्ै वक करत् ह।"ै

यीशु न् ्हत ण् ौर् स् उत्तर ि दय् :

"मी ब टी, अरर मैन् ध्य कय् होत् ि क मनु्् मी मवत् क् ् क् **कर् ्,**
स्ो मै कभी भी मवत् क् उद्ध को प् नहीं कर **प**।

म् लकउनक् श्ता उ द्््।

एक मह प न् मु्् भसकर ण दय् और मु्् उनक् ण लए अपन् सब कुछ
ब ण लद कर ण दय्। ्ीवों क् श्ता उ दक् ण लए,

मैन् अपन् अनन्त पत् को उन परीक ं और क््ो्ं की ्शकश की है ्ो मु्
्ओअ म्य्् तरीक् स् उला हए है मे

पु्र्ो ं क् ण वचों और क् स्।

यह ण्न लो ण क मन्ै अपन् ततौस सक् स्सर क ण्ीवन क् दौन् ्ो
कुछ ण कय् है, उसक् अनुकर करन् क् ण लए,

-तुमेम् ण दों, म् इन्ो ं, म् क््ो्ं और मी मृतुक् आर् ््ुकन् होर्।

-और आपको उने उसी तरह अनुभव करन् होर् ्स् व् म् द् महस ण कए रए
्््। इस ण लए मै आपस् ण वनती करत् हं ण क य ण द आप च हे तो म् ्ीवन क्
अनुकर करे।

अन्््, अपनी इच्ुस मी नकल करन् मी पसंद क् अनुस नहीं है और न
ही कभी होर्।

म् ण लए सबस् सुंदर और आनंददक ण कय् है

-आ््् द् ण बन् शत् की रई ण कय्

- ्ो अपनी ण ्् क् ण बन् मु्् सौंपत् है, ल णक न क ल म ु् म ो।

"त णक म ै आ प म
े व ह स्त प् सक््ं ्ो मु्् सबस् अ क भ त् है, वीरत्ण् क
करे

- अपनी वसीयत को पी तरह स् मरन् क् ण लए ई

-कल म् ण लए तुम मे रहन् दो।

अभी क् ण लए, मै चहत् हं ण क आप ण श् बने

इश व्,

मरमत ई

मंदी

उन लोरों क् ा लण्ो आपक् ा वर रोकरत् है और आपको पश् करत् रहत् है।

ि द रख ा क य् लोरम् बच्चहै और य् म् लह क् द् छु्् ए रए ह।ै या द आप व सव मे प मे रहत् है, तो आप समप्ण करेर् और उनक् उद क् ण लए सब कुछ देर्।"

उसी श, मु्् वपस ल्रय्

-दुख की इस त स णत स ् ्ो उसन् मु्् बत्e

-। समे मै तीन ा दन तक ा बन् पु ा ्् वन क् रह्।

णब मै अपन् आप मे वपस आय्,

- अब ा कसी न् ा ह् ् की बनहीं की

-कुछ लोरों क् अपव द क् स् ्, । नेंन् पलत्रीक्स्वक ा कय् और । न मृत्तुक् ा लए अपन् योस्द द् प्।

आ क्र्गॉश ा नव सी भ ख न क् इस क हर स् ा हल रए ्ा्ा्

णब ा वश सपमु्् वत करन् आय्, तो उसन् ण क् मे कह्: पु ा ् ा

“इन ा दनों मे हम् प एक मह पचक ््् , ्ो बहत अच्चपच करत् ््् ।

हमन् अपन् चर ो् ं मे ऐस् लोरों को दख् है । नेंन् अब तक ा कसी भी ण ् ा म क भ् क् ा वर रो कय् है और । नेंन् अपन् प् ्ीवन क् ा लए एक चच् क् पीछ् चलन् क् सम्मनहीं ा कय् है। इस उत्त् ् उपद्शक क् आह पर, उन्नेंन् अनुगह क् स् आ ्स मप् कर ा दय् और अपन ीवन क् णल् उतनण कए »।

मैन् उसस् ्छ् ण क इस ण मशनरी न् ँ पच ा ्। उसन् णवब ण दय: कह् कय् ््

«न कल चच् मे, ब त ् चौकों मे, मंण ा लयों मे, ¡

दुके और ृर।

उनक् शत कश्री वचन कृप् क् अ भषक् स् ् सभी स ों पर पहंच् ््न

ण सन् बहत तपस्की। और क्आप उसक् न ण्ननन् चहत् है?

इसक् अच्नहै। इस् ्ी. कोले (ि हे्् क् संक), ईश र क् संकट" कह् ण्त् ह।ै

इस बीच यहोव् म् ण लए एक और पश ततैय कर रह् ्। ि हे्् की बीमी ्खु् होन् क् ब इसन् मु्् मा्

वैर् मे सीककत् ्ों क् तग् ी स् पर रवत ्।
श णमल ्

तब म् पएक ण ््् म क ् क् सदस् ् और उनक् वर र्ों द् एक श्त क ्
ण्ीवन क् ण लए बुल्य् ््।

मै उसस् संतु्् ् क्यों क वह अक्््् सन् म््ु पी त
्् नहीं ण कय्। मन्ै
ऊपर्ण्ो भी -पु्ल क् उ कय् ह,ै वह म् ण लए ्र रयों क् ण्
उ्ल अन् प्
हआ ्््, णब क यह ण वश सपद्श मे ्््।

ण ् क् ण न् ्र ्लरप् रए ््।
ह्

और मु्् उसकी अनुप स णत क ् ण लए बहत क् हआ, क्योंण क द्सरों की तुलन् मे
अ क सच् स् वह मु्् पु ्ा वत करन् क् ण लए सहमत हआ।

बहत द्ुख की ब है, मैन् अपन् भरवन की ओर रखण कय् और उनेअपन् द्ुख ण दख्

अपनी सम कोमलत् क् स््, **यीशु न् मुझस् कह:्**

"ब ट्, तुम इस बस् दुखी मत होओ।

मै ण दलों क् भस न हं और मै उनेअपनी इच्स मो््. य् मो््. सकत् हं।

य द तुम् वश सपन् तुम्भल् कय्, तो वह कल म् ् दत् ्््,
सन् मु् स् सब कुछ प कय् औरण् ै स् मैन् तय वैस् ही तुमे ण दय्।
कय,

मै अनसी क्तओ ंक् स््् भी ऐस् ही ्और उनक् कको प् करन् बक

क् ण लए उने अनुगह तो ण रन् की क्णस्ट है?

द््ंर

"म् बच्,

णब तक आप बन् रहेर्, मु्् इस् आपको ण कतनी ब दोहन्् होर्?

- ब्एँ और द्एँ द्खो,

कभी इस पर तो कभी उस पर ण नह् रखन,्

क्तुम सच मे अपन् आप को स्स् क् म् पर नहीं रखस्?

अरर तुम ण ण ्् मु् पर नरर नहीं रखत्,

- तुम हम्नकोर्,

- मी कृप् क् पभ आप मे ण्् नहीं हो सकत्।

इस ण लए मै च हत् हँ

-ण क आप अपन् आस-पकी ण च ों क् पण त पण वत उद्सीनत् मे रहे, e

-ण क आप हम्नवह करन् को तैय है ्ो मै आपस् च हत् हं। अन्् हो सकत् है ण क आपको पीण त की भ णम क ् क ् ण लए दस्रो ं स् तर ीह न दी ण्ए।"्

इन वचनों पर ण वच करत् हण्ो मु्् ण सी् यीशु द् ण दए रए म् हदय मे ्् ,

इतनी शत क्र वकण सत हो र्ई है।

- ण क मैन् अब अपन् ण वश सपकी अनुपत स णत प र ध्नहीं ण दय्,

-भल् ही इसन् मी आ्््् को अच्च कय् हो।

इसक् ब्, भरच न न् मु्् उस ण प्री की द्खभ ल करन् क् ण लए पर त ण कय, । सन् मु्् सी् ण कय् ्््् णब मै छोटी लकी ््ी।म््ु इस पसदं पर कभी पछ्् नहीं हआ।

वसव मे, मन् अकर भरवन स् कह् है: "आप
हम्मा न्सहे, ह् पभु।

आपन् मु्ःं् भा मत ण कय् णब आपन् मी आ्ं्ं् क् ण लए हन ् क त ररह् ्ं्ं्

और अपनी सबस् बी मा हम् क् लउठ आपन् इस त स णत क ो म ् लमे बदल ण दया् ण लए

ऐस् हम् हो, ह् भरवन!"

णबा कम् ण दल हम्मम् दसर् ण वश सपक् ण लए बंद ्ं,

मैन् इस् यीशु द् पसणव त प र म र क ् इस मंती क् ण लए खोल् और म् द् स्ता ण कय्।

उसक् द् और । द क् प् , म्ु दल दस्र् ण वश सपक् ण लए बदं रह।्

इसा लए, मै अपन् आप को आंतर रकप्रस् मुकनहीं कर उनोंन् मु्ः् सकबोलन् क् ण लए हर तरह स् को शश की।

ल णक न म ् औ र य ो श ु क ् ब ो च ण्ो कुछ हो रह् ्ं, उस् ण कसी और को बत् की

सोच न् ही मु्मे इतनी शा म दरी और ण्ृ्ं्पद्ै कर दी।

यह ऐस् ्ं्ं्ं ्ैस् मु्ः् सबस् भय नक पसी् करन् प्, ्ो भरव न क् शु्क है,

-मु्ः् पा तबद्होन् की ण्न्ी नहीं है e

-। सक् ण लए म् कोई ्ुक नहीं है।

ह्ँा क, इस कबकत््ं् को, और कई मौकों पर,

मैन् अपनी आ्ं्ं् को छोट् स् छोट् ण ववर स् अवस्त कय्ं् भल् ही मनै ् इस् ण बन् ण कसी आद्श क् ण कय् हो।

अरर उनोंन् मु्स् ्छ् ण क मै क्यों नहीं च हत् ण क द्सर् ण वश सपमु्ः् । र स् ्ी वत कर्, तो म् णव ब होर् ण क मै उनेयह समझ मे सक म नहीं ्।् क म् स्ः् क् हो रह् ् ् ् ् ।

यह उसकी रलती नहीं ् ् ् ्ी

क्यों क वह अच्छा और बुा द्म ्ं्ं् और वहण्य कैमी बसनत्ु्ं्।

अरर मै उस् बत् द्त् ण क म् और यीशु क् बीच क्चल रह् है, तो वह मी आ्ं्ं् क् बहत ख्ला रखत।्

ह्ाँ क, उन्होंने यह सु न श त कय् क मै सद्च क् म् परबन् रहूँ।

णह्ँ तक मी बहै, मैन् अपनी आ् मे एक मह स्् णमहस ण कय्,

- सस् मै ह्त प् च हत् ्

- कसी और क् स्म् अपनी य् ण्नन् की इच्क् स् खुद को क करन्।

ह्ां क, मै दोहत् हं, म् लए ऐस् करन् असंभव ।

म् मन् है क स वश सपमु् बोलन् क् लए नही कह सक् वह कल भरवन की उदत् ।

मु् यह्ोन् होर् क म् नए वश सपमे म् इंटीर रयर मे पव श करन् क् लए एक वश् प तभ्ी।

उसक् स्, मन्ीर-ण्ीर् हमटई ।

मैन् अपन् भीतर खुद को ककरन् की इच्औरण्य् महस कय्।ण्ीरण्ीर्, मैन् अपनी आ् उसक् ण लए खोल दी।

मैन् इस् अपन् अंदर पढन् दय, स् क एक कत ब मे, पण् दर पण् , एक ही शब्एक शब समे वह वश् अनुगह भी श ण ोपभु न् मु् दय् ।

यह ऐस् स् म् अच्यीशु न् मु् वह सब कुछ य द दल न् क् लए पश् उठई

ण्ो उसन् मु् पहल् ही बत् दय् औश्ो कुछ भी म् स् हआ ।

कभी-कभी णब मै उस् कुछ बत् मे हच कच ती ी तो वह मु् बहत ण्ंटत् और मु् छोन् की ण मकी भी दत् ।

मै द्सर् वश सपक् ब् मे भी यही कह सकत् हं, ो मुस् एक ब्छत्रह् और र द्सरी। कभी-कभी वह मुस् छत् क मी सुसी क् क् है और इसक् क्पभ पत् है।

कभी-कभी णब उसन् मी ॥ द द्खी,

- उसन् आर् मन् क् नपर मु्् आर् दी ण क मै उसक् उतर द््ं; और

- म् स्मा् एक मह शैती भम क् भय रखो। । र उन्होंन् ्ो्््:

"णब आ््् आज ्ी होती है, तो हम दोनों सरण ु क त और अ क श्ं॥ तप्ण्् होत् है, क्योंकि क पभु न् अपन् मंती को अनुम॥ त नहीं दी, ण्ो सत्ताकी प खगो सही ढंरस् क्करन् च हत् है, य् स्लती स् ».

इस संबंण मे, मु्् अक्र ऐस् पतीत होत् है॥ क यीशु और अंरी् दोनों,

- वह इस मल् क् ब् मे सब ण््नत् ्््, क्योंं

-इसस् पहल् ण क यीशु मु्् ण कसी भी पी््् क् ण ीन कर,्

-मैन् द्ख् ॥ क ॥ वश सपसच्ई ण्नत् ्््।

मैन् खुद स् कह्: "चुप रहन् स् बहतर है ण क उस् एक ही ब मे सब कुछ बत् दे, क्योंकि क वह पहल् स् ही सब कुछ ण्नत् ह।ै और अग्र मै चपु रह्ं तो कौन ण्न् ण क ब मे उस् अपन् क करन् क् तरीक् नहीं बदलन् प।"््.

यह सब ॥ पछल् व् क् म् ॥ वश सपें क् स्् नहीं हआ, । नेंन् न कल

मु्स् कभी सवानहीं ॥ कय् य् म् प््ीकर क्र ब् मे सच्चै की तल श करन् की को॥ शश नहीं की, व् कहत् है:

उदहर क्॥ लए य॥ द यह परम्न क ी ओ र स ् य् ों स ् आ य ् ह ै, य् क स्रा॥ द यह शीर रक रोरों क्॥ ्

संक मे, उन्होंन् कुछ नहीं म््ँर् और उन्होंन् कुछ नहीं कह्।

ह््ँ॥ क, मै यह ण््नन् क्॥ लए बहत उत्सुक ््् ॥ क क्मै परम्न क ी इच्छक् अनुक््् य् नहीं, णब मन्ै उस ककको उठ ्ो उसन् म््ु भण् ््

् णब मु्् इस् पहनन् क् ् नहीं॥ मल् तो मु्् बहत क् हआ।

् । ्य

इसक्॥ ्य, णब दस्र्॥ वश सपको पत् ्््् ॥ क पभु खदु को म््ु ॥

दख् रह् है
और मु्स् ्छ् ण क क्मै पीण त की भ णम क ् ण नभ न् च हत् ह,ं तो उसन् म्स्ु

कह् ण क मु्् यीशु स् कहन् है:

"भख न, मै उस पी््् को सी् नहीं कर सकत् और न ही करन् च णह ए ,
णब तक आप मु्् अपन् ण ीन करन् चहत् है, णब तक ण क मु््
अपन् ण वश सपकी अनुमण त न हो।

अरर तुम च हत् हो ण क मै ण श् बन््ं तो पहल् उसक् पण््ओ और
उसकी सहमण त म््रो त णक व ह म ु् स ् न ् ् "ो

एक सुबह, ण भक् ब म् दय लु यीशु न् मु्स् कह्:

मी ब टी, पु्रो्ं क् ण म् इतन् अ क है ण क म् प और म् न्क बीच
संतुलन ण बर रख् है।

बुरी ्तों की पबलत् मु्् पु्रो्ं पर एक ण हंसक युदछ््न् क् ण लए ण ब
करती है ण सक् स् ् मै मव क् एक अभ तप ण वन श करूं"।
म्स

ण र, आंसुओं मे, उनोंन् कह्:

"ओह! ह्ाँ! मन्ैउनेशरीर ण दय्

अभयपहोन् क् ण लए ण समे मै आनत न्त होन् च हत् ्। उनोंन् उन
्पुटीय स ण क टैक मे बदल ण दय। ् बत ,

उनकी बदब् इतनी त्ण है ण क मै उनस् द ण््न् को ण ब हो रय् हं।

य् वह ण न्नद है ्ो मु्् पहे म् ब ट्।

-बहत पक् ण लए और

- उनक् ण लए इतन् दद् सह्।

म् ण सव् और कौन

- उने इतनी बहतत स् आशीव््द ण दय् और

- क् उनोंन् अपनी संत ण ्् मे इतनी दी की है? म् ्ैस् कोई नहीं ््!

और उनकी मह वकृ त क् क्है? यह और कुछ नहीं, मी ब टी, य द
वह अत क नहीं है
ो मैन् उने दय् है। अब मै उने स्खब् रखा
द्कर
अपन् क् प्यसखा सखऊंर्।"

यीशु क् वचनों क् पर र स्र, यह सोचकर क इतन अच्पर म्र होर,
म्
म् हदय कटुत् स् भर
रय।

यह परषों की कृतघत् स् भी मज्ऊया ण सकत् है।

और कौन कह सकत् है क मी क् ी णब मैन् उन लोरों क् ब् मे सोच्
पी ण्ो युद्क् अ भश प स् दं
त होंर्।

उनक् लए मु इन भय नक प् ों क् लए उने क् पी त
सौंप् ण्होन् की एक ब् इच्महस हई। य

और मैन् उसस् कह्:

"ह् प वत द्ल् उनेअपनी ण म कत् की इस वप तस्
बच्ओ। य द उनक् म् उतन् ही ब् है तन् तुम कहत् हो,

आपक् रक्क् अप समु अभी भी है समे आप उने वस त कर
सकत् है। इस तरह व् शुद्होकर ब हर आ सकेर् और तुम्न्सांतु होर्।

और मै तुमस् हम् क् ण लए कहत् हं,

-य द आपको अपनी पसंद की णरु नहीं मल रही है,

- णब चहो म् पआओ।

मै तुमेअपन् हदय अ पकरत् हं त णक त ु म उ स म े ण
वश और आनंद प् सको।

"भल् ही म् हदय पों और दोो ं क् कुंण है,

आपकी कप्स्इतनी पभशी,

मै इस् शुद्करन् और आपकी इचुस इस् बन् क् लए तैय हं। ओह!

म् अच्ग्ग़ श्ंत हो ण्ओ!

और यदि यह आवश्यक और उपयोगी है, तो मै आपको अपने जीवन के बलि दे देता हूं।

अगर मै आपकी छवि को इस कठोर संकट से उभरते हुआ देख सकूँ तो मुझे खुशी होगी।"

मुस्कराकर, **यीशु ने मुझसे कहा:**

"प्रिय बच्चे,

- यदि आप सच्चे से स्वयं को के सहने की कोशिश करते है,

- पहले की तरह छिटपुट प्रयास से नहीं, लेकिन नियमित, मैं निश्चित रूप से पुत्रों को बचाऊंगा।

क्या आप जानते है कि मै इसे कैसे करूँगा?

मै तुम को अपने और मनुष्यों के बीच इन दोनों के बीच मे रखूँगा, जब मै उन पर विपत्ति भेजकर, तुम्हे बीच मे रखकर अपनी न्याय को लागू करना चाहता हूं,

- आप पहले प्रभावित होंगे,

- लेकिन उन्हें बचा लिया जाएगा।

यदि आप अपने आप को इस तरह पेश करने के लिए तैयार है, तो मै पुत्रों को बचाने के लिए तैयार हूं।

अन्यथा, मुझे अब न तो खुश किया जा सकता है और न ही मै अब और रह सकता हूँ"।

इन शब्दों के बाद, मै निश्चित और पूरी तरह से भयभीत था। मेरा सिर घूम रहा था और मै कांप रहा था।

लेकिन यह देखते हुए कि यीशु हमेशा ही वे मै कहता हूँ, अपेक्षा कर रहे थे,

खुद को बोलने के लिए बल करता हूँ:

"ह् म् ण प्वीवनस्◌्◌्◌्◌ी, मै आपकी इच्छक् अनुस कोई भी बण लद
द् क् ण लए तैय हं, लणक न अ प न ् ण पछल् अनुभव
को द्खत् हए,

- ण वश सपक् स्◌् कैस् वह करन् है,

- णब वह समय-समय पर आत् है, तो क् आप ्छत् है ण क वह मु◌् पहल्
उसकी सहमण त क् ण बन् पीण त होन् की ्शकश नहीं करत् हे?

स्, इनवस,

क् आप च हत् है ण क मै उनकी सहमण त क् ण बन् इन क्◌्◌ो◌्◌ं स् र स्रं मै
तैय हं,

क्योंण क म् पुनस्तउस पर नहीं, परन्तुकल तुम पर ण नभ परमण ्न्
करप़रमर।"

तब **यीशु** , म् पण त, ्◌ो आज्ञ त ् स ् स ब क ु छ ब ण लद करन् ण्न्त्
◌्◌्,
न् मझस् कह् :

"ऐस् कभी न हो ण क मै अपनी पती रक्कक् त खल्ण ्◌्व्ई कर्य अपन्
ण वश सपक् पण्ओ और उसकी सीकण ् त क् ण लए कहो।

अरर वह आपकी ब सुनन् चहत् है, तो उस् ण वसस् बत्एं ण क मैन् आपको क
बत्।उस् बत्एं ण क यह सब अक् नहीं होर्

- प मे रहन् व्ण्ण यों की भलई क् ण लए,

-लणक न ब म े अ न ् व ो ं क ् ण लए।

आपकी सबस् बी़ भलई द्◌ंव पर है

ण क आप इन ण नब्◌्ण् और लस्मरनश र क्◌्◌ो◌्◌ं स् र र को ं क
भण व्मेआपको आज्ञ त ् क ् द ् आ म ंण तत ण ् है - मै आपको
कय् णसक ण नण श त तरीक् स् शुद कर द्◌्र्

आपकी आ◌्◌्◌् म् ण लए आपक् रहसमय ण वव क् योगहो।

'ब मे,

मै तुम् परम पर रवत की वस ॉ मुझ मे करं त णक हम दोनों एक हो सके।

ण्स ् दो मोमब ं एक ही आरस् ण पृलती है, व् ण वलीन हो ण् ्ती है और एक तय्

ही शरीर बन ण्ती है।

इस तरह एण ु ट होकर **हम ् नेर**

- एक ही ण वच क,

- वही प, और

-मरमत क् क ही।

मै तुमे अपन् मे और मै को तुम मे बदल द् ्ं र

- त णक त ु म म ु ् म े क प र च ढ ् ए ण् ्ओ,

-म् स् ् ् और

-म् ण लए।

क् आपको यह कह्त् हए खुशी नहीं होरी:

णब कबकरन् व्आय, तो मैन् वह सब दोहय् ् ्ो यीशु न् मु ् ् बत् ् ् ् ् ।

मैन् उसस् यह भी कह् ण क मै समय सीम् क् ण बन् होन् चहत् पीण हं। ह् ्ं ण क

यह मु ् ् लर रह् ् ् ् ् , और मै व सव मे आशस ् ् ् ् ,

ण क यह क् च लीस ण दन स् अ क न रह्। ल णक न , ्ै स् ण क मै यह ण लखत् हं,

मै बह व् ् तक ण नरंतर क् की त स णत म े र ह ् ह ं। म ु ् ् न ह ी ं प त ् ण क यह कब तक चल् ्।

भख न हम्ा न्राहे और उन्क् अ ् ् ् ् ह

न मु ् ् अभी भी कह्न् है

-ि क अरर मै सम् स्य् होत्

-ि क मु्् अपन् समय लत्ि बसस पर ि बत् होर्,

श्ब्द मै हम्ना क् ि लए पीि ्त की भ णाि क ् क ् ि लए आसी स् पसुत नहीं होत्।

म् स्वा ्बर् स्य् होर्। म् पइतन् स हस नहीं ्् ् ि क मै इस तरह क् बि लद क् ि लए खुद को ि ््र द् सक््।

मै अपन् ि वश सपक् ब् मे भी यही कह सकत् हूँ:

- यि द वह उस बि लद को ण््नत् होत्, तो उस् मु्् वत करन् क् पुि ्ि ण लए हर सबह करन् पत्,

- हो सकत् है ि क वह मु्् इस ् मे इतन् लंब् समय तक रहन् द् क् अवस ि् लए ण््ी न हआ हो।

मै आपको आश स्त कर सकत् हं ि क मै हम्नस् इस ि ्र पी्््् क् पी रह् हं। णब मै इसक् ि बन् ् तब की तुलन् मे णब मै लत् हआ तो मु्् ्् पीि त हम्नअ क इण स ््ि दय् स्य् है।

व सव मे, णब मैन् बहम्न पीि त की इस त स णत म े र ह न ् श ्र कय,् तो म््ु नहीं पत् ््् ि क कॉस क् ् कीसु्कैस्की णए।

म् ि वश सप। स् मैन् बत््् ि क मी सबस् दय लु यीशु म्स््ु क्च हत् है, न् म् बत:्

"यि द आपन् मु्् ्ो कुछ भी बत है वह व सव मे ईश र की इच्छ है, तो आप म् आशीव द पकस्त्े

सच कहं तो मै र रोसुबह तुम्न र स् ्ीि वत करन् क् यर कर सक््र्।

यि द मै अपन् स्वा मे समस्ओं क् अनुभव करत् हं, तो मै ईश र की कृप् स् उन पर ि ि य पक्त्रं।"

णब मैन् उम्न्ीवों क् ब् मे सोच् ्ो युद्क् भय नक संकट स् बच ण््एंर्, तो मी

आ्््् हा ष त हो रई। ह्लंक , म् स्था हलन् लर् ्््।

और मैन् कुछ ण दन रहर् दुख मे ण बत्ए। मु्् चच् ल् ण््य् यीशु को अपन
स्याहदय मे गा करन् क् ब्, मैन् उसस् कह्:

"सीब्ण्ीसस, उस त् समु्् को द्खत् है ण समे मी ् ण््बी हई है। तझ्सक् ण ्य् आ््

- श््ंत और श्् तपण् ््रहे

-म् ण वश सपको दी स्ई रोशनी क् ण लए ण न्बाद,

। सन् मु्् आग्र त ् म े व ह क र न ् क ी अ न ु म ण त दी ्ो आप मु्स् उम्मीद करत् है, यह््ँ मै अचक पश् और भण मत हँ।

मै हँ

-सबस् पहल् दुख की उस त स णत क ् । ् । समे आप स्वं को ण वस ््त करन् व्हहै।

-और । र मु्् आपक् स्त ण कए ण बन् इस ् मे क्तें रहन् प् सकत् अवस है, ्ो म् ण लए सबस् बी पी्््् होरी।

तुम्ण बन् कौमा्ीण वत रह सकत् ््?

म्ई रर, आप मु्् ्त द् सकत् है और कौन?

- ्ीण वत रहन् क् ण लए,

-म् दुख स् उबरन् क् ण लए। मु्् यह शत क्कैस् ण मल्ी

अरर मु्् आपक् संस्से आपक् स्त करन् की अनुमण त नहीं है? "णब मैन् अपन् ण दल को उसकी ण चंत्ओं स् मुककर ण दय्, तो मै बहत रोय। म् स्् सहनुभ णत र ख त ् ह ए , यीशु न् मु्स् ण वनमत् स् कह्:

" **मी ब टी,** ण रो मत । मै तुमी कण ोरी सम्त् हँ

मैन् आपकी कण ोर रयों क् सम््न करन् क् ण लए नए और ण वश् अनुगह तैय ण कए है।

क्मै हर ण च ्मैं मि व शत क्म नहीं हं ?

क्मै तुमेसंस्सेगण नहीं कर सकत्?

अपन् आप को र दो और, एक मर् हए आदमी की तरह**,** अपन् आप को म् ण **पत् की बहों मे रख ो** ।

पु र्ो ं स् मु ् ् लत् ण मलन् व्ाकई अप ण ् ्ो ं क् ण लए **ख ुद को पी ण ्त क् प्र म े् श करे।**

तो आप उन लोरों को बच् सकत् है ्ो अनुशसन क् प है।

अब तक तुम म् प्आए हो, ल णक न अ ब म ै त ु मे ण वश स ण दल्ह ं ण क मै तुमे ण नः संकोच द्खन् आऊंर। ्

य् मुल के छोटी हो सकती है, ल णक न य ् आ प क ी आ ् ् ् ् क ् ण लए हम्एक ल और एक बी् स् ्ं ल् होंरी। क्तुम संतु ् ् हो?

और क्ो ण ं क मै अपनी इच्छ् क् प ण त तुम्लव् त् हं, यह ण्न लो ण क ण्सब स, ्

आप पहल् स् ही एक स ् ् ् यी ण

श् है, बहमी पी ् ् ् ् की त स णत

म े ,

मी इच् क् अ्नसा

मै आपस् उन पें की क ण त्णत ् क ् ण लए कहत् हं ्ो अन्ाण य ो ं न ् ण कए है »।

मै उन अनुगहों क् ण ् ्न कैस् करँ ्ो पभु न् मु ् ् द् शुर कय् ् ् ्? म

ण लए वह सब बत् असंभव है ्ो म् अच्छ्ापीशु न् म् ण लए ण कय् है।

-उस ण दन स् लर ण तक,

- ख सकर अर यह इनमे स् प्अनुगह क् सटीक ण ् ्न करन् क् पश है।

मु ् पर ण नदल क ् ् ्ोपी ई पा वत आज्ञ त ् क ो स ं त ु ् ् क र न ् क ् ण लए, मै अपनी ओर स् पी को ण शश करंर।

सबस् अंतरंर अनुगहों की उ्क् न करन् क् पय स करन् ,

ण्ो मु्् पकट करन् बहत क ठन लग् है।

पहल् स् ही उ त्न कए ग्ए व द् क् ब् मे ्ो यीशु द् मु्स् कय्
गय् ्््् मै कहंर् क यह हम्म नद्् रह् है।

उसन् शुरस् ही अपन् वद् ण नभ् है और मु्् ण वशस है ण क वह इस् अंत
तक ण नभ्एर।्

मु्् अच्छी तरह य द है क उसन् मु्स् पहल् दन क्कह् ््््
णब मु्् बस रखन्् ््् :

"म् दल क् प्दोसें, मैन् तुम्हे इस हृत मे रख् है त णक म ै औ र
अ । क सतंत प्यस्
आपक् पआ सक््ं और आपस् बकर सक््।ं

व सवमे, मैन् शुरस् ही आपको ब हरी दु नय् स् और ण य ों स् नपटन् क्
अवसरों स् मुक्त कय् है।

इस प् मैन् तुम्हे आंतर रक प्यस् शुद्ध कय् है त णक प ृथी क् कोई वच
य् स ह तुम मे न रह्।

मैन् उन्हे स्पष् वचों स् बदल दय् ्ो म् लए प्यस् भर् हए
्् ््।

"अब

-ण क ब की सब कुछ आपक् लए वद्शी है और

-ण क हम पर र चत है, मै आपको अपन् स्् पहचन् च हत् हं,

त णक त ् श र ी र औ र आ ्् ्् म ् प र ह ्, ण क म्
स्म् एक सतत पलय हो।

अगर मैन् तुम्हे उस ख ट तक सी मत न कय्

होत्, म् ब-ब आन् स् आपको कोई ल नहीं होर्:

आप सबस् पहल् अपन् पर रव क् क्ोंको ब लद क् स्् प्
करन् पसंद करेर,्

और र अपन् दल की वकृत्कल् क् लए स व णन व ृ तहो ण्ओ,

म् र र ्् क्या कर रह् है। अब आप नहीं कर सकत् ।

हम अक् है।

हमी बचीत मे खलल ण्ूलन् व्ाय् हमे अपन् सुख-दुख क् संच करन् स् रोकन् व्ा कोई नहीं है।

"यण द आप म् ्ैस् ण दखत् है, तो आप भ ल्स्कत् है

-उस खुशी और खुशी क् ण लण्ो कुछ अच्लोरमु्् द्त् है,

- स््् ही वह कटुत् और र्ण्ो दु््््ो्ं स् मु् पर

अ्् आत् है। अब स्,

मी स््तन् तुमी होरी और तुमी स््त न् मी होरी।

म् व्औरर व्ांक मे होंर्

- त णक "तुमी इच्ा और "मी इच्ा पी तरह स् हो ण््ए, यक

- "हमी इच्ा कहल न् क् ण लए।

संक मे, आप मी बों मे इस तरह र च लर् ्स् ण क व् व सवो मे अपनी होंे।

उसी तरह मु्् भी तुमी बों मे ण दलचसी होरी

"तुमी ख णम य ््ँ ण सव..., ्ो स्स्मी होंरी।

क्आप ण ्ॉन त् है ण क मै आपक् स््ॉ कैस् बह क रूंर्?

मै एक नव ण वव णह ् ी तरह एक कुलीन न् की तरह बन््ंर्, त । ् ्क

- ्ो अस ्््यीपरस् उसस् द रहन् क् ण लए ण ब है, e

- ्ो उसक् स््् रहन् की ण व् ्ी मे हम्ा अपन् ण दम और ण दल उसकी ओर प्ात् रहत् ह।ै

वह अपन् कासख् करन् मे व्स्त है त णक व ह णल्स् णल्उसक् पा व पस आ सक्। एक ब णब वह वह््ं होत् है, तो उसकी ण नह् उसकी ओर मु्् ण््ती है, यह द्खन् क् ण

लए ण क क्वह अपनी अनुपत स णत क ् ण लए ख द क्

कोई संक दख है।

और अरर वह उसस् ब करन् चहत् है, अपन्
आसपक् लोरों को अनुम त द्त्

ह,ै

वह उस् अपन् स् ् अपन् अप्मेट मे ल् ण्ृत् है और दरव्ण्ृ बंद कर द्त् है।

एक वश सनीय व्िक को पहद् क् प मे ब हर रखो,

त णक क ो ई उ न क ी ब च ी त क ो प ब ण त
न कर सक् य् उनक् रहसें को न सुन सक्। अक्एक द्सर् स् अपन् वचों क् संच करत् है।

य द कोई लरवी स् उनेउनक् अलव् स् वं चत करन् च हत् है और उनेपश् करन् च हत् है, तो उस व्िक को तुरंत ् ् की श्ण्ं त भरं करन् क् प म स्प कय् ण्ृएर् और की ् ् दी ण्एरी।

मैन् तुमेइस अवस ् मे ण्ल कर वैस् ही वह कय्। है कसी को ण्ो इन व् ं को नकलमु ् ् बुर् लर् ्, ् ्ओ बर् ् द।

ल णक न य ह म ् ् ् उ स ् द ं त करन् क् लए पर त क र ् ्। क्आप इसस् खुश है?

य द म् पय यीशु न् मु ् ् ्ो अनुगह दय् है, उसक् बदल् मे म् हदय उसक् प त कृतर पस् नहीं उम् रह् ् ्,
मै सभी नें मे सबस् ृ त कहल न् क् योग हं।

अर मैन् उसकी प वत इच्क की इच्क् लए पी तरह स् सहम त नहीं दी है, सभी स् और पृथी को मु् पर उंरली उठ्नी च णह ए, भ व्कि पी ढयों स हत,

सबस् कृतृ और ृ ृ त आ् ् ् क्षरमे ्ो कभी अत स्ताम्े ् ् ्ी ।

यह ऐस् होर् ्ैस् कोई नंर् प्ंव रंद् लत् मे ढक् हआ एक बहत अमीर सर
पर ् ् ् प् सन् उस् आमं तत कय्।

- इसकी अप संपण त क् सह-म णल क ब न े e

- उनकी द्खभल ऐस् करे ्ै स् व् आपक् अपन् हों।

क् यह बच् बह आदमी सबकी हंसी क् प नहीं बन्?

यीशु न् म् स््् ऐस् ण कया।्

म् कुछ नहीं क् बदल् मे, उसन् ् अपनी अनंत ं को अपन् परखन की म् वसओ

अनुमण त दी, कल इस शत् पर ण क मै उनकी द्खभ ल

करूँ मै उस् कुछ नहीं ल्ल णक न म ् क ु छ भ ी न ह ी ं।

क् आपन् कभी ऐस् कुछ द्ख् है? मु्् इसक् ब् मे ब करन् मे शम् आती है।

और यीशु बन रय्

- न कल मी शत् क् सी,

-ल णक न म ी छ ण म य ो ं ् मे पी तरह स् शुद स ् भ ी , । स् वह अपनी अनंत ण्त करन् चहत् है।

ओह! मै उसक् ण कतन् ण ी हँ!

ण्ो कभी ्क त् नहीं, कभी क् त् नहीं और मु्् दोहत्् नहीं त्: क्

"मै आपस् अपनी इच्क् ण्् अनम्होन् च हत् हं,

इस तरह स् ण क तुम मी वसीयत मे ख ुद को पी तरह स् ण वलीन कर लो »।

णब उनेंन् महत्वीन ण च ों क् पण त म् ् स् लव् द्ख्, तो उनेंन् कृपय् ्््ो मु्् पीछ् हटन् और कहन् क् आगह ण कय्:

"मी ब टी, मै तुमस् हर उस ण चीज् ण्् अलव् की कन् करत् हं ्ो मी नहीं है। मै च हत् हं ण क आप हर उस ण चीर ण वच करे। स् आप पृथी क् ब् मे ण्नत् है।

खद की तरह, द्खन् मे ृ ृ ण त। "

णब आप ण रती की उन ॥ च ों को खुशी स् द्खत् है ्ो णसीर नहीं है तो म् ॥ दल णम ण््त् है। स्था॥ च ॆ आप पर बरसती है और दी करती है

रहस्मयण ववण स् मैन् आपक् स्् सम क्रस्कदण कय््।

ण्न ले ॥ क मै पथृ ी पर उन ॥ च ों की सहन् नहीं करत् ्ो पी तरह स् णसीर नहीं है। *मै च हत् हूं ॥ क आप इस ृर स्रीबी क् पा करे,* । स् मैन् स्थं *पस्तुत ॥ कय् है,* ्ो ॥ क अनश्च ्््, क् ॥ तर स्कार करत् हए।

उस छोट् स् ॥ बस्स मे णह्ँ तमु स्रीबी मे मी नकल करत् हो,

आपको अपन् आप को एक स्रीब पर रत्कबच्समन्र च णह ए । त भ ी आ प क ह सकत् है ॥ क आप व सवा मे स्रीब है।

क्यें॥ क मै सची स्रीबी च हत् हं और व सवा मे अास करत् हं।

- कभी कुछ हास ल क र न ् क ी इ च्न नहीं होती,
- ॥ कसी ॥ चीक् बक कभी आह नहीं भरत्, ई
- कभी भी ऐसी ॥ कसी भी ॥ चीको सी् नहीं करत् ्ो व सवा मे णसीर न हो।

णह््ं ल्,

- पहल् ण न्द,
- । र आपक् द्त्ओं।

मु्् यह अभी स् च णह ए

आपको ्ो ॥ दय् ण््त् है उसक् स््् आप खुद को वा स करत् हैe

तुम और कुछ नहीं म््रेर् ,

क्यें॥ क्य्ो ॥ चीआपको नहीं दी स्ई है उसकी च हत आपक् मन मे बो॥ ्ल हो सकती है।

द्सरों की इच्छाक् पा त पा वत उद्सीनत् क् स्ं् खां को त्दे, यह
ा वच ा कए ा बन् ा क यह अच्छाहै य् बुर् »।

शुरुआत मे यह म् ा लए बहत ब् बा लद ल णक न , णली ही, मैन् द्ख
्ा क मैन् इस य् उस ब् मे नहीं सोच्।

मु् ् व सवामे ्ो च णह ए ् ् ् ् , उसक् अलामैन् कुछ भी नहीं म् ्र् ्ो मु् ्
् श नहीं ा कय् रय् ् ् ् ।

ा पछली का ठन्ई को द करन् क् बा्पभु मु् ् और अ क का ठन क्क्
ा लए पस्ुा करन् च हत् ् ् ्। लत् क् ्ो ्् मे स् एका्ो ा सेा् यीशु की ओर स्
आय, वह ््् ख् क् बाउली होन्।

णब म् पर रव न् मु् ् ख् क् ा लए कुछ ा दय, तो मनै ् ण दय् और
तरतं ु उस् ्क
इतन् का ोर हो स्य् ा क मै अब और नहीं बोल सकत् ््।

ल णक न म ु ् ् ा द अ य ् ण क यीशु न् मु्स् क्कह् ्््: "वही करो
्ो तमस् ु
कह् स्य् ्््"। और म् ्ु कछ्ु और नहीं च णह ए ् ् ् ् ।

मु् ् शम् आ रही ् ् ्ी और ् ै स ् म् पर रव न् मु् ् ण् ््ंट् और कह्:

"णब आप अभी-अभी उठ् है तो आप ा र स् कोंख् चहत् है?" मैन् भी अपन् आप स्
कह्:

"मै तब तक कुछ नहीं म र ््ंर् णब तक व् मु् ् कुछ नहीं ल्ा भस् न ा च ों क् खाल
रखेर्।"

और मै यीशु क् पक् ा लए पीा ्त होन् मे सक म होन् क् ा लए अनुगह स् भर् रह,

मैन् लोलुपत् क् पक् द् ा कए स्ए अपा ् ्ों क् ा लए क ा तणत
् म े स ब कुछ ा दय् है।

मु् ् पत् नहीं क्ों, ल णक न म ् ण वश सपन, । सन् सन् ु
््् ा क म् ्ु उली हो
रही है, उसन् मु् ् हर ण दन कुनैन लन् क् आद्श ण दय्।

इसस् मी भख खब् हो रई।

और क मै तब तक ॥ भ न नहीं कर सकत् ◌् णब तक ॥ क यह मु◌◌् नही च्◌॥ ◌◌्
॥ दय् रय्, मु◌◌् हम् अपन् प ण्◌लत् हआ महस होत्◌◌◌।◌

इस अवस ◌◌◌् मे, मु◌◌् ऐस् लर् ◌ै स् मै मृत्ताक् स्त्ल् मे ◌◌, ल णक न ॥ बन् मर्। यह लरभर च महीन् तकचल्, ॥ सक् ब म् ॥ पय यीशु न् मु◌स् कह्:

"अपन् ॥ वश सपको बत्एं ॥ क णब आप उली करत् है तो व् आपको ॥ भ न य् कुनैन नहीं द्त् है। ॥ दवाकद् पक ◌ त , वह आपको इस् पद कर्◌।"

तो ॥ वश सपन् मु◌◌् न तो ॥ नमे और न ही कुनैन ल न् की अनुम॥ त दी। ल णक न बमे, हइलइट् न होन् क् ॥ लए, वह च हत् ◌◌◌॥ क मै ॥ दन मे एक ब ॥ भ न करूँ। इस॥ लए मु◌◌ और श्◌◌ं त ॥ मली। मी भ ख ॥ मट र्ई है, ल णक न उ ली नहीं। व सकमे, हर ब णब मैन् ख् ॥ लय्, तो मु◌◌् उस् व पस करन् प्।

म् प् यीशु न् अकर मु◌स् कह्:

"अपन् ॥ वश सपस् कहो ॥ क वह तुमे॥ ब्◌◌ुल भी न ख् की अनुम॥ त द्।" ल णक न , हर ब, उनोंन् यह कहत् हए मन् कर ॥ दय◌्

"मनु◌ो◌ं क् स्त्ल् स् यहोव् क् ॥ लए ॥ कए र्ए कई अप॥ ◌ो◌ं क् ॥ लए प॥ त॥ शोक् प्रमे आपको ◌ो ॥ नमो दय् र्य् है, उस् सी◌् करें"।

हर ब, कुछ ॥ दनों क् ब् हम् भरत न अपन् क्◌लय मे लौट आएरं ◌् और दोहर्एंर्: "एक ब । र मै च हत् हं ॥ क आप अपन् ॥ वश सपस् ॥ भ न न ल न् की अनुम॥ त म्◌रे।

इस् ॥ नभ कत् स् करे और आ॥ त ◌् म ◌े, ◌ो कुछ भी वह आपस् करन् च हत् है, उस् सी◌् करन् क् ॥ लए तैय रहे।"

एक ब, ◌ै स् ॥ क यीशु च हत् ◌◌◌, मन्◌ै अपन् ॥ वश सपस् । र स् ◌छ,◌ यह,
मु◌◌् नहीं पत् क्तें, न कल मु◌◌् अनुरो॥ त अनुम॥ त द् स् इन् कर ॥ दय्, बत ◌् मु◌◌् अपन् क्◌◌ो◌◌ं को रोकन् क् आदश ॥ दय्, ◌ ◌े स ◌ ण क यह मु◌ पर ॥ नभ

श्द उनकी प त कय् क् हृ करत् हए क मन्ै उनस्
कह् ्््् क म् दुख कल च लीस दनों तक चल्, णब तक यह
रह्, उन्ने यह वश स हो स्य् क मैन् उन्नेदुख की त स णत क ् ब
् म े स च्ई नहीं बत्ई
्््ी। मु्स् ्छ् स्य् ््् य् क मु्् अब और नहीं ख् च णह ए ।

म् लए अज ्ो न्स्पर पहच् क म््ु अब इस पी त
त स णत म े न ह ी ं र ह न ् ह े, और अस्र मै इस पी्््् की त स णत म े
व प स आ स्य्
तो उस् अब आकर मु्् पु ् वत नहीं करन् प््।

मु्् यह्ं यह कहन् होर् क आग्र त ् क ी भ न ् स ्, मै उनक् नदर्शों को
पसु्त करन् क् लए अ्ची तरह स् तैय ््, खसकर णब स् म् स्म को
इतन् स् नश र क््ो्ं क् भ स् मुकहोन् की आवशकत् ् ् ्ी ्ो
अकर पकट होत् ्् ्् ।

ह््ँ क, मु्् यह स्पतीत होत् है क मै वश् दैवीय हस्क
क् बन् इस तरह क् बो् को कभी नहीं उठ् सकत् ्् ्् ।

हर चिक् प त समण्ण करन् की पी्््् भी ्््ी, यह््ं तक
क उन च ो क् लए भी, नस् मु्् बहत ्् ्््ी
(्कृ तक आवश्कत्ए): यह
व सवमेपक्ब लद ्््। स् मनै ् भस्न की इच्क् अन्स्बन््््।
इसक् अल, ईश रीय इच्क् प होन् क् इस ् बन्, मह संतों न्
अनर
भी त दय् होर

यीशु क् ण लए मै उन्नेउस अप पको वपस द् की अपनी कमत् क् ण ी
हं ण्ो उनेंन् मु्् हम् दख्है।

इस तरह मैन् अपन् अतीत मे एक स्सुमहस्की और प वत आग्र त ् म
सब क ुछ करन् को तय ्् ्् ।

च््ँ क मै अपन् प त परम् क ् प औ र भ लई क ् अ न ुभ व क र रह् ्््,
मै
पी ्त की अवस ्् मे, णब तक पभु च ह् तब तक अपन् बस्तक

सी   मत रहन् क्   लए तैय और तैय ््।

उसकी पण वत इच्छा स् वह इतनी अच्छी तरह ण्न त् है
-ण च ों की पकृण त बदले,
-उने कव् स् मीठ् मे बदल दे,
म् ण लए इण स ्् और उनकी वसीयत क् अनरूपण कय।्

ह्ँण क मैन् सच् स् और आज ीपरस् ण श् होन् और ण बस पर रहन् सी् ण कय्, मैन् अपन् दय लु यीशु क् ण वर रोकरन् शुकर ण दय।्

एक ब, णब व् मु्् अपन् क््ो्ं क् ब् मे बत् क् ण लए पकट हए, तो मैन् उनस् कह्:

"म् प् भरव न, म् इन् को बरी तरह स् न ल।े आप म्स्ु क् च हत्?

च््ंण क यह आज्ञ त ् ह ी ह ै ्ो मु्् रोकती है, मै अब और समप्ण नही कर सकत्।

ल णक न अ र आप च हत् है ण क मै आपकी इच्छपी करँ, तो मु्् म् ण वश सप को पकदो, ्ो मु्् वह द् ्ो आप च हत् है।

नहीं तो मै उसकी इच्छक् प करंर् और तुमी इच्छक् णटकर ण वर रो करंर्। मै व सवमेण वश स करंर् ण क आप म् दय लु यीशु नहीं है!"

हम् पभु च हत् ््् ण क म्ु मकर पी त् रर ््
उनक् स्् प्व्
मु्् एक कण ठन परीक ् सह् होन् क् ्ोत खम पर, मैन् त् क् दौन् स् ररअपनी त स णत ब न
् ए र ख ी ।

णब वह् आय, तो मन्ै उस् स्पस् कह्: "म् ण
पय,ण्य्ै रख।े म््ु अपन्
ण वश सपकी सहमण त की आवश्कत् है त णक आ
प म ु् ् अ प न ी प ी ् ् ् ् ब त ् सक।े

तो कृपय् मु्् अपनी इच्छक् ण वर रो करे।

मी इच्छकी सहमण त क् ण बन्, ्ो म् ण वश सपकी सहमण त क् ण बन् ्ुकती नहीं है, ि र भी आप मु्् ण वन श क् ण लए कम कर सकत् है और मु्् अपन् सभी

दद, पी◌्◌्◌्◌़ और क् बत् सकत् है। (3) "

इस दुख की त स णत म ो । समे मैन् मु ्् ् ्ा क हम खुद को प्
वश स ््
भरव न न् स णब त क र ा ् ा क वह् ीत रए ् । ल णक न ऐ स
दय् ््
नहीं ््।

क्ों ा क एक पल मे, णब मै सभी दुखों स् मुक्त हो रय्, म् ा पय यीशु न् मु्् इस तरह अपनी ओर खींच् ा सस् मु्् संकोच हआ।

न ा त तन, मै कोई ा वर रोध नहीं कर सक्।

मैन् खुद को उनस् इतनी ा बी स् ्््् प ा क मैन् उनक् ा वर रोध करन की ा कतनी भी को ा शश की, म् ा लए इसस् ब हर ा नकलन् न मु ा कन ््।

च््ँ ा क मै कुछ भी नहीं हँ, इस ा लए म् ा लए उसक् ा वर रोध करन् य् उसक् स्् युद्ध मे ा ा य प क्त क् प स क्त व ्् होत्, ्ो सव शत क्त है और
ण्ो बलव नों की शत क्त है।

यीशु क् इतन् करीब होन् क् न्,

-मै अपनी कई आप ा त्तयों स् श ा म द् ्््,

-और मैन् खुद को पी तरह स् न् प ा

। र, शम् क् स्, मन्ै उसस् कह: ्"म््ुमण् कर दो, प ा वत प ा त, तम्ु ा वर रोध करन् क् ा लए। ऐस् नहीं होत् अरर आप त ् न ् म ु् ् । ब नही ा कय् होत।"

और यीशु न् बहत कोमलत् स् म्स् कह: ्

"म् पकी पी बटी, णरो मत ण क इसस् मु्् ठ्स पहँचती है: मु्् अपन ा वश सपक् इश् पर ठ्स न पह एँ । सन् आपको यह ा नदश् ा दय् ह।ै वह अपन् मंतय को ा वनमत् और ा ववक क् स्् पयोरकरत् है और उस् अपनी नै ा तक । मदी को प् करन् क् ा लए स्
नों और उपकर ो्ं क् उपयोर

करन् च णह ए । ब ु र ई औ र अ च्र्ई क् स्त्र्।

अपनी श् ् त क् पत् लर्एं और हम्म्म् ण लए पर रत्कर ह। े म् प आओ!

ण स क् पहल् ण दन है (यह नव व् ् की प् सं ् ् ् ् ् ी)। आओ,
मै तुमे एक उपह द् चहत् हँ ”।

वह म् पआय्, मु्् रल् लय्् और म् त खल्ण अपन् होंठों को दब् हए, एक तरल, द्ण स् भी ज्ञीठ, और मु्् ब-ब चत् हए, पस् अपन् ण दल स् एक अंठ् ली और कह्:

"इस अँठ् की सुा त करो और इस पर ण वच करो ण क मैन् तुम्ण लए, हमी श दी क् ण लए तैय ण कय् है, क्योंण क मै तुमस् ण वश स मे श दी करंग्ा्

ण लह, मै आपको आर् द्त् हं

-इस पीण अवस ् मे रहन् ण्ी रखे e
त ्

- अपन् ण वश सपको यह बत् क् ण लए ण क मी इच्छा है ण क आप इस दुख की त स णत म े र ह त ् र ह े।

और एक संकक् प्रसे मे ण क मै बोल रह् हँ,

ण्न ले ण क इटली और अ्ीक् क् बीच ्ो यदु रूक स्य् ह,ै वह तब तक ण्री रह् णब तक वह आपको पीण ्त की त स णत म े र ह न ् क ी अ न ु म ण त नहीं द्त्। उस ण मे मै युद्धको रोक द््ंर्, त णक द े न े ं प क ों मे श््ंण त हो।"

। र यीशु खा हो स्य्।

तब मैन् महस्ा ण कय् ण क्ा्ैस् मी हण ों क् मस्रम्े ्ृसुन् व्ादुख क् वस्ा पहन् हए है,

मै ण वश सपक् हस्ाक क् ण बन् इस नश र अवस ््् स् खदु को पण ु ्ण ् वत करन मे असम्् महस्ा कर रह् ्् ्् ।

म् दुः ख मे, मैन् सोच् ण क मै उसस् क्ाकहँर् णब उसन् मु्् इस त स णत म अपन् आद्शों क् त खल्ण बी पी््् की त स णत म

े प ।् मै क् कर सकत् ्् ्् ?

अपन् आप को पुण ््ण वत करन् ण नण श तप्रस् मी शत क्ाम्े नहीं ््।

यीशु न् ्ो द् य् तरल मु् मे ण््ल् ््् , उसन् मु्मे उनक् ण लए इतन् प पैद् ण कय् ण क दद क् प ् , मै प्ाक् ण लए तरस स्या।्

इस मठ्स और तृ प्त मु मह्स कय् क मु अपन् पर रव द् दए स्ए
भन क् हस्लन् क् लए ब कय्, णब कब्कत् न् म् उठ
।
लणक न इस भ नन् म् प मे ण्न् स् ब्लु मन् कर
दय।

यह आवश्क कम् वश सपन् आज्ञ त क न पर म पर इस
ोप् त णक म इस ह्ँ क, मु यीशु द् मु मे स्ए
नस्ल सक्। ण्ल
कुछ मीठ् तरल क् स् इस् तुरंत वपस करन् क् लए ब कय् रय्।

ऐस् करत् हए, मैन् अपन् अंदर **यीशु को महस ण कय्,** नोंन्ह्सक् स्
मु स् **कह्** :

" ो मैन् आप मे क्वह क् ी नहीं क्आप संतु नहीं ?"
ण्ल ?

बहत श म द् और शम् स् भरी, मैन् उसस्

कह्: "तुम मु स् य् यीशु स् क्च हत् हो?

यह आज्ञ त ी सन् मु यह भी व पस द् क् लए पर त कय्
क तुम्क्, क्
र भी इतन् मीठ् और इतन् सणद ।"

आर् क् पश ों क् बन, क्हआ , यह दख्हए, म् वश सपन् यह
कहत् हए व पस ल् लय: "णब म् पख ली समय होर् तो मै व पस आऊरं "।
म् और पभु क् बीच्ग्ो कुछ हो रह् , उसक् सबं ंण मे न कल मै वश सप
क् इस हस्क क् प त उद्सीन , ब ् मै बहत न्प्।

णल्ही मैन् अपन् हम्दय लु यीशु को ण न्नाद दय, नेंन् म् वश सपको
मु स् पश न छ्न् की अनुम त दी ी।
मु व सक्मेन्ही प्त् क अस्ल् दन क्उमीद करनी ह।ै म् वश सप
भौचक्कर लौट् और मु स् कोई पश कए बन् मु एक अवज ी
आ क्ह।

और उनोंन् ्ो््:

"तथ्य यह है कि आप नश र क ोरी मे प् रए है, मु्् वश स है

- क आपको ्ो होत् है वह एक शुद्ध बीमी है e

- अलौ कक हस्तक क् पर र ््म नहीं।

य द यह परम्म क ी ओ र स ् ह ो त ्, तो वह न श त रूप स् तुम्हे मी अवर् नही करन् द्त्,

क्यों क वह आपस् आग्र त ् च ह त ् ह ै औ र व ह च ह त ् ह ै क इस सुंदर रर क् ण बन् कुछ भी न ण कय् ण््ए।

इस लए, अपन् वश सपको बुल न् क् ््य, अब स् आप उन्ण् ॉक्सों को बुल्एंर्, ्ो अपन् ण वज क् आपको अपनी तं तक् संबा ्ी बीमी स् मुक स्, करेर् »।

णब उसन् मु्् ण््टन् सम ण कय्, तो मन् ै अपन् आप को उस् बत् क् ण लए ब कय् क क्हआ ््, औश् ो कछु यहोव् न् म्स् उस् बत् क् लए कह् ्् ्् ।

मु्् सुनकर, उसन् अपन् मन बदल ण लय् और मु्् आशसन ण दय् ण क उसन् यीशु क् ब् मे ्ो कुछ कह् ््, उस पर उस् सदहं नहीं ह, ै क्यों क इटली और अ्ीक् क् बीच युद क् ब् मे शब्द सच ्् ्् ।

उन्होंन् त्क्न त श््ं त क् ब् मे ्, अगर यह ण ल्ही आ ण्ए र्, इस तथ ््ो्

क् ण क आप र स् श् बन रए है, तो मु्् अब संद्ह नहीं हो सकत् है। य द, द्सरी ओर, यह

अन्य ो द्खो और इं ््र

करो "।

इस लए उसन् म् अच्छा यीशु द् वका की रई इच्छा क् णव ब द्कर मी सहम त दी। और उसन् मु्् "हम पतीक ् करेर् और द्खेर् क क्यह युद्ध नही दोहय: ्् बढ़् और क्हमे ं ण त ण मल् ी"।

णलही श्

च महीन् बाद म् वश सपको अखब स् पत् चल् क यीशु द् की रई

श््ंा त की भा व्् ी की ई््््ी।

णब उसन् मु◌् दख्, तो उसन् कह: "कहीं भी कोई हत हत नहीं हआ, इटली और अ◌्◌ीक् क् बीच युद्ध समाप्त हो गया है, अब दोनों क् बीच श्◌ं त है।"

च्◌ं क इस तथ्य की भ व्◌ी की ई◌्◌्◌ी और प कय् गय् ◌्◌्, म वश सप को म् स्◌् ◌ो हो रह् ◌्, उसमे दत् की ◌्वई क् ब् मे आश स्था हो गय् और मु◌् अच्छा और श्◌ं त स् छो◌् दय्, ◌ो क भरन क् वर रोक करन् पर पत्नी कय् ण् सकत् है।

उस दन स्, यीशु न् मु◌् उस रहस्य समय वक् लए तैय करन् क् अल् कुछ नहीं कय, सक्
उसन् मु◌्स् व द् कय् ◌्◌्◌् (4), म्स्◌ु अ क ब
मलन् -

दन मे तीन य् च ब णब वह इस् पसंद करत् है।

वह अकर आय् और हर समय चल् गय्।

उसन् एक पी की तरह क कय् है ◌ो मदद नहीं कर सकत् है ल ण न अ
प न ी पती क् ब् मे बहत ब सोचत् है, स्◌् ही उस् पकरत् है और उसस् ण मलन्
ण्त् ह।◌ै

उसन् मु◌् इस तरह की बेब ख ुद को म् सन् पकट ण कय्:

"मै तुमस् तब तक प्यार करत् हं णब तक मै तुमस् द नहीं रह सकत्। मु◌् ऐस् लगत् है क णब मै तुम्हे नहीं द्खत् य् सी और करीब स् बात नहीं करत् तो मु◌् पुरस्कार नहीं कय् ण्◌्त् है।

मै यह सोचन् क् लए इच्छुक हं क तुम अच्छे हो और तुम म् लए प्यार हत् हो। और अगर तुम्हे कसी चीज की ज़रूरत होरी तो मै आकर द्ख्◌ूं।"

र वह म् सर उठत्, म् त कए को व स करत्, म् रूल् मे अपनी ब हे रखत,◌् मु◌् च्मा और मु◌् ब-ब च्मा।

स् होन् क् , अपन् मीठ् मुँह स् नकली एक कोमल हव् क् स्◌्
मु◌् ठंण्◌् करक् मु◌् अ तर रक्त स् ह्त मली।

कभी-कभी वह अपन् ह्◌्◌्◌्◌ो◌्◌ं मे कुछ हल्◌्◌्◌् य् मु◌् ठंण्◌् करन् क् लए ढकी

हई चदर पर टैप करत् ़़, और मु ़स् अचक ़छ त् ़़:

"अब आप कैस् है? न श तप्रस् आप ब हतर महस कर रह् है, है न्?"

और मै कहंर: "आप ण्न् त् है, म् प् यीशु, णब आप म् करीब होत् है, तब भी मै बहतर महस करत् हं"।

बमे, णब वह आय् और मु ़़ सब ़़ंर और क ोर प् स् ़़

- म् ण नरंतर दुख क् ण लए,

- वश् प्रस् त् मे, म् वश सप क् आन् क् ब,

वह म् पपहंच्, और अपन् मुंह स् द य् ़़ म् मे ण्ल्।

उसन् मु ़़ अपनी परम प वत छती स् चपक् दय्, सस् उसन् मु ़़ ुरत् और श क्की ण ़़र्एँ खींचीं, सन् मु ़़ स् क् आनंद क् ़ दय्।

णब उनोंन् मु ़़ ण्ण् ़ पसनत् की अवस ़़ मे द्ख्, तो उनोंन् अपनी अदम्म अच्र्ई क् स् ़़ मु ़स् कह्:

"मै व सव मे आपक् सब कुछ बनन् च हत् हं, म् ़न कल आपकी आ ़़़ क् लए, बत आपक् शरीर क् लए भी आम् क् भ न बन् है।" (5)

इतन् स् अस म स्वा अनुगहों क् पर र ़़म स्वा मैन् ़ो कुछ भी स्वा पक् अनुभव ण कय् है, उसक् ब् मे क्? अरर मु ़़ वह सब कुछ कहन् होत् ़ो म् प्र यीशु न् मु ़़ बत् ़, तो मै ऊबन् क् ़ो खम उठ् सकत् ़़ ़़ ़़ ।

म् वश सप भी सब कुछ नहीं बत् प् रह् ़़़़, क्यों क इसमे बहत समय लर ण्त्।

मै यह् ़ं अपन् आप को संक मे कहन् क् लए सी मत कर द् ़र् क

आ्््की सबस् रण ीयण्ीवनस््ी,् यीशु क् पण् ््कब्ाम्े एक आ््
की त स णत क ो ् ्ो ् ् ् ् स म ् न ् क ् ण लए क्
ण्नन् पय््पहा।ै

और, प्ोश क् स्, मै उसस् कहन् चहत् हः

"ह् यीशु, मैन् आपक् सभी ुर और सणद ् स ंच ो ं क ी स ह ् न ् क ै स ् क ी !"

म् यीशु द् मु् ् ो क् ण दए रए है, व् एक ही समय मे कव्, मीठ् और रक-रककर, खुद बहत कवा स् भर् हए है।

ल णक न अ र प् प श त और प त शोकी श् हई आ्् को मठस् और कवट एक स्् नहीं दी ण्ती,

यह आ््् बन् मर् अ क समय तक नहीं रह सकती ्ी।

शरीर बखर ण्एर् और आ््् णली ही अपन् भस न क् स्् मल ण्एरी। इस लए णब मु् लर् क उसन् मु् छो् दय् है तो म् वल और कह् उठ्।

णब वह समय-समय पर छपत् ््, तो मै म सकसस् बहत बीम हो ण्त् ् मु् ऐस् लररह् ् क मैन् उस् एक सदी मे नहीं द्ख् है। ्। ्

इस लए मैन् उस समय शकत की और उस् य् बबतई :

"ह् प वतण्ीवनस््ी, आप म्ु अपन् बइतन् लब् समय तक कस्ै पतीक करव् सकत् है? कआप नहीं ण्नत् क मै आपक् बन् ्ी वत नहीं रह सकत? आओ और मु् अपनी उपत स णत क ् स ्् ् प ु ् ् वत करे ो म् लए पक शत कऔर सब कुछ है। "एक दन, कुछ ृटों क् लए उनकी अनुपत स णत स् खर महसकर रह् ््, म्ु ऐस् लर् क वह कई व्् स् म्ु दखई नही द् रह् ्् ्।

स्् ही, मी पी्् मे, मै ण्ट-ण् ्ट् कर रोय। र वह म्ु दखई दय,्

मु्् स््ंतन् दी और म् आँस् सुखए।
उसन् मु्् च्और णब वह मु्् चोद रह् ्््् , उसन् मु्स् कह् :
"मै नहीं च हत् ा क तुम रोओ।

द्ि खए, मै अब आपक् स्ु ह।ं आप क्पसदं करर्े ?"

मैन् णवब ण दय्:

"मै बस तुम्ण लए तरस रह् ्। णब तुम मु्स् व द् करोरी तो मै रोन् बंद कर ््

द््ंर्, तुम मु्् इतनी द तक इं ््र नहीं करन् दर्।

म् अच्यीशु, आप ण्न त् है ण क णब मै आपकी पतीक ् करत् हं तो मु्् कतन् क् होत् है,

ण वश्परस्

-णब मै आपको ्ोन करत् हं और आप णली नहीं पहंचत् है

- मु्् स््ंल् द् क् ण लए, ््ण बकरन् क् ण लए और अपनी पी उपत स णत स ् म ु् ् प ो तणह त क र न ् क ् ण लए "।

यीशु न् कह् , "ह््ँ, मै तुम्पसन करँ्" और यह णली स् य्ब हो ह्, य्।

एक और ण दन, मै अभी भी ण शक्त कर रह् ््् और उसस् भीख म्ँरर ह् ््् ण क मु्् उसक् बइतनी द तक पतीक ् न करन् दे। णब उसन् दख् ण क मै रोत् रह्, तो उसन् मु् स् कह:्

"अब मै व सवमेतुम्हर ण चीस संतु्् करन् च हत् हं।

मै आपक् ण लए इतन् उतणह त ह ं ण क मै कल आपकी इच्ओं तक पहंच सकत् हं।

य ण द अब तक मैन् तुम्तुम्ब हरी ्ीवन स् मुक्कर ण दय् है और अपन् आप को तुम् सन् पकट ण कय् है, तो अब मै तुमी आ््् को अपनी ओर आकण ष त करन् च हत् हं।

तो आप मु्् और अ क बीकी स् अनुसर कर सकत् है, मु्् खुश कर सकत् है, मु् पर अ क स्रर्ई स् द् ण््ल सकत् है। मै आपको वह सब कुछ ण दख् सकत् हं ्ो अतीत मे आपक् स्् नहीं ण कय् रय् है।"

तीन महीन् बीत रए, ण सक् दौन् मै अपन् ण बसर पर एक स ्््यी ण
श् बन् रह्, णह्ॅं मु्् ण मल्

न कल व् दद् और क् ्ो यीशु न् मु््

बत्, ल णक न इ स क ी ण

मठ्स भी।

एक सुबह यीशु लस्भर अठ्ह व्् क् एक दय लु और बहत ही आकर्षक युवक क्
रुप मे म् प आए।

उसक् सुनहर् रंरक् बृ्ॅृल्् ् और ् क् दोनों ओर ण स् हए ्््।
्् म््

ऐस् लररह् ््् ण क उनक् कल् न् उनकी ् क् ण वचों को उनक्
आ््

ण दल क् पक् स््् ्ो्. ण दय।्

म्््् पर, श््ंत और , कोई द् ख सकत् है, ्ै स् ण क ण कसलीय ण कसलीय
चौ््क् म्म स्,

- उसकी आ्््,

-णह््ं उनकी अनंत बुद्धि्न् स्थ कम और श््ंण त मे श सन ण कय।्

इस आकर्षक यीशु को द्खकर म् मन स् हो रय् और म् हदय श््त हो
रय्। पर ऐस् ््् और मी व सन्एं इतनी दबी हई ््ी ्ं ण क म््ु णर्
सी भी
अश््ंण त महसस नहीं हई।

च््ॅंण क मी आ््् को उने दखकर् ही इतनी बी् श्ण् त क्
अनभवु हआ
््, यण द मै उनकी ण दता को पकश्प्तोमु््क् अनभवु
होत्?

म् मन् है ण क यीशु एक ऐसी आ््् क् स्म् खदु को ऐसी सद्ंस्त् मे
पकट
नहीं कर सकत् ््, ्ो पण् ्् श्तं और रह्न ण वनमत्
क् आनदं नहीं ल्
्््।

वह ्की ््ो््ी सी भी त पर पीछ् हट णए र्।
आ्् अश्ण

द्सरी ओर, अस्र ण कसी आ्््् को ऐसी श््ण त और श्ण् त महस्स होती है ण क वह अपन् चों ओर आपद्ओं और ् युदों स् पश् नहीं होती है,

तो यीशु न कल अपन् आप को उस् ण दख्एर् ,

ल णक न उ स म े ए क म ी ठ ्आ म ् क ् च्खेर्,

एक आम् ्ो एक पश् आ्््द् पद नहीं   कय् ण्् सकत् ह।ै

  स पहल् मे यीशु न् खुद को मु्् दख्,
मै इस् द्खत् रह् और इसकी पशंस् करत् रह्, और मैन् अपन् आप स् कह्:

"ओह! उसकी आँखे कतनी सुंदर है, कतनी शुदहै,
ण्ो स रोशनी स् चमकत् है ».

ह््ँ क, स वपरीत, यीशु की आँखों स् नकलन् वी रोशनी न्
मी द ् को नुकस नहीं और मै बन् कसी प स क् इस वैभव पर पहँुच अपनी नह् टक्
सक्।

इसक् वपरीत, मी आँखों को और बल मल्।

आप सुंदरत् क् इस रहस्मय चमतस् अपनी आँखे नहीं हट् सकत््ो कयीशु क् वद ््यों क् रूहर् नील् ह।ै

ण्ीसस की एक ्लक ही क््ी ह

-खुद क् बहर ल् ण्य् ण््

- इस् स्को् लए   , मैदों, पह््ो्ं, आसमों य् पृथी क् सबस् रूहर् रस्ल मे त् करे।

ण्ीसस की एक ्लक ही क््ी ह

-उसमे आ्््को बदलन् क् लए, ई

- लोरों को यह महसकन्् क् लए क मै नहीं ण््नत् क उनकी दल क् ब् मे क् है। कई ब इसन् मु्् उकस् है:

"ह् म् सुंदर यीशु, य् म् सब,

दुख क् म क् बन् अपनी सुंदर द ् क् आनंद ल न् कैस् होर्,

आप, ्ो कुछ ही मनटों मे मु्् दख्ई दए, न् मी आ्््को इतनी शण्
त दी,

आप नक् लए पी, शहीदों य् अप म ो की ण रएं सहन की सकती है;

आप ो मन की ण् श् त मे दद् और सुख क् म मे रहते है! "

उनक् मनमोहक चहर् की सुंदरत् को कौन बत् सकत् है।

इसक् रद्ध कत की तरह सुंदर रलक् रंर है। यह सी् और एक दबाव क् अनुभव करत् है।

इसकी उप स ण भ य औ र स मको आमं तत करती है, और वश स भी। इसकी उप स ण ह

- द बनक्

स् मठ्स बनकर।

-

स्

एक प् ी स वश स को

पर त क र स क त ह वह च म क त स ो

यीशु द् पर त वश स है।

ओह! ह्!

यीशु न् आ मे ो वश स पदै कय् है, वह उसकी प वत आक त मे चमकत् है, इतन् सी इतन् दय ल।

और ो पउल होत् है वह आ को इस प् आक ष त करत् है क उसक् द कए ण्‌ वास मे कोई सदेह नहीं रह ण्ता।

यीशु उस प् ी क् ण तरस नहीं करत् ो,

- अपन् पकी णलती लौ स् आक ष त,

-अपनी बहों मे लौटन् चहत् है, चह् वह कतन् भी बदसत य् पी कों न हो।

अब उनक् रकी खण य ो क ब म ो क्कहे?

उसकी बहत ही सुंदर नाउसकी रोरी भौहों स् सं सण् पर स् उतरती है। उनक् मुंह, ह् क छोट् है, एक पी सी मुस्कान शाकरत् है।

उसक् होंठ, ्ो लरंरक् है, पतल्, मुल्म और प्है।

णब व् बोलन् क् ण लए खुलत् है, तो व् यह आभस दत् है ण क कुछ कीमती, स्म, बोल् ण्ेएर्।

उनकी आव्ण स् की ण ुरत् और सं सको क्करती है, ्ो सबस् । दी ण दलों को मंतमुग्करन् मे सक म है।

म् प्की आव्ण इतनी ण ुरत् स् पवश करती है

- ्ो सुनन् व्क् ण दल क् हर तंतु को छ् ली है, और उस् कहन् मे ण तन् सम्य लरत् है, उसस् कम समयमे

अपन् स्म् और पक ल ्् स् आ््् को पसन करत् है।

यह इतन् सुखद है ण क उसक् मुंह स् ण नकलन् व्एक शब्की तुलन् मे दु नय् क् सभी सख कुछ भी नहीं है।

उनकी ण ुर व् ्ी की तुलन् मे संस क् सभी सुख ण समुलकर् है। यह कुशल ह और मह चमत्वेद् करत् है।

णब यीशु बोलत् है, तो वह अपनी ् मे वह पभपैद् करत् है ्ो वह च हत् आ्् है।

ओह! ह््ं! यीशु क् मुँह दीत प्म है।

णब यह बोलत् है तो यह एक संपभु सौंदय् क् होत् है।

तब आप उसक् स्ण और सु्च द्त्रख्करत्है।

उन ण दलों क् ण लण्ो उस् स ह स् सुनत् है, यीशु स्स् ण वद्युतीकृत प्की एक स््ंस भ्णत् है, ्ो ण हम्ल करत् है, प्र लत करत् है और ख् ण््त् है।

उसक् कोमल, ण ््द और न् ्ुक ह्् और भी ख बसत है।

उनकी स्और पदश् उंर लय््ं ण न पत् क् स्् चलती है और णब व् ण कसी ण चीको छती है तो उनेद्खन् एक व स वक आनंद होत् है।

"ओह! आप ण कतन् सुंदर है, सभी सुंदर, म् प्और दय लु यीशु! मु्् क म् करे

या द मै आपकी सुंदरत् क् ब् मे इतन् बुर् बोल्ूं।

मैन् ्ो कह् है वह व सा वकत् की तुलन् मे कुछ भी नहीं है।

एक तरीक् स्, मैन् आपकी सुंदरत् क् ्न करन् की को शश की है,
 स् आपक् ्र रश् भी अयोग्य है और पयर्यस् ्न् करन् मे असम् ह।ै

यह प वत आ त् क ् म ् मस् क मन्ै अपनी क मत् क्
अनसु यह
 कय। अस् म् वव मे आपकी सीक त नहीं ह,ै तो मु्् क
म् कर।े

सबस् पहल् आ त् क ो द ो् द े, क्यों क मी क ोर को शशे आपकी
सुंदरत् क् स्् नहीं करतीं, म्ु यह पत् ह।"ै

या द यह आ त् क ् ्र पर दए ग स आदश् क्
 लए नहीं होत,्
तो मै न श तपस् कभी भी ् ्र ्् लए सहमत नहीं होत,्

- अपम मे-,

म् ्ीवन क् ीबोरीब पसरंण्ो,

 दन-ब- दन यह कम अस्ण ््र होत्

रय।् इसमे कोई शक नहीं, कुछ लोर

ीब लरेर्।

म् प कोई वकल्प ही नहीं बच् है। मै

कहंर् ण क म् ण पय यीशु,

 स तरह स् मैन् पहल् बएं ् क्ष्य मे व ््त कय् है, उस् मु्् दख्
ह्
क् ब, उसन् अपन् मुंह स् एक ण दवइत की स््ंस ली ्ो शरीर और आ्
मे म ् पर हमल् करती ह ै।

इस स््स क् पर र ्मस् प्र तन् कम समय मे कह् ण् सकत् ह,ै वह
म्ु
अपन् स्् ल् रय्।

इसन् मी आ्््् को म् शरीर क् हर हस्स् नक दय।्

इसन् मु◌् ◌् एक बहत ही स्ण ◌्र आ◌् क् शरीर ॥ दय्, ◌् ◌ो शदु पक्स्
चमक रह् मैन् उसक् स◌् ◌् ◌् त् ◌् ◌ी स् भरी और आक की
◌् ◌् ◌् । उ◌् ◌् न
॥ वश्म् की ॥ त् की।

च्ािं क यह पहली ब ््् णब मैन् इस अदभ् ्त ृटन् क् अनभवु ण कय, मन् ै सोच,्

"व सवममेभ्मर न मु्् ल न् आए है और मै ण नण श तपरस् मर ंर।"

णउब मैन् खुद को अपन् शरीर स् बहर प,्

-मी आ््् न् ्ो सव दं नएँ् महसकी, ं व् वैसी ही ््ी्ं ्सी मन् ै महसकी

णब मै अपन् शरीर मे ््् ्,

इस अंतर क् स््् ण क णब आ््् शरीर स् ््ती ह,ै तो वह हर सवदन् ं को इंण ों क् म स्र्मीतेहिअउ्ैर शरीर की शत क्ों तक पहंच ती है।

द्सरी त स णत म े, आ््् सभी सव दनओं ं को ण सी्् पक्ीरीगह्े कछु भी कर रह् है उस् तुरंत सम् ल्है

यह पक य् अपक परस् सबस् ण छपी और अरोचर ण च ों मे भी पव श करत् है, ल णक न क ल ई श र की इच्म्े।

णब मी आ््् न् म् शरीर को छो्् ण दय् तो पहली बयह महस हई ण क वह म् प्यीशु की उ््न क् बणर र स् क्यं रही ््ी ,

ण सन् मु्् आकीय हव् की सहत् स् लत् अपन् पीछ् खींच ण लय्।

उनोंन् मु्स् कह, "च्ां क आपन् लरसरएक ृटं क् ण लए मी द्श्उपत स णत स वंण चत होन् पर बी़ पी््् क् अनभवु ण कय् ह,ै अब म् स्् उ्ो् ।

मै तुमे स््ंतन् द् चहत् हं और तुमे अपन् पस् छु््् न् चहत् ह।"ं

ओह! मी आ््् क् ण लए यीशु की सरं ण त मे स्र्की ण ण ोरी मे ण नलण ं बत होन् ण कतन् सुंदर ््् !

मु्् ऐस् लररह् ््् ण क मै उस पर ्कु रह् हं और मु्् उसकी ब हों म पक रह् हं त णक म ै उ स स ् ब ह त प ी छ ् न र ह ं।

ण्ो कुछ भी मु्स् पहल् ््् ्, मै उसस् द ढत् स् ््हआ ्त णक म ै उ स ््् क

पीछ् कर सक््ं - मी तर ््ुककर और मै उसकी तर पहंच स्य् - ्स् उसन् म््ु पक ण लय् और अपनी कोमल स््ंस स् मु्् खींच ण लय। सकं म,े म् प अदरं

ण्ो हआ उसक् एक अच्पा तण ना त्है, ल णक न म ् प इ स क ्

्न्

करन् क् ा लए शब्द नहीं है।

स्र् की ा वशमत्ता मे य् चक्कलन्् क् ब, म् प्र् यीशु, ्ो मनु्ों की संर त मे अपनी पसनत् प्र् है,

वह मु्् एक ऐस् स ्न पर ल् रय् णह् ँ पु्रो ं क् ा ्््ी। म् और बदनी को त

ओह! म् प्र् यीशु क् स्र्प कैस् बदल रय् ्् ्् ।

उसक् संवदनशील हदय पर कैसी कटुत् छ् रई! ा स स्र्क् स् ् मैन् पहल कभी अनुभव नहीं ा कय् ््, मनै ् उस् भय नक य तन् स् र र
उसक् प्र् ण दल मु्् मरत् हए आदमी की तरह ण दखई ण दय,

अत क आतंक क् स्् स््स छो््न्।

उस् इस दर्द भरी अवस्था मे दखकर मन्ै उसस् कह्:

"म् प्र् यीशु, तुम कैस् बदल रए हो! तुम एक मरत् हए आदमी की तरह हो। मु् पर ्ुक ण््ओ और मु्् अपन् दुख मे भ लन् की अनुमत दो।

म् ा दल तुम्हे इतन् पी ा त नहीं दख् सकत।"

इस पर ्््ो ््ी स््ंस ढ््ढत्

हए, **यीशु न् मझस् कह** :

"ह््, म् ा पय, तमु म्स् ु प्यार करन् क् ा लए स्वतंत्र हो। मै अब ा वरोध नहीं कर सकत्।"

यह कहत् हए, उसन् मु्् अपन् आप मे और अ क स्र् रई स् दब् य और अपन् होठों को म् मुंह पर रखकर, उसन् मु् पर ा ा ली की कविता ण्ल् दी:

मु्् ऐस् लर््ै स् मु्् कई चकुओं, भल्, तीरों, ््ंक ों और खंणरों स् छद् रय् हो, ण््ो एक क् बाद एक मी आ््् मे ृसु रए।

णब मै इस अत क पी््् मे ण््ब् हआ ््, म् ण पय यीशु मी आ्् ्, कों को म् शरीर मे वपस लए और यबहोरए।

उस भयानक पीड़ा को   कौन कर सकता है।   सने तब मेरे शरीर पर कब्जा
कर लिया! यह केवल यीशु ही कर सकते थे। सन् हर बार मुझे
दुखों के बारे में बताया और उन्हें नरम किया। पृथ्वी पर लोग केवल इस तरह के दुख का अनुभव कर सकते हैं, बल्कि इसकी गहराई की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

मी आत्मा की कहानी का विषय

वह गरीब और दुखी आत्मा सने कई बार अपने प्रभु यीशु की नकल की, कोई सोच सकता है कि मौत ने मुझे उठा लिया।

हालाँकि मैं उस समय मरने के लायक नहीं था, लेकिन मेरी मौत फिर भी आएगी। वह अपने समय में आएगी और वह अब मुझे तक नहीं उठाएगी।

इसके लिए, मैं यह कहकर उसका उपहास करूंगा:

"मैंने आपके साथ कई बार बातचीत की है; मैंने आपको कम से कम एक बार छुआ है। मैंने अभी-अभी आपके साथ सौदा किया है!"

मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि कई मौकों पर मैं इस दुनिया को छोड़ चुका होता अगर यीशु नहीं होते, जिन्होंने खास तौर पर मी आत्मा को निशस्त्र पीड़ाएं बताईं,

मुझे पुनर्जीवित किया

- मुझे उसके दिल के करीब खींचने के लिए जीवन है, वरना
- मुझे अपनी बाहों में लेने के लिए है, या
- उसके मुंह से मुझ में एक बहुत ही मीठा अमृत उंडेल रहा है।

और चूंकि मी आत्मा को खास पहचाने   के मेरे शरीर से स्रोतों की
तुलना में अधिक भयानक है, निश्चित रूप से मैं कई बार मर चुका होता यदि यह इस अद्भुत यीशु के लिए नहीं होता।

अब यीशु ने देखा कि मैं अपनी सीमा तक पहुँच रहा हूँ, यानी कि मैं अब अपने

क्््ो््ं को "सभ णव क परस्" सहन नहीं कर सकत, तो उनेंन् मी मदद की

ण क मै ्ुक न ण्ऊं।

कभी-कभी उसन् इस्ण सी्(6)ण कय्, कभी-कभी उसन् म्ण वश सप को मु् और अ क त री स् पुण ््ण वत करन् क्ण लए पर त ण कय्। इस म्ल् मे, म् क, आग्र त ् क ् म ् म्स ्ीत् ््, कछु हद तक कम हो रए ह, ल णक न उतन् नहीं। तन्ण क णब यीशु न्ण सी्क्ण कय् ्््।

यीशु मु्् अत क पी्््द् च हत् ््।

उसन् म् शरीर स् मी ् को ल्ण लय्, उस् अपन् ् ल्ण लय, और आ्् स् मु्् द, य् अन्भों क् त खल्ण ईश नंद् द्ण कए रए कई पें को ण दख

म् नर रए स्, मु् पश्ो असर हआ, उसस्,

मै सुरण क तप्स्स् कह सकत् हं ण क ््ईमी क् प है उस

- ्ो सबस् ज्ीशु क् ण दल को ठ् स पहँचत् है,

- ्ो इस् सबस् कव् बन्है।

एक ब, उद्हर क् ण लए, णब यीशु न् अपनी कवट क् एक छोट् स् ण हस्मु् मे ण््ल्,

मु्् लर्सै ् मै कुछ ण नस्ल रह् ््

- दुर युक्

- पुस्लेट और

-अमो,

ण्ो म् प मे ृ्ुस रस् और मु्् एक ृ्ृ त स््ंस दी।

मै होश खो द्त् अर मै णली स् कुछ ख् नहीं ल् सस् मु्् इस प्लेट पद््को उली करन् क्ण लए ण ब ण कय् ण््त।

कोई सोच सकत् है ण क यह म् स़््् तभी हआ णब यीशु न् मु्् उन लोरों द् की रई दु्त् ्ण दखई्ो मह पी म् ् है।
ण्त

लणक न म ् द ा ल ु य ी श ु न ् म ु ्
् ण वश् र स् चच् की ओर आकण षतण कय्।

णह््ं वह आहत ््््।

उसक्ण दल उसी पण वत लणक न न क ल ी ा च उद्हर
ों स् घल हो र्य् ््:

क्ण लए,

- दय् क् ढोंर करन् वल लोरों द् की रई खली प््न ्एं,

-य् आ््- ण ््ण म क भत कक् अभस।

इसमे शणम ल ल ी रम् यीशु को सम्स् अ क आमन्-स्न् द् रह् ््।

ह््ँ, इन बुरी तरह स्ण कए रए कृतों न् इस हदय को इतन् पण वत, इतन् शुद और इतन्ण सो ण मतली द् वबन्ण दय। उनोंन ् कई ब म्स्ु क अपनी पी््
करत् हए कह:

"मी बटी, म् द्ण कए ण्् रह् अपण ् ों और अपमों को द्खो,

-पण वत स ््नों मे भी, कछु लोश्ो कहत् है ण क व् भक है। य् लोर स सं प
करन् क् ब भी ब्ँ् होत् है। व् शुद होन् क्ण ््य चच् स् बहर

आत् है व् म् द् ण ननहीं है।"

उनोंन् मुझ् ऐस् लोरों को भी ण दख् णों अपण वत ण भ ोर त् है।

उद्हर क्ण लए, एक ्री ्ो णनक् पण वत बण लद क्णश मन् है

ण प्यादत स् बहर,

एक भौण तकण हत मे
ई

नश र पकी त स णत म े (णब मै यह कहत्
हं तो क्ंपत् हं)।

कभी-कभी यीशु न् मु् अपन् ण दल क् ण लए इतन् दद्र दश्ा दख्ए ण क
वह लस्रपी् मे प् स्या्

उदहर क् लए, णब इस ्री न् को ख् ण लय्, तो यीशु को णल
प् पी त

ही अपन् दल को आध् द ु ख स ् रंद्

करन् क् लए ब होन्

प। ् और ण ्, अ भ षक् श क्शी शबें

क् स््,

-यीशु को स्स् नीच् आन् क् लए म मे द् ्र करन् क् लए बुल्
ण्न् ्,

म्णब स् ् ् ी ्ो अभी तक प वत नहीं कय् स्य्

््, क्यों क वह अशुद्ध और प वत ह््ो् ं स् ण ्र कय्

ण््त् है।

ह्ँ क, बन् आँख , ईश र द् दए स्ए अ ् स्, इस ्री न्
मलयीश को म्णब मे उत्। प्

अपन् व द् को न ् क् लए, यीशु इस म मे ण क य्।
तो्न द् ्र

- ्ो प् मे अशुदत् की स््ंण को द करत् ्, ई

- सन् ब मे एक आ््हत् क्स् ् ् की।

पभु यीशु स प वत अवस ् मे म् स् पकट हए, वह कतनी दयनीय
््ी। वह उन अयोग्य ह््ो् ं स् भन् च हत् ् ।

ल णक न , अपन् व द् स्, उन्हे रहन् क् लए ब होन् प्।

- णब तक प रोटी और शब् क् आ् क् न हो णए्

- ्ो, इस म्ल् मे, उसक् लए अयोग्य ह््ो् ं स् भी अ क उली ््ी
ण्ो उस् पहल् भी कई ब छ् चुक् ््।

णब प वत म इस प् भ स्हो रय्, तो यीशु शक्त करन् क् लए म् प
आय्:

"ओह! मी ब टी, मै तुम्हे अपनी कवच क् ब् मे
््ो् इस् व पस नहीं रख सकत्।

् बत् द्ःं। मै अब

मी हत पर दय् करो ्ो बहत दद्र हो रई है! स् रखे और हम सब

ा मलकर ्््ो््् सह।े "

मैन् णवब ण दय्:

"ह् पभु, मै तुम्ह स्ब्ब् दुख उठन् को तैय हं। ह्ब्, य ण द म्ब्ु तमु ी सी कठ्ट सहन् की क मत् दी ण्ब्ती, तो मै इस् सच् स् करत्, इस तरह स् ण क तुमे पीड्ड्ड् मे न द्ख्ब्ब्।"

तब यीशु न् अपन् मुंह स् कठ्ट क् वह भग्ग ो मै ल् ण्ब् सकत् ब्ब् ब्, म मुंह मे ण्ब्ल्, और उसन् मु्ब्स् कह:ब्

"मी ब टी, ब्ो कुछ मैन् तुम मे ब् है, वह कुछ भी नहीं है, ल णक न व ह णहै ब्ो तुम पकत्ब्सकत्े हो।

मै कैस् चहत् हं ण क कई स ब क अनआब्ब् तैय हों!

ु छ एं म् पक् ण लए अपन् ब ण लद द् को

ऐस् नहीं है ण क मै उनमे वह सी कठ्ट नहीं ण्ब्ल सकत् ब्ो म् ण दल मे है।

इस तरह मै अपन् ब्चों क् आपसी और परोपकी पक् सचख सकत् हूँ
।"

शब्द उस कठ्ट को व्कत नहीं कर सकत् ब्ो यीशु न् मु्ब्मे उँण्ब्ली

णहर

ण्ब्ी ण मचल न्

हदय को उसक् कय स् ऊपर उठन् ।

ह्ब्ं ण क मैन् इस् व पस पकन् क् ण लए हर संभव को ण शश की, ल णक न म ् प न ् इस् सी्ब् करन् स् इन् कर ण दय्। एक ण ब आव न्ड्इस् म् रल् मे उठ् ण दय।्

परन्तु यीशु क् प ण त अपन् पक् ण , और उसक् अनुगह की सहत्त् स्, मैन् उस् असी्ब् नहीं ण कय् है।

उस पीड्ड् क् ण ब्न् कौन कर सकत् है ब्ो य सु क् स्ब् म् ण लए लए ब्ब्!् व

इतन्   अ   क ्ु्   क य   द म्ु   उनक् सम्न्, बल और उतह नहीं
मल्
होत् तो मै   न   श तपस् कई ब मृत्क्   श् होत्।

यीशु न् मुेमे अपनी कटुत् क् एक छोट् स् अंश ही उंण्ल्।

आम तौर पर एक प्ी उतनी कवट य् ण मठ्स नहीं ल्सकत् ण तन्
ण क म् सबस् दय लु यीशु न् मु् पर ण्ला।

वह अक्ही पक् ण ो ोप्न ै न ो
म् हम्स् यही मत रह् है: पक्रऔर ण वन श्ी हा!

यण द सभी ण य ों न पक् णहरील् और कव् पभको महसा कय् और
पहच, तो व् पस् बचर ् ् ण क यह एक भय नक क्स ो नरक स्
्स
ण नकल रह्!

आज्ञ त न म क छ द द न दर्शों क् ण ्न करन् क् ण
लए पर त ण कय् ण क म् हम्द्य लु यीशु न् मु् अनुभव कय् त णक
म उ न क क ो म भ
ल्
सक्।

इसण लए मै इस बको नस्रअंद्र नहीं कर सकत्ण क उनें मु् स्ल्
द् व्दशभी ण दख्ए ण नोंन् म् ण दल को बहला।

समय-समय पर उनें मु् अच्छऔर पण वत ण पु्र रयों को दखन् ्की
अनमण ु त दी,
। नोंन् उतह और ण वनमत् क् स् ण वश स क् रहस्ें क् णश मना।

णब मैन् इन दर्शों को द्ख्, तो मै बहत ब अपन् ण पय यीशु स् स ह स् भर् ण
दल स् कहन् क् ण लए पर त ह आ :

"ण कतन् उच्चमह, उत्ता् और उद्तहै ण पु्री क् मंतय । स् यह
मह र रम् दी ई है।

-ण ण ् अपन् आसपक्षरहन् क् ण लए नहीं,

-ल णक न अ प न आ प क ो अ प न श त ण पत्

क् ण लए बा लद करन् क् ण लए सुलह, पऔर श्ंण त क् ण श् क्

प्रमे "।

मैन् अक्?य् यीशु क् बस्ल मे, एक प॥ वत ॥ प्री को दखकर् खदु को स्त्

दी, सन् स म णह क उ वा उसमे यीशु क् स्ू णश मन् वमु्् एक मनुर्् तर रत वाकल ररह्
्््।्

मु्् यह भी लर् क यह स्ां यीशु ही ् नें न् उनक् पर ण दव ्ब् लद मन्।
स ््न

यह ब हद ुत लाकरन् व््

- यीशु को उसी अ भषक् स्् मकी प््् ँ सुनएँ,
नए

- उस् चलत् हए द्खे और सम र रम् क् स्् प वत समोह कर।

इसन् म् अंदर इतनी उद्त और प वत स्कई क् लए बी पशसं णर्ई।

मु्् नहीं पत् क इतन् धऔर भ क्क् स््् णन ् व्मको मनद्खकर मु्् ण कतनी कृप् ण मली।

म् पऔर कतन् दवाकहै क मै मौन मे ण््न् पसंद करं।

ल णक न अ ञ्र त ् म ु ् ् आ र् द्ती है और णब मै लखत् हं, तो यीशु अकम आलस्क् लए मु्् णट्त् है य् कों क मै च ों को छो्न् च हत् ह, मै अनरहरं ्।

उस पर अपन् प् भरोस् रखत् हए, मै उसस् कहन् चहत् हं:

"हम् पआपक् स््् कतन्ण्ै य् होन् च णह ए , म् अच्यीशु। मै तुमे संतु्् करं् म् प्प।
ल णक न च ््ं क मै इस तरह क् रहन, उद्त और मह रहसें क् ब् मे बकरन् क्
लए अयोग और असम्् महस करत् ह, इस लए मै आपकी दवकप्ृ की मदद स् बहत वश स क् स्् ऐस् करं।

ण्स् क मनै ् ध्स् दवा लद को दख््

यीशु न् मु्् सम्् दय् क महम् ण म् क् सभी रहसें को कवर करत् है।

ण दल स् चुपचप बोलो, ईश र क् असीम प क् ब् मे।

वह हमे हम् छुट् क् ब् मे भी बत् है, हमे उन क् ो ं को य द करन् क् ण लए ण् ो यीशु न् हम् ण लए सह् ।

म हमे समझत् है ण क, हम् ण लए एक ब क पर मरन् स् संतु नहीं,
यीशु च हत् है,

- उनक् अप पमे,

- **हम मे ौलन् क् ण लए और प ण वत य चर रसक् म स् अपन् पी ण त् म् को कम रखन् क् ण लए।**

यीशु न् म् यह भी सम्

म और प ण वत य चर रस

- व् उसकी मृतु और पुनरतकी एक सतत अनुसक है,

- ो हमे हम् नश र ीवन क् ण लए अचक उप पद करत् है e

- ो हमे बत् है ण क हम् शरीर,

ण् ो न् हो ण्एर् और मतृ ु क् द् भस हो ण्ए र्, अं ण तम ण दन अम ीवन क् ण लए ण र स् ी उठ।

अच् क् ण लए, यह म ण हम् क् ण लए

होर्। दु ो ं क् ण लए यह पी होरी।

ण् ो लोरमसीह क् स् नहीं रह् है, व् उसमे पुनर त नहीं होंर्।

अच् लोर ण्ों अपन् ीवन क् दिन् उसक् स् ाघ ण न ष रह् है, उनक् सम **पुनरत होर्** ।

इसस् मु सम् मे आय् ण क स म ण ह क प ण वत ब ण लद क् ब् मे सबस् अ क स् ं ल द् वी ब यह है ण क **यीशु को उसक् पुनर त मे द ख् स्य् है** ।

यह हम् पा वत ण म् क् ण कसी भी अन्र रहस्स् श ् है।

उनक् ॉन और मृत्ु की तरह , **उनक् पुन रस्त** को हमी व णद य ो पर रहस्मय तरीक् स् नवीनीकृत ण कय् ण्त् है णब स म णह क उ त्व मन् ण्त् ह।ै

पा वत रोटी क् पद् क् नीच्,

यीशु संचकों को उनक् नश श्ीवन की य् त् क् दौन् उनक् स्ी ती्ब्नन् क् ण लए द्त् है।

पा वत ण तम णत क ी छ त ी क ी क प स ,

वह श्ीवन द्त् है ो हम् उनक् ण लए रहत् है ो य चर रस्क् संसोभ त्है, शरीर और आ्।

य् रहस्इतन् स्र् है ण क हम इन् अपन् अमश्ीवन मे ही पी तरह सम् प्एंर्।

ह्ाँ क, अभी, पभु-ण भ्ो, यीशु हमे कई तरह स् द्त् है - लस्मरम्- वह ् ण्ो वह हमे स्् मे द्।

म हमे ध की ्शकश करत् है

- ंदरी,

- ोश,

- मौत और

- यीशु क् पुनरत।

मसीह की मवत्,

- अपन् स्ंसर क ण्ीवन क् उल ्र् क् म स्

- तैतीस व् ् मे हम ल ण कय् स्य् है।

ल णक न , **ममे,**

- रहसमय रप स् ई

-कुछ ही समय मे,

यह पण वत ण ् ण तयों क् ण वन श की त स णत म े न व ी न ी क ृ त ह ी त ् ह ै।

इन ण ्ॉ तयों म् मे यीशु शणमल

मे पीण है प ई . क्

प श त **पक्,**

णब तक व् मनु ्द्द् उपभोरनहीं ण कए ण्त्।

इस खपत क्ब,

- यीशु की पण वत उपत स णत अ ब नहीं है। यीशु अपन् ण पत् क्
हदय मे ण म

्दम्भ् मे लौट आय, ्

ठीक वैस् ही ् ै स ् उसन् मर् हओं मे स् ् ी उठन् पर ण कय् ् ् ् ।

य चर रसक् संसो

यीशु हमे य द ण दल्है ण क हम् शरीर मण हम् मे पुण ्ॉ वत होंर्।

ण्स् यीशु ण पत् की रोद मे लौटत् ह, ै णब उनकी पण वत उपत स णत स म **हे**
ण् ्ती है, वैस् ही

णब हम अपन् वत म स् ्सर क ण् ीवन क् म **स्अस्त** को समक्रेर्,
तो हम ण पत् की रोद मे अपन् **स्त** ण नव स की ओर बढेर्।

हम् शरीर, म्णब की सम्क् बयीशु की पण वत उपत स णत क ी त र ह ,
अब अत **स्त** मे नहीं रह्।

ल णक न , स व भिण मक पुनरुत्तक् ण दन ,

- ण दब्बावशत क्क क् एक मह चमत्क् ण लए,

- ीवन मे वपस आ ण्एर् और,

- हमी आ क् स्   सयकुं , यह भस्व न क् श्त आ नंद क आ नंद ल ।

अन्इसक् ण वपरीत, अतची और   ं स् र र लए परम्म अनन्मी स्रोद हो ण् एंर्।

म्मक् ण लद अद्भुत, स्और चमकद पभपैद् करत् है।

तो र, मसीण हयों को इतन् कम त्नकें ण मलत् है? उस   क् ण लए आ ण् ो परम्म स प क रती है,

क्इसस् अ क स् ंलादक और त्नी कुछ हो सकत् है?

संस

-   को त खत्है त णक व ह   स्क् योग्हो, ई आ

- शरीर को ईशर की स्त इच् मे ण न्होन् क् सौभ ग द्त् है।

शरीर क् पुनरतक् इस मह ण दन पर   ,

- एक मह अलौण कक ृटन् ृट्ी

- णबक्होत् है, इसकी तुलन् मे,

तों व् आक्क पर ण वच करन् क् ब और स् पकट होत् है, तों क्

पक्को अवशोण ्त करत् है।

ल णक न , भल् ही व् कक क ी ण नह स् ख ं, त् अपन् पक बन्ए हो ण्एखत् है और अपनी णरु पर बन् रहत् है।

ण सतों की तरह, आ्ुएं,

- ्ोस्णट की घ टी मे अंग तम ण ण ्ुय क् ण लए एकत ण कय् स्,

-अन्आ्ु्ओं को दखर्े।

पक्क् अ गण और संच

- सबस् प वत ब लद ई

- प क्संस

यह हर आ्ु् मे ण दखई द्।

ल णक न णब यीशु, न्क् स् पकट होत् है,

- यह सभी प वत आ्ुओं को अपन् आप मे सम णह त क र ल ्। उनेहम्

ण म ्ुद रहन् की अनुम त द्,

ण दव्र ं क् ण वश्ससमु्ु मे तैरन्।

और इस ण दवक्स् वं चत आ्ु्ओं क् क्होर्?

अरर मै इस पश क् उतर द् चहत्, तो मै लंब् समय तक ण लख सकत् ्।

य द पभु च हे तो मै इस पश को ण कसी अन्अवसर क् ण लए सुर क त

रख्ुँ।

यीशु न् मु्ु सम्् ण दय्

-ण क शरीर ्ो पक्स् णसत्् अपनी ्ओं क् स्ु्। र स् ्ुु्.

आ्ु

ण्एंर्, व् ह्म् क् ण लए भरवन क् स् ् ्ु्.्् रहरे ्।

ल णक न आ ्् ् ् ए ं । नक् प

पक्नहीं होर्

क्यों क व् प वत ब लद और पक् संस्ोभ न्ही लन् चह्त् ्, उन

अंण ्ु् की स्हरई मे ्के ण दय् ण्एर्।

और, मह द्त् क् प त अपनी सच् स् प तबद्कृत्त् क् ण , व् अंण ्ुर्

क् ण कुम ल णस फ क ् द ्स ब न ण्एंर्। व् एक भय नक पछ्् स् हम्

क्

ण लए तपेर्।

कई अनुगहों क् पर र ्मसु्ो यीशु न् म्ुु लत् पद ण कए, म
हम्उसक् स्ुु रहन् की पण वत इच्स् ओतपोत ्ुु,
सण हत णब मी आ्ुु न् म् शरीर छो्ु ण दय् e
ण क यीशु न् मु्ु उन लोरों क् ण लए क् सहन् क् ण लए ब्ी पी्ुु दी है
ण नमे सहन् की कमी है

म्ई . क् पण वत बण लद क् ण

लए प क् संस्क्ण लए ।

णह्ुँ तक यीशु क् पश है, वह अक्मु्ु अपन् ण ुर वचन की य द ण दल्ुु।
ण सक् ब् मे मै पहल् ही **उस रहसमय ण वव क्** ब् मे ब कर चुक् हँ
। स् वह म् स्ुु समक्चहु्ु।

और मै अकर उनस् इस अ्ुुु मे प्ुुु्न् करत् ुु ुु :

"ह् सबस् पी पती, णली करो और अपन् स्ु म् अंतरंरण मलन मे दी मत करो। क्तुम नहीं द्ख सकत् ण क मै अब और इंण ुु्र नहीं कर सकत्?
हम प्क् अ्ुलनशील बंण नों स् एक हो सकत् है त णक क ो ई ह म े अ ल रन कर्, एक पल क् ण लए भी नहीं!"

यीशु , ु्ो मु्मे इस रहस्मय ण वव की पबल इच्रखत् ुुु, **न मुझस् कह्** :

"पृथी की हर ण चोको खर करण दय् ण्न्च णह ए । स ब क ु छ **!** सब कछ!ु
और न कल **आपक् ण दल,** बत ् आपक् शरीर भी ।
आप नहीं ण्ुनत् ण क पृथी की णर् सी छ्कैस् ह ् क ह ो स क त ो ह ो । य ह म् प्क् ण लए एक ण ब्बण ्ु है।

इन शब्दों पर मै बह्दुर हो ऱ्य् और उस् णबरदस्ती कह्:

"म् भरवन, क् ऐस् लरत् है ण क मु्् अभी भी अपन् आप स् कुछ लन् है,
इसस् पहल् ण क मै आपस् पी तरह स् पसन हो ण्ऊं?

तुम मु्् क्यों नहीं बत् ण क यह क्य है?

आप ण््नत् है ण क आप ण््ो च हे करन् क् ण लए तैय है।"

ण्स् ण क मनै ् कह,् म््ु यीशु स् पक्की एक ण कर ण मली।

इस ण लए मु्् एहस्स हआ ण क उनक् मतलब सोन् की अंठ् स् ््् । स पर उनकी क्की छ ण व ््््ी । स् मैन् अपनी उंरली पर पहन् ््।

मैन् उसस् कह्:

"ह् प ण वत ण्ीवनस्््््ी, य ण द आप च हे तो मै इस् अपनी उंरली स् उतन् को तैय हं।"

प् :

"ण््न लो ण क मै तुम्हे एक और अ क कीमती और सुंदर अंठ् द््ं्र्, । स पर मी छ ण व खुदी होरी।

यह ण््ी ण वत रह्, त णक ह र ब णब आप इस् द्खेर्, तो आपक् ण दल मे प्यार क् नए तीर प्व श करेर्।

अब तुम्हे अंठ् की णरूरत नहीं है।"

इस ण लए

- पहल् स् कहीं अ क संतु्, ई

-क्यो ण ं क मु्् अंठ् क् कोई शौक ्, मैन् णल्दी स् इस् अपनी उंरली नहीं ्स् हट् ण लय्

कह्:

"प ण वत प ण त / पती, अब णब मैन् तुम्हे पसन ण कय् है,

- मु्मे अब भी कुछ हो तो बत्ओ

- ्ो हम् श्ता और अ ृुलनशील मलन मे ब्णक हो सकत् है।"

बहत दनों क् इं ्र क् बभर्

- स्र्र्ेक्

- उचस्ंतन, ्ण बन् क् क, ्

अंत मे, मी आ्््् क् पए ्ीवनस््््ी, यीशु क् स््म् रहस्य मलन क् लस् व्ा दन न् खुद को पस्ु कय् है।

ण्स् क म््ु अच्ी तरह य द है, ण न्कव्ँु ी की प वतत् क् पव् मे कछुही दन श््् ््। (7)

एक त् पहल्, मी तरह क् यीशु वश्ष्स् पकरन् व्और खुश ्ण्

््।

उनोंन् स म स्आ क रोपनीयत् क् स्् बकी।

उसन् म् दल अपन् ह्््ो्ं मे लय् और उस् ब-ब दख्। इस् अच्ी तरह स् द्खन् क् ब, उनोंन् इस् ्््. दय् और बदल दय्।

इस लए वह बी़ सुन्त् क् एक वस्ई, ्ो भन-भन ररं ों क् ण ब्द सोन् स् बन् हआ पतीत होत््् ््। मै इस् रखत् हं।

उसन् दो कीमती रहन्, ्ुमक् ण लए और म् कों मे ण््ल ण दए। उसन् मी रद और कल्इयों को एक ह और कीमती रहनों स् बन् कंरनों स् ण ्य्।

उसन् म् ण सर पर एक शद मुकुट रख् है, ्ो चमकत् रहनों स् ढक् हआ है।

ब मे

मु्् ऐस् लररह् ् क स्नों मे इतनी सुंदर ् न है क ऐस् लस्त् है ््

ण क यह बोल रह् है।

-सौंदय्, श कअर्चई,

-भयान क् द और म हम् क् लए,

- स्ृ्ृ् ही म् प त, यीशु की मवत् क् सभी रर।

मैन् ो सुन् उसक् ण न करन् असंभव होर

णब क मी ् ंल् क् समु् मे तैर ई।
आ् स्

म् म् पर पटी ब् णं त् हए **उसन् मुझस् कह्**:
"पी पती, यह मुकुण् ो तुम् सर को सुशो भत करत् है, तुमेम् द् दय् स्य्
, त णक त मेमी पती होन् क् योग्य बन् क् लए कुछ भी कमी न हो।
आप इस् हमी श दी क् बमु् व पस कर देर्। आपकी
मृतु क् ब, मै इस् आपको सर् मे लौट् द् र् »।

अंत मे, यीशु एक परद् ल् आए सस् उसन् मु् सर स् प् ंव तक ढक दय।

इस कीमती पोश मे,

- मै रहर् ण वचशील हो रय् हं,

- म् त्व क्की रीबी और हर उस आ भ् ् ध् ो उसन् हमी
रहसमय शदी स् एक त् पहल् म् स् ण य् ।

मै कह सकत् हं क मैन् अपन् ीवन मे कभी भी ऐसी अस्ण र् त
स ण महस नहीं की।

इसन् मु् उस मह भ क् अनुभव ो ईश र अपन् पी म् ण्न ् व्
कय् ी को द् सकत् है।

ओह! ण कतन्ण ीब एहस म् ण दम मे बस्।

यीशु न् अभी-अभी मु पश् ो कुछ कय् है उसकी उद्तत् को महस
करन् क् ण य, मैन् इसक् ण वपरीत महस ण कय्।

मु्् एक तरह स् तबह महसहआ सस् मु््् वशस होरय्

- क मै अपन् बस्ल मे ्, और

््

- क मै मर स्य् ्््।्

ल ण न , इस व श की त स ण म , मैन् अपन् पय यीशु क् सह् लय्
है।

मी बी़ उल्न मे,

मु्् वश स नहीं हो ् क यह भसब न ् नेंन् अपन् सबस्
रह् ्् ही ््
छोट् सकों को इतन् कीमती रतों स् ण ् ््।

्यह म् लए असु ् णन्क

लररह् ्््

- सन् मु्् न कल ऐसी पोश्मद की,

-ल ण न व ह अ भ भ औ र कसी भी चीरस्
ज़् एक ऐस्

परम्र न् अपन ी चुनी हई दुल क् द्स क् प्रमे क्
कय,
परमर   सक् लए हर पण् ी अपन् छोट् स् छोट् चनों क् पन
करत् है। इस लए मैन् उसस् वनती की क वह मु् पर दय् कर्
और मु्् क म् कर्।

णह्् तक म् पहन्क् व भन हसें क् अ्््की बहै, प्के अलर
अलरम् ण््त् है, तो मै उनकी उ्क् करत् हं, कों क इतन् सें क् ब

मु्् अब इसक् ब् मे बहत कम द है।

मै   ्् इतन् कह रह् हं क यीशु न् म् सर ् ् औश्ो म्
पश्ो पद् ण्ल
पैरों पर प्, उसन् उन कस ों क ो भ य भ ी त क र दय् ्ो ् क यीशु
दख रह् ््

म् वा कप्र क्कर रह् ्््।

ल णक न ण्ैस् ही उन्नेंन् मु्् इस तरह कप् पहन् द्ख्,

- व् इतन् भयभीत और भयभीत ्ण क उन्नेंन् मु्स् संपक् करन् य् मु्् पश ्क्रन् की ण हम्मतनहीं की।

- उनोन् अपनी सी दुसहस और लरवी खो दी ्््ी।

यह्ं मै अपन् सम पक्षको दोहत् हए कहत् हं ण क म् और यीशु क् बीच ण्ो हआ उस् ण् ठन लस् है। मै अपन् शम ल्स को कल

इस लए द कर सकत् हं क्यों क मै आज्ी बनन् च हत् हं।

मै यह कहकर अपनी क् क् स पसुत्त करत् हँ

-ण क परम प वत व ्न मैरी की प वतत् क् पव् की चौकसी मे, ों क ो प ी

मै, स्रीब त्त कअपन् अच्यीशु की ओर आक ष त हआ, सन् कस्तरह स् भयभीत कर ण दय्।

व् भ स्प, और परम्म क ् द्त म् लए अस म श द क् ् आए, सन

स् मु् शर् स ् ण क मैन् कुछ रलत य् नीच ण कय्

हो।

व् म् पआए और म् स् तब तक रह् णब तक क म् दय लु यीशु वपस नहीं आ रए।

अरली सुबह,

यीशु, अपनी सी म हम् मे और एक अस म अक्ण और मठ्स क् स् म् प आय्,

ण नव ्न मैरी और सेट कैरीन (8) की कपनं ी मे।

यीशु न् स्क्तों स् एक स्स और सुंदर न न्् क् लए कह्। णब व् र् रह् ्, सेट कैरीन न् म्ु कोमलत् स् पोतण त कय्।

उसन् म् ह् ्म लय् त णक य ी श ु म ी उ ं स्ली पर एक कीमती श दी की ् अंठ् रख सक्।

और, अ नव चनीय भल्ई क् स्, यीशु न् म्ु कई ब स्ल् लय् और च्ा मी म् ँ, ण न्त ्न मरी , न् भी ऐस् कय्।

मैन् एक स्स व त्ल मे भ लय् समे यीशु न् म् प त उनक् प क् आक्ण क् ब् मे बत्

म् ण हस्सक् ण लए, उसक् ण लए अपन् पकी शत्क्ण लए एक ब़ी उल्न मे ण्ब् हए, मन्ै उसस् कहः् "यीश,ु मै तमस्ु पकरत् ह!ँ मै तमस्ु पकरत्

हँ! तुम ण्ािनत् हो ण क मै तुमस् ण कतन् पक्करत् हँ!"

ण नकुँवी न् मुास् उस अस्ण ाार अनुगह क् ब् मे बकी ाो यीशु, मी दय लु पती,

उसन् मुाा अनुमण त दी और मुास् एक दसर् क् ण लए एक कोमल पक् आद-
पद करन् क् आगह ण कय्।

यीशु, म् पण त, न् मुाा ाीवन क् नए ण नयम ण दए है

त णक म ै उ स क ् स ाा ् औ र अ । क ृण न्त् स् रह
सक्ाँ और अ क
ण नकटत् स् उसक् अनुसर कर सक्ाँ।

म् ण लए, इन ण नयमों को तकनीकी पस् समझ् आस नहीं है।

उनक् स मे और उनक् दै ण नक अभस मे, भगव न की कृप् स्, मैन् कभी
उनक् उलंन नहीं ण कय।्

व् यह्ाँ है:

मुझ् पी सृ ण क् ण लए प्ण ाैर होन् च णहए, समे
स्ब भी श णम ल ह ै *मुझ् हर*
ण च छाोपी तरह स् स्म न ी मे रहन् है, त णक म ् अ ंत
र रक भ व्ल *यीशु पर ण टक् रह्।*

और मुाा यह उसक् ण लण ाी ण वत और त् पक् साा करन्

ण ाकण ए , त णक

मी हरकतों स् खुश ,

म् ण दल मे स ाााययी ण नव स प् सकत्
है।

उसन् मुास् कह् ण क, उसक् अल् मै कभी ण कसी स् नहीं ाााार,
ायह्ाा तकण क खुद स् भी नहीं।

मी हर ण चं और हर ण चंकी य दे उसी मे णृत होनी च णह ए , क्यों ण क सभी

ण्ीव उसी मे प्ए ण््त् है।

इस् पक्ष्क्र लए, यह आवश्यक है

- हम्प वत उद्सीनत् मे क्करे e

- अपन् आसपहोन् वीहर चीको रअंद्ण करे।

मु्् हम्नीऔर ्री क् स््् ककरन् च णह ए , ्ो
कुछ भी मु्् ण य ों स ् हो त ् है।

णब कभी-कभी,

मै इन च ों क् अभस नहीं कर रह् ््् ,

म् प् यीशु न् मु्् यह कहत् हए की णट् लर्ई:

"णब तक आप एक ऐसी टुकी मे नहीं आत् ्ो पभी और दोनों हो,
भ्न््के आप पी तरह स् म् पक्मे नव णश त न ह ी ं ह
ी ं र्।

इसक् वपरीत, य द आप अपन् आप को पृथ्वी पर सब कुछ छीन ल्है, तो आप एक पदश् कस्ता की तरह हो ण््एंर्।

ण्ो पक्की पर रण्ण््त् को रर पक्। ममदव ्ो क
है, तुममे पवश कर्।"

मझ्खदकोखदस्अलरकरन्हैऔरअक्औरपीतरहस् यीश म रहन् है।

***मुझ् वश स की स ची भन् ा् वरन् क् न रहन् होर्।
लए ्***

इस वश स की भ्न् स् मै स्ण न पक्ल्रं

-खुद को ण्नो और खदु पर शक करो,

-पहचे क, अक्, मै कुछ नहीं क् लए अच्हूँ,

-यीशु को ब हतर तरीक् स् ण्नन् क् सण् न पक्क्र लए, ई

- अ क आ् वश स रख।

उसन् मझ् यहभी ्त्   :

"तुम अपन् आप स् ब हर   नकलोर् और अपन् आप को म् पो   ेस क्   वश्ा समु्् मे ्ुबोओर्, णब तुम मु्् और खुद को ण्ओ र्।
ण्न

मी पती, क्यों   क मु्् णलन हो रही है, मै तुम्हेकहीं और ्््ो््् भी सखु   क् अनुभव नहीं करन् द्र। आपको हम् अपन् ्ीवनस््ी्् क् करीब, उसक् स्ा् रहन् च णह ए , त णक   व ह आ प प र श क   न   क र स क ्।

तो तुम मु्् अपन् ऊपर ण्ण्् अ ् दोर्, त णक य   द मै च हं तो

आपको दुल्् य् रल् लन््, य् अपन् आप को कर स्श्स् भरन्, चुंबन य्   प करन

य् यह् ं तक   क तुमस् लो, तुम्हेचोट पहँच्ओ, े दंा   त करो तम्   ्ैस्   मै
कर सकत् हँ।

म्   लए, और ण्ण्् स्वंतत् मे, आण्् ो कुछ भी आवश्क् सम्ेर्, उस् पसुत करेर्,   क्यों   क हम् दद् और खु   शय्् ँ सम है।

एक-द्सर् को खुश करन् और संतु्् करन् क् अल् और कोई ण् ी   ै, हम् बीच यह प   तयो स् भी होरी   क सबस् अ   क दुख कौन सह सकत् है। "

उसन् आ र् कह, "तमु ी इच्छ नही,ं परन्तुमी इच्छ है   क तमु भव् न अपन् ् ***मे एक   ेक्ी तरह श सन करन् क्   लए णी   वत रहँ।***
मी पती, यह आपक् और म् बीच पी तरह स् पबल होन् च णह ए ।

नहीं तो हमे एक अण्ण्् पकी भी्् को सहन् होर्,   सस् तुम पर छ्उठ्ी और

एक अनु   चत संच लन की असु   ्् क् पर र ््म होर्

उसक् क्   लण्ो तमु ् और म् बीच, मी पती क् बीच पबल होन् च णह ए ।

यह बात आप मे नव स कर्

-या द, समय-समय पर, आप अपनी श त् मे पक्ष भक्क क् प्रस्य है, अ्््््््त्

-या द आप अपन् ब् मे प्ण् ज तक पहँचत् है।

तुम वह् ् ँ रुकन् की स्थ नहीं है, क्यों क तुमी श त् की प्ष्ठभ् क् ब्य मै च हत् हँ क तुम मु् मे पी तरह स् वलीन हो ण्ओ।

मी इच्छा की अनंत श क्ति मे पव श करन् क् लए आपको सब कुछ करन् होर्।

इसक् लए आप उन सभी रोगो को अपनी ओर आक ष त करेर् नकी आपको मु् मे आरो करन् की आवश्यकत् होरी, ऐस् करन् क् लए

- म् स्् सब कछु करो, - अपन् सदभं् क् बन्। "

औ र उनोंन् ण ्री रख : "भ व्य मै च हत् हं क कोई और 'आप' और 'म' न हो। कोई और इच 'और' इच् 'नहीं होरी।

य् श ब्ब हो ण््एंर् और "हम करेर् " द् प त ््् पत कए ण््एंर्।

सब कुछ "भ ल्" होर्।

ण्स ् कोई भी दुलन करती है, ्द

-आप म् स््् संयुक ््वई करेर् और

-आप दु नय् की नय त क् म्दश करेर्।

म् लह क् द् रए सभी लोरम् पुत और म् भई बन्। और छु््ए

णब स् व् म् है, व् तुम्ब च् और भ्ई भी होंर्।

और च् क उनमे स् बहत स् ्रं ली हो रए है और अलर हो रए है, आप उन्ह एक असली म्ं् की तरह प्यार करेर्।

कई तो बह भी है:

आप, मी तरह, उनक् योगक््ो्ं को मेर्।

बहत क ठन ब लदों की कीमत पर, आप उनेसुरक ् मे ल न् क् प स करेर्। अपन् क््ो्ं क् रोस् लदी और अपन् ख और म् स् सींच् हए, आप उनेम् दल तक ल् ण््एंर्।

णब म् ण पत् उने द्खत् है,

वह न कल द लु और क मील होर्, ब ,

- अरर व् अच् चोर की तरह पछत् है,

व् णली स्क् श्त अ ् ल् लेर् "।

"अंत मे, - इस हद तक ण क आप अपन् आप को उन सभी स् अलरकर ल् है

णों पी तरह स ् म् नहीं है,

- आप मी प्ण् इच्ामे अ क स् अ क वस ््त करेर्।

तो, म् स क् ज क् लए ण न्ाद

-उस दन वह तुम मे और अ क्ण्ीवंत होत् ण््एर्,

- आप म् पकी प्ण््त् पकेर्।

अपन् स् पऔर बु द्सत् उसमे ण््ल द् ्ैस् पहल् कभी नहीं ््,

तुम मु् मे सभी ण य ं क ो प ् ओ र्, ्ैस् एक दप्ण मे ्ो पकऔर छ वयों को दश््त् ह।ै

एक नरर स् आप उन सभी को द्खेर् और आपको उनकी च तन् की त स णत क पत् चल ण््एरा्

र, एक पी म्ँ क्परमे और

- दय् की सची भन् मे,

- मी आ्््् कौन है और मी म्की,

आप इन ण य ं क ् लए स्ां को ब लद करत् हए सव च ब लद करेर्।

यह ब लद एक लबा की तरह होर् ◌ो आपको म् सच्और
◌द् अनुकर कत्◌◌् और पती क् पर में ढँक द् ”।

मी तरह क् यीशु क् प की सत्ओं क् ◌◌न कैस् करे, ◌ो उदत् क् स्◌, और
अ कत् क् स्◌◌् भी,

- म् स्◌् उसक् आध् ववक् अनबु ◌ंण कय् और

- मु◌◌् म् ◌◌ीवन क् नए ण नयम ण दए।

कई ब वह मी आ◌◌◌◌् को अपन् स्◌◌् सर् ल् रय्,

त णक म ◌ै ण न आ◌◌◌् ओं को लत् म हम् क्
न त्◌् हए सनु सक्◌् और दव
मह हम क् ण नाद कर सक्◌्।

मैन् स्व◌् तों और संतों क् व भन यों पर वच कय्।

सभी ईश र की इच्मे णब ◌् हए ◌्, उनकी ण वशत् मे लीन
◌◌्

◌◌◌ ।

णब मैन् परम क ◌् संहसन क् चों ओर तो मैन् द्ख्
द्ख,

- कई चमकद रोशनी,

- स् की तुलन् मे असीम रप स् उवल।

इसन् मु◌◌् द्खन् और सम की अनुम त दी

- आंतर रक र र ई

- भ न क् र र, ◌ो अपन् स मे,

- व् तीन दक क ओं क् लए स म है।

मै इसक् पत् लन्◌् मे सक म ◌◌◌◌्

- ण आ◌◌् एं,

- एक स्् य् उता ्ण् म,े

इस रोशनी क् आनंद ले और खुश रहे।

और अनंत स दयों की अनंत कक् प् , ्व् कभी भी परमर क ो पी तरह स् नहीं सम्त् है।

ऐस् इस लए है क्यों क बन्ए रए दम स्पही स्कल

मह हम,

ण वशत् ई

भस्व न की प वतत् ,

एक अ न म और सम् स् ब हर होन् व्प् ्ी।

मैन् ्ो दख् और सीख् है, उस् मैन् भी सम्् है

दब और ण न आ््एं तएकतक् र रो मे भ ली ह

-णब व् इस पक मे सकरत् है।

ण बलकुल इसक् स्

-णब हम प्ण्् स् क् पक क् संपक् मे आत् है,

-हम रम् हो ण्त् ह, ै तब

-स् मे ईश र क् अनन्स् की उपत स णत म े द द ्त औ र स ंत ,

- व् स्त पक क ् स ््् ण नव णश त ह ै औ र इ स प ् भ स्व न क् सम है।

अंतर यह है ण क

भस्व न अ न व्स्स् स्प स् अनंत है,

णब क ण न और स्व् ्त आ्््एं सी मत है

व् अपनी सी मत क मतओं क् अनसु ही ईश र क् र रो मे भ ल् है। भस्व न,

स्त औ र अ नंत स्, बन् कुछ खोए अपन् सब कुछ द् द्त् है।

णबा क्ीव, ्ो आ नक्ारस् सहभी है,

- व् श्ा स् स् ा मलत् ्ुलत् है

-कल आपक् स्क् बहत छोट् आ् और पर रम्ण क् ण ्र पर।

मु्् स्ारस् लस्त् है ा क मैन् अभी ्ो कुछ भी कह् है वह स्लत और अपय््प है।

क्ोंा क इस ण न्ात् मे मैन् ्ो कुछ सीख् है, वह ा ना श त पर्स् म् शबों स् अची तरह सम् मे नहीं आएर्।

मैन् ्ो अनुभव ा कय् है, उसक् स म प्म्प्हे, ल णक न म े इ स
् स स्प
स् नहीं कह सकत।्

आ् ् ् समय क् ा लए अपन् शरीर स् ब हर ा नकलती है, इस ण न्क मे ल्
् ््
्ो््
ण्य ् ् है, और । र अपन् शरीर की ण््ल मे व पस ् है।
णत आ णत

आणा्ो कुछ भी द्खत् है और सीखत् है उस् बत् असंभव है।

एक आ््् क् अनुभव । स् भस्र न एक उदह् र दत् है
्ो वह उस् समझ् च हत्
है उसकी तुलन् उस बच्क् अनुभव स् की ण्् सकती है ्ो मुत स् हकल् है
और एक मह नक क् संपक् मे आत् है।

इसक् मतलब उसक् छपों क् ब् मे बहत सी बे होंरी।

ल णक न च ्््ं ा क वह नहीं ण्नत् ा क कस्ै
कहन् है, वह शा म द् और चपु है।

अस्र यह आ्र त ् क ् ा लए नहीं होत्, तो मै एक बच्की तरह चुप
रहन् पसंद करत्। मै बकव स क् बाही बकव स कह सकत् हं।

ह््ा क, मै यह कहन् ण््री रखत् हं ा क मैन् खुद को यीशु, म् पा त,
इस ण न म्ा णम म े स्द््तों, संतों और ण नें क् समक् बीच चलत् हए

प्।

क्रोंि क मै एक नई दुल्ह्न ्ी, मंणली मे,

व् हमे ण कर रह् ्््् और
्म

हमी हकी श दी की खुा शयों मे हम् स््् भ ा लय्। ऐस् लररह् ््
_
- ्ो अपनी इच्छाओं को भ ल रए ् और
््
-ा क उनेकल हमी परव
््््ी।

संतों को संबो त करत् हए , यीशु न् कह् :

« ***मी कृप् क् पा त अपनी ा न ष् क् ा लए,*** ् म् पकी ा ा य और यह आ््
ा व ला त् ् न रई है».

ा र उसन् मु्् *सद््तों स्* ा **मलव् और उनस् कह्** :

" ***दख ो कैस् उसक् ा लए म् पन् स ् कुछ द कर ा दय् है*** ।"

। र उस न् मु्् उस मा हम् क् ा संह्सन पर ा बठ् । स क् योगउस न् मु्् ठहय््।

उसन् मु् स् कह्, " ***यह री मा हम् ् न है,*** और कोई इस् तु् स् ***क् ा छीन नसक् ।"***

मैन् सोच् ण क इसक् मतलब है ण क मै पृथी पर वपस नहीं ण् रह् ््््।्

ल णक न । ् ही मु्् इस बक् यकीन हआ, मैन् खुद को अपन् शरीर की सोस, ्स
दीवों क् भीतर पा

अपन्शरीरमेण र स् रहन् क् ण लए मु्््ो बो् महस हआ, उसक् ण ्न्कैस् करं
स् की तुलन् मे, मु्् पृथी पर सभी ा च े कचर् की तरह लसी ्््ी््ं।

य् बेकुछ ण य ं क ी इ ण ों को पसन करती है, ल णक न म ु् ् व ् द ु ख ी ल सी

◌् ◌् ◌ ◌्ी ◌् ◌ं ।

ण्◌ो लोरमु◌्◌् ण पय है

-ण सक्ण लए मु्् बहतधहै,

-ि नक् स््् मैन् दय लु और ण वनम बवीत मे बहत समय ण बत् अब उबऊ और ण नब््् ण लररह् ््।

ह््ाँ क, णब मैन् उनेभस न क् पण तण बंब क्पर मे द्ख्,

मी आ््् सतो ्और सतो् की छक् अनभवु कर रही ््ी , और

मै उने सहन करन् मे सकम ्् ्् ।

इस सब क्ण ् ू ी , परनुमै न् यीशु स्ण शका करन् क् ण सव् कुछ नहीं ण क्या्

-स् मे रहन् की मी ण नरंतर इ्च

- मी आंतर रक पी्््, - इस दण ु नय् की ण च ों क् सबं ंण मे मी ऊब, सब कछु मी आ््् को ख् रह् ्््। म््ु ऐस् लररह् ्््ण क अब म्ण लए पथ्ृ ी पर रहन् असभं व ्् ्् ।

ह््ाँ क, सभी पर रत स णत य ो ं म े प र म र क ् पण त मी आग्र त ् न ् आ र् दी

-ण क मु्् मौत नहीं च णह ए ,

-ल णक न णब तक ईश र की इच्है, तब तक मै पृथी पर रहत् हं।

इसण लए णब मै अपन् आप पर ण नयंण मे ््् तब मैन् अनकु त ण कय।्

आग्र त ् क ् ण ् , ंत रहन् चहत् ल णक न म े ऐ स ् ण ब््ुल नहीं मै श् ््,

कर सक्। समय-समय पर मैन् ण नयंण खो ण दय् और, मै सी् करत् हं, मै अण ल रह।्

ल णक न म े क् कर सकत् हं?

सभी हक उ द्शों क् ण लए म् ण लए खुद को ण नयंण तत करन् असंभव

्््। मै एक सची शह्दत क् अनभव कर रह् ्् ्् ,

- । सक् म **स्मैल्** लत् रह्,

- मी ण चंत् को ण नयं ण तत करन् क् ण लए हर संभव स्ण न क् उपयोर करन्। ल णक न म ् ण लए ण्ण् ् ण नयं ण असंभव ्।

म् प् **यीशु न् मुझस् कह्** :

"मी पती, ण चंत् मत करो। तुमे स्र् क् ण लए क्तरसत् है?" मैन् णवब ण दय्: "मै ह्म् तुम् स् ् रहन् च हत् हं।

णब मै आपस् द होत् हं तो मै अपन् ण दम खो द्त् हं, भल् ही वह एक पल क् ण लए ही कों न हो। मै हर कीमत पर आपस् ् ु ् न् चहत् ह।"

तब यीशु न् मु ् स् कह्: " ***ठीक है,*** उस ब क् ण लए। मै ह्म् तुम् स् ् ***रहकर तुमेपसन करर्*** ।"

मैन् यह कहकर उतर ण दय्:

"य ण द आपन् ण कय् तो मै संतु ् ् हो ण्ऊंर्, ल णक न **य्** ह हो ्ो मु ् ् ण्ऊंर्,

अक्छो ् न् क् बबर् ह। नहीं हो

स् मे ऐस् नहीं है, कों ण क आप वह् ् **य्** ह

सकत्। म् अनुभव मु ् ् यह स णब त क र त ् ह ो। "

यीशु अपन् ण य ो क ् स ् ् ण ् ् क करन् ण्नत् ह।

ण बन बुल्ए क् ण लए, मै आपको बत्ऊंर् ण क कैस् उसन् म् स् ् ् कई ब ण

् ् क ण कय।

उद्हर क् ण लए, णब मै इन ण न्म चंतओं क् अनभवु कर रह् ्,

यीशु ण **ली** स् म् **प** आय् और मु ् स् कह्:

"क्तुम अब म् स् ् ् आन् च हत् हो?" मैन् उतर ण दय्: "कह् ्ँ ण्ओ?"

उसन् कह्: "स्र् मे।"

और मै: "क्तुम सच मे ऐस् सोचत् हो?"

उस्: "ह्ाँ, ह्ा, णली करो और द मत करो!"

मैन् कह्, "ठीक है, चलो चलत् है, भल् ही मु्झ् ्णर लररह् हो ण क ्ो तुम म् मज उ्ा्न् चहत् हो।"

यीशु न् आर् कह: "नही, नही, मै वसव मे तमस् कहत् ह, चलो। मै तमु अपन् स् ल् ण्न् चहत् ह। "

यह कहकर उसन् मी आ्ा को अपनी ओर इस तरह खींच् ण क मु्झ् लर् ण क मै अपन् शरीर छो् रह् हं, और एक ण मे मै उसक् स् स्र की ओर उ् रह् ् ्। ओह! मी आ्ा् की खशी !

मैन् सोच्

-ण क मै पृथ्वी को स ीपरस् ् ण् रह् ् और ्य छो्न

ण क यीशु क् प क् ण लए म् क् कल एक सपन् ्।

हम सर् की ऊंच्इयों पर पहंच रए है।

मै ण नें क् सुरील् रीत सुनन् लर्। मैन् यीशु स् ण वनती की ण क वह मु्झ् इस स्पसंरीत समोह मे शीृत् स् ल् ण्ए।

ल णक न ,ण्ीर्ण्ीर, उसन् अपनी कोण्ीम् कर ण दय् त णक स ब क ु छ उ् ्गाए्

औ र ह ो

ण्ीर् स्।

यह द्खकर, मु्झ् संदह होन् लर् ण क मै वसकोमेजक्स्श्म णम नहीं लौट्ूंर, और मैन् अपन् आप स् कह:्

"यीशु म् स्ा ण ्क करत् ह।ै "

स्ा् ही, समय-समय पर, अपन् आप को आशसकरन् क् ण लए, मैन् उसस् कह:्

"ण पय यीशु, णली करो। तुमण्ीम् क्यें कर रह् हो?"

उसन् मुझ् ्त:

"वह्ँ दखो, यह पी खो ण्न् क् बहत करीब है। चलो र स् ण रती पर चलत् है।

हम उसकी आ को अनब ु त करन् क् पय स करत् है, शद वह पर रव त हो ण्एश आइए हम एक स् म् स्था पत् की दय् क् आह कर।

क्आप नहीं च हत् क इस पी क् उदहो? ोी द पतीक करे।

क्आप उस की मु क्क् लए क् सहन् को तैय नहीं है, सन् मु आ इतन् ख ण दय् है?"

एक प खशब

मै खुद को भल रय्, मैण र भल रय्,

मैन् स्व को ता दय् और मंण लयों क् रीतों को मैन् यीशु स् कह:

दबाक्

"ह्ँ, ह्, ो कछु भी तमु च हत् हो।

मै भुस्तन् को तैय हं त णक आ प इ स आ क ो ब च स क ो।"

और पलक पकत् ही वह मु इस पी क् पल् रय्। उस् अनुगह क् लए आ्समपण् करन् क् लए,

यीशु न् उस् अपन् उदक् ब् मे चंत् करन् क् सभी ो

ल णक न ह म ी आ श व्ी।

तब **यीशु न् उदस होकर मझस् कह्** :

"मी पती, क्आप वह ल न् च हत् है सक् आप हकद है?

य द आप अपन् शरीर मे व पस दुख भोस् च हत् है,

-ईश रीय न्को खुश कय् ण् सकत् है, ई

-मै इस आ पर दय् कर सक्र् ्।

ण्स् क आप दख् सकत् है, न तो हम् शबें न् और न ही हम् ो

हल्है। हम् *लए उसक् ण भुस्तन् क् अलआौर कुछ नहीं है।*

"दुख दैवीय न्याय को संतुष्ट करने और पापियों को प्रभु की कृपा स्वीकार करने का सबसे शक्तिशाली तरीका है"।

मैने यीशु के अनुरोध पर सहमति व्यक्त की, जो मुझे तुरंत मेरे शरीर में वापस ले गए।

मैं उस दर्द का वर्णन नहीं कर सकता जो मैंने अपने शरीर से दोबारा जुड़ने पर महसूस किया। बच्चे में दम की वापसी पर अत्यधिक तीव्र था और मुझे पतला महसूस किया।

एक ही समय पर,

- मैंने आत्मा और बच्चे को महसूस कर रही थी, उत्तेजित

- सांस के दम टूट और मैं अपनी आखरी सांस रह रही

मे थी। मैं इसे नहीं ले पा सकी। यीशु ही इतने कष्टों को एकमात्र ठीक करते हैं।

कल वो ही उसको दी और अत्यंत पीड़ा का अनुभव कर सकते हैं जो मेरी आत्मा और शरीर ने सहा है।

कुछ दिनों की पीड़ा के बाद यीशु ने मुझे इस पीड़ा का अनुभव कराया, उसकी आत्मा को पहले ही बचा लिया था।

तब यीशु ने मुझसे कहा: "**_क्या तुम मेरी तरह खुश हो?_**"

"हाँ हाँ!" मैंने उत्तर दिया।

मुझे नहीं पता कि यीशु ने कितनी बार इन पंक्तियों को दोहराया।

वह एक बार मुझे स्वर्ग में ले गया, मुझे इसके ठीक बाद का वर्णन करने के लिए:

"आप अपन् ि वश सपको म् स्ृ्ृ् आन् की अनुमि त द् क् ि लए कहन् भ ल स्ए। इसि लए आपको यह अनुमि त पक्र्क्ा लए अपन् शरीर मे व पस आन् होर्।"

मैन् उसस् कहः "णब मी ् म् शरीर मे ्््ी और मै अपन् ा वश सपक आ््

ा नद्शन मे ््, तो मु् उसकी बामनी पी्।

ल णक न च ््ं ा क आप कबकरन् वोंमे सबस् पहल् है और मै आपक् स्् हं, म् पा त, अब मै कल आपको संदा भ त करत् हं »।

यीशु न् श््ा त स् उतर ा दय्:

"नहीं, नहीं, मी पती, मै च हत् हं ा क तुम हर बमे अपन् ा वश सपकी बमो।"

इसन् मु् कई ब अपन् शरीर मे व पस ला

उनक् चुटकुलों न् कभी-कभी मु्मे न्ग्री और यह््ं तक ा क कवट और अा श्भी पैद् कर दी।

इसा लए यीशु न् उनेकम ब हॅा क, मै लत्ा बसपर ््, दोहय।

- ्णप य ो ं क ् ा लए प श त,

-स्ण्न् की मी इच्क् ा ्ा चत् की अवपक् स््

म् पा त यीशु क् स््।

यह इच् बी-बी स् उस् पृथी पर हम् म् स्् रखन् की ्््ी, मु्

सर्ण्न् स् बच् क् ण लए

कल म् शरीर मे लौटन् क् ण लए। मै लत् शहीद हआ ््।

एक सुबह, तीन सकी अव क् ब (9) यीशु न् मु् सम् ा दय्

- ्ो पृथी पर म् स््ा कए रएा वव की पुा ् करन् च हत् ्् ,

-ल णक न ह स ब स्मे ा पत् और पा ् की सीकृा त क् स्् e वत आ््

-प् ा दवय लय को द्खत् हए।

उनोंन् मु् इस ा वला कृप् क् ा लए खुद को तैय करन् की सलदी।

उसकी बमन् क् ण लए मैन् वही ण कय् ्ो मै खुद कर सकत् ्।

सच मे ह् ंा क, क्यो ंक मै बहत दुखी और ा च ों को सही करन् क् ा लए ् ् ् ् , अयोग

-मैन् उसस् ा वनती की, वह ्ो ्ीसों मे सबस् ब् है,

- त णक व ह स्सं पा वत शुत ्वक्र क् इस क्की अक्् त् करे। नहीं तो मै वह कभी नहीं कर प् ्ो उसन् मु्स् ् छ ् ् ् । ्

ण न्बा ्न मैरी (10) क् णन्की प्सं् पर मु् यह बहत बी कृप् पद की रई ् ् ्ी ।

ण क कैस्।

उस सुबह, म् दय लु यीशु णली मु् तैय करन् क् ा लए ा क वह मु्स् क आय् हत् ् ् ।

उसन् मु्स् ण वशस क् ब् मे ब की।

और बोलत्-बोलत् उसन् मु् अपन् प छो् ण दय्।

मु् नहीं पत् क्यों: यह हर समय आय् और चल् स्यण स ् ही उसन् मु्स् बकी,

- मु् ऐस् ्ीवंत ण वशस महस हआ

-ा क मी आ्, ्ो उस समय तक इतनी णा टल ्ी, इतनी सरल हो र्ई ण क वह ईशर तक पहंच सक।

तो, अब, मैन् इसकी पशंस् की

- भरत न की शत क

-परम पन ई

- आपकी अच्ई,

और इसक् अन्सभी रर ।

स्हर्ई स् चल् स्ए और ग वस्स क् समु्् मे, मै कहत् हं:

"सव शत क्क ईश र, आपकी सव शत क्कत् क्हल नहीं कर सकती है? ह् भस्व न की उद्तप ग वतत्

और कौन सी प ग वतत्, च ह् ग कतनी ही उद्त हो, आपक् स्स् पकट होन् क् सहस कर सकती है?"

म् दुख और मी शत्कोध्ो रखत् हए,

-मैन् खुद को महीन ण ्ल मे ढक् एक छोट् स्ाीव क् प्स मे दख्

- एक की्््् द् णली स् ग मट्ण्् सकत् ह।ै

मै अब परम्म क ि च ब्बद महा हम क् स्स् उपत स नहीं होन् च हत्

्् ्् ।

ल णक न , एक चुंबक की तरह, उसकी अनंत अ्ईन् म््ु उसकी ओर आकग ष त ग कय् और मी आ्््् ग चल्

उठी: "ओह!

- क्प ग वतत्

-वह शत कऔर

- भ्रवन मे क् दय् है,

ण्ो हमे इतनी दय लुत् स् आकग ष त करत् है!"

ऐस् लररह् ््

-ग क परम प्म न् उनेलप्

- ग क उसकी शत क्न् उसक् ्न ण कय्,
सम्

-ग क उसकी दय् न् उस् पर त ग कय् है और

-ग क उसकी अर््ईन् उस् भीतर स् अनु्ण त ग कय् और उस् पी तरह स् ्बो ण दय्।

मैन् इसकी प्रणा वश्त ् को त्वाकार स्प स् म्, मैन् इस् महस् सा कय्

- उन सभी क् मव आ् ् ् क् लए सम ् ्

-सभी सम रप स् सम् स् बहर औरअ् ् ह।

णब मै इन उच्चाता बंबों मे णब् हआ ् ् ्,

म् **यीशु** मु् स् **वश स क् ब् मे** ब्बकरत् रह्, मु् ् बत् रह् ् ् ् ् ण क,

-ण वश स पवत्रक् लए ण वश स करन् आवश्यक है क्यो ं क ण वश स क् ण बन् ण वश स नहीं हो सकत्।

मनु ् ् वह ण सत्य ् ो उसक् सभी क्को ण नद् शत करत् है।

इस प्, सभी र र ं क् ण सर पर ण वश स है ् ो ब की सब को ण नयं तत करत् है।

ण सर की तरह द ण ् की भम् स् वं चत

यह मनु् क्को अंण ् और भम स् नहीं बच् सकता।

इस प् अ वश सी आ् ् ् कछु भी नहीं कर सकती और खुद को सभी प् क् खतरों क् ण लए ण ् ् र करती है।

अरर द ण हीन न्आदमी को ण नद् ण शत करन् च हत् है,

- आप उस् बहत अची तरह स् चल् सकत् है

- अरर उसकी ण र होती तो वह कह् ् ं नहीं ण्न् च हत्।

पसंद है

-द ण ् मनु् क्को हर क्मे म्दश करन् क् क्करती है,

ण वश स एक ऐस् पक्है ् ो आ् ् ् को पक्त करत् है, ण सक् ण बन्

कोई उस म् परन्हीं चलसकत् ् ो अपन्जीवन की ओर ल् ण्त् ह।

ा वश स करन् क् ा लए तीन ा च े णरी है:

- *उसमे उसक् ा बी है,*

-ा क यह ा बीचीरर त् क् हो, और

- ्ो ा वका सत होत् है।

हम ण्नत् है ा क यहोव् ही हम मे ा बी होत् ह।ै

च्ू ँा क हम ा कसी चीरक् ब् मे तब तक नहीं सोच सकत् णब तक हमे पहल् उसक् ब् मे क्छ ण्न्ी न हो,

हमे उन लोरों क् आभी होन् च णह ए ण्ो हमे ा वश स की बों क् ब् मे बत् है।

इस ण्न्ी की रर त् अपं रक नहीं है। ्ो ा सरव है, वह ्ो ा सरव है, उसमे बस् होन् च णह ए ।

या द ा शा को रलत ठहय्ा स्य् है, तो यह पक रलत स णब त क र क ।

णब हम अपन् ज की रर त् क् ब् मे सुा ना श त होत्

है, हम् ा वश स को पोा ्त करन् की णरूरत है

त णक उ स क ् ा वक और ा वक हो सक्।

हम् पय सों स्, यह पर रपकत् क् ा लए ा वका सत होत् है।

<u>आश् क् रर</u> पैद करत् है,

- पा वत आश्,

- ण वशस की बहन।

आश् करन्

-ण वश स स् पर् ् है और -ण वश स की वस्तु है।
ण्त

शुरस् ही सब कुछ द्ख रह् है,

मै कह सकत् हूँ ण क णब **यीशु न् मुझस्** **<u>आश् क् ब् मे बकी,</u>**

इसन् मु्् सम्् ण दय् ण क यह रर

- आ्््् को एक सुरक््क परत पद करत् है

- ्ो इस् दुश्मा क् तीरों क् ण लए अभ द बन् है।

आश् क् बल पर,

आ््् उसक् स्् होन् वी हर ण चि को शण् त स् सी्
करती ह्ै,

क्योंण क वह ण््नत् है ण क सब कुछ ईश र द् तय ण कय् स्य है,
्ो उसक् सवच अच्है।

आश् क् सुंदर रर ्््ो् ्ण् कतन् सदरं् ह्ै

- अपन् आप पर भरोस् मत करो,

-ल णक न क ल अ प न ् ण पय क् ण लए,

- कल उस पर भरोस् करे।

ण्स् ही वह अपन् सबस् ब्रु दश्मु नों क् सा् करत् ह्ै

- आ््् अपन् ्नुकी न् बनी हई है

- ्री और प स्मा्््

अंदर सब कुछ कम मे है। यीशु भी मुग है।

<u>उसक् क को दढ आश्</u> क् स््् द्खकर ,

- अ क स् अ क स हसी,

-ॎ बऔर अपॎ णत,

- हर ब्ण ्् और खतर् पर ॎ ॎ यी, यीशु उस् नई कृप् पद करत् है।

णबॎ क यीशु न् मु्् इस तरह ॎ सख्,

उसन् मी बुत दक्ॎ लए बहत सी रोशनी क् संच ॎ कय्।

णबॎ क मै पी तरह स् इस रोशनी मे ण््ब् हआ ््् और

मैन् सोच् ्््ॎ क मु्् पत् चल््ॎ क आश् क् सदं ु र र र ै ् ी द

करत् है, यह पक मु्स् द हो रय् है।

मु्् नहीं पत्ॎ क मै ॎ कतनी बेसम्त् हं।

मै बस इतन् कहंर्ॎ क आ््् को सशो ु ॎ भत करन् क्ॎ लए सभी र र क

करत् है। ह््ॎ क, अपन् आप मे, आ््् मे कोई ॎ बनीं ह।ै

उसमे णन्और पा-पोॎ क् ब, र है। ् ्ो श रस् ण बी स् ब््ंणत्

आश् आ्््् स् कहती है:

"अपन् भरस न क् करीब आओ और तुम उसक् द् पबुद हो ण््ओर्। उसक्
करीब आओ और तुम उसक् द् शुद हो ण््ओर्, आॎ द।"

णब आ््् पॎ वत आश् क् स्् ॎ नव णश त ह ो त ी ह ै, तो हर
र र दढ और त स हो
ण्त् ह।ै

एक पह्् की तरह, यह पभ णव त न ह ी ं ह ो स क त

खब् मौसम स्, ॎ स स्, तण हवओं स््

्ीलों और नॎ दयों क् अॎ तपवस् बी म् मे ॎ पृलन् वीॎ ्् स् ब ढ
आ रई।

आश् मे बसी आ््् को पश् नहीं ण कय् ण्् सकत्

- कों, पलोभनों स्,

- ररीबी य् दुब्ख।

ण्ीवन की कोई भी ृटन् उस् ण त् य् हतोतणह त न ह ी ं क र त ी , एक पल क् ण लए
भी नही। वह अपन् आप स् कहती ह:ै

"मै कुछ भी सहन कर सकत् हं।

मै स्कछु सह सकत् हूँ और स्कछ कर सकत् ह कों क मै यीशु मे आश् ***रखत् हूँ***»।

प ण वत आश् आ्््् दत्ी है

- लरभ्ररसव शत कन और र तहीन,

- लरभरण ्य और अपर रवतीय।

कों ण क इस पुष्क् ण लए,

हम् हम्दय लु **यीशु आॅ् ् ्रॅ को** **दढत् दत् है**

णब तक वह स्व् मे परम्म क ् शत र् को श्् अ ् मे नहीं कर ल्

ण्स् ही मन्ै अपन् मन को ण द्ख आश् क् ण वश्ासम्््ु मे ्बोु ण दय,् म्
ण पय यीशु म् प ण र स् पकट हए और उनोंन् मु्स् **द** क् ब् मे ब की,
ण्ो तीन ण ््ण म क र र ं मे सबस् मह है।

ह््ंण क तीन अलरहै, द को अन्दो क् स््् इस तरह स् भ्ईच् करन्
च णह ए ण्स् ण क तीन एक ््््।

अ ण ग क् ण चंतन तीन म क र र ं क् एक अच्ा वच दत् है ््ो एक बन् क् ण ्ण ण लए ए ण ुट होत्
है।

णब आप आरण ल्हे तो सबस् पहली ण ची ्ो आप द्खत् है, वह है पक

आपक् आस-पास पक को नहल्ल है।

यह पकबप तस्क् समय आ्् मे न हत वश स क् पतीक हो सकत् ह

। तब हम महस *करत् है ण क रम् चों ओर ्ौ ली हई है* (आश्)।

ण्ीर्ण्ीर् रोशनी ्ीकी प्न् लस्ती है, लस्सर बु्न् क् ण लए, ल णक न आ
रकी रम्
तब तक और त्ण हो ण्ती है णब तक ण क वह पी तरह स् आर को भस नहीं कर ली। (1 1)

तो यह तीन ण ्ण म क र र ं क् स्ह।ै

परम््् क् ब् मे पहली सचन् ण मलन् पर ् मे आस ्् स ण कय हो आ््
ण्ती है। । र, ईश र क् ण लए आ्् की ण नरतरं चढई क् ण लए ण न्वाद, इसकी सव च स्वाई ण वश स बढत् और ण वक ण सत होत् है।

आ्् ईश र स् बौत क्कपकपक्ती है ्ो ईश र क् ण व भन र र ं स् ण नकलती है। अपन् ण वश स स् पक त , आ्् अपन् सबस् ब् अच्छा तक पहंचन् क् सबस् अच्छा तरीक् चुनन् क् पय स करती है, ्ो ण क ईश र है।

आश् स् भर, वह एक पह् स् दस्र् पह् पर ण्त् ह,ै घ णट प ो ं औ र म ै द ो ं क ो
प करत् है, ्ीलों और न दयों को प करत् है, सबस् ब् और स्थ्र् समु्् मे महीनों और व् तक पक करत् है; यह सब अपन् ही परम्म् को अपन् अ ्
मे करन् क् एकमत्र उद्देश्क् ण लए है।

ईश र क् सण त्क की इच्छा को द कह् ण्त् है; और उसकी दो बहन् ण वश स और आश् है।

यीशु न् मझस् कह् :

"मी पी पती, द्खो को,्ं

- ण वश स, आश् और द क् तीन ण ्् म क र र ं स् ण नपटे,

-मैन् ण **दवता क्यों की ण त्णत् क् ब् मे बानहीं की**

है ि क आप ि न ि श तप्रस् और स ्् यीप्रस् पक्रेर्:

व् हम्म्और ॉ बन् अॉ लत् क् आपक् स्ॅॅ रहेर्।"

कुछ ण मनटों क् ब,
म् प्यीशु न् मुॅॅ ण र स् दश ण दए और मुॅस्कह्

"मी पती,
याॅ द ॉ **वश स** ॅ और उसकी दॉ ॅक् ॉ लए *पक*है ,
आॅॅ
आ श् ॉ *वश स* क् *पो*ॉ *है* ,
आॅॅॅ को ॉ ॅॅॅ और ॉ वश स की आखोँ ं स् दखू ण्ॅ
व्अच्को प
करन् की पबल इच्द्।

आश् करन्

- आॅॅॅ को का ठन कक् स् करन् क् स हस भी दत्है
- मन की श्ॅॅं त और प्ण्ॅ श्ॅं त मे।

यह <u>उस्</u> प खेमो लर् रहन् मे मदद करत् है
-सभी संभव प् ई
- सभी क् मतलब अच्पर र ॅम पक्है।

दसरी ओर, ***द इसक् स***
है ण वशसकी रोशनीई
आश् क् पोॉ पकट होत् है।

ण कसी क् प नहीं होसकत्
- ण ॅण पैद् हआ
- न ही आश्

-अरर उसक् प कोई द नहीं है।

उसी तरह श्ो ण कसी क् प नहीं हो सकत्

-रम् और

- आरक् ण बन् पक।

एक त र् का ीशनर क् परस्मे,

- द हर णरह ैलत् है और पवश करत् है,

- ण वश स की द ण ् और आश् की इच्छाओं को पर रपकत् तक पहंच्एं।

इसकी ण मठ्स मे,

- दुख को मीठ् और सुरं त बन् है, ई

- ् को क् सहन् क् ण लए उ्ल् करन् क् ण लए इतनी द चल् ् है। आ्् ण्त

वह आ्््ण सक् प स्च्द ह,ै

- भरवन क् पमे क करन् क् ण लए,

-भरवन स् एक स्प्इत प क र्है।

य ण द अनर ्् रएक अ भ्म ्ब ,तो द, एक पद््् होन् क्न

ण्ो पक, स् और एक बहत ही ण ुर सुरंण ्ल ् है ,

-दसरों को बम ब््ंटत् है

- सुरं त पभस् अ क है:

और ण दलों को ्ो ््त् और ण पृल् है

।

यह वही है ्ो आ्््को आनदं क् स्् सबस् तीव पी्््को सहन् की

अनुम ण त द्त् है।

पस् ए्ॉतr रत आॉ्ॉअ् ण ्न् क् क् नहीं रह सकती।

दुख स् वंण चत होन् पर, वह कहती है:

"ह् म् पण त, यीशु, ण्लों क् स्ृ् म् सम््न करो। मु्् पीण ्त सकी कवट दो।

मी ्तुमी कन् करती है और तुम् मीठ् दुखों को र संतु्् आ्् छो्क
नहीं हो सकती।

ह् यीशु, मु्् अपन् कण ठनतम क् दो।

म् ण दल अब आपको हम मे स् प्क्ण लए आपक् ्ोशील्
औश््ोशील् पक् ण लए इतन् क् सहत् हए नहीं द्ख सकत्! "

तब **यीशु न् मुझस् कह्** :

"म् द एक आरहै ्ो णलती और भस्करती है।

और णब यह एक आ््् मे ण्. ल्ह, तो यह सब कछु करत् है। वह स्वं रर ं की परवनहीं करत् है।

द ण र रत करत् है और ररोको उसक् स्् ृण न्परस् ् है। यह स्न ्ो्त
उस् सभी ररोकी न् बन्है।

वह प्परश सन करती है और उन सभी पर ही है।

वह कभी भी अपन् वच स द्सों कोहस््ंतर रत नहीं कर र्।"
पए

मै ण ््न नहीं कर सकत् ण क यीशु क् ण ुर और आकष शबों क् पीछ् क््््। मै कल इतन् कह सकत् हँ ण क उनोंन् मु्मे णय््

पीण त होन् की इच्् ्ो लस्मर सभ णव क ल ररही

्््ी सभी प् क् क््ो्ं की भख।

उसीण स् मैन् इसस् वंण चत होन् एक ब् दुभ््गम्।

ब मे, मैन् अपन् सम धउस पर ण कय् ्ो यीशु न् मु्् बत् ््् । और
ण र स्, **उसन्** अपन् पर रचय ण दय् और **मुझस् कह** :

"मी पती,

यह आवश्य है ण क आपक् **प** मन की पवृ त

हो ण्ो आपको आ्- ण व श क् ण लए अ क

प करत् है।

यह आपक् मह ्ुक स् पहल् अ क स् अ क पी होन् च ण ए । ण्नो
त क अपन् स व न श

- आप न कल पी ्त होन् की कृप् क् प है,

-ल ण क न अ प न ी आ ् ् ् ् क ो करन् की व ्करे।
अ ची तरह स् ्

पी त

यह आपक् दुखों क् ण लए एक लब् क् क कर्। यह

आपको सबस् तीव क््ो् क् स ््न द।

भुलन् की इच्छा ही आपक् सच्और सच्दुख को त्व आती है।"

यीशु क् इस ण ्र प भ् ््ो ्ों ो ण बख ण दय् ्ो उन्होंन्
मु्् ण सख्। और मै उसकी इच्छा क् अनसुउसक् सब कछु बनन् की
पबल इच्छास् पहल् स् कहीं अ क उत ण त ् ् ् ् ।

वह वपस आ रय्, और उस् कहन् मे ण तन् समय लर्, उसस् कम समय मे उसन
मु्् अपन् आप स् बहर ण नक ण लय्।

मी आ््् न् उसक् पक् आकष आक्ण् क् अनसुर ण कय।

अपन् पक मे, उन्होंन् आसम को प करक् सभी क ण यों को प कर
ठनड ़ लय्।

यह ण्न ् ण बन् ण क वह पृथी छो्् चुक् है, ् स् मे ््ी,
मी आ््

पण वत ण त्णत् और प्

स्थ्ा नय लय की उपत स णत म े ,

यीशु और मी आ्््् क् बीच रहसमय ण ववक् नवीनीकर क् ण लए, ्ो पहल् स्ही पृथी पर म्न्ण्र्हह

व ्न मैरी की प वतत् क् दन, स्वां मैरी की उपत स णत म

नेंन् सेट कै्रीन क् स्् मलकर इस पहल् उत्व मे भ लय।्

म्ह महीन् ब्, ण न्त ्न (12) क् ण न्क् पव् पर, यीशु इस ववक् लए तीन दव्व्तक्कों की स्वीकृ त च हत् ््।

उसन् तीन कीमती पतरों की एक अंठ् भेट की

- एक ण ््द, एक ल और एक हर् -

उसन् इस् उस पत् को ण दय् सन् इस अंठ् को आशीव््द ण दय् और अपन् पुत को वपस द् ण दय्।

प वत आ््न् म् द हन् ह्् ््म लय् और यीशु न् मी अन णम क ् प र अ ठ्ण्ल दी।

इस समय,

एक क्बएक ,

तीन दव्व्तक्कों न् मु्् चुंबन और एक वश् आशीव््द ण दय।्

भम क् ण ््न कैस् करे

- ्ो मैन् सुन्

-णब मैन् इस समोह क् लए खुद को प वत तम णत ् क ी उ प त स णत म े प ्।

बस यही कह सकत् हँ

ट् नटी ई . स् पहल्

होन् चहर् नीच् ण ररन्

यह म् ण लए वही इश्््।्

अगर मी आ◌्◌्◌् क् प त यीशु न् मु◌्◌् पोत ण त न ह ◌ी ◌ं ण कय् होत् तो म
अ न श त क तक ◌् ण ◌्◌्म करत।◌्
स्◌्◌् ◌् र

- उठो और

- उनकी ण म ◌्◌्दरी मे
हों।

म् ण दल लर्

-एक मह उल, ई

- एक ही समय मे एक ण म

इतनी म हम् स् पहल्, इस प क क ◌् बीच म ◌े ◌्◌ो ईश र क्
स और प वतत् स् ण नकलती है,

ण पत्, पुत और प वत आ◌्◌्◌्।

मव भ्, बोली य् ण ल खत, उन सभी ण द भों को सम मे असम् ◌् है
ण्◌ो उस समय मी आ◌्◌्◌् को छ् ए ◌्◌्◌्।

न त तन, यह म् ण लए है

- अनबों क् ब् मे चुप रहन् बहतर है,

- त ण आ र् कोई लती न हो।

अब मै आपको बत् हँ ण क णब मी आ◌्◌्◌्◌् म् शरीर मे लौट आई तो क हुआ।
मै आपको उस व क क् ब् मे भी बत्ऊंग सन् मु◌्◌् अभी-अभी ◌्◌ो कुछ
हआ
◌्◌्◌्, उस पर मो हत होकर मु◌्◌् बंदी बन् ण लय् ◌्◌्◌्।

मैन् अपन् भीतर एक ऐस् व क की ◌् मह स की ◌्◌ो मर ◌् है।
पी◌्◌् ण त

कुछ ण दनों ब, यीशु न् मु◌्◌् पी तरह स् पु ◌्◌् वत ण कय्। मु◌्◌्
प वत ण भ क न् य द है,

- मैन् अपन् शरीर की अनुभ णत ख ो द ी ह ै औ र

-ण क, मी आ्््् क् ण लए, म््ु लर् ण क मै पा वत ण तम णत ् क ी उ प त स णत

मे ््् ्स् ै ण क मनै ् इस् स्य मे दख्ु ््््।

मी आ्््््

- उसन् तुरंत प्ण् ् मे खुद को स्््् र ण ्म ण कय् और

इसन् मु्् अपन् कुछ भी नहीं कब करन् क् ण लए पर त ण कय्।

मै पी तरह स् ढह स्य् महसस कर रह् ््। मै मुत स् एक शब्द कह सक।्

तीन व्लाक्यों मे स् एक की आव्ण न् मु्् बत्

"सहस और णरो मत।

हम आपको अपन् मन् और आपकी आ््््् पर प्ण् ् अ ् करन् क् ण लए तैय है।"

णब मैन् यह आव्ण सुनी, तो मैन् पा वत ण तम णत ् क ो द ् ख

-मु्् ण ््् करे और

- यह कहकर म् ण दल पर कब्ज़ा कर लो:

"तुम्ण दल मे हम अपन् पक्ष ठक् बन् लेर्।"

म् अंदर हो रह् बदल को मै बय्ं् नहीं कर सकत्।

मु्् ऐस् लर् ्ैस् मै खुद स् बबल हो स्य् हं, य नी मै अब अपन् आप मे नही रह्।

ण नश य ही ईश रीय व्लाक्म ु् मे और मै उनमे व स करत् ऐस् लर् ्ैस् म ्््शरीर उनक् ृ र बन रय् हो।

ण्ीण वत भस न क् ण नव स ।

मैन् उन तीन ण दव्लाक्यों की श ही उपत स णत क ो म ह स ण कय्, । नेंन् संव दनशीलप्रस् म् भीतर क् ण कय्।

मै उनकी आव् स्ण-स्ण सुन सकत् ््, ल णक न म ो व ् म ु् स ् प र ् र्ण रह्

हों।

यह सब ऐस् हआस् पक् एक कमर् मे लोरहों और वह,
-ओ ण नकटत् क् ण लए, -ओ आव् ्ो ं की
तीवत् क् ण लए, मै उनकी कही हर ब स्ण-स्ण सुन
सकत्
्््। तब म् ण पय यीशु मु्स् कहत् है
मु्् अपनी हर णस्थ क् ण लए इसकी तल श करनी होरी,
म् बहर नहीं, म् भीतर।

कभी-कभी णब वह म् ण दम स्बहर होत् तो मै उस् ्ोन करत्। तो वह तुरंत णव ब देर्।
हमन् आपस मे ऐस् बकी ्ैस् दो लोरआपस मे बकरत् है।

ह्ँ क, मु्् यह सी् करन् होर् ण क कभी-कभी वह इतनी अची तरह ण छप णत् ््् ण क मै उस् सनु भी नहीं प््। तब मै उस् णन्खो् ण लए आक,पृथी और समु्् की प त् करत्।
एक ब, उद्हर क् ण लए, णब मै आँसुओं और ण चंत् क् बीच उसकी तलश कर रह् ्् ्् ,
यीशु न् म् भीतर अपनी आव् सुनी और मु्स् कह:्

« *मै यह् ाँ तुम्स ा् हँ। मुझ् ण खो् क् ण लए कोई दस र् स् ्मत दख् ो। म आप म आम् करत् हं और आप पर ण र रखत् हं*"।

ण र, आश य् और खुशी क् बीच मे उस् मु् मे प्, मैन् उसस् कह्:
"यीशु, मी भल्ई,
क्यों ण क ण ्ओ का को त् न् मु्् आक,पृ वी और समु्् मे ती प खोम चलन् ण दय् ,
"णब आप इस समय म् अंदर ्््?"

आपन् कम स् कम "मै यह्ॢँ हँ" कों नहीं कह्,

मुॣॣ अपन् आप को ॣ द् स् बच् क् ॥ लए ं तुम नहीं ॣ ं तुमे रह् क् णह् ॣॣ वह् ढ्ॣढ ॣॣ ॣॣ ?

द्खो, मी पीरर, मी पी। ंदरी, मै॥ कतन् ॣॣक स्य् हं। मुॣॣ क॥ ोर लररह् है। मुॣॣ अपनी बहों मे भर लो। मुॣॣ ऐस् लररह् है॥ क मै मरन् ण्ॣ रह् हं।"

। र यीशु न् मुॣॣ अपनी बहों मे ल्॥ लय् त णक म ै आ म ् क र स क ॣॣ ँ औ र अ प न ी खोई हई॥ ॣॣॣॣ को पुनः **पकस्र्।ॣँ**

द्सरी ब, णब यीशु मुॣ मे॥ छप् ॣॣॣ और मै उस् ढ्ढ रह् ॣॣॣ,

- उसन् मुॣॣ अपन् अंदर॥ दख् और॥ र यह म्॥ दल स्॥ नकल्।

अस्ल्॥ स्, **मैन्** <u>**तीन॥ दवक्ता क्यों को द्ख**</u>

- **तीन बहद आकष ्चों क्रप मे**

-एक शरीर और तीन अलर-अलर ण सर क् स्ॣ,ॣ

-एक॥ वल॥ और बहत ही आकषक सुंदरत् मे।

मै अपनी खुशी क् ण ॣॣन नहीं कर सकत्,

खसकर णब स् इन तीन बचों न् मुॣॣ उने अपनी बहों मे पकन् ण दय्।

मैन् उन सभी को च्और उनेंन् मुॣॣ वपस च्।

-एक म् द्॥ हन् कंण ॣॣ पर ॣॣक रह् ॣॣ,

- म् ब्एं कंण ॣॣ पर एक और, ई

-तीसर् बीच मे रह रय्।

मै इस मह आशय् मे कैस् आनत न्त हआ

- ्ो म् भख न न् मु्् अ प कय् ्,

- म् ण लए छोट् प् ्ी!

अरर मैन् एक को द्ख्, तो मु्् तीन ण दख्ई ण दए।

णब मैन् एक को अपनी ब््हों मे पक रख् ्््, तो मनै ् अचक तीन को पक ण लय्। च ह् म् प एक हो य् तीन, र्् एक ैस् लररह् ््।
म््ु तीनों क् ण लए बहत पमहस हआ।

मै एक क् प त उतन् ही आक ष त ्््। तन् ण क तीनों एक स्।

मै द्ख रह् हं ण क मैन् बहत बकी है, ल णक न म ै व स व मे ज्ञ सी ण चें को ण रअंद्ण करन् पसंद करत। ह्ँ क, च्ण् क म््ु उसकी आर् क् प करन् है ्ो मी ् को ण नद् शत करत् है, मै ी रख््।
आ्् ण्र

मै ण र स् कहंर् ण क यीशु अ करमु्स् अपन् ्ु न क् ब् मे ब करत् ्् । वह मी आ्् को अपन् ्ीवन की नकल करन् क् ण लए तयै करन् की को शश कर रह्
्् ्् ।

एक ब उसन् **मझस् कह्** :

«मी पती, पहल् स् की रई शदी क् अल्, एक और क करन् है: कॉस क् स््् श दी। ण््न ले ण क स दु ्ुर और कोमल हो ण्त् है णब उनेकॉस की छ मे महत दय् ण््त् है और ण ब कय् ण्त् है।

ण रती पर आन् स् पहल् दुख, दर त, बीमी और हर तरह क् कॉस को बदनी क् तौर पर द्ख् ण्त् ्््।

ल णक न , म् द् अनुभव ण कए ण््न् क् ब दुख प वत और ण द ो स्य् है। उसक् र बदल स्य् है: वह पी और पर रण््् हो र्ई है।

एक आ््् ्ो मु् स् यह अ र्च्छ पवीं हे वह समण त स ् अ । क ह,ै क्यें ण क यह मी सीकृ त पवीं है र्ख र की पुती बन ण्ती ह।ै

ण्ो कल सतह पर कॉस को द्खत् है, वह ॥ वपरीत अनुभव करत् है।

वह कव् कॉस प्है और ॥ शक्त करन् शुक्र द्त् है, क्ों ॥ क वह इस् बुर्ई क् प्रमे मत् है। ल ण ॥ णब वह इस् एक अच्क् प्रमे पक्ह है, तो यह उसक् ण लए खुशी पैद् करत् है »।

और उनोंन् ौ ॉॉ्:

"मी पती, मै तुमे पहल् की तरह, तुमी आ् मे और तुम् शरीर मे क पर चढ्न् क् अल् और कुछ नहीं चहत्।"

णब यीशु न् मु् बत् तो मु् उसक् स् क पर चढए ण्न् की इच्क् ऐस् पभ महस हआ ण क मैन् उसस् कह: "म् यीशु, म् प,मु् णलही अपन् स् क पर चढ् दो!"

और मैन् खुद स् कह:

"णब वह वपस आएर, तो सबस् पहल् मै उसस् ्छ् र

ण स् मै सबस् महतण्् मत् हँ,

यह म् पें और उसक् स् कपर चढ्ए ण्न् की कृप् क् ॥ लए पी ॥ त होर्। और मु् ऐस् लस्त् है ॥ क मै संतु् हो णऊंर्, क्ो ॥ क सी पर चढन् स् मै सब कुछ पकर ल्र् »।

अंत मे, एक सुबह, म् ॥ पय यीशु कपर चढ्ए रए यीशु क् प्रमे म् स्म् पकट हए। उसन् मु्स् कह् ॥ क वह व सवमे चह्ह है ॥ क मु् उसक् स् सी पर चढ् ण्ए

ण्स ् उसन् मैन् द्ख् कह,

- पक्की ॥ कर े उनक् प ॥ वत घ वों स् ॥ नकलती है, ई

- न ख मी ओर बढ रह् है।

उस समय, यीशु क् द् सी पर चढ्ए ण्न् की मी इच्इतनी अ क ी ॥ क मै दुख क् प मे ण्ब् हआ महस कर रह्।

ह्ाँ ॥ क, मु् अचक एक ब् सन् म्ु र स् णक ॥ लय् स्य् ॥ सर स्

प्ािंव तक क्ांपन् पर ॥ ब कर ॥ दय् ाथ्ा।

मै एक मह आ्न् ॥ वन श क् अनुभव कर रह् ाथ्

मु्झ् इस तरह की दुलकृप् पवस्थक्ये नहीं लर्। और मै अब यह कहन की ॥ हम्मत नहीं करत्: "भरवन मु्झ् अपन् स्ल् क पर चढ़एं"।

ल णक न ऐ स ् ल र रह् ाथ्ा ॥ क यीशु मु्झ् यह ॥ वल ॥ अनगहु द् स् पहल् मी सहम ॥ त की पतीक ् कर रह् ाथ्ा। मै कछु समय स् इसस् त स्ह।

मी आ्ा्ा्ा् न् इस अनगह को म्ँा् रन् की तीव इच् महस की। स्ा् ही म्म अप् क् भ भी उत्ला हो स्य्।

म् स्वा ॥ हल स्य् और क्ांप रह् ाथ्

भयभीत होकर, वह यीशु को स्ली पर चढ़न् क् ॥ लए कहन् मे ॥ ्क् क रही ाथ्ाी।

णब मै इस अवस्ा मे ाथ्, म् ॥ पय यीशु न् म ॥ सक स्वस् मु्झ् इस अनगहु को सी् करन् क् ॥ लए पर त ॥ कय्।

उसकी वसीयत को ण््नकर मैन् ॥ हमत की और उसस् कह:्

"म् प ॥ वत ण्ीवन स्ा्ाी और म् कपर चढए स्ए प, कपय् म्ु अपन् स्् स्ली पर चढ़ए ण्न् ् की कप् पद करे। मै यह भी ्छत् हं ॥ क म्ु पर इस अनगह क् कोई द्स सकं न हो।

ह्ाँ

- मु्झ् तुरंत अपन् हर दुख दो,

- मु्झ् अपन् घव द् दो,

ल णक न य ह द ्स र ो ं क ो व ह स ब क ु छ न ह ी ं ब त ् ो म् स्ा् ॥ टत होत् है। इस् कल तुम् और म् बीच रहन् दो।"

यह कृप् मु्झ् पद की रई।

शीृ ही, पक्क्की ण कर े और कीलों की ण कर े सीा पर चढ़्ए रु्ए यीशु स्

आईं और

- वह मु◌े◌् चोट पहुँच् आय् ◌ी◌् ◌ी◌् ,

-म् ह्◌ी◌् और पैर मे ◌ृ◌ुसन्।

और पक की एक और ण कर आई, और त्ण, एक भल् क् स्

म् ण दल को छदो।

मै एक स्◌् सखु और दद् क् ण ◌्न् नहीं कर सकत्
- अन्सभी की तलन्◌ु मे
दद् - ◌्◌ो मैन् उस खुशी क् ण मे महस ण क्या◌्

म् भय और कंपकंपी पहल् । तनी ब्ी ◌्◌्◌्◌ी, अब मै ◌्◌ो श्◌्◌ां त और संतो◌्
अनुभव कर रह् ◌्◌, वह अब और भी अ क हो ग्य् ◌्◌्◌्।

मी ◌् इतनी तीव ◌्◌्◌्◌ी ण क मु◌्◌् ण वश स हो ग्य् ण पैर और
पी◌्◌् क म् ह्◌्,
हदय क् दद् न् मी मृतुकी ◌ृण ◌्◌् कर दी है।

मैन् महस्स कय् ण क म् ह्◌्◌् और पैर की हण ◌्◌्◌ँ छोट्-छोट् टुकों मे
ट रही है। मैन् हर घ व मे कीलों क् पव श को महस्स कय।◌्

मै स्वी◌् करत् हूँ ण क इन स्खों स् ण मली मीठी तृत प्को शबों मे ◌ं नहीं
बय् कय् ण्◌् सकत्।

म् आश य् दद् की शत क्क् स्◌्-◌् स्◌्◌् तीवत् मे भी बढ ग्य् ण क,

- न कल मु◌्◌् मरन् क् एहस्स कय्◌्, बत ,

- उसी समय, इसन् मु◌्◌् उतण त ण कय् और

- मु◌्◌् लर् ण क मै मर नहीं रह् ◌् ◌् ◌् ।

और म् शरीर क् ब हर कुछ भी ण दखई नहीं ण दय्, ह्◌्◌ं ण क, त्ण ऐंठन और
दद् महस हआ।

म् ण वश सपन् आकर आज त ◌् क ◌् । ◌्

उसन् तां तक् द् स् लकव गस्सी ब हों को मुक्कर दय्। मा सकफ्र स्
मु्् दद् महस्हआ णह््ं कर े और न ख ृ्ुस र्ए ््््।

म् वश सपन् आत्र त ् क ् ्र पर आर् दी क
सब कछु तरतंु सम्म
हो णए। दरअसल, स तीव दद् न् म््ु ब होश कर दय् ््,
वह तरतंु बदं
हो स्य्।

ओह! पा वत आत्र त ् न ् म ु् ् क्चमत्ना कय्।

मैन् कतनी ब खुद को अपनी बहन की मौत मे श णम ल प ् ह ै।

आत्रत् क् द, यीशु

- सभी ऐंठन और मौत क् दद् को ठीक करत् है ्ो मु्् बस् है, e

"णलही" न् म् ्ीवन को बह कर ण दय।्

मै ईमदी स् सी् करत् हं क अस्र म् वश सपन् इन क््ो््ं
को क म नहीं कय् होत्, तो मु्् उनक् ीन होन् मे का
ठन्ई होती।

अपन् मां तयों को अपन् श् को मृत्तुस् ब हर नक्न् की शत क्द् क्
लए भस्र न हम्ण न्र हे।

और मु्् आश् है क यह सब हम्भस्र न की मह मा हम् और
आ््क्तो उद्दक् लए रह् है।

मु्् यह भी बत् च णह ए क णब मै इस ् क् अनुभव कर रह् ््,
घ तक पी्उपरोक्त च ों न् म् शरीर पर कोई ।
नश नहीं छो््

णब मै इन क््ो््ं तो मैन् स्पस्ट्स् दख् क यीशु क् घ व म् शरीर पर
मे प,
््् ््् ।

ऐस् लररह् ््् ्् क म् ह्

्, पैर और ा ा कए व
दल पश्ो घ व स्ए ्््,
यीशु क् कक् घ व क् सम ही ् ् ् ् ।

मैन् अभी ो कह् है हण ्न करत् है

- कॉस ई . क् स्ु् मी शदी

- म् पहल् सी पर चढन् मे दद् हआ।

मैन् बक् व्ु मे इतन् आ क सी पर चढन् क् अनुभव ण कय् है ण क म् ण लए उन सभी को स चीबद्ध करन् असंभव है ।

ल णक न , च्ंा क मु् उनक् ब् मे बकरनी है, मै मुख्य और ण नकटतम लोरो क् ब् मे बत्ऊर् , व्ु 1899 तक।

णब भी यीशु मु्् सी पर चद्न् क् बम् पलौट्, तो मै उन्हेम् क् ण लए दोहर्ऊंर्:

«म् प्यीशु, मु् म् पों क् ण लए स्च्दद् दो, इस् करन् क् ण लए

- ण क व् आपको न्ण् ण् लए दद् और पश तस् भस्को स्र् है, e

- ण क व् मी आ्् स् और तमु ी स्रा त स् ण मट स्र् है।

पक् पण त म् मन मे ो भी स ह है, उस पर म् क् द हो णए

- णब म् पें क् न श और न श हो ण्त् है,

ं, त णक ,

"मै आपक् त खल्ण और अ क स्हरई स् द् णल् सकत् ह।"

एकब, यीशु स् ऐस् अनुगह म्रन् क् ब, उसन् कप् ृ करक् म्स्ु कह्ः

"च्ंा क आप मु् अपम णन त क र न क ण लए बहत दुखी है, मै आपको प श त क् ण लए खुद को तैय करन् च हत् हं। इस तरह आप पकी क्स्र् और म् ण दल क् दद् की तीवत् को सम् सकेर्।

म् स्् य् शबकहः

" यण द आप समुॉ् को प करत् है, भल् ही

मै आपको न द्ख्

,ण र भी आप
समुॉ् मे है। अरर मै ण मीन पर कदम रखत् हं, तो आप म् पैरों क् नीच् है। मैन्

प ण कय्!"

ण र, ृ ु ण ुस् हए और लरभर रोत् हए, उनोंन् **कह्** :

"मै अभी भी तुमस् **प्**करत् ्् ् और तुम्**म्**संर ण क त करत् ्् !् "

णब यीशु न् मु्स् य् शब कह्, तो मु्् बहत सी बेसम् मे आन् लरीं ण **न्** म **क**नहीं कर सकत्।

मै कह सकत् हं ण क यह तब ही ्् -ण क मैन् भर ्न की ण व **श्**त् और भत्**र** की सहन

- स्् ् ही सभी ण च ों मे उसकी उपत न णत ।

् की, उन क्रर ं क् ण , म् ण वचों की छ्भर ्न स् बच नहीं **प**ी है। मह ण हम की तुलन् मे मी श **त्**, एक छ्स् कम नहीं है।

"मैन् **प**ण कय् है" **शब्**ों मे _, मै

सम्त् हँ **प** की कुरपत् ,

- उसकी द् ् और लरवी,

स्ाे ही उस वश्वअपम क् स्ा ो कल संतु ् और आनंद क्
स् ही
परम्प स ् कय् ण्ात् है।

शबों को सुनो

" **मै अभी भी तुमस् पकरत् ाँ् और तुमेसंर क त करत् ाँ्** ",

मै बी़ ् की चप मे आ स्य् ् और मै मरन् क् कर् पर महसकर रह
पीा् ा्
ा् ा्।

उसन् मुा् उस प की वशत् क् एहस कय्ाो उसन् म् लए कय्ाा,
भल् ही, एकस्ण्ा र बुर् क् क् स्ा, मन्ैउस् आनंद क् स्तक कम कर
 दय्, सक् लए मैन् न्ण् ण कय् और
लस्भर उस् म ण्ाल्।

"सरन,

क्योंकि मैने तृकृतृ और दु्् क्या किया है, और तन मु् पर
ऐसे भलाई किया है, मु् पर दया कर।

- मु्् हमेशा पापों के पाश तक एहसास करते है,

- आपको प्यार करे और वह हमेशा के लिए रहे। "

उस समय जब मैं सबसे दयालु यीशु ने मु्् समझा दिया कि कितने दु्् ्

-प ई . मे

-इन लोगों ने इसे किया है, मै समझ गया कि,

दुख और कृतृतृ के लिए,

मनुष्य ईश्वर को एक बहुत ही तृ्् त सुख से कम मने के एहसास करते है। वैसे ही

-यदि आप जरा भी अपराध से बचने के लिए चाहते तत है,

-मै हमेशा एक पापी की तरह जरता हूँ जो

पल भर मे दम मे आ सकता है।

मु्् अपने अतीत के पापों के लिए इतनी ् और शर्म दरी महसूस हुई कि
मु्् लगा कि मै सभी ्

तो जब मैं यीशु पकट हुआ, कल मैने ही
किया उससे मैं पापों के लिए और आ कि के
म््रो

- स्् ही सीढ़ी पर चढ़ने के अपने वादे की ्

एक सुबह, जब मैने स म स्ा अ क तीव्र प्यास से अ क से अ क पीड़ित होने की इच्छा महसूस की, तो मैं सबसे दयालु यीशु आये। उसने मु्् मैं शरीर से बाहर जाने के और मी ् को एक ऐसे व्यक्ति के पल, जिसने बंदूक की आ््
मदद से, हमला किया गया खोने वा्् ्् । और वह मरने वा ् और अपनी
््, ्् आ््

्को

तब यीशु न् मु्् इस आ््् क् अनम णन ु त न ुक स क ् ण लए अपन् ण
दल क् दद् को
सम्न् क् ण लए मु्् अपन् अंदर ृ ुस् ण दय्।

य ण द हम त् है ण क यीशु एक आ्् ् क् नुकस स् ण
ण्न कतन् पी ण त
है, तो
मु्् यकीन है ण क हम उस् अनन्त क श स् बच् क् ण लए हर संभव
प्प स करेर्।
ण मै रो ण लयों की बौछ् क् दौन् यीशु
ब क् स्

् ््

्, उसन् मु्् बहत कसकर

ण नचो््् और म् क मे ् ण ुस:्
"मी पती, क् आप चहत् है?
-इस आ््् की मत् ु क्क् ण लए आपको ण श् क्प्रमे ्श करन् क् ण लए e
"क्आप उन सभी क््ो््ं को अपन् ऊपर ल्है ््ो वह अपन् रंभीर
पें क् ण लए योगहै?"

मैन् उत्तर ण दय: "ण न ण श तप्रस,् म् यीश।ु

वह सब कुछ मु् पर ण्ल दो, णब तक वह खुद को बच त् है और तुम उस् व पस ण्ीवन मे ल्हो।"

ण र यीशु मु्् वपस म् शरीर मे ल् आए और मै इतनी ब़ी पी््् मे ण्ब्् हआ महसूस कर रह् ्् ् ण क मु्् सम् नहीं आ रह् ्््् ण क मै कैस् ण्ी ण वत रहं।

एक ृंट् स् अ क समय तक दुख की इस अवस ््् मे रहन् क् ब, यीशु न् म ण वश सपको म् पआन् और मु्् प ् ण वत करन् की क ्् की।

णब उन्होंन् मु्स् ्छ् ण क मु्् इस मह पी््् क् ण ् क्ह,ै

मैन् उस् वह सब कुछ बत् ्ो मैन् इतन् कम समय मे और मु्् द्ख् और अनुभव ण कय् ््

उसन् शहर क् उस ण हस् की ओर इश् ण कय् णह््ं हत् हई ्््ी।

बमे उसन् मु्् पु ण ् की ण क हत्व सक्मे ठीक्सी ण रह हई ्््ी णह््ं मैन्

उस् बत् ् ् और मु् ् बत् क सभी क् मन् ् क वह आदमी मर स्य्
् ् ् ् । ् ्

मैन् उसस् कह् क वह मर नहीं सकत् ् ्, क्यों क यीशु न् म्स् ु व द्
कय् ् क वह उसकी ् को छो् ् द् और उस् ् ी वत
् र्ख! आ् ्

सचमुच, मैन् उसकी आ् ् ् ् ् को उसक् शरीर स् बहर ण् ्न् स् रोकन् क्
लए दढत् स् परम् स ् प् ् ् ् ् ्न् क ी है। बमे यह पु ् हई
क वह बच स्य् ् ् ् ् और
ण् ीर् ण् ीर् स ् हो स्य् ् ् ्। अब वह रहत् ह। ै भस न ण न्हो!

णह् ् ँ तक यीशु क् स् ् ् सी पर चढन् की मी सबस् बी इच्छ उसक् पक्
लए और म् अतीत क् प श त क् लए, यीशु म् प आए और, पहल् की तरह,
मी आ् ् ् को म् शरीर स् नक लय्।

वह मु् ् उस प वत ्न पर ल् स्य् णह् ् ँ उसन् अपन् दर्द न को सह्
स और मु् स् कह: ्

"मी पती, अरर सभी को पत् होत्

- अ् ्ह यद प यह कॉस है और

- कैस् यह आ् ् ् ् ् को अनमोल बन् है,

हर कोई इस संप तको च ह् और इस् आ रह न्, ् ैस् क अ् ्
्क् रत।

णब मै स्स् स् पृथी पर उतर्, तो मैन् संस क् ण न को नहीं चुन्। ल ण न म ै न क
की बहनों को चुनन् अ क स म ् ी म् - स्रीबी, - बदनी और -
सबस् ् पी् ् ् ् ्।

और णब मै उने पहन रह् ् ् ्,

-मै च हत् ् ् ् ् ् क म् ् ुन और मौत क् समय णल्स् णल् आए, क्यों क
उनक् स् मै आ् ्ओं को बच् व् ् ् ् ।

णब उसन् मु्स् ब की, तो यीशु न् मु् उस आनंद क् अनुभव कय् ो उसन् दुख मे महस ण कय्। उनक् शब्दों न् म् हदय मे क् सहन् की तीव इच्छा णर् दी।

मैन् भम् क् एक प वत पर रवहन और उसक् ैस् बनन् की की क्को इ्च्छा महस ण कय्।

म् अंदर श् ो ोी सी आव्ण और त ी, मैन् उसस् यह कहत् हए प्न् की:

"प वत ण्ीवनस् ी, म् दखु दो और म् अपन् कॉस दो त ण्क
म ै व ह त र

ण्न सक् ं ण क आप मु्स् ण कतन् प्यार करत् है।

नहीं तो मै हम्त् तुम् ण लए अपन् प्यार की आ न श तत् मे मैन् तुम् ण लए रहं सब कुछ छो् ण दय!"

बमे, मी य चन् पर पहल् स् कहीं अ क खुशी मे, यीशु न् मु् वह् ं एक क पर लत् की अनुम त दी।

णब मै तैय हआ, तो मैन् उसस् ण वनती की ण क वह मु् सी पर चढ् द्।

प्स् उसन् एक कील ली और उस् म् ह् मे ण क्र लर्। समय-समय पर वह मु्स् ्छत् :

"इसस् बहत दद् होत् है? क् आप च हत् है ण क मै ण्री रख्?"

"ह्ँ, ह्ँ" अम्न आर् कहती ह् "म् दद् क् प ा ँ क आप मु् सी पर चढ् रह् है।"

णब उसन् म् दसर् ह् को कील ठोंकन् शुरू कय्, तो कॉस क् ह् बहत छोट् ण नकल्, णब ण क इसस् पहल् ण क वह सही लंबई क् ।

तब यीशु न् उस कील को हट् ण दय् ो पहल् स् ही अंदर की रई ी और कह्:

"मी पती, हमे एक और कॉस प र्खो र्। आम् करो और अपन् आप को त र् करो।"

उस पल ण्ो मैन् महस ा कय्, उसक् मै ण न नहीं कर सकत। तो मै इस पी

क् योग नहीं ्् ्् !

इन पंत क्यों को कई ब दोहय् ् स्य्। णब कॉस की ब हे उपयुक् ्् ी ् ं, तब कॉस की लंबई नहीं ् ् ् ी।

एक अनअवसर पर, यीशु को मु्् सी पर न चढ्न् क् ण लए, म् सी पर चढन् मे कुछ कमी ् ् ् ी।

यीशु न् हम् उस् द्सरी ब स णरत करन् क् बह् द् ्ंढ।्

ओह, म् ्ीसस क् स्् ् इन ब-ब होन् व् ् ण कतनी सं् ् ् ् मे मी आ् ्
कवी ् ् ्ी। कई ब मु्् उसस् ण शक्त करन् उ ण चत ्् ्, क्यों ण क उसन् म्ु
सच्ची पी् ् ् स् व ण ं चत ण कय् ्।

कई मौकों पर मैन् कव् सर मे उसस् कह्:

"म् प्, ऐस् लरत् है ण क सब कुछ एक ण क्षण मे समहोत् है।

क्

उद्हर क् ण लए, आपन् मु्स् कई ब कह् है ण क आप मु्् हम् क् ण लए स्व ल् ण्एंर्। ल णक न , हर ब णब आप म् शरीर मे र स् ण नव स करन् क् ण लए मु्् पृथ्वी पर व पस ल्ए। आपन् मु्स् कह् ् ् ् ण क आप म् ु सी पर चढ्न् च हेर् त णक म ै व ह क र स क ् ् ं ्ो आपन् ण कय्।

ह् ँ ण क, आपन् मु्् कभी भी ण्ण् ् सी पर चढन् की अनुम ण त नहीं दी। और यीशु न् कह्, "ह् ं, मै णल्दी करूँग्। इसमे कोई सदहे् नहीं ह। ै यह ण कय् ण्एर्।"

अंत मे, एक सुबह, प ण वत कॉस क् उत्क् ण दन (13), यीशु पकट हए और मु्् एक ब र स् यरूस मे प ण वत चौक मे ल् रए।

इसन् मु्् कक् रहस्य और रर ं स् संब त ण व ण भन बों पर ण वच करन् क् ण लए पर त ण कय्। ब मे, उसन् मु्स् कोमलत् स् कह: ्

"म् ण पय, क्तुम सुंदर बनन् च हती हो?

कपर धलस्ओ और यह आपको सबस् सदरंु ण वश्त एं् द् ्ो स्् और

पृथी परसक्ती है।

तब आप अपन् आप को ईश र स् पकरेर, सक् प अनंत सौंदय् है। स् को उसक् सभी ण न क् स् पक्रकी इ आप मे वक सत हई ह।

क् आप ो समय क् लए नहीं, ब ् अनतं कक् लए अप ण न स् भरन् चहत् है?

हम् कॉस क् प मे पो। वह तुमे सी दिलत पद कर्,

- सबस् छोट् पैस्, ो कम स् कम दुख क् प त न तकरत् है,

-सबस् भी कॉस स् पहन् ेक्ष सुलभ

ह् क

- णब क मनु एक स्ण र अस यी मु क् नतम लपवक् लए उत्क हो स् है, स् उस् णल छो न् होर

- अनन्क् एक पैस् खरीदन् क् एक भी वच नहीं है।

और कों

मु उसक् शत अच्क् ब् मे मनु की लरवी पर दय् आती

ह, मै कोमलत् स्

उसकी मदद करन् की शकश करत् हं।

वह आभी होन् क् ण य,

- आपको म् उपहों क् योग बन् है e

- वह मु अपन् हठ स् न्ण्

क् तुम द्खती हो, मी ब टी, इस दयनीय मवत् मे कतन् अंण न है?
प

द्सरी ओर, कॉस वहन करत् है

-सभी ण ण य,

- पमुख अ ग ई

- सबस् बी़ ्ीत।

इस लए **तुम् पकक् अ तर रकऔर कोई प मोन हीं होन् च णहए।**
यह सब कुछ पद करन् क् लए पय्ू्पोरा्

और, ण , मै आपको पी तरह स् क पर सी पर चढ्कर आपको पसन करन
चहत् हं, ्ो उस तक आपको पी तरह स् ट नहीं हआ्््।

आपको पत् होन् च ण ए क यह कॉस ही एक है
-। सन् तुमेम् पकी ओर आक ष त कय् और
-। सक् ्ोमु पी तरह स् उस पर सी पर चढ् द््ंर। ्ो कॉस आपन्
अब तक प्है,
मै इस् आपक् पकी नशी क्पमे स्ल् ण्ऊंर।
मै इस् स्ानय लय को म् लए आपक् पक् वसीयतन्क्पमे दख्ऊंरा

इसक् स ्न पर म् पएक भी और अ क दद्र है् मैअपक् लए
ल्हं
-दुख की अपनी इच्क् णब द् क् लए e
- आपक् ब् मे म् स्त उ द्शको प् करन् की अनुम त द् क् लए "।

यह कहन् क् ब यीशु मु्् उस कक् स्म् पकट हण्ो उस समय तक म् प
््। मै पी खशी मे उसक् प रय्, उस् णमीन पर ण लट् ण दय् और उस
पर लस्।
और णब मै वह्ं ््, सी पर चढन् क् लए तय, स्खलु स्ा।्
संतणोंन द इ ंी लव दी उस कॉस को त्व आए,
। सक् ब् मे यीशु न् मु्् बत््््।

र व ॉन मैरी आई, ो स्व्‍तों क् एक ण्ल नक्स् ृरी हई ्ी।

उन्होंन् मु् म् कॉस स् खींच लय् और मु् सेण्ॉन स् सबस् बी
पहंच पर रख ण दय।्

एक ठ्ां्ी और घतक कंपकंपी न् मु् ल् ण लय।्

ह्ँ क, मु् अभी भी अपन् दल मे प्की एक लौ महसहई, सन् मु्
इस कपर पी त होन् की पतीक ् की।

यीशु क् संकपर, एक स्व्त न् पहल् क लय् और उस् अपन् स्् स्म ल्
स्।

इस बीच, यीशु न् अपन् ह््ो्ं स् और व ्न मैरी की सहत् स्
मु् सी पर चढ़न् शुकर दय्।

ख् होकर, स्व्‍तों और सेण्ॉन न् म् सी पर चढन् क् लए आवश्क
कीले और अन्वसुएं पसुत कीं।

म् सी पर चढ़न् क् कक् लए,

- म् सबस् कोमल यीशु न् बहत खुशी और खुशी दखई्

- क मु् एक नहीं, ब ् एक ्र सी पर चढन् होर्

स्् ही अन्क् भी उसकी मीठी संतु ् को बढ़न् क् लए।

उस समय ऐस् लररह् ् ् क स्म् लए म हम् क् एक नए पव् क्
 लए तैय कय् स्
है:

- यीशु को पसंद करन् क् लए,

- मुक्होन् क् लए, पचुर म्मे प् ्न्ओं क् ी मे ्एं,
स्, पत्र आ्

-दुभ् ्वन्ग् ्ं क ् लए और कई अन्लोरों क् ण म क् लए
हस्क
करन् क् ण लए।

म् प्यीशु न् उन सभी को उस भलई क् भी बन्ण दय् है ो म् उतही सा स्
सी पर चढ़ए ण्न् मे न हत क्ो्ं क् लए उत्त हई है।

णब सब कुछ सम हो रय् तो मु्ु् ऐस् लर् ् मै अनसुन् दुखों क् सरम स्ण म श त संतो् क् समु्् मे तैर रह् हूँ।

न् म््ँ न् यीशु की ओर रख ण कय् और कह:्

"म् ब ट्, क् दन रौरव क् दन है। ् कए रए सभी क् की अपन् स्यंक् क््ो्ं क् ण लए और लुइस् क् स् ण सत द क् लए,

-मै च हंर् क आप उसक् दल को भ ल् स् छदे और

- उसक् ण सर पर क््ंटों क् त्ण रखो »।

अपनी म् की इच्छ क् उतर द्त् हए, यीशु न् भ ल् लय् और म् हदय को अस्ल-बरल स् छद ण उसी समय, स्व् ्तों न् ण न् ््न को क््ंटों क् त्ण भेट दय ण कय्।

उसन् मी सहम त स् और अत्ि संतु ् क् स््, इस् म् सर पर रख दय ् वह म् लए कतन् य दर् दन ््््!

यह व सव म क्षण् सकत् है क यह अनसुन् दुख और अकीय खु शयों क् दन ््। और, मी खशी क् लए और मी सभ ण क क ोरी को सहन करन् क् लए, यीशु प् दन म् स्् रह ्

दुख की रंभीरत् क् , उनकी कृप् क् बन् सी पर चढन् ल हो ण्त्।

मी खुशी क् ण लए, यीशु न् कई ्ओं को म् क््ो्ं क् ण् सर् मे लौटन आ््् की अनुम त दी।

व् सद््तों क् स्् सर् स्नीच् आए।

उन्होंन् म् बस् को घ लय् और अपन् स्वा रीतों स् मु्् तरोत्ण् कर दय्। व् आनंद क् स्रोत और परम् क ी म हम् क् सु त क् सु तन् ््््।

प््ंच-छह ण दनों की रहन पी््् क् ब,

मैन् ब्ण सोसक् स् ्नोट कय् क मी
पी््

् दन-ब- दन कम
होती ण्् रही ्््ी।

यह पी तरह स् बंद हो ण्त् अरर मनै ् अपन् ्ीवनस््ी ्ीसस पणोर नहीं
दय् होत् - अपनी तीवत् को कम करन् क् लए खुद को सी मत
करन् क् ण लए - ण बन् सब कुछ रोक्।

मैन् अपन् भीतर इन मीठ् क््ो्ं की पबल इच् महस की।

और मैन् अपन् अच्ायीशु को सी पर चढ़ए ण््न् क् नवीनीकर करन् क् लए
कह्, स् मैन् पहल् ही अनुभव ण कय््।

यीशु, ण बन् ण कसी वसु क्, मु्स् संतु्््््।

समय-समय पर मु्् अपनी आ्््् को वपस यरर्क् प वत स ््नों मे ल
ण्न् अच्ालस् ््।

और वह््ं उन्होंन् मु्् अपन् ््ुन क् दौन् अनुभव कए रए
क््ो्ं मे कमोब भ ण लया्

कभी-कभी इसन् मु्् ् स् पी ्त कभी-कभी क््ंटों क्
को्् स्् त््पहन,् कय,

कभी-कभी कॉस ल् ण््न्, य् सी पर चढ़् द।्

यीशु मु्् इन रहसों मे स् एक य् दसर् को पी त करन् पसदं करत् ्। कभी-
््

कभी, एक दन मे, उसन् मु्् अपन् स् ््ुन स् कर ण दय,्

पी सु्् और अ क मठ्स द् रह् है

एक ही समय मे अ क

पी््।

म्ण दल तप रह्ःः्

- णब यह खं यीशु ःःः्। सन् ्नु को सह् ःःः् e

-ण क मुःः् उसक् स्ःः् क् नहीं उठ्न् पा्ः्

मै ब चैन और ण चंण तत ःःः् अरू मै कम स् कम उसक् कछु दखोुं मे नहीं प् प्।

मैन् अकर खुद को व ॉन मैरी क् स् ॉप्

- द्खो यीशु को बब लोरों द् कए रए अप ो क् स् रंभीर पी
भुस्तनी पती है उन स नकों की तलन् मे अ क नेंन् यीशु को पक
ण लय् और उस् मौत क् घट उत ण दय्।

यह तब ण ब मैन् खुद को आश स कय् क पकरन् वें क् लए,

- अक्पी त होन् आस है

-अपन् प न को पी त दखन् क् य्।

मै अपन् पय यीशु क् लए अपन् पस् पर त म ह स क र र ह । म ै न उ न स ब-ब, बहत ब, अपन् कीकर करे नवीनीकृत करन् क् लए वनती की, त ण क कम स् कम आं शक पर स् मै उनक् दुख को कम कर सक ।

यीशु न् अकर मु स् कह्:

"म् प,

- कॉस न् ठीक स् रख् लय् और
व्

छत, - व ण र रत को व् ो ही स्

अलर करत् है, ो दखु क् वर रो करत् ह।ै

ण न

लो क कय मत क् दन वही है ्ो ्द

और लसशील ़़्

- वह कॉस क् दुल् को महसकर् ् और णब वह ॉ दखई द् तो व्कपस्ा होर्।
णबॉ क ॉ व् ़़ोही एक भय नक भय की चप मे आ ण्एर्।

ल णक न , अब, म् ॉ पय,

- कोई ॉ नॉ श तपरस् नहीं कह सकत्

- यह य् वह बच ण्एर् य् हम्क् ॉ लए खो ण्एर् ्।

"उद्हर क् ॉ लए, यॉ द, **ण ् कॉस पकट होत् है,**

- कोई उस् इण स ्् औरण्ै य् क् स््् चल्है,

- समय-समय पर बकवस,

- ण नाद उन लोरों क् ण लए्ो इस् भ्णत् है और म् पीछ् आत् है,

यह एक स्और लस्भर ण न ण श त संकहै ण क वह बचए स्ए लोरों मे स् होस्

यण द, दसरी ओर, णब कपस्ुण ण कय् ण्त् ह,ै

-कोई ण चढ ण्त् ह,ै ण तरसकरत् है और

- हर कीमत पर इसस् बचन् की कोण शश करे,

तब हम वह््ँ एक संकदख सकत् है ण क व् नरक की ओर ण्् रह् है।

यण द, अपन् ्ीवन क् दौन्, कोई वा कक्ॉस को द्खकर म् अपम करत्

है, "ण र क्ा् ण दन वह मु्् श प द्"

कोण क ककी दण ् उस् अनन्आतंक की ओर ल् ण्एरी।

यह स्रूस् और ण नश्् क् ण बन् ब हर ख्

है

- पी क् संत,

- अप्ण्् क् पर रप्ण््,

- रस्स् क् उत स् अलरकरे।

यह सही सोच को पकद्त् है। अच्ई को बुरई

यह कुछ हद तक खुद को पकट करत् है

- ्ो स्र मे होन् च णह ए औ र

- ्ो एक पमुख स ््न पर कब्करन् च णह ए ।

कॉस क् स्म् सभी र रण वनम और सण म त्ाह््त् है।

और क्आप ण्न्त् है ॥ क स॥ दुो क्ं अ कतम वैभव
और वैभव कब प होत
है? यह तब होत् है णब उनेकॉस पर अच्ी तरह स् कलमबद्॥ कय् णत् ह
»।

कक्॥ लए पकी लपटों की पचुरत् क्॥ ्न कैस् करे ्ो यीशु न् इन शब्ो
क् स्् म् हदय मे पव णि त ॥ कय् ्।

मै इतन् ब् मोह की चप मे आ रय् ण क मु् इस तरह क् दद् सहन् प् अरर
यीशु न् ब-ब नवीनीकर करक् म् ण दल को संतु् नहीं ण कय् होत् -
बहत ब - म् सी पर चढन्
मै ॥ न॥ श तप्स् पक् ब क ब् ॥ वसोटों स् तस्हो स्य् होत् ।

कभी-कभी, म् सी पर चढन् क् नवीनीकर क् ब, यीशु कहत्: "म्
॥ दल स् प कय्,
- णब स् तुम उस इत क् ॥ लए तरस रह् हो ्ो म् क् कस् ॥ नकलत् है,
-मै आपकी आ् को सी पर चढ्कर आपकी इच्ए्ं पी करत् हं और
- म् स् दुखों को आप तक पहंच्।

ल णक न अ स्र आप सभी को यह ॥ दख् क् ॥ लए आ॥ नच्क नहीं ् ॥ क
आप
मु्स् ण कतन् पकरत् है, तो मै आपक् शरीर को अपन् ख बह रह् और ण दख्ई
द् व्घवों स् सील करन् चहंर्।

इस प॥ य न क् ॥ लए मै आपको इस अनुगह को पक्श्क्॥ लए ॥ नम॥ लत खत
प््न् ण सख् चहत् ह:ँ

"ह् प॥ वत ॥ तम णत ,

यीशु मसीह क् लह मे न हहआ, मै आपक् ॥ संह्सन क् स्म् नतमस्क हं।

रून आ॒ ॉ॒ए् मे,

मै आ पस्, यीशु क् उद्तरर ं क् ॒ लए, मु ् ् हम्म सी पर चढ्ए ण् ् न् की **कृप् पद करन ् क् ॒ लए ॒ वनती करत् हं »।**

इस तथ्क् प्क

म् हम्स् एक ब् ॒ वर रो ह् है - ्ो म् प अभी भी है -

हर उस चीरक् ॒ लण् ो दसरों को ॒ दखई द् ,

मैन् यीशु की इच्क् अनुस सी पर चढए ण्न ् की एक बी इच्क् स् ् ्
खुद को पभ णव त क र क ् स ह म ण त क की।

और अपन् शरीर और आ ् ् ् को सी पर चढकर् उसक् ॒ वर रो हीं करन् च हत् ् ् ्, मन् ै णली उतह और दढ सकलं क् स् ्
अपन् स ॒ कय्।

उसक् ब मैन् उसस् कह्:

"प॒ वत्ण् ीवनस् ् ् ी, म् ु पर ब हरी ॒ चन्क भी पकट नहीं होत ्।

अरर, कभी-कभी और इसक् ब् मे सोच् ण बन्, मु ् ् लरत् है ण क मै इन संको को सी ् करत् हं, तो मै इसक् ॒ लए सहम॒ त नहीं द् च हत् ् ् ्।

तुमे पत् है ॒ क मैन् हम्अपन् ॒ छप् हण् ीवन स् ॒ कतन् प कय्

है। च् ् ँ॒ क आप म् सी पर चढन् क् नवीनीकर करन् च हत् है,

तो कृपय्

मु ् ् ण कसी भी प् की ह्त क् ण बन् स ी पी ् ् ् द् क् ॒ लए। ल णक न म ्य

कल एक ॒ चे हत् हं: मु ् ् कोई ब हरी संकनहीं च णह ए ण् ो
मु ् ् श॒ म दरी और श॒ म दरी की ओर ल्
ण् ् ए।"

मै नहीं ् ्

न कल इस तथ्स् पी॒ है ॒ क म् शरीर पर कुछ ब हरी ल॒ पकट हो सकत् है ,

च् ् ँ॒ क, इसक् ब् मे सोच् ॒ बन्, मैन् इसमे यीशु की इच्क् ॒ लए परोक

प्रस् सहम त दी

अ्््््

लणक न म ै भ ी अ प न ् ण पछल् पें क् ब् मे मैन् अकर सोचकर प व ण त ््।

यीशु स् पश तऔर उनकी क म् की कृप् क् ण लए कह् है।

तब मैन् उससे कह् ण क णब तक मै उसक् मुंह स् यह नहीं सुन् र "तुम प क म् ण कए रए है, तब तक मै श् ंत और सत््ुं नहीं रहंर।"

म् प् यीशु,

- ्ो हमे कभी भी हमी आध् प र त स् वं चत नहीं करत् है,

- उसन् एक ब मु् स् स म स्अ क कृपुतरीक् स् कह ्

"ण मै अपन् आप को तुम् ण वश सपबन् च हत् हँ। तुम अपन् सभीपें को म् स् सी् करोर्।

और णब आप इस् करत् है, तो मै इस् आपको ण दख् हं

आपक् द् ण कए रए सभी अप ् e

व् सभी क् ण् ो उन्हें मु्् ण दए है।

मनु् क्री बु द्की क मत् क् अनुस पक्होत् है, यह तुम सम् ोर्। और तुम मु््। र स् ठ्स पहँच् क् ण ्य मरन् पसदं करोर्।

इस पर धदे, अपन् आप को ण मट् दे और ््ा्ो ््् धकर:े

"वह््ो कुछ भी नहीं है, ्ो सब कुछ है उसक् प त न्ग्री है। सभी पृथी क् च हर् स् कुछ भी ख्बनहीं कर सकत् ्् ्् ।

कुछ भी इतन् बदन नहीं है ण क यह कह सक् ण क वह अपन् ण नम् ्त् स् पश् है,

- क यह सहन स् अ क ््, - लणक न प कय्।

ह् ण

अपनी शत्स्लेवे, और पकी भ्मओ

"

म् श मे पवश करन्,

ं क् स््् ण वश सपक् ्ठ करो।

मैन् अपन् सभी दुखों और अपन् सभी पें को प खो लया।्

अपन् आप को मसीह की श ही उपत स णत म े ् क र , म् न्म्शी,
मै एक पतकी तरह क्ंपन् लरा्

म् पइतनी ्त नहीं ्ी ण क मै ण वश सपक् शबें को कह सक्ं।

मै इस ब्रे उल्न मे रह ण्त्, एक शबभी नहीं कह प,्

यण द म् पभु परम्न, यीशु मसीह न् मु्् यह कहकर नई शत कऔर स हस
नहीं ण दय् होत:्

"म् पकी बटी, *ण रो मत।*
क्योंण क भ ल् ही मै व त म मे आ पक् न्म् शी हं, ण र भी मै आपक् ण पत्
भी
हं। ण हमत करो औ र आ र् ्ढो"।

भण मत और अपम णन त , मैन् सी्ोत कक्

्ठ ण कय् खुद को पी तरह स् प मे ण्ब् हआ

द्खकर,

-मैन् अपन् पभु क् पण त अपन् अपम की रंभीरत् को सम् ण लय् है

- मु्मे सच् रौरव क् ण वच रखन् क् ण लए।

मैन् उसस् कह्:

"भख न, मै अपन् आप को महा हम क् सा् ख् क् पक् आरोप लत्् हं"।

तब यीशु न् कह्:

"पस् म् ण दल क् प आओ और सुनो।

उस ् पी्् को महसकरो ्ो तुमन् म् उद हदय पर अपन्
ख् स् की है "।

और मैन् क्पत् हए उसक् ण दल की सनी।ु

मैन् ्ो कुछ पलों मे सुन् और सम् है उसक् ॥ ्न कैस् करँर म् ॥ दल, प स्
क् ्प रह् इतनी ्र स् ण रह् ् ॥ क मु् लर् ॥ क यह णट र्।
्, क् णए

व सवमे, बमे मु् ऐस् लर् ॥ क म् ॥ दल दद् स् ट र्य् है, णट् हआ
और न् हो रय् है।

यह सब अनुभव करन् क् ब, मैन् कई ब कह्:

"ओह! ॥ कतन् ् मव अ॥ भम है!

यह इतन् ् है ॥ क, य॥ द इसमे शत क्होती, तो यह ईश रीय सत् को न्
कर द्त्!"

तब **मैन् मह ॉ क् चर ॉ मे एक ्हत ही ् क् पम**
॥ ॉ ्दसत कीॉ
मव अ॥ भम की कल् की ।

यह इस तरह स् उरत् और स्णत् है ण क यह आपको ण वशस ण दल् है ण क यह
कुछ है। अपन् ब् दुसहसमे,

-ण्ीर्ण्ीर् रेस् शुक्र द्त् है और ॥ ् ी पोश पर चढ ण्त् है,
्क

- णब तक यह अपन् ॥ सर तक नहीं पहंच ण्त्।

॥ ् क् ण ् मकटुद्खकर वह उसस् ल न् च हत् है और अपन् ॥ सर पर रखन्
च हत् है। । र वह च हत् है

- ण् ् ् श ही वस्को उतो,
्क

- इस् । ट्ोन्ण र, और

-उसकी ण्न लन् क् ण लए हर तरह क् इस् करे।

की् ्यह भी नहीं त् ॥ क यह ॥ कस प् क् प् ्ी है। अपन्
् ण्न
अ॥ भम मे, वह नहीं ण्नत् ॥ क ॥ ् ् ्कर सकत् है

उसक् न श करो, उसक् प्वों तल् कचल दो,

- एक स्ण ् र स््स स् उसक् मीठ् सपनों को न् कर।

अ भमी ़, अ भमी और कृतृ होत् है। म ख् भम क् श् और उनक्
सर रव् स् ण्ृ ल् हए है,

व् कोऔर ण्ेश क् स् उठत् है
उन लोरों क् खल्ण नेउन पर कम रव् है ।

यह मै ही सन् क
दव् की को
दख्

चर ो मे इस बदसत और मनहस
मैन् महस ण कय् ण क मी आ भम और दद् मे णरम्त् ह,ै
उस अपम क् लण् ो मैन् उस् कय् । म् दल न् उस भय नक पी
क् अनुभव कय् है ो यीशु न् म् मंण क् ।

उसक् ब, यीशु न् मु अक् छो ण दया।
मै अ भम क् पकी कस् पर ध्करत् रह।

मै उस मह पी क् ण न् नहीं कर सकत् ो म्

हई।

यीशु न् मु ो कुछ बत् और मु अपन् अंरी ण्

् उस पर ध्यान् सोचन् क् ब्, वह लौट आय्
ी रखन् क् ि लए कह।्

पहल् स् ज्क्ंपत् हए मैन् अपन् ि वचों और शब्दों को सी् ि कय्
ि क मैन् उनकी कहानियों क् त खल्ण तक् ि दय् ्् , और
यह्् ं तक ि क म् चक क् प भी ।

मैन् यह सब इतन् दद् और ि दल की कवट क् स्् ् कब ि कय् ि क
म इसस् ृबर् रय्।

-मी छोटी और

- एक भरन न को न्ण् ्ीि् ्ीत् क् ब् म, े । सन् म् अप ि र् ्ो ं क्
प् , मी मदद की, मु् ् संर ि क त और पो ि ्त ि कय्।

अगर वह म् प ि त ि को महसस करत् है, तो वह पस् ि ृ् ् करत् है और कछु नही। ं
इसक् ि वपरीत, म् प ि त, एक पी, उनकी दय् हम् बहत मह रही है।

उन्होंने मुझे तब भी काम करने दिया, जब उन्होंने ईश्वरीय न्याय से मी
को और रयों और को और रयों को किया। बदले में इसने मुझे क
करने
के लिए और अ क ण न्बाद और शांति की।

यह ऐसा था जैसे उसने उस दीव को हटा दिया सने मी
दिया था
आँखों को भर न से अलग कर दिया था
पक।

यदि लोग परमेश्वर की भलाई और प पत को समझते, तो वे प
की क्रोपी तरह से पृथ्वी से दूर कर देते।
वे अपने पों के लिए बहाना और पश्चाताप की चाप में आ जाते, ये वे मर
जाते।

यदि वे ईश्वर की असीम को जानते, तो वे उसके साथ आस मर्पण कर
अर्पित।
और चुने हुए लोगों को ईश्वर में उनके पा वतीकर और ण न्कर के
लिए समय पअनुग्रह के एक व्यवस्था मिले।

जब यीशु ने देखा कि मैं अब पाप की पीड़ा और कवट को सहन नहीं कर
सकता, तो वह वापस चला गया, मुझे पक दी की बुराई पर म पा ता बंबो
में जब हुआ छोड़ दिया।

अपने से जीवन की में, उसने मुझे अपने पत के साथ बचाया और
भलाई मुझे नए अनुग्रह
दिए।

एक लंबे अंतराल के बाद यीशु ने मुझे अपने अंगीकार रखने की अनुमति
देने के लिए र से वापसी की, जो कई बार बात होने रस्भर से ट
तक चली।

णब सबस् दय लु यीशु न् मी सी◌्◌ोत क्को सुनन् समक्ष दय्, तो उनेंन् न्म्◌्शी क् प्रमे अपन् पद छो◌्◌् ण दय् और एक पकरन् व् ण पत् की कल्न् की।

मै इस ददढ ज स् आब◌्◌्◌् ण क म् दद◌् च ह् ण कतन् भी ब् हो, म् भरव न क् त खल्ण कए र्ए म् अप ◌्◌ो क् प श त करन् क् ण लए पय्◌्◌् पहीं ◌् ◌् ◌् ।

यीशु, मु◌्◌् पटरी स् उतन् क् ण लए कहत् है:

"मै एक ◌् च हत् हं। मै आपकी ◌् पर स्तसमनी क् बरीच् पक्ण◌्◌ो◌्न आ◌्◌्
मे अपन् क◌्◌्◌ो◌्◌् क् र र ◌ं को ल्◌् करं्र।

यह ईश रीय न्को संतु◌्◌् करन् क् ण लए पय्◌्◌् पहोर् "।

तब मैन् अपन् पं क् ण लए यीशु की मुत क्को पक्ण्क्ण लए और अ क इच्छु क महसू ण कय्।

ण र, उसक् चर ◌ो◌्◌ं मे ◌ंर ण ◌्◌्म, सभी अपम णन त औ र भ ण मत, मैन् स्◌्◌्◌् उसस् कह:

"मह भरवन, मै अपन् कई और रंभीर पों क् ण लए आपकी दय् और क म् की य चन् करत् हं।

मै च हत् हं ण क आपकी असीम दय् की पय्◌् पपरस् पशसं् करन् मे सक म होन् क् ण लए मी क मतएं अ ण न ण श त कतक बढ।◌े

ह् सप्ण पत, उस मह अपम को क म् करे ◌्◌ो मैन् आपक् ण करदपकरक् और मु◌्◌् आपकी ण पतृ क म् पद करन् क् ण लए ण कय् है "।

त् उसन ◌् मुझ स् कह, "मु◌् स् व द् कर ण क त् र कभी पनहीं कर◌्। पकी च्छ स् द रहो।"

मैन् उतर ण दय: "ओह! ह्◌ँ◌् मै इस् एक ण ◌् र ब वद् करत् हं और मै अपन ण नम्◌्त, म् मत् करत् और म् उत्कत्◌् को न ण ◌् ◌् ◌् ◌्य्
मरन्

चहत् हं। कभी नहीं! ण र
कभी नहीं!"

। स पर यीशु न् अपन् द् ण हन् ् उठ मु त कक् शबों क् उ ण च ण कय्,
ह्
और अपन् बह् रक्की एक नदी को मी आ ् ् ् पर बहन् ण दय्।

णब यीशु न् अपन् बह् ल स मी आ ् ् णे् ोय् और म् ् ु अपन् मोक
ण दय्, तो मैन् महस ण कय् ण क अनुगह की पर रण्ण् ् त् स् पहल् स् कही
अ क ब ढ क् स् ् ् एक नए् ीवन मे पु ् ् न आ है।

इस ृ टन् न् मु ् मे एक ऐसी छप छो् ् ी ण स् मै कभी नहीं भल सकत। ्
हर ब णब यह मी स् ृ त मे व पस आत् है, तो मी आ ् ् ् मे एक ण वल ब आ नदं
उठत् है और एक कंपकंपी म् प् अ त स् ा पर आक ण करती है। और मै इस् ण व स
स् बत् हं, ् े स ् ण क यह हो रह् ् ् ्।

अतीत की य दों स् भर् हआ, मै उन आवों स् भर र य् ् ् ्, णह् ँ ् तक सभवं
हो,
प त च करन् क् ण लए उत् क ् ् ्,
एकवचन अनुगह क् ण लण् ो पभु न् मु ् ् द ण् ् री रख्,
- य् खुद को ण ब करक् और मु ् ् पी त की त स ण त म ो ल ो ट ् क र ,
- य् ण वश ् र स् अपनी ईश रीय इच् ा मे ् ीन् क् ण लए खुद को और अ क
तैय करक्, ण सकी
उनोंन् आर् दी ् ् ् ी
- सबस् ब् ी ण दवकृप् ई
- मी ओर स् सबस् ब् ी भीदी। (14)

और च् ् क मै कछु भी नहीं ह; इस ण लए म् ् ु सब कछु
भ स न स् पक ्
् ् ्। तब मु ् ् पउ ा न् त स् ्स कोप ण त क र न ् क ् ण लए क् करन्
प् ् ्

-एकग्ॉक की तरह, ्ो दस्र् क् ख स्,

-ि कसी को उनक् स्ा पुनः पक्ग्ने स्ा क्ि लए उनक्

ण ््नण कय् ् है। और मु््ण सेनी सुबह ण श त करन् ््
ण्त
ण क सब कुछ भरवन क् प लौट आए।

इस उद्श्य क् ण लए, म् ण पय यीशु न् मु्् म् शरीर स् खींचकर शुरु कय्,
मु्् उन सभी ण च ों स् कण दय् ्ो मु्् उसस् अलरकर सकती
्््ी्ं, और

मु्् स ्यीण श् की त स ण्त म ो त न ।्

सबस् ्यै व न यीशु ्ण क मै हम्ेश तैय रहं णब वह मु्् अपन् कुछ
च हत् ्् कय् अपन् क् ्।
द् च हत् ््

वह यह कर रह् ््

पु्रों क् ण नरंतर ण वप स् आहत दैवीय न्याो संतु्् करन् क् ण लए,

य् उस बहम को्््् लरन् स् रोकन् य् रोकन् क् ण लए ण सक् ण ीन वह ण
कय्
ण्त् ह।ै

मी खोई हई ण ्््् को । र स् णन्् क्

ण लए, यीशु न् अक्सर मु्् ण वश् अनुगह ण
दय्,

इनमे स् एक ऊपर उत् लखत बरी है, ्ो मु्् कई ब पद ण कय् स्य् है।

कभी-कभी , णब मैन् एक ण पु्री क् स्म् कब्ा कय्,

मै अपनी आ्््् पर अलर और अस म पभों क् अनुभव कर रह् ््
्् । और णब सी्ोत क्समहतेर्ई,

यीशु न् स्वं ण वश सपक् स ्न ण लय।्

उसन् एक ण वश सपक् प्रण ््र ण
कय,अपन् ण वश सपस् बकर रह्
्््,

-मैन् अपन् ण दल खोल ण दय् और

और मै, यह सोचकर ण क मै

-मैन् अपनी आ्् की त स णत , उसक् भय, ्, ण चंत्ओं और सदह्ं पी््

णस्त्रों को पकट ण

कय्। और

-मु्् प उतरों स् e

- आव्ण की द्य लुत् क् ण लएए्ो कभी-कभी म् ण वश सप की दय् क् स््् बदल ण्ती ्््ी , म््ुपत् चल् ण क यह कोई और नहीं बत ् यीशु ्््। वह इतन् ण मलनस ्््!

औरण्ो आंतर रक पभ मै अनुभव कर रह् ्, व् स म न्ही क्री कभी ्यह शुर स् ही यीशु ्् ्् : ््।

- मी सी््त क्सुनी, स्ण य् असण ् र ,
्र

-और मु्् मुत क्दी।

अस्र मै अपन् औश््ीसस क् बीच हई हर ब्कको बत् च हत, तो इसमे क््ी समय लरत् और इस् एक परी क्् म् ण्् सकत््।

इसक् अल्् मै कपय्ृ कछु आस करन् क् ण लए आर् बढ् र।

ऐस् होन् स् नौ महीन् पहल्,

यीशु न् ् इटली और अ््ीक् क् बीच द्सर् युद की स चन् दी ््ी। और म््ु बत् यह््
रय् है:

म् ण नयीशु न् मु्् म् शरीर स् ल् ण लय््््।्

ण्स ्- ््स् मैन् उसक् रा र्कय्, उसन् मु्् उनक् ख स् ल्मव ल शों स् प्र्त
भर् एक लंब् स््पर ल् ण्य। यह मु्् सक पर बहन् वी नदी क् प्रमे ण दख्

रय््््।

म् आतंक क् ण लए, यीशु न् मु्् पर रत्कशरीरों को एक खब् त्म क् स््् -स् ् म््स ही वरों की ्त् क् संपक् मे ण दख, क्रों क ण न् की ण्न
दखभल करन् व् कोई नहीं ्््।

भयभीत, मैन् यीशु स् ्छ:

"पण ््ी , इस सबक् क् ् है?
वत्ण्ीवनस् अ््

और यीशु न् मु्् उत्तर दय्: «ण्न लो क अस्ल् व्् यद्दु होर्। मन्ु सभी दो्ों और व सनओं मे लप्ट्र हत् ह।ै

मै उस म््ंस स् बदल् लन् चहत् हं समे प की रंण आती है।"

यीशु ्ो कह रह् ्, उसमे मु्् कोई संद्ह नहीं ्। ल णक न म ै व ै स ्
्् ्् भ ी
इसकी उम्मीद कर रह् ््

-ण क अस्ल् नौ महीनों मे कुक आदमी अपन् ्ुन को रोक द् अौर

-ण क, अपन् पर रवत को द्खत् हए, यीशु ण नयो त युद्ध को स णस्त कर द।

ल णक न उ न क ् क्

- ्ो अपन् ्ुन की कीच् मे चदीवी करत् है e

- ्ो पर रवण त होन् क् उसमे और स्हर्ई मे ण्ब ण्त ् है।
ण ्य

और पहल् ऐस् हआ ण क इटली और अ्ीक् पहली ब युदकी ब कर रह् ्््।

। र, इसक् तुरंत ब्, व् एक कण ठन युद्ध मे श णम ल ह े स्ए। सस्
दोनों पक ों को बहत पी्््् और क ण त हई।

इस प्, पहल् स् कहीं अ क, मैन् इस युद्ध क् पीण तों की सख्ंं ् को कम करन्
क् ण लए अपन् आप को अपन् अच्छ यीशु क् स्म् ्श ण कय। मैन् खदु को उन आ््ओं क् ण लए अण पकर ण दय्, ्ो मी प््न्ओं और भग्व न की दय् क् ण लए ्न् क् प् , अनुगह की त स णत म े न ह ी ं ह ो त
प््् ् औ र णब व् भग्व न क्
स्म् ्श होत् तो उन्हें नरक मे ्ेक ण दय् णत।

परनु यीशु न् मी एक न सुनी। एक ब ण र, इसन् मु्् म् शरीर स् ण नक ण दय्।
इसक् ब्, मै एक पल मे रोम मे ्््। वह्ँ मनै ् बहत सी ण वे सनु ीं और
ऊपर व ््त त स णत क ् ब ् म े स ी ख ्। य ी श ु म ु् ् स ं स
द म े ल ् स्ए, पर र्द कक मे,
णह्ं प ण त ण न एक ण सम् बहस मे लर् हए ् ण क युद्ध को ्ीत क् ण लए कैस् ््
सुण न ण श त ण कय् णए।

कई ण ्् रव् और दयनीय कटरत् क् स् म,
्ण

्चच् ् ण््री रही। ल णक न
। स ब न् मु्् सबस् ्ज्भ णव त ण कय् वह यह ्््ी ण क व् सभी
संपदव दी ्््् और शैत क् द् मे ककरत् ्््, । स् उनेंन् युद्को
सम कस्क्ण लए अपनी आ्््् बच दी
्््ी ।

मै यह ण्नकर ृबर् रय् और अपन् आप स् कह:

"ण कतन् उद्स और ्ंखी आदमी है, क्दुख की ृी है, ं रहन् वोंस् भी वह्नु दुखदी!"

मु्् ऐस् पतीत हआ ण क शैत उनक् बीच मे र् वस्रहे, कों ण क उनक् प् भरोस् परम्म पर नहीं ब त् उस पर ।और यह शैत की ओर स् ््् ण क व् ््

ण्ीत की पतीक ् कर रह् ््।

ररमरम और कठोर बहस मे लर् रहन् क् दौन्, व् एक-द्सर् स् द हो रए, भल् ही व् अपन् मतभदों को ण मलन् चहत् ्््। यीशु ण बन् दख् ही उनक् बीच मे ्् ्् ।

उनक् दुखद पसों को सुन कर, वह उनक् दयनीय शबों पर रो प्। परम्म क् ण बन् युद्छ््न् की अपनी ण य न् बन् क् ब, उनोंन् यह कहत् हए बहत अ भम ण कय् ण क व् ्ीत मे पहल् स् कहीं अ क आश स्है।

तब, मो व् अभी भी उसकी बसुन रह् ््, यीशु न् ण मकी भर्स्रमे कह:
"तुमेअपन् आप पर ब् भरोस् है, ल णक न म ै त ु मेनम करं्, और । र आप
परम्म क ी स हत् औ र ह स्क क् आह नहीं करन् क् ण न्

भय वहत् को मेर् ्ो सभी अच्क् ल्क है।

इस ब इटली नहीं ्ीत्।ब ् उस् पी ह क् अनुभव होरा"

कैस् ण ््न करे ण क यीशु क् इन शबों क् ण लए म् ण दल को ण कतन् क् हआ, और ण कतन् तरीकों स् मैन् अपन् अच्ा यीशु को करन् की को ण शश की, श्तणक अ ं द र

म्इनस युद इतन् घतक नहीं है।

हम्की तरह, मैन् खुद को प श त क् ण श् क्प्रमे ्श ण कय् और पभु स् मु्् सबस् बी पी््् द् और इटली को इस को््् स् बच् क् ण लए कहा्

ल णक न य ी श ु न ् म ु ् स ् क ह ् :

"मै अ््ीक् क् ण लए इटली पण्ीत क् ण लए दढ रहंर्। और मै आपको कल यही अनुद द््र्:

ण ण यी अ्ीक् युदणी रखन् क् ण लए इत्ली ण रती पर आक ण नही
कर्। ण ्् उ ण चत है, क्यो ण ं क इटली इसक् हकद है

- उसकी व्कगग् ीवन शैली क् ण लए,

- अपन् खोए हए ण वशस क् ण लए e

-क्यो ण ं क वह अपन् भरोस् भरस न क् ण ््य शैत पर रखत् है ”।

उस समय य् अन्नार रत स णत य ो ं म े म ु ् स ् ्ो
कुछ भी कह् स्य् ््,
अपन् ण वश सपकी आत्र त ् म े स म झ ्।
मैन्
और उ सन् मु्स् कह्: "यह म् ण लए संभव नहीं लरत् है ण क इटली अ्ीक् स्
प ण णत

होर,

क्योंकि इटली की ु नक सभ्यत् क् प्रसभी प् क् आकक्र्क और रक ्क ह य है ्ो अ्ीक् क् प्रनहीं ह"।ै

णब यीशु क् शब्दों की पु ् हई, तो म् वश सपन् मु्स् कह: "मी ब टी, कोई य न् नहीं है, कोई ज नहीं है, कोई ्त नहीं है। सक् कोई ् नहीं है, अरर व् भरवन स् नहीं आत् है"।

16 सल की उम स् ल्व तक यीशु क् स्् म् स्् हई सबस् महत्वपण् ्् बो क् ब् मे मै यह्ँ् इस ववर को सम्ककरन्् ्् अरर म् वश सपन मु्् उन व भन तरीकों को बत् क् लए ब नहीं कय् होत् ण्ो यीशु म् स््् संवद करत् ््।

व् व है, लणक न म ै उ नेृट्कर **च कर द् ्र**

यीशु आत्म ् को ्त् है क वह क्करन् च हत् है और आत्म ् को उसक् शरीर स् बहर ण नकत् है।

यह एक पल मे हो सकत् है। आ्् शरीर स् इस तरह अचक ब हर नकल णती है ण क शरीर आ्््क् अनुसर करन् क् ण लए उठ ख् होत् है लणक न अ त म े ऐ स ् र ह त ् ह े ्स् क वह मर रय् हो। दसूरी ओर, आ््् अपनी दौ्् मे यीशु क् अनसुर करती है और ह् णकी य त् करती है: पृथ्वी, समु्, पह् और आक, और पदर ी क् क ों मे य् भरवन क् शत ण नवस मे सम होती है।

कभी-कभी आ््् अ क शण् त स् शरीर छो्् दती है।ै व सवमेयह स्हैे ्स्ै

शरीर सुन होकर ईश र मे लीन हो स्य् ्ा। र, णबा्ीसस चल् ण्त् है,
तो ् णह्ं भी ी है, उसक् पीछ् करन् की कोश शश करती
ण्त
आ्
है। कसी भी म्ल् मे शरीर क ु बन् रहत् है और ब हरी दु नय् क्
कुछ भी महसूस नहीं करत् है, भल् ही पी दु नय् को हल्ण्ए य्
शरीर को छद ण दय् , णल् दय् ण्ए य् टुक्-टुक् कर दय्

्ण्ए।

मै कह सकत् हं क कसी भी तरह स् मै अपन् शरीर स् ब हर ्। और णह्ं स्
यीशु मु् ल् स्ए ्, वह्ं स् द ्। णब मै पथृ ी क् छोर स् द ्, पट् री मे
य्
स्् मे, और मैन् दख् क म् वश सप मु् पु ्र वत करन् क् लए म् ्र
आय, तब, पलक ्पकत् ही और यीशु क् आदश् स्, मनै ् अपन् आप को अपन
शरीर मे प्

यीशु म् वश सप क् प त ण्ण् आग्र त ् च ह त ् ् ्।
णब पहली ब ऐस् हआ तो मै चं तत, उप त त और अपन् शरीर मे समय पर
व पस आन् क् लए चं तत ्त णक म ् वश सप क् लए उपलब्ध हो
सक्
णब वह मु् णन्् चहत् ््।

और मु् आज् ी होन् ््!
मै कब करत् हं क म् शरीर मे आन् मे ज् समय नहीं ् ् णब वश सप
म् बस पर म् इं ्र कर रह् ्।
ल णक न अ स्र यीशु न् मी आ्ा को म् शरीर मे व पस ल न् क् लए णब्ब् ्ी
नहीं की होती, तो मै कब करन् व्ा की आप क् णटकर व र रो करत,्
क्योंक म् प्य यीशु को छो्न् क् ्, म् सव च ज्ञा, य् म्
वकल्
वश सप की आज्ञ क् ीन होन।्
मैन् यीशु स् कह: "मै अपन् वश सप क् पण् रह् हं ्ो मु् आग्र त
क् लए बुल है, ल णक न ण्ैस् ही वह चल् र, मै णलही अपन् ण पय क् प
ण्णौट्ंर।
कृपय् मु् लंब् इं ्र न करए।"्

ण कसी भी तरह स्, मु्् सम्र् क् ण लए यीशु को मी आ्््् स् ब करन् की आवशकत् नहीं ्््ो ।

पककक् लए यह म् दम मे संचकरत् है, इसन् मु्् सी् सम्
क म् लए इसक् क्मतलब है। ओह! णब हम स्् होत् है तो
हम एक द्सर् को ण कतन् सम्त् है!

इस प् क् बौत दक संच सस् यीशु सं को समझ त् है, बहत त्ण है। पलक
्पकत् ही कई उद्त च े सीखी ण्् सकती है - आपण्ीवन भर कत बे
पढकर तन् सीख सकत् है, उसस् कहीं अ क।

यह संच इतन् ऊँच् और उद्त है क मव बुत दक् लए शबों मे वह सब क
करन् असंभव है ्ो एक आ््् इस प् पकर्नीहै।

सण्र ण ।

ओह! यीशु कतन् बुत द्म और सरल शक क है!

पलक ्पकत् ही वह बहत कुछ सीख ण््त् है ्ो द्सर् कई व्् मे नहीं
सीख प्एंर्।

ऐस् इस लए है कों क पृथी क् सीक् पअपन् वज को सं्ण् त
क र
न ् की शत कनहीं है।

न ही व् अपन् श््ों क् ध बन् ्कऔर प स क् रख सकत् ह।ै

ण्ीसस क् तरीक् इतन् ुर, कोमल और द लु है क्ण्ैस् ही
आ््् को पत् चलत् है,

- वह उसक् प त आक ष त महसकरती है; और

-वह कल उसक् पीछ् त्ण र त स् दौ्् सकत् है।

इस् सण कए ण बन्, आ््् अपन् आप को उसमे इस तरह बदल ली है
ण क वह अपन् और दैवीय स क् बीच अंतर नहीं करपी है।

पर रवत क् इस मे आ््् क्सीखती ह,ै इसक् ्न् कौन कर
सकत् ह।ै

इसक् ण ््न ण कय् ण्् सकत् है

- कल यीशु ओ . द्

-एक आ्््् स् ्ो अपन् ्ीवन क् दौन् इस पर रवत स् रर ्ोप्ा
मण हम् की त स णत म े प ह ं च ई है।

आ्््् भल् ही अपन् शरीर मे लौट आए

- ण दवपक प ण कय् और

- वह पी तरह स् भरवन मे लीन महस करत् ्््,्

उस् यह कहन् मे मुत होरी ण क णब आप अपन् शरीर मे लौटत् है, तो आपको कैस् लगत् है, सबस् अंण ््र् अंण ्र् मे ण स स्या।

उनक् पय स कण ठन और अप्ण्् होत्, यण द पी तरह असंभव नहीं होत्। उद्हर क् ण लए, एक णन्स् अंण ््की कल्प करे, ्ो एक ण दन अचक
द्खन् की शत कपक्रहे औरण्ो ् समय मे, ह््् र्ण क् म स ््््ो््
य त् करत् है और सबस् अद्भुत ण च े द्खत् है: खण ण , वर और ण पो्, ण्न बंदीद आकीय ण ण ोरी। ण सतों की
।

और म लीा ए ण क कुछ ण मनटों क् बाउस् व पस उसकी अां ्ी त स णत म े ल ् ण्त् है। क्वह व सक्मे उपयुक्म ् मे, ्ो उसन् द्ख्, उस् सं्ण् त क र सकत्
्् ्् ?

क्वह खुद को म ख् बन् क् ्ोत खम नहीं यण द,

उठ्एर्कसन् ्ो द्ख् उसक् संण क प ववर , वह

द् क् ण

्य्

एक ण वस्ता ण ववर द् की कोण शश कर रह् ््।

यह त स णत उ स आ ्् ्् क ् स म ह ै, ्ो पी पृथी और स्वक्र की य त् कर चुकी है औरण्ो अपन् शरीर मे लौटकर महस करती है ण क हम् अंण ्् अपन् अंण ्् प न मे लौट आय् है।

वह ब करन् क् ण ्पण दखन् स् ण रत् है।

मौन की शर ल न् क वह ह्स
पसंद करत् है, क्यों

आ्््ो उसक् शरीर मे लौटती है वह दखी और असरंत है क वह एक
कैदी की त स णत म े म ह स क र त ी ह ै।

वह अपनी सबस् बी भलई क् ि लए ण्न् च हती है और उस त्र कक्की तुलन् मे अ क दुखी है। सन् द ् क् उपयोरखो दय् है।

वह कल भरसन क् स् ए ुट होन् की इच्रखती है और अपन् ब्एं ह् स् और उन च ों क् ब् मे अवा स तरीक् स् बोलन् की कोई इच्नहीं है ण्ो उसकी मवीय और शीर रक क मत्ओं स् पर् है।

आ त ् औ र स्ला तय्ँ करन् क् ्ोत खम क् , मै अब एक और तरीक् समझत् हँ, णह् ँ तक मै कर सकत् हँ, यीशु आ् स् बकरत् है।

ण ् क आ ् अपन ् शरीर मे है, वह बच्य् युव् यीशु क् त्र कको, **य् अपन् सी पर चढ़ए ण न् की अवस ् मे दख ती है । और व् ी वचन कहत् है व् आ ् की समझ तक पहँचत् है** ।

आ्, बदल् मे, यीशु स् ब करती है।सब कुछ दो लोरों क् बीच बचीत क् रप मे होत् है।

यीशु क् शबाब दुलहै और मुत स् च य् प्ँच शबे। वह बहत कम ही लंब् समय तक बोलत् है।

यीशु क् एक सरल वचन न् मु्मे एक तीव पक उत्नण कय् और मी आ् को एक ऐस् सतस् लीन कर दय् ्ो म् हो रय्। यह एक छोटी सी ण ्र् को दखन् ्ैस् ् ्ो णली एक वश्समु् बन ण्ी ह।

य द दु नय् क् बु दम लोरयीशु क् एक सरल शबसुन सकत् है, तो व् न श तपरस् स्क्र ्, भ मत होंर्, और यह ण्नन् मे ् होंर् क र्र असम् क् उतर ण दय् ्ए। णब यीशु ण कसी प्ी क् सन् एक सतपकट करन् च हत् है, तो वह उस प्ी की बु दक् लए उपयुक्म ् क् पयोरकरत् है। यीशु क् वचनों को अन्लोरों तक पहँच् मे सक म होन् क् लए वश् शबे की तलश करन् आवशक नहीं है।

हम उसक् अपन् शबों क् उपयोर कर सकत् है।

द्सरी ओर, आ् तब श म द् होती है णब वह बौ दक सचं क् म स सीखी रई सच्इयों को मौ खकपरस् द्सरों को बत् की को शश करती है। यीश मव स्भक् अनुक्है। अपन् शबे को चुनकर, वह प्आ् की

भ ् और क मत्ओं को अपन्है। म् ण लए, छोट् प् ्ी, मै भटकन् क् ्ोत खम
उठ्एण बन् इनण वचों को द्सरों तक पय्ुप्न्स् संण्त न ह ी ं क र स क
त ।्

संक मे, यीशु एक बहत ही बुद्धम और पण तभ शीण शक क क्परमे क्
करत् है, । सक् पसभी ण वज ों मे श ् ज है।
छत द् सम्ी और बोली ण्न् वी भ् ् क् पयोरकरे और ्ै स् ही वह
वैज णन क स तकी तल श करत् है, स्वं को सम्रण ् वह
सरवहै। अप्हल् भ ् पढ्त् और । र वहण वज्ण्ो वह संव द
करन् च हत् है।

यीशु, ्ो सभी अच्छ्ई और ज है, ् की क ं को अपन्है त णक
आ्व्ककक्ण तरस्य्अपम न मतओ
करे।
अज ी को ्ो सीखन् च हत् है, वह श्ण्ीवन पक्रक्ण लए
आवश्क सत ण सरवहै।
और ण वद को वह अपन् सतें को अ कण वसृत तरीक् स् संण्त क र त ्
ह ै,
उसक् एकम उद्शउसक् सतको ण्नन,् उसकी सहन् करन् और ण
कसी को भी वंण चत नहीं करन् है।

<u>एक और तरीक् ो यीशु आ्ा् ् को उसक् सतें को समझन ् क्</u>
<u>ण लए उपयोर करत् है,</u> <u>वह है उसक्</u>
<u>स मे भीदी क म्म स्</u> ।

हम ण्नत् है ण क परम्म न ् स ंस क ो श स्ब्,और उसक् वचन स् सब
कुछ अत स्तमे आय्। । र, ्ैस् ण क अनंत क्स् द्ख् स्् ््, सण
् को सृण कत््् क् एक अन्सव शत का
वचन द् ठहय्् स्् ्््।
इस प्, णब यीशु एक आ्् को अपनजीवन की बकरत् ह,ै तो, उसी
क् मे, वह इस सतको आ् ् मे द्त् है।
णल

यण द वह च हती है ण क आ््् उसकी सदंरुत् स् पकर,् तो वह उसस् ्छती ह:ै

"क्आप ण्ेन्न् च हत् है ि क मै ि कतनी सुंदर हँ? ह्ेॉँ क आपकी आँखे पृथ्वी और आक्मे ि बखरी हई सभी सुंदर ि च ों को स्ैना करती है, आप कभी भी सुंदरत् की तुलन् नहीं द्ख प्एंर्। खद क् ि लए"।

णब्ा्ीसस उस् यह बत् है, तो ् को लस्त् है ॥ क कोई परम््
आ्उसमपव श कर रह् है।

और वह उसक् करीब रहन् च हती है क्योंं ॥ क वह उसकी सुंदरत् स् आक॥
ष त होती है ्ो सभी सुंदरत् को प करती है। स्् ही, वह की सुंदर ॥ च ों
क् ॥ लए सभी इच्खो द्त् है

पृथ्वी, क्योंं ॥ क य् ॥ च े ॥ कतनी भी सुंदर और कीमती क्यों न हों, यीशु और इन
॥ च ों क् बीच अनंत अंतर द्खती है। इस प् वह खुद को भस्व न को द्त् है और
उसम
बदल ण्त् ह।ै

वह लत् उसक् ब् मे सोचती है क्योंं ॥ क वह सब उसस् आच्ण्द त ह ै,
उसस् प करती है, उसक् द् पव श करती है। और अस् भस्व न न् कोई
चमत्नाहीं ॥ कय,्
तो आ््् ्ीन् बदं कर दी: उसक् ॥ दल यीशु
की सदंरुत् को दख्त् हए
शुद्पमे बदल ण्एर् और वह उसकी सदंरुत् क् आनदं ल न् क् ॥ लए उसकी
ओर उ्न् चही।

ह्ँ ॥ क मैन् इन सभी भ्ाओं को महस्ा ॥ कय् ह,ै । समे यीशु
की सदंरुत् क्
चुंबकत्ाभी श णम ल ह ै, मु्् नहीं पत् ॥
क इन ॥ च ों क् ॥ ्न कस्ै ॥ कय्
ण्ए। म् शब्कल खब् ॥ ववर द् सकत् है। ह् ॥ क, म््ु यह सी्
करन् होर् ॥ क मु्मे एक अलौ॥ कक छप बनी हई है ्ो म् ॥
दम को इन व स॥ वकत्ओं क् प्ा करती है।

म् सबस् दय लु ्ीसस की तुलन् मे, पृथ्वी की हर ख बसत ॥ चीत्क् स्ा् एक त्
की तरह ग॥ की ण्त ी है। इस॥ लए मै सभी र क स ुद र रयों को बकवस य्
स्स
ख ल-कक्परमे मन् लर्। मैन् ्ीसस की सुंदरत् क् ब् मे, स्् ही
उनकी प॥ वतत्, उनकी अच्छ्ई, उनकी ्री और ईश र क् अन्सभी रर ं
और रर ं क्
ब् मे ्ो कह् है, क्योंं ॥ क णब वह आ््् स् ब्करत् ह,ै तोवह अपन् र्रोको
अपन् र्रोक्परमे भी बत् है।

एक ॥ दन यीशु न् मु्स् कह: "क्तुम द्खत् हो ॥ क मै ॥ कतन् शुद्हूँ? म

तुममे भी वह पा वतत् च हत् हँ"। मु्् लर् क इन शबें क् स्् यीशु न् म्मे
अपनी पा वतत् क् संच कय् और मै ऐस् ्ीन् लर् ्स् म् पाशरीर ही नही
है। उनकी पा वतत् की दवांण स् मु्् नींद और नश् क् अनुभव हआ।

म् शरीर, ्ो अब अपनी पा वतत् मे भ ल्स्ह्् बहत सरल हो स्या् यीशु

क् और अशुद्ध क् प त उसकी ृ न् मु् इस हद तक णक लय् क, अरर मु् द स् भी कोई अशुदत् दखई द्ती, तो म् प उली क् तीव
पकर ो्ं क् स्् ण व््ोह कर द्त्।

संक मे, स आ््् स् परम न् प वतत् की बकी, वह पी तरह स् प्र््ंतर रत हो ई है। वह कल यीशु मे रहती है और क्करती है, क्यों क उसन् उसमे अपन् स ््यी नव स स ्् पत कय् ह।ै

मु्् यहॅ इस बपर रेर द् च णह ए कण्ो मनै ् यीशु की सदंरुऔर प वतत्
क् ब् मे कह् है, औरण्ो मु्मे प्र््ंतर रत हआ है, वह एक मस नकटन है, क्यों क मवीय क मत् और बु दमवीय भ् मे ककरन् मे असम् है ्ो उदत् और दवै।

इस तरह म् लए अपन् अचआदमी की प वतत्, सुंदरत् और अनरोऔर दैवीय ररोक् ब् मे ्ो ण ्र ्एं ह,ै उनक् अचीतरह स् ्न करन् असभवं ह।ै

समय-समय पर यीशु न् मी आ््् स् सव दं कय।्

ईश र क् ररोऔर रर्ं मे भ लन् ंछनीय है ण क यीशु ् को इस कतन् तरह क् तरीक् स् संव द करत् है! आ््

म् लए, मै इस तरह क् संच क् एक स्ण ्र क् बदल् मे म ्द् सब कछु द््ंर, सस् आ््
उसक् पआती है और स् क् स््तों और सतों ं क्प्र म
दवा च ों की सम् मे ल्ण््त् है।

यीशु न् आ्् स् बकरन ्क् एक और तरीक् दल स् दल क् संच क्््म स् ण कय् है।

और च्् क आ्् यीशु क् हदय की म खी ह,ै इस लए परम क ो स ब स ब् सुख पद करन् क् लए यह हम बहत प स न्त ै

आंतर रकप्रस, यीशु आम् कर रह् है, ल ण न व ् हदय की अंतररंरशर मे हम सतक् रहत् है ण्ै स् ही दो दल वलीन हो ् है और एक हो ् है, यह णत णत
ण बन् एक शबक् ् को उसक् क्
आ्् कीयद दल है।

आ््

् क् भीतर

खुद को सम्न् क् ि लए, उसक् ि लए एक स्ण ्र इश् करन् क् ्ी ह।ै दस्ूर्

शब्दों मे, ऐस् शब्दों क् पयोरकरे ्ो ि दल को सुन्ई द्।

आ्््् स् बकरन् क् यह तरीक्, ्ो यीशु को हदय क् परम सीबन्है, तब होत् है णब उसन् आ््् की ि दश् ल् ली हो। यि द वह उस् अपन् क्ो ंक् पा मे कमी द्खत् है य् लावी क् ि ् य्हैं, तो वह उसकी सृा त कोण्ीर् स् ा र्करक् उस् णत्् है।

यि द वह उस् ि चं तत, उद्स,ण्ीर्- ्ीर् आर् बढत् हए, द मे कमी य् इस तरह की ि च ों को द्खत् है, तो वह उस् णट् लत्् है।

उसक् वचन आ््् क् ि लए परम पर अ क धका ि त करन् और उसकी
पि वत इच्काको प् करन् क् ि लए णली स् अपन् आप मे लौटन् क् ि लए प्थ्प्

यह््ं मै उन अनुगहों क् इस ि वव को
ण्री रखन् च हत् हं ्ो म् सबस् दय लु यीशु न् उदल क मु््, अपन् अंि तम सकों को, म् ्ीवन क् लम्र16 व््
क् दौन्, उस ि स् शुकरत् हए, णब मैन् दत क् ि लए तैयी करन् क् पसा रख्््, ण्री रखन् च हत् ह। ि कसमस पर,
अवत क् मह रहसों पर
एक ण दन मे नौ धक् स्।

णब मैन् इस प् ण्ुि लि प को ि लखन् शुर कय,

तो म् ि वश सप मु्स
ण मलन् आय् और इस नोवन् क् ब् मे, मैन् उसस् कह्: "तो मैन् धक् दसर् ्ट् ि कय, र एक ि तहई् नौ तक, स् मै चपच पु पकरत् हं त णक ऐ स ् न ह ो
उब्ऊ होन्"।

ह््ाँ क, उनोंन् मु्् सब कुछ ि वस्स् ि लखन् क् आद्श ि दय्। इसि लए मु््
आर् क् पन करन् है, यह्ं तक ण क अपन् तक् क् ण वरद भी। इसक् ब् म अब और ण चंत् ण कए ण बन् और यीशु पर भरोस् करत् हए, मै अपन् ण ्न को ण्री रखत् हं ि क यीशु न् म््ु इस नौव न् क् दौन् कअनभवु कय््।

द्सर् धास्, मै णली स् तीसर् पर चल् स्य्।
इस धकी शुरआात मे, म् भीतर की आव्ण सुनी रई और मु्स् कहः्

"मी बटी, अपन् ण सर मी
म् वह्◌ॅ है।

ँकी रोद मे रखो और मी छोटी मवत् क् ध्यानकरो ◌ो

द्खो, ण य ं क प ण त म् पसचमुच मु◌् ख् ण्त् ह।ै म् पकी अप आ ग, मी ण दलाक् पक् सर मु◌् ख् कर द्त् है और सभी सीमओं स् पर् हो ण्त् ह।ै और इस लए म् पसभी पी ढयों को कवर करत् ह।ै

मै भी उसी पक् दीव न् हँ। क्आप ण्नत् है क म् श्ता प क ख् ण्न् च हत् है? व् सभी आ◌्एं ह!ै मी ब टी, म् पसभी सतुं◌् होर् णब उसन् उन सभी को ख् लय् होर्। च्ं क मै ईश र हं, इस लए मु◌् आन् वी, आन् वीय् अत स्तामे आन् वीहर आ◌् को स्ल् लकर भर न स् क् करन् च ण ए, क्यों क म् पमु◌् त नहीं द् अरर मै कल एक को श्◌ छो◌् द◌्ं।

ह्◌ॅ, मी ब टी, मी म्◌ॅ क् स्म् मे द्खो और मी नव-क त ला मवत् पर अपनी नरर रखो। वह्ॅ तमु अपनी आ◌् को म् बस्ल मे र भ त पओर्, म् पकी लपटों स् ण ृरी हई हो। य् लपटे कल तब ही बु◌्री णब व् तु◌् भसकर देरी, त् म् स्◌्!

मै तुमस् कतन् पकरत् ◌्, मै तुमस् पकरत् हँ और मै तुमे हम् प ◌्क्रत् रहँर्!"

इन शब्दों को सुनकर, मै ऐस् हो स्य् मो यीशु क् इस स् प्पो ण्ब स्य्, और मु◌् नहीं पत् होत् ण क कैस् णवब द्◌् अरर एक आंतर रक आव्ण न् मु◌् नहीं ण हल् और मु◌्स् कह्: "मी बटी, यह म् पकी तुलन् मे कुछ भी नहीं है कर सकत् है..

म् करीब आओ, अपन् ह्◌् मी पी म्ॅ को द् दो, त ण त ुम उ स क ् स्म् क् बहत करीब हो सको। और एक ही समय मे अभी भी मी छोटी मवत् पर, अनंत क क् लए आ◌्ओं को स्म् ण ◌् करन् क् लए नयत कय् स्य् ह।ै इसस् तमु े म् पकी चौ◌्ी स्तीनार ध्यानकरन् क् अवसर मल्◌्।"

मी ब टी, अरर तुम म् भ पस् म् अ भनय पमे ण्न् च हती हो, तो तुम मु◌् पी◌् क् अ◌्ह रस्ल मे पओर्। वच करे क म्मु स्म् ण ◌्

करन्

वीप्आ्््् अपन् पें, अपनी क ोर रयों और अपन् ्गुन क् भ मु् पर
उठ्ती है।

म् प्पमु्् हर एक क् भ ढोन् क् लए पर त क र त ् ह ै, क्योंकि क, उसकी आ्््् को मु्मे ण ््र करन् क् ब, मन् ै उस पश त और क
त्ण त ् क ी भ ी
कलन् की है ्ो उस् म् ण पत् को दी होरी। स््् ही, अरर उस समय म् पैशन की भी कलन् की स्ई ्््ी, तो आश य च कत न हों।

मु्् मी ँक् स्म् मे पओ
म् द्खो और तुम
र्ण क मैवह्

ँ कतन् क् मे रहत् हँ। क

््ंटों क् मुकुट स् ृर् म् ट् स लनो को द्खो, ्ो मी त्ल् को बहमी स् छदत् है, मु्् स्म् आँसुओं की न दय््ँ बह्त् है।

ह््ँ, मु् पर दय् करक् आर् बढो और अपन् खली ह्््ो्ं स् म् आँसुओं को सुख्ओ।

"क््टों क् यह मकद्ु मी ब टी, एक ् मकद्ु क् अल्और कछु नहीं है ्ो ण्व म् लए बुर् वचों स् बुनत् है ्ो उनक् दम मे भ्रत् है।
अते य् वच मु्् कतनी ्त् स् छदत् है - नौ महीन् क् लंब्
ज ण भ्ास

और मो इतन् ही क््ी नहीं ््, व् म् ह््ो्् ं और म् परौ ं को स्ली पर चढ्

द्त् है, त णक इ न ।ु ण यों क् ण लए ईश रीय स्नांतु् ् हो, ्ो ण वकृत तरीक् स्
घा् है, ्ो सभी प् क् अ्नकारत् है और अपन् लक् ण लए अ ण वे तरीक् अपन
है।

इस अवस ््् मे म् ण लए एक ह्, एक उरं ली य् एक परै भी ण हल न् सभवं नही
है। मै र तहीन रहत् हं, य् तो उस ् सी पर चढन् क् ण ्ो मै पी ण त हं य्
उस छोटी सी णस्र क् ण ्। समे मै खुद को प्हं।

और मै इस सी पर चढ्ए ण््न् क् दौन् नौ महीन् तक ण्ी ण वत रह्!

आप ण््नत् है, मी ब टी, कों ण क व् क््ंटों और सी पर चढन् क् त्ण्

है हर पल मु्मे नवीकत?

यह है ण क मवत् कभी भी ्। ्इनों की कल्ल करन् बदं नहीं करती है,
ण्ो क््ंट् य् न ख की तरह लत् म् मं ण दरों, म्
ह््््ो््ं और म् पैरों को छदती है "।

इस प् यीशु न् यह बत् प्रभ् मे ी रख् ण क उसकी ननी मवत् न् अपनी म्ुँ क् क्-क् सह्।

मै बहत लंब् न होन् क् ण लए र र क्योंरे क म् ण दल मे वह सब कुछ बत् क् स हस नहीं है ो यीशु न् हम् पक् ण लए सह्।

और मै मदद नहीं कर सक् ल णक न आ ँस ुओ ं क ी ए क न द ी ब ह ् द ी । ह ् ँ ण क,
उसन् मु् ण हल्और क ोर स्स मे म् ण दल मे मु्स् कह:

"मी ब टी, मै तुम्मे च ल् करन् और तुम्मे वह प पस द् क् इं ण र नहीं कर सकत् ो तुमन् मु् ण दय्।

ल णक न म ै अ भ ी भ ी ऐ स ् न ह ी ं क र स क त ्,
क्योंण क्ैस् ण क आप द्ख सकत् है, मै इस णरू मे बंद हं ो मु् नीच् रखत् है।

मै आपक् पआन् च हत् हं, ल णक न म ै न ह ी ं आ स क त ् क्योंण क मै अभी चल नहीं सकत्।

म् पीण त पक् पहल् बच्, मु् च्म् क् ण लए अक्र आन।

ब मे, णब मै अपनी म्ुँ क् रभ् स् बहर आऊँ, तो मै तुम् प आऊँ तुम चन् और तुम्स् रहन् क् ण लए"।

अपनी कलन् मे, मैन् उसकी म्ुँ क् रभ् मे उसक् स् रहन् और उस् चन् और उस् अपन् ण दल स् पकन् की कलन्की।

अपन् दु:ख मे उनोंन् एक ब ण र मु् अपनी आव्ण सुन्ई और मु्स् कह्: "मी ब टी, अभी क् ण लए इतन् ही क्ो है।

अब ण्ओ म् पकी प्ँचवीं अण त क् धकरन् क् ण लए, ो ठुकर्ए ण्न् पर भी न तो पीछ् हट् और न हीर्।

बत , यह सब कछु प कर ण्एर् ् और आर् बढन् णी रख।

अपन् पकी प्ँचवीं अ कत् पर धकरन् क् ण लए यीशु क् आहको सनकर मैन् अपन् ण दल क् कको उसकी कण ोर आव्ण सुनन् क् ण लए कह्

ण्ो मु्् म् अंदर बत् रही है:

"धद्े ॥ क्ा्ैस् ही मै अपनी म््ँ क् रूम् मे रूमती हई, मैन् रूम् ण ण कय् ्र

एक ही समय मे सब मनु्ो्ं पर अनुगह करे, ॥ क व् मी न्ई बु दऔर सच्ई म बढत् ण्ए्ं।

यही ॥ ् ्ॊ क मै उनकी कंपनी स् पकरत् हं, मै उनक् स्् पक् ॥ नरतरं प च मे रहन् च हत् हं, और अक मै उनक् ॥ लए अपन् ॥ दलकश पको पकट करत् हं।

"उनक् स््् मै लत् पकी पसरकत् मे रहन् च हत् हं और हर ॥ दन अपन् सुख और दुख स् ् करन् च हत् हं। मै च हत् हं ॥ क व् यह पहचे ॥ क स् स् पृथी पर आन् क् एकमा ॥ ् नेखुश करन् है।

और एक छोट् भई क् रूपमे, मै उनक् और एक-द्सर् क् स््् रहन् च हत् हं त णक उनकी अची भ्ओं और उनक् पको इकट् ॥ कय् ण्् सक्।

मै उनमे स् प्के अपन् ् और अपन् र् वपसद् चहत् हं, यह्ं तक ॥ क सबस् ब् ब ॥ लद की कीमत पर भी: उनक् ््ीवन क् ॥ लए मी मृतु।

संक मे, मै उनक् स््् खलन् चहत् हं और उने चुंबन और पण््् दुल् क् स््् कवर करन् चहत् हं।

"ह्् ॥ क, म् पक् बदल् म्े दभ्ु्स् मै कल दद् कत् ह।ं व सवमेएस् लोरह ण्ो म् शबों को अची इच्क् ॥ बन् सुनत् है, ्ो मी कंपनी स् ॥ ् ्् करत् है, ्ो म् प्म् खुद को अलरकरत् है, ््ो मु्स् बचन् की को ॥ शश करत् है य् ््ो बहर् खलत् है।

इसस् भी बदतर, ऐस् लोरहै ््ो ॥ तरस्और ल्द्त् है।

प्को म् ् य् म् र् मे कोई दलचसी नहीं है; व् उद्सीनत् स् म् चुंबन और आ ॥ लंस पक्रहै।

मु्् उनक् स्् ््ो आनंद महसकरन् च ण ए , वह मौन और असीक ॥ त मे बदल ण्त् ह।ै

अन्त अ क संख्य मे, मु उनक् लए अपन् पको पचुर म् मे आँसुओं मे उंण्लन् क् लए कहत् है, ो म् दल क् लए एक सभ णव क प र र म क् प्रश्रमे ककरत् है ो इतन् तरस्त और को त है।

"तो, णबा क मै उनमे स् हूँ, मै अभी भी अक् हूँ।

उनक् पर रतस् उला यह ब अक ला कतन् भी है। व् म् दल की सभी पुो पर एक बहर् क लत् है!

व् म् पक् हर स् को बंद कर द्त् है।

मै हम् अक्, उद्स और चुप रहत् हूँ !

ओह! मी बटी, मु इस ंत मे न र म् पक् ण लए मु चुक् दो! **मुझ** एक् छो क

आपस् बकरन् और मी शक ओं को धस् सुनन् की अन मा त दे।

- ण्नो क मै शक कों क् सीहं।

-अरर आप मी बसनन् च हत् ह, तो आप बहत कछुसीखरे

स् ाँ, ही, आप मु रोन् बंद करन् और मी उपत स णत क आ न ंद त न म ो म द द

करेर्।

बतओ, क्तमु म् स् ख लन् च होर?"

र मैन् यीशु क् सा आ सम्प् कर दय् और अपनी इच्छाक्की मै हम्ा उसक् प त क रहूँ और उस् कोमलत् और कर स् पकरं द्

ल णक न , म् स् आनत न्त होन् की इच्छक् प , वह ण न् कसी **हत् क् अक् रह रय् ।**

ण्स ही मैन् अपन् प्ँचव्ँ ट् ध्यो बत् आंतर रक आव्ण न् मु स्

कह्: "बस हो स्य्। अब म् पकी छठी सीना पर ध्यकरो।"

"मी ब टी, मी त् तम हो! म् प आओ अंतरर स् और मी पी म्

ँ स् प्््   ्न्
क
रो
ण
क

वह तुम्मेअपन् स्म् मे एक छोट् स् स ््न द,् त णक त ु म द ् ख

सको ण क मै ण कस अवस ्््मे हूँ।"

मैन् सोच्््् ण क मी म्ँ मर य ् म ु ् ् अ प न ् प म े प्और ण मलनस यीशु क्
स्््श णम ल क र क ् म ु ् ् अ प न ् ब ह त सह ण दख् च हती है। मैन् कल् की ण क
मै उसक् रम् मे अपनी तरह क् ्ीसस क् बहत करीब ्््। ल णक न अ

ं ण ्र
् बहत
ब् ्््, इस ण लए म् ण लए उसकी ण वस्त ओं को दख्न् असभवं ््

् और कल उसक् पकी स््ंस की रम् को महस कर सकत््््।
मै

म् अद

र उसन् मझ

स् कह्:

"मी ब टी, म् पकी अ कत् की एक और अ भव क्पर ध्यान्ओ। मै स्त

पक्हं और म् ब हर कोई ऐस् पक नहीं है ्ो उ बल हो।

स्अपन् सभी वैभव क् स्््म् स्त पकक् बरल मे कल एक छ्हे। ह््ँ क,

यह पी तरह स् ग ण है

- णब, ण्ण यों क् पक् ण लए,

-मैन् मव स्थमको अपन्ा
क्तुम उस अंण ्ारी ण्ाल
को द्ख रह् हो।
समे पन् मुझ् पहँच्हि?

ह्ाँ, यह ्ण ्ाेक ्पक्ा
लए ्ाा ्ा क मैन् खदु
को इस कम तक सी्ा मत
कर ्ा लय् और पक्की
कुछ ्ा कर ्ोां क् बम्ै
आपकी पतीक् ् कर

रह् ाा। मै ब् ्र अँण ्ाा मे स् स् इंतज कर रह् ्, एक त् ण बन् त् य् आम्

क्, ्ा स ि्ना्ो अभी तक पकट नहीं हई ाा्ी।

"मैन् वह्ाां ्ा कतन् क् सह्! इस ण्ल की सकरीं दीवों न् म्ुा ्ा हलन्- ्लनु क्ा लए णरू नहीं दी और मुझ् भय नक पीड़ा् हई।

पक की कमी

- मुझ् द्खन् स् रोक् और मी स्ांसे रोक लीं,

-एक स्ासं ण्ो मुझ् अपनी म् ां की स्ास स् ्ीर्- ्ीर् पकड़ी ्ा।्ी

आपको पत् है ण क

- ््ो मु्् इस ण््ल मे ल्

-ण कसन् मी रोशनी छीन ली और मु्स् मी स््ंसों क् ण लए ल्ई ली?

यह वह प है ््ो मै उन ण्ण यों क् ण लए महस करत् हं ््ो अपन् पों क् अंण ््र् क् स्म् करत् है। उनक् हर स्म् ण लए एक त् है। मै उनक् अपश ती और कृतृ हदयों को सुनकर ृ्ुट ण्त् ह।ं व् अणं ्र ् की एक अ््ह रस्ल पद्ै करत् है ््ो म््ु परं बन् दती हा।ै

ह् म् पकी अ कत्, तुमन् मु्् पक्की पर रण्ण््त् स् शुर कय् त णक म ु् ् सबस् अंण ््री त् मे एक सं ण क्किम मे ल् ण्् सक् ््ो म् ण दल की स्तत् को न् कर द्त् है»।

यह कहत् हए, यीशु णस्र की कमी क् ण ््ि क् ण लए, मै उस् अपन् पक् म स्कुछ्क्ह्ा ््।

अपनी पी्््् क् म स् उनोंन् मु्् अपनी ण ्ुर आव्ण सुनई और मु्स् कह्:

"अभी क् ण लए इतन् ही क््ी है, चलो म् पक् स् अ तर रक्पर चलत् है।"

यीशु न् आर् कह्: "मी ब टी, मु्् इतन् एक््त और अणं ््र् मे मत छो््ो! मी

म्ँ क् रभ्को मत छो््ो और म् पक् सवे स ््न

पर स्क ण्ओ ।धस् सुनो:

"मै अपन् ण पत् क् स्म् मे पी तरह स् खुश ््। कोई सप ंत नहीं ््ी

ण्ो म् प नहीं ्््: आनद् आनद् आ द। स्व् ्तों न् मु्् सबस् बी: पण् ््क्
पं्् ण दय् और मी हर इच्छाक् प त चौकस रह्। ल णक न त क् ण लए म्
म व ण्णपकी अ कत् न्
मु्् अपनी त स णत ब द ल द ी।

मैन् अपन् आप को इन सुखों, इन आनंदों और इन ण दववसुओं स् अपन् आप

को ण य ों क ी द ुब्बाओं को ढकनँ ् क् ण लए, अपन् स्था स ुख , अपन् आनदं और अपन् ण दव्लों को ल न् क् ण लए छीन ण लय् है।

"यह आद-पद म् ण लए आस होत् अरर मै मनु ्म्ये सबस् कसबस् कठोर ण ृ ् ू नहीं पा

ी क ृतृत ् औ र

ओह! ऐसी कृतृत् स् म् शत प ण कतन् ण नश् ् ्!

मै मनु ्की दु ्त् क् ण लए बहत दः ु ख उठत् ् हं, ्ो म् ण लए म सबस् ब् और त्ण है।

क्टों ं ्

म् छोट् स् हदय को द्खो और उसमे अन्न क् ् ंटों को ढँक दो। क्और उनस् बहन् वी रक्की न ण दयों को द्खे।

ंटों स् बन् घव

" ी ब टी, कृतृ भी मत म बनो, क्कों ण क

कृतरत् तुम्यीशु क् ण लए सबस् क ण ठन कहै। कृतरत् म् ण दल क् दरव्ण् ् को पटकन् स् भी बदतर है।

यह मु ् ् पा ण हत और ठंण् ् रखत् है।

इंस क् ण दल की ण वकृ ण त क् प ् , म्पक भी ख् नहीं होत। ्

और वह एक उचरवैय् अपन् है ्ो मु ् ् भीख म् ्ँरन् और उसक् पीछ् रहन् क् ण लए पर त क र त ् ह ै।

और यह, मी ब टी, म् पक्की आठवीं अ कत् है"।

"ब ट्, म् अक्मत छो्ो।
मी म्ँ की छती पर अपन् सर टक्ओ और तुम मी कह् और

प्न् सनु ोर्।
आप द्खेर् ण क न तो म् कह्त् है और न ही मी ् ं क् तु
प्ण यों को म् तुम्पर दय् आती है। नओ

तो तुम मु् द्खोर्, अभी भी एक बच् भखर य ो ं क ् स ब स ् स्रीब की तरह म्
ह्् पककर और दय् और आ्ओं क् लए ्ो् ् स् द म्रं् रह् हा। इस
तरह मै स्् स् णम् हए दलों को आक ष त करन् की आश् करत् हाँ।
"मी ब टी, म् दल हर कीमत पर आदमी क् दल् ीतन् च हत् है।
इस लए मैन् यह नशय कय् है क य द म् पकी स्रीं स्रीक् ब भी व्

कन ण्ेर और मु्मे और म् ्मे अपनी र च न दखे, तो मै और
आर बढ ण्ऊँर्।

इतनी कृतृत् क् बम् पंद हो ण्न् च णह ए ्् ्् । स्ः नहीं।

वह अपनी हदों स् आर् बढकर मी म््ं क् रभ् को, मी ण वनती की आव्ण, आ ंत
स् हर दल तक पहंच् च हत् है।

मव हदय क् तंतुओं को छन् क् लए, मै सबस् अ क अ
भवंक व यों,
सबस् ुर और सबस् पभी शबें क् स्- स्् सबस् अ क चलन् वी
प््न्ओं क् उपयोर करत् ह। म्न् उने बत्् ््:

« म् ्चें, मु्् अपन् दल द् दो, ्ो म् है।

्दल् मे, मै तुमे वह सब कुछ द््र् ्ो तमु च हत् हो, समे मै भी
श णम त ह ो।

अपन् दल क् संपक् मे, मै आपक् दलों को स्म् कर द््ंर्।

मै उने अपन् पकी ज्ल् मे प्र लत कर द््ंर् औश््ो स् नहीं है, उस् मै उनम
न् कर द््र्।

यह ण्न ले क मी म्क् स्म् मे द् ्र करन् क् लए स् छो्न् क् म्
लक््् क आप म् अनन् पत् क् स्म् मे पव श कर।

ओह! मी आश्ओं को ण नश् मत करो!

" ्ीवों को म् पक् वर रोकरत् और मु्स् द णत ् द्खकर, मैन् उने व पस पकन्
की को शश की।

ह्् ्ो्कर और अपनी सबस् कोमल य चन् क् स् मन् ककस मे कह
कर उने ्ीतन् की को शश की:

"तुम द्खो, म् बचें, वह छोट् भखी ्ो मै हँ, ्ो कल तुम् दलों क् द
करत् है। क् तुम नहीं सम्त् क अ भनय क् यह तरीक् म् पकी ज
तयों स् तय होत् है?"

" ्ीवों को अपन् पकी ओर आक षत करन् क् लए, नम््त् न् एक छोट् बच्क्पण ्र कय् त ण भ य भ ी त न ह ो ।

णब वह द्खत् है क प् ्ी अ ्यल और दी है और उसक् अनुरोको नहीं मत् है, तो वा्ोर द्त् है, वलकरत् है और रोत् है।

क्यह आपको कर ्् की ओर नहीं ल् ण््त् है? क्इसन् आपक् दल को नरम नहीं कय्?

"मी ब टी, ऐस् नहीं लस् क सम्द ण य ों न् अ प न् दम खो दय् है।

णब क उने म् दवकी लपटों स् अ भ त और स्होन् मे आन न होन् च ण ए , व् अपन् आप को अलरकरन् की को शश करत् है, ्ो उने अनंत क
तक रोन् क् लए नकीय अ ् कत् मे ल् ण् मे सक म पशु पकी तल श म ण्त् ह।ै "

यीशु क् इन वचनों पर, मै उल्् हआ महसकर रह् ् ् ् ् । मै भयभीत हआ।

मै मनु्ों की कृतृत् और उसक् शत पर र ों क्पकईक् ब् ्मे सोचकर क्् ्प उठ्।

और, णब मै इन वचों मे ण््ब् हआ ् , म् दल मे यीशु की आव्ण र ्स् सुन्ई दी:

"और तुम, मी ब टी, क्तुम मु्् अपन् दल नहीं द् च हती?

क्मुझ् रोन् च णहए, शकर करनी च णह ए औ र त ु म् ँरनी पकी भीख म्
च णहए?"

णब यीशु न् मु्् यह बत् तो म् हृदय उसक् लए एक अ नवचनीय कोमलत् स् भर स्।

और एकग्ी वत पक् स् ् छटपट्हट पहल् कभी महसनहीं हई, मै कहत् हं:

"म् प् यीशु, वह अब नहीं रोती।

ह््ँ ह्ँ! मै तमु े न कल अपन् दल दत् ह, ब ् मै खदु को भी दत् ह।

मै आपको सब कुछ द् मे संकोच नहीं करत्।

लणक न म ् उ प ह क ो औ र अ ा क सुंदर बन् क् ण लए,
मै अपन् ण दल स् वह सब कुछ ल न् च हत् हं ्ो तुम्नहीं है। तो कृपय् मु्््
अपन् ण दल को अपन् ्ैस् बन्
क् ण लए यह पभी कृप् दे, त णक आ प क ो ्यी ृर
व ह ््ं ए क त स और स ण् मल सक्।"

"मी ब टी, मी ह्त और भी दद्र हेतेण्् रही है।

यण द तुम मु्स् पकरत् हो, तो अपनी ण नह मु् पर ण टक्ए रखो, त णक
त
ु म वह सब कुछ सीख सको ्ो मै तुमेण सख्हं।

अपन् नन्य सु को उनक् आँसुओं क् ण लए और उनक् स्हर क््ो्ं क् ण लए - प
क् एक शब्एक दुल, एक स ही चबनं ु- क् ण लए एक ख द की ्शकश करे त णक
म् ण दल को पकी वपसी की भन् स् स््ंतन् ण मल सक्।

द्खो, मी ब टी, अब तक बतई ई आठ ाजायों द् व ्त् म् प क् पम््ों
को पढकर मनु्को म् सच्और उद्त पक् आर् ्ुकन् च णह ए
्् ् ्।

इसक् ण वपरीत, यह इस् बुरी तरह स् पक्हहैअमु्-कुछअ कत्
मे ल् ण्त् है, अरर यह नहीं ण मलत् है

व पस, यह म् ण लए और भी दद्र हेर।

"अब तक मनु्न् समण्ण नहीं ण कय् है। यही ण् ण क मै अपन् नौवे
अण तर रक्पक् स्् ण््री रखत् हं, ्ो ण क मनु्क् पीछ् ण््न् क् ण लए
स्म् स् बहर आन् की मी पबल इच्है। और बुरई की ढलन पर उस् रोकन्
क् ब, मै तीव इच्करत् हं उस् स्ल् लन्् क् ण लए और उस् च्म् क् ण लए - वह
म् पक्
ण लए बहत कृतृ है - उस् मी सुंदरत्, मी सच्ई और मी स्त अ च्ई स् पकरन्
क् ण लए।

«यह मह पर रण य न् मी छोटी मवत् को कम कर द्ती है, ा सन् अभी तक पक्नहीं
द्ख् है, म् ्ीवन को सम्कक्ण लए पय््पी््् की त स णत

मे। अरर मु्् मी ण दवा द् मदद और ्न नहीं ण दय् मी मवत् स्
सम् स्य,
ह्इपोसैा टक सं ृ द् आ वभ र ण न श तपरस् म् स्् यही होर, मी ण दवा
मु्् नए्ीवन क् वबती है और मी छोटी मवत् को इन नौ की ण नरंतर
पी््् क् ण वर रोकरती है। न महीनों मे वह्ीवन स्
आ क मतृ ु क् करीब
महस करती है।

"मी ब टी, म् पकी यह नौवीं आ कत् एक ण नरंतर पी््् क् अलऔर कछु
नहीं है, ्ो उस समय शुहई णब मी ण दवान् स्म् मे मवपरण ्र् र
कय,् इस प् अपन् ण दवस को ण छपा्

या द मै अपनी ण दवा को इस प् न ण छप तो मै उन ण य ों म पस्
आ क भय उला करत्, ्ो म् पक् आर् समप्ण नहीं करन् च हत्।
नौ महीन् तक वह्ँ इतजं करन् म् ण लए ण कतन् दद् भर् ््! या द मी
ण दवा न् मी मवत् को उसक् सह् और उसकी शा क नहीं दी होती, तो
ण य ों क प ण त म् पमु्् ख् ण्त्।

मी इंस णन य त ख ् ह ो
णती। मै अपन् सा कय पस् भसहो स्य् होत्। सन् मु््
अपन् ऊपश्ीवों द् आ ््त दंण क् भी भ अपन् ऊपर ल् ण लय्।

"यही ण ् ो ण ो क मी म््ँ क् स्म् मे म् ्ीवन इतन् दद्र ्: मु्् अब
्ण्ीवों स् द रहन् मे सक म महस नहीं हआ।
मै उनक् ण लए तरसत् ््् त णक ह र क ो म त प र व ् म ो णलती
हई ण ्कन
को महसकरन् क् ण लए म् सीन् मे आ ण््एं।
मै उनेअपन् कोमल और शुदस ह स् स्ल् लन्् च हत् , त णक व ् ह म ् क
््
ण लए मी संपण त क् सीबन ण्एं।

ण्न ले ण क अरर समय स् पहल् आपकी मदद नहीं की रई ््ो ्
ण दन क् ण ्ल् मे उभरन् क् ण लए,
मै पकी इस नौवीं आ कत् स् भसहो

ण्त्।

" **मुझ् रभ् मे धस् द्ख ो** । द्खो मै ॥ कतन् पील् हो रय् हं।
मी ावत आव्ण को सुनो ्ो अ। क स् अ। क
्ीकी प् ण््ती है।
मै अपन् ॥ दल की ण ्कनों को महससकरत् हं, ्ो पहल् स् ही ्ी॥ वत
््््, अब लयमरबु् रए है। मु्स् नरे न हट्ओ।

मुझ् द्ख ो , क्यें॥ क मै मर रह् हँ, ह््ँ, शुदपस् मर रह् हँ!"

इन शबें पर, मु्् यीशु क् ॥ लए पकी कमी महससहई।
और हम दोनों क् बीच एक रहर् सन््् ््् , एक क्य् सना्
मी नसों मे म् ख णम रय् और मै अब अपन् ण दल की ण ्क न को महस
नहीं कर सकत् ््््। मी स््ंस रुक ई और क्प् त् हए मै णमीन पर॥
र पा्््

म् आशय् क् ण लए मै ण ठठक रय्
"मई्ण््ीसस, लव, मई ल्ण , म्ई [redacted]मत।
मई
मै हम्तुमस् पकरूं और तुमेकभी नहीं छो््् ््््ंर, च ह् ॥ कतन् भी ब॥ लद
मु्् क्यें न द् प्।

मुझ् हम्अपन् पकी लि दो , त णक म ै ह म ् त ु म स ् पकरत्
रहं और त णक , मै। तनी णली हो सक, मु्् तुम्॥ लए पस् भसकर सक््ं,
म् श्त अ च्य "तब मु्् मर् हआ महस हआ।

यीशु पहल् स् ही हम् नश श्ीवन मे हमी इच्कीमृतुकी ओर ल् ण्न् क्
॥ लए और बमे, हमे अम्ीवन द् क् ॥ लए पैद् हए ््््।
तब यीशु न् मु्् छ्आ और मु्् उस तं््््् स् णय््॥ समे मै णब्् हआ
्््।

उसन् ्ीर् **स् मुझस् कह्** : "मी ब टी, म् पस् पु॥ ््न्उठो। मी कृप् और
म् पक् ्ीवन मे उठो। **हर ॥ च मीम् अनुकर करो।**

ण्स् ॥ क आपन् म् पकी ॥जातयों पर नौ धें क् दौन् म् स्◌् ॥ दय,◌्

म् णन्कक् इस लंब् उपन्यास म् ्ुन और मी मृत्युपर अन्य चौबीस ण वच करे, उने ण दन क् चौबीस ृंटों मे ण वतर रत करे।